He Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITI

सं० 37]

नई बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 10, 1983 (भाद्रपद 1 1905)

No. 37]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 10, 1983 (BHARA 19, 1905)

इस भाग में जिन्त पृथ्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in separate it may be filed as a separate epilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों हारा जारी की गई आस्तार के संलग्न और अधीन कार्यालयों हारा जारी की गई अधिनाएँ [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor Geral, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय
कार्मिक एंव प्रशासनिक सुधार विभाग
केन्द्रीय एन्बेषण बारो
नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1983

सं० ए०-20024/1/78-प्रशासन-5--निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री अल्ताफ हुसैन को दिनांक 6 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति पर लोक अभियोजक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो.के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री अल्ताफ हुसैन को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जयपुर शाखा में पदस्थापित किया जाता है ।

दिनांक 19 अगस्त 1983

सं ्ए-19036/18/80-प्र० 5--श्री । एस० फ्यू॰, मनुनदार, पुनित उनाबोक्षर, केन्द्रीय अनेशम ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कन्ध, कलकत्ता दिनांक्रि अगस्त, 1983 (अपराह्म) से एफ॰ आर॰ 56(के) के अधीन स्वेच्छा से सेवा-निवृत्त हो गए। दिनांक 20 स्त 1983

सं० जे० 14/65-प्रशासन स्मिसंख्यक अधिसूचना, दिनांक 31 जनवरी, 1983 के ऋमें रहेंद्रपति अपने प्रसाद से श्री जे० सी० औझा को दिनांक 1 में, 1983 से दिनांक 13 जून, 1983 तक की अवधि के लिए/दीय उनेषण ब्यूरो में स्थाना-पन्न तदर्थ उप-निधि सलाहकार/रूप मेंनियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 अगस्त 1983

सं० ए०-20023/1/3-प्रशा-5-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवम् पुलिस शिंतिरीक्षि पुलिस स्थापना एतंद्द्रारा श्री रामेण्वर हिंको दिक्त 2 अगस्त, 1983 क पूर्वीह्न से केन्द्रीय अन्वेषण/रो में प्रशियुक्ति पर लोक/प्रशिम-योजक के रूप में नियुक्त करते हैं

श्री रामेश्वर सिंह विकन्द्रीय अन्वेण व्यूरो/अधिक अपूर्ण स्कन्ध/कलकत्ता शाखा/ पदस्यापित कया जाता है।

राम स्वर्क्त नागुपाल प्रशानिक अधिकारी (स्था०) कुन्हीसभाविषण ब्यूरो

महानिदेशाय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-11003, दिनांक 20 अगस्त 1983

सं० ओ० दो०23/ -स्थापना-श्री आर० के० ओहरी, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने संघ शासित क्षेत्र में प्रत्यावर्त्तान के फलस्वरूप 0-8-83 अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बुख में उपनिदेशन (प्रोवीजिन्ग) का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक 22 अगस्त 1983

ओ० को० 1430 मिस्थापना—श्री जी० एम० पनटईया ने आन्ध्र प्रदेश पुलिस रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 12 वाहिनी, रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-5-83 (बाह्न) को त्याग दिया।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

महागिक का कार्यालय केन्द्रीय द्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-1100, दिनांक 16 अगस्त 1983

सं० ई०-380 (4)/12/83-कार्मिक—राष्ट्रपति के० औ० सु० ब० के श्री सी० घोष, निरीक्षक (अनुसचिवीय) को, 03 जन 1983 बाह्य से, अगले आदेशों तक, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, प्रश्लेव कलकत्ता का स्थानापन्न रूप में प्रशासन अधिकारी) नियुक्त करते हैं।

> सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक/के० औ० सु०ब ०

भारत के महाक्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110013-त्नांक 18 अगस्त 1983

सं० 11/50/80-प्रघ०--इस कार्यालय की तारीख 26 फरवरी, 1983 की रामसंक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भरत के हारजिस्ट्रार के कार्यालय के उप निदेशक जनगणना काय्श्री एमएम० दुआ की उसी कार्या में प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ उधार विरुठ अनुसंधान यिवकीरी (सामाजिक अध्ययन) के प पर किंति की अवधि की जारिख 31 अक्तूबर, 1983 तक य जब त पद नियमित जिधार पर मरा जाए जो भी अवधि पह हो, विकान शर्ती पर सहर्ष और वक्तते हैं।

्2. श्री दुआ का मुख्याय नई दिवे में होगा।

सं ० 10/20/81-प्रद०-I--राष्ट्रित, निम्नलिखित वरिष्ठ भूगोलीताओं को उन नामों के साथ दिशित जनगणना कार्यालयों में ऋ तारीखे से।गले आदेशो फ पटोन्नित द्वारा अस्थाई तौर मे नियमित ग्राधार पर अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :--

ऋ०स० नाम	का्र्यालय जिसमे कार्यरत है	• ,	वि हित मुख्यालय
1 2	3	4	5
सर्वश्री 1. जे०सी० श्रीवास्तव 2. जे०पी० रौत	जनगणना कार्य निदेशालय, राजस्थान जयपुर । जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल,	(पूर्वाह्न) 25-7-83	जयपुर कलकत्ता

पी० पद्मनाभा भारत के महारजिस्ट्रार

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय श्रम ब्यूरो

रिमला-171004, दिसांक 3 सितम्बर 1983 सं. 2/3/3/83-सी. पी. आई.—जुलाई, 1983 में आंडोगिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जून, 1983 के स्तर से आठ अंक बढ़ कर 541 (पांच सौ इक्तालीस रहा। जुलाई, 1983 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर पिरवर्तित किए जाने पर 658 (छ: सौ अठावन) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निदशक श्रम ब्यूरो

वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग बैक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 13 अगस्त 1983

नस्ती क्रमाक बी० एन० पी०/सी०/5/83—श्री एच० एस० रोनाड स्थायी कनिष्ठ पर्यंवेक्षक (आफसेट॰ मुद्रण) को तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपए 650-30-740-35-810-३० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह "ख" राजपितत) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में दिनांक 9-8-83 से छः माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो नियुक्त किया जाता है।

इस तदर्थ नियोजन से उनको इस पद पर यने रहने का अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्राप्त नहीं होगा । यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय विना कोई कारण बताय समाप्त की जा सकती है ।

> मु० वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-11000 दिनांक 20 अगस्त 1983

सं० सी० ए० 1/53-77—अपर उप नियंत्रक—महालेखा-परीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री के० पी० मिश्र, लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) जो कार्यालय महालेखाकार—II, मध्य प्रदेश, खालियर में कार्यरत थे, को के० सि० सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 के अधीन, दिनांक 30-6-83 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से स्वेछापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमित दे दी है।

एम० ए० सोमेश्वर राव संयुक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय र जस्व नई दिल्ली-110002, दिनांक 22 अगस्त 1983

सं० प्रशासन-1/का० आ० संख्या 222—इस कार्यालय के स्थान।पन्न लेखापरीक्षा, अधिकारी श्रां वी० पी० ढीगरा को भारत हैनी इलेक्ट्रिकल्स लि०, नई दिल्ली में दिनांक 15-3-83 से संलग्न विवरण में समाविष्ट शर्तों पर स्थायी रूप से विनियत कर लिया गया है।

इसे भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के पत्न संख्या 1841-जी० ई०-II/29-83 दिनांक 2-8-83 के द्वारा सम्प्रेषित भारत सरकार का अनुमोदन प्राप्त है।

> प्र० त्रिपाठी संयुक्त निदेशक ले० प० (प्र०)

महालेखाकार, का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद दिनांक 18 अगस्त 1983

संज्ञिशा o-I/8-132/83-84/563—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद के कार्यालय के अधीन लेखा सेत्रा के निम्नलिखित सदस्यों महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 ई० बीo-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर, उनके नाम के आगे बताई गई तारीख से जब तक आगे आदेश न दिए जाएं, नियुक्ति किये जाते हैं।

नाम	भारग्रहण तारीख		
डी० श्रीनिवास राव	10-8-83 To		
एम० वेंकट रेड्डी-2	9-8-83 чо		

यह पदोन्नित उनके विष्ठ सदों के दावे पर प्रभाव डालने वाली नहीं है तथा आन्ध्र प्रदेश उच्चक्रायालय उच्चतम न्यायालय में अनिर्णीत याचिकाओं के स्रधीनहै ।

> बी० मेसन वरिष्ठ उप-महार्लेखाकार

महालेखाकार का कार्यप्र, (1) बिहार (स्थानीय अंकेक्षण गिंग)

रांची, दिनांक 19 अग 1983

सं० एल० ए० प्रशा०— स्था० गाल (के० के० पी०)— 1490— दिनांक 31-7-82 को संशो करते हुए महालेखाकार-1 बिहार, रांची अपने कार्यालय के सीय अंकेक्षण शाखा के स्थानीय अनुभाग अधिकारी श्री राजेर प्रसाद को 4-8-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप गृहर्ष पदोन्नत करते हैं।

संवर्ग में उनकी वरीयता यथा सम् निश्चित की जाएगी।
महालेखाकार-I बिहार, रांची, अपने क्लय के स्थानीय अंकेक्षेण
शाखा के स्थायी अनुभाग अधिकारी, क्षीशल किशोर प्रसाद जो
संप्रति बिहार राज्य जल विकास नि। पटना में प्रतिनिधुक्त
हैं, को 4-8-82 (पूर्वाह्न) से अग्धादेश होने कम सहायक
लेखा परीक्षक के पद पर उसके नीचे नियमानुसार स्थानीपन्स
सहर्ष पदीन्नत रूप में करते हैं।

दे० मुखर्जी स्थ्य लेखापरीक्षक, बिहार

कार्यालय, महालेखाकार (प्रथम तांग्लनाडु, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 स्त 983

सं० स्था०-1/जी० बी०/8/84/31—श्री एस० के० महालिंगम (जन्म तारीख 15/6-193) लेखा अधिकारी, कार्यालय महा लेखाकार (द्वितीं), तिबनाडु एवं पांडिचेरी, मद्रास, दिनांक 24-7-198/मे देहां हुए ।

सी० शंकर मेनन हिलेखाकार (प्रथम) मलनाडु, मद्रास-18

महालेखाकार/ कार्यालय,उत्तर प्रदेश इलाहाबाद/दर्नाक 18 अत 1983

सं० प्रणा०-I/f-144 अपूचना/4366—-तिम्न-लिखित लेखा अधिकार्रण सेवा निवृक्ति आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-7-1 $\sqrt{3}$ अपराह्न से र निवृत्त ही गए है :—

1. श्री उदय कर स्थायी लेखाधिकारी कार्यालय महा- विखाकार-, उ० प्र०, शहाबाद ।

- 2. श्री गोपाल दार अग्रवाल, स्थायी लेखा अधिकारी, कार्यालय, महालाकार-3, उ० प्र०, इलाहाबाद ।
- श्री गोपी नाथ ग्पं, स्थायी लेखा अधिकारी कार्यालय, महालेखाकार-3उ० प्र०, इलाहाबाद।
- 4. श्री एस० ह्वीकासालकर, स्थायी लेखा अधिकारी, कार्यालय, महालेकार-1, उ० प्र० इलाहाबाद।
- 5. श्री श्री राम स्थायी लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार उ० प्र० इलाहाबाद ।

एस० जे० एस० आहल्वालिया वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्र०)

केन्द्रीय राजानियंत्रण प्रयोगशाला नई दिल्ली-1102, दिनांक 17 अगस्त 1983

पं० 6/1983—श्रीरि० एस० धामा, रसायन सहायक ग्रेड-1 केन्द्रीय राजस्व निण प्रयोगशाला, नई दिल्ली को दिनाक 16 जुलाई, 1983 (पूत्र से आगामी आदेशों के जारी होने तक सीमा शुल्क गृह प्रयोगशाकलकत्ता मे सहायक रसायन परीक्षक के पद पर सामयिक रूप (प्रोविजनली) नियुक्त किया गया गया है।

केशव प्रसाद मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

रध्मंत्रालय

भारतीय अन्स फैक्टरियां सेवा आर्डनेन्फैक्ट्री बोर्ड

कलकत्ता-16, देऽ 16 अगस्त 1983

सं० 35/जी०/83—र्भि निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री एन० सी० संरक्र, ग़यक वर्क्स मनेजर दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 (अपक्त): सेवा निवृत्त हुए।

> वीं कें० मेहता निदेशक

वाण्यि मंत्रध

मुख्य नियंत्रक, आय एवं निभ् का कार्यालय नई दिल्ली, दिक 8 अग 1983 आयात एवं निथ व्यापार_{नेयंत्रण} (स्थना)

सं० 1/18/78-प्रशास (राज०)5456--राष्ट्रपति, श्री भगत सिंह, केन्द्रीय सच्लिय सेवा बेअनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी को मुख्य निक्क, आयात-र्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में सहायक स्थिक (शुल्कापसी) के रूप मे 13-15-1981 से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनाक 16 अगस्त 1983

सं० 6/418/56-प्रशासन "राज", 5473-सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री के० रमन, सयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेस क्षेत्र), नई दिल्ली को 31 जुलाई, 1983 के अपराह्म से सरकारों सेवा से निवृत्त होने की अनुमृति दी गई गई है।

> एम० एल० भागेव उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृत मुख्य नियत्रक, आयात-निर्यात

विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय नई दिल्ली-110066, दिनाक 16 अगस्त 1983

सं० 58/214/79-प्रशा०--विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय, नई दिल्ली मे स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रदर्शन), श्री हरिगोविन्द चौहान का दिनांक 29 जुलाई, 1983 को देहान्त हो गया ।

शिरोमणि शर्मा विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1983

सं० ए०-19018 (169) / 75-प्रशा० (राज०)-: राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यातिकी) श्री रोशनलाल गर्ग को दिनांक 31-5-1983 (पूर्वाह्न) से इसी कार्यालय में, उपनिदेशक (यातिकी) के रूप में त्रार्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी॰ सी॰ राय उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनाक 11 अगस्त 1983

सं० प्र०-6/247(446)—राष्ट्रपति, मद्रास स्थित निरी-क्षण निदेशक के कार्यातय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) श्री जी० कल्याण सुन्दरम को दिनांक 19 अप्रैल, 1983 के पूर्वाह्म से तदर्श आधार पर 6 मास की अवधि के लिए उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-3) नियुक्त करते हैं।

2. श्री कल्याण सुन्दरम ने दिनांक 19-04-83 के पूर्वाह्म मद्रास में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उसी कार्यालय में उसी तारीख की निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सोहन लाल कपूर उप-निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 अगस्त 1983

सं० ए०-31013/10/80-प्र०-6--राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध में स्थानापन्न उप-निदेशक निरीक्षण श्री डी० के० नन्दी को दिनांक 7-8-1981 से भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-2 की वस्त्र शाखा में उप-निदेशक निरीक्षण के स्थाई पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

> सोहन लाल कपूर उप-निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 अगस्त 1983

सं० ए०-19012(177)/83-स्था० ए०-विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर कुमारी जे० आर० किनरे, - स्थानापन्न विरष्ट तकनीकी सहायक (रसायन) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनिवद् के पद पर दिनांक - 27 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से पदोन्नित प्रदान की गई है।

दिनांक 20 अगस्त 1983

सं० ए०-19012(176)/स्था० ए०-विभागीय पदो-न्नित सिमिति की सिफारिश पर श्री के०एस० गोंडाणे, स्थानापन्न विरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक रसायनिवद् के पद पर दिनांक 25 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से पदोन्नित प्रदान की गई है।

> व० च० मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 22 अगस्त 783

सं० सी०-5991/718-ए०-श्री पी के० भट्टाचार्जी, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक, स० प्र० एवं० उ० केन्द्र को श्री के० वी० ुष्पामूर्ति, स्थापना एव लेखा कारी के दिनांक 11 मई, 1983 से 48 दिन की छुट्टी पर ' जाने से, उनके स्थान पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा०० सेवा ग्रुप "बी" पद), के पद पर सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान,भाग सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में 840-40-1000-द० रो०→1200 रुपए के वेतनमान में दिनांक 11 मई, 1983 से स्थान्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है ।

ो० सी० अग्रवाल ं मेजर जनरल भ के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशार

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 983

सं० 1/20/83-एस०-2-महानिदेः आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री संकर लाल आचार्य, लेखावको आकाशवाणी बीकानेर में दिनांक 23-7-83 (पूर्वाह्न) से सिनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूपनियुक्त करते हैं।

नेमणी दास गुप्त ।-निर्वेशक प्रशासन क्रुत महानिदेशक

भाभा परमाणु अनुसंधान ह

बम्बई-400085, दिनांक 20गस्त 1983

सं० पी० ए०/79(1)/83-आ नार्'261—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री अंबकाणोव्हि पिल्ले ससीधरन नायर, स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक अ स्थापन्न आशुलिपिक (एस० जी०) को सहायक कार्मिन अधिकरी के पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में 1 अगस्त, 1983 पूर्वाह्नसे. अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त की हैं।

म० द० गाडगिल उस्थापना अधिकारी

परमाणु हो विभाग · फ्रय और झार निदेशाय

बम्बई-400001, गांक 17 गस्त 1983

सं० डी॰ पी॰ /॰/1(19)/8-प्रशा॰/26401-- परमाणु ऊर्जा विभाग के र और भण्डार तदेशालय के तिदेशक ने स्थायी भंडारी श्री/॰ वी॰ नायरको रुपए 65.0-30-740-35-810-द॰ र-35-880-4-1800-द॰ रो॰-

40-1200 केतनमान में तारीख 1-7-1983 (पूर्वाह्न) से 30-9-1983 अपराह्न) तक के लिए या अग्रिम आदेश होने तक, जो भी पह्नी, तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थाना-पन्न रूप से सक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

ना परमाणु विद्युत परियोजना

ना, दिनांक 19 अगस्त 1983

क्र० न० पवि ० प०/प्रशा०/26(1)/83-एस०/8983--स्थायी वैयक्तिग्रहायक एवं स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधि-कारी श्री आरम० शुक्ला, की इस परियोजना मे तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सेंगं, अधिसूचना सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/ 26/(1)/83-प/7220 दिनांक 18 जुलाई, 1983 द्वारा अधिसूचित, औदक सम्पर्क अधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति, 12, अगस्त 19 के अथराह्न से समाप्त की गई।

> आर० के० बाली प्रशासन अधिकारी-III

्रस्त्रेन, परमाणु विद्युत परियोजना

श्रगुश दिनांक 16 अगस्त 1983

प्रमाण / प्राप्त / 04637/अं को०/83/स्थल/जांच/82/345—रापिबंध अएण्ड एम० अनुभाग के कार्यदक्ष "बी" श्री एस० एस० कैंग् को तारीख 24-5-83 का एक आरोप ज्ञापन संख्या राप्त/04637/अं को०/(जांच 82) 82/स्थल/143 भेजांच था। उनके खिलाफ लगाए गए आरोप इस प्रकार हैं:—

- (1) ड्यूटी र्-9-82 से अनिधकृत रूप से गैरहाजिर
- (2) ड्यूटी भूए रिपोर्ट करने के सरकारी अनुदेशों की अवहेला
- (3) सरका विचारी के नाते पूर्णतया अशोभनीय व्यवहा । र्जुक्त आरोपों का ज्ञापन उन्हें आखिरी ज्ञात पापर जिस्टर्ड ए० डी० डाक से भेजा गया जो सुपुर्णी बन्डाक प्राधिकारियों द्वारा निम्न-लिखिताभ्युक्तिं के साथ लौट आया ।
 - (1) "ार० ५०---पाने वाला घर पर नहीं रता है भ्ने वाले को वापस ।"
 - (2) "ला बन्द ला है। बीट नं० 8 में इस नाम का आदमी ही है।"

इस प्रकारक्त श्री ६० एस० कैन्तूरा कहां है---पता नहीं

इस अधिसूचना के ारा श्री एर एस० कैन्तूरा को सूचित किया जाता है कि इस गमले के अनुसनिक प्राधिकारी के रूप में निग्न हस्ताक्षरकर्ता उक्ते विरुद्ध उपकु आरोपों पर विभागीय जांच प्रारम्भ करेगे और इस प्रयोजन के लिए श्री कैन्तूरा को निदेश विया जाता है कि वे इस अधिसूचना को भारत के राजपत्र में प्रकािश्त होने के 15 दिन के अन्दर निम्न हस्ताक्षरकर्तों के सम्मुख पेश हों। अगर श्री एस० एस० कैन्तूरा उपरिलिखित अवधि तक अथवा में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के सम्मुख प्रस्तुत नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1965 के नियम 19 (II) के अधीन कार्रवाई की जाएगी।

एम० एस० आर० शर्मा मुख्य परियोजना अभियन्ते

ग्रणुशक्ति-323303, दिनांक 17 अगस्त 1983

सं० रापिवप/भर्ती/1 (1अ) 83/स्था०/91—परमाणु खिनज प्रभाग हैदराबाद के सहायक लेखा अधिकारी श्री कल्याण प्रसाद शर्मा का स्थानान्तरण होने के फलस्वरूप उन्होंने 22-7-1983 कें पूर्वाह्न से राजस्थान परमाणु बिजलीघर में अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है।

आ० ना० कट्टी प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद, दिनांक 19 अगस्त 1983

सं० प० ख० प्र०-16/5/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के दिशक एतद्द्वारा मद्रास परमाणु बिद्युत परियोजना के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक एवं राजस्थान परमाणुं विद्युत परियोजना के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री यू० पालचामी को परमाणु खनिज प्रभाग में 28 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्म से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे बरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 19 अगस्त 1983

सं० 05012/आर० 1स्था० पदो०/2746—भारी पानी परियोजनाओं के, मुख्य कार्यकारी, श्री एस० एम० मिश्रा, सयायक लेखाकार, भारी पानी परियोजना (कोटा) को, श्री एस० आर० सिद्याली, सहायक लेखा अधिकारी जो राजस्थान परमाणु बिजलीघर में लेखा अधिकारी—II के पद पर पदोन्नति हो कर स्थानान्तरित हो गए हैं, के स्थान पर अगस्त 7, 1982 (पूर्वा०) से जुनाई, 5, 1983 (अपरा०) तक के लिए तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के॰ मुत्तुस्वामी प्रशासन-अधिकारी महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त 1983

सं० ए०-32013/13/82-ई०- --राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित उपनिदेशक/नियंवक, विमान क्षेत्र को उनके नामों के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए अथवा नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ स्राधार निदेशक, विमान क्षेत्र के पद पर पदोन्नत किया है :—

₹ 0	अधिक≀री का नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख		के रूप में ती स्टेशन
 सर्व	 श्री			_
1. जे	० एन० मेनन	1-7-83 (पूर्वाह्न)	दिल्ली'	एयरपोर्ट
2. জা	र्ज लाकड़ा	25-7-83 (पूर्वाह्न)	कलकत्ता	एयरपोर्ट
3. एस	त ्रच ्सोनटेक	29-7-83 (पूव ह्न)	बम्बई	एयरपोर्ट

दिनांक 10 अगस्त 1983

सं ए०-31-01 1/1/80 -ई० सीं०--राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से नागर विमानन विभाग मे उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रे 🐳 स्थायी रूप से नियुक्त किया है :---

क्र० नाम सं०	तारीख
1. श्री एम० एस० कृष्णन 2. श्री के० टेकचन्दानी 3. श्री एस० के० दास 4. श्री वी० के० कालरा 5. श्री बी० एस० ग्रेवाल 6. एस० सी० गोस्वामी 7. श्री बी० आर० चतुर्वेदी 8. श्री जे० के० भटाचार्य 9. श्री आर० पी० गर्मा	13-7-1980 13-7-1980 13-7-1980 13-7-1980 13-7-1980 13-7-1980 4-9-1980 8-9-1980 8-2-1982

दिनांक 16 अगस्त 1983

सं ० ए०-32013/12/82-ई० सी ०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित अधार पर नियुक्त

किया है तथा महानिदेशक, नागर विमानन (मुख्यालय), नई दिल्ली में तैनात िया है --

	a bridge spread which we have been been been been been been been be	
ऋ० सं०	नाम और पदनाम	कार्यभार ग्रहण क्रने को तारीख
		17-6-1983
1.	मार्वे देव क्षेत्रणामूति, मार्ज्य समार जावर	17-6-1983 (पूर्वाह्न)
2.	एस० के० महेश्वरी, वरिष्ठ संचार अधि०	25-5-1983
3.	बी० के० चौधरी, वरिष्ठ तक० अधि०	(अपराह्न) 19–7–1983
		(पूर्वाह्न)
		ओं पी० अग्रवाल
	सहायक	रिशक (प्रशासन)
	manufacture and state of state	
	नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त	183

सं ए०-12025/2/82-ई० एस०-**ंघ** लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर राष्ट्रपति ने सर्वश्री का कुमार और राकेश कुमार खन्ना को दिनांक 29-7-83 नागर विमानन विभाग में विमान निरीक्षक के पद पर अस्थी आधार पर नियुक्त किया किया है।

> ने व सी 2 गर्ग सहायक देशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुन्क एवं सीमा शु समाहर्तालय पटना, दिनांक 16 अगस्त 983

सं । II (7) 2-ई० टी०/82/80 र्र-इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 235/82, दिनांक /8-82, 293/82, दिनांक 23-9-82, 341/82, दिनांक 6-11-82, 354/ 82, दिनांक 15-12-82, 34/83, नांक 7-2-83 एवं 58/83, दिनांक 28-2-83 के द्वारा निलिति निरीक्षकों को वेतनमान रु० 650–30–740–3*ई*810-द० रो०–35– .880-40-1000-द० रो०-40-4-120/- तथा नियमा-न्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेलमन पन्स्थानापन्न अधी-क्षक, समृह 'ख', केन्द्रीय उत्पाद/सीम (ल्क के स में प्रोन्नत किया गया । उपयुक्त आदेश के अनुसरण मेनके नामके सामने दिखाए गये स्थान, तिथि और समयानसाकार्यभार हिण किये :--

海 。	पदाधिकारी का	जह/दस्थापित	कार्यभार ग्रहण
सं०	नाम	हेये गये	करने की
			तिथि
1	2	3	4

🌶 उ०, प्रमंडली 1 श्रीनवनाथ झा 7-8-82 पर्यालय, जम्मोन्द्रर (पूर्वाह्न)

1	2	3	4
सर्व 2.	श्री महेश नाराग्ण दुवे	मोतिहारी II रेंज, के० उ० प्रमंडल, लहेरियासराय	30-8-82 (पूर्वाह्न)
3.	सुलतान अझद	आरा रेंज, के० उ० प्रमंडल, गया	26-8-82 (पूर्वाह्न)
4.	राम देव महो	प्रमंडलीय कार्यालय, के० उ० प्रमंडल, रांची	22-10-82 (पूर्वाह्न)
5.	लक्ष्मी नाराण सिंह	के० उ० मुख्यालय, पटना	25-11-82 (पूर्वाह्न)
6.	गुरु देव नायण राय	बेगूसराय रेंज, के० उ० प्रमंडल, पटना	10-12-82. (पूर्वाह्न)
7.	दीप नाराय सिंह	के़० उ० प्रमंडलीय कार्यालय, जमभेदपुर	12-11-82 (पूर्वाह्न)
8.	महेश्वर प्रद सिन्हा	-वही-	21-12-82 (पूर्वाह्न)
	, बाबु राम रि	सीमा शुल्क मुख्यालय, पटना	18-12-82 (पूर्वाह्न)
10	मम्बु द्याल् याण्डेय	बेतिया रेंज, के० उ० प्रमंडल, लहेरियासराय	21-3-83 (पूर्वाह्न)
11	. देव कान्त झ	के० उ० मुख्यालय, पटना	9-2-83 (पूर्वाह्न)
12	. नोयल टिग्गा	सीमा शुल्क प्रमंडलीय कार्यालय, मोतिहारी	21-3-83 (पूर्वाह्न)
13	s. लखन टुड्ड ु	के० उ० प्रमंडलीय कार्यालय, धनवाद	11-3-83 (पूर्वाह्न)

कृ० कु० श्रीवास्तव सहायक समाहर्ता (मुख्यालय कृते समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

निरीक्षणव लेखपरीक्षा निदेशालय सीमा शुरू व केप्य उत्पादन शुल्क नई दिल्ले, दिनांवअगस्त 1983

सं० 23/83—श सी० मा६ ने, जो कि केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मास में सहान समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के रूप में कार्यरतथे, वित्त/मंत्रध, राजस्व विभाग के दिनांक 26—4—83 के आदेश क्रिये 73/84 फा० सं० ए०—22012/ 23/83-प्रशां०-2) द्वारा निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के मद्रास स्थित दक्षिण प्रादे-शिक यूनिट में स्थानांतरित होने पर दिनांक 18-7-83 (पूर्वाह्न) से सरायक िदेशक, ग्रुप 'क' (सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 17 अगस्त 1983

सं० 24/83—श्री एन० के० बोस ने, जो कि केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, पश्चिम बंगाल में सहायक समाहर्ता के रूप में कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 8-7-83 के आदेश सं० 120/83 (फा० सं० ए०-32012/5/83-प्रशा०-II) द्वारा निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक एकक में स्थानान्तरित हो जाने पर दिनांक 13-7-83 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक (सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'क' का कार्यभार संभाल लिया है।

ब० च० रस्तोगी निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1983

सं० ए०-19012/1010/82-स्था०-पांच-पुनरीक्षणं विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री मिलन कुमार साहा, पर्यवेक्षक, इस समय तदर्थ आधार पर स्थानापन्न अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक ग्रिभियन्ता, केन्द्रीय जल आयोग को उसी पद पर र० 650-30-740-35-810-35-880-40-1000 द० रोध -40-1200 के वेतनमान में 22-3-83 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री मिलन कुमार साहा 22-3-1983 से दो वर्ष की अवधितक, ग्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के पद पर परिवीक्षा पर रहेंगे ।
- 3. श्री मिलन कुमार साहा की पदोन्नित माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता सिविल नियम संख्या 10823 (डब्ल्यू०) के निर्णय के अध्यधीन है ।

टी॰ एन॰ फोतेबार अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1983

सं० 2/5/83-प्रशासन-1 (बी०)-अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतक्द्रारा श्री आर० के० गोयल, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में, केन्द्रीय विद्युत इंजीनिय-रिंग मुप 'बी' सेवा के असिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, स्थानापन्न क्षमता में 20-7-1983 के अपराह्न से, आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

सन्तोष विश्वास अवर सचिव (कार्मिक) विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर श्री मारीकाम्बा इंजीनियारग एण्ड युड वर्क्स (मैंपूर) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में । बंगलूर, विनांक 17 अगस्त 1983

सं० 1468/560/83-84--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री मारीकाम्बा इंजीनियरिंग एण्ड वृद्ध वक्स (मैसूर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से क्ष्य विद्या गया है और उक्स कम्पनी विघटित हो गयी है।

वि० एकु० जगन्नायू सहायक कम्पनियों का रजिस्ट्रार प्रकप आध्रं.टी.एन.एस'.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-व (1) के बधीन मूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० सी० 39/रेंज/IV/कल/1983-84—यतः मुझा, एस० के० चौध्री,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 36/1 है तथा जो शिवपुर रोड, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-12-1983

को पूर्वों कत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि धिनियम को अधीन कर दनं के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़कन अधिनियम, ग्रां धन-कर अधिनियम, ग्रां धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री बलाइ चन्द्र सेठ

(ग्रन्तरक)

2. शंकर नाथ घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन-0 काठा 13 छटाद 20 स्को० फि० जमीन का साथ मकान ।

पता—36/1, शिवपुर रोड, थाना—शिवपुर, जिला— हावड़ा।

वलिल सं०—- 1982 का 7500।

एस० के० चौघरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 2-8-1983

प्रकप खाई। टी। एन। एस।-----

प्रायक्षर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 26% व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, फलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० सी० 40/रेंज-IV/कल/1983-84—यतः मुझे, एस० के० चौधरी,

म्रायकर घिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- कार्य से अधिक है

और जिसकी संख्या 26 है तथा जो शचिन्द्र नाथ रोड, हुगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1982

को पूर्वोकत सम्यत्ति के उचिन बाजार मूल्य न कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके गृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्नरण में हुई किस। श्राय की बाबत, उन्त ग्राधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसले बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रिष्टिनियम 1922 (1922 का 11) मा उपल श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री सरोज रंजन मुखोपाध्याय

(अन्तरक)

2. श्रीमती निलिमा, श्री गौरीदास व

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियी करता हूं।

छक्त सम्प्रीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ।= ∙

- (क) इन नूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितब क्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग :

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन-3 काठा 11 छटाक 29 स्क्वेयर फीट, जमीन का साथ मकान ।

पता—26, शचिन्द्रं नाथ रोड, मौजा तथा थाना—उत्तरपारा, जिला—हुगली । दलिल सं० 1982 का 6521।

> एस० के० **चौधरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकता

तारीख : 2-8-1983

प्ररूप बाइ ैु टी. एन , एस .----=

आयकर अर्डिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अगस्त 83

निर्देश सं० ए० सी०-23/रेंज/IV-5।कल०/1983-84-यतः मुझे, एस० के० चौधुरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० 2ए, आलिपुर एवेन्यू है तथा जो

याना आलिपुर कलकता-27 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 दिसम्बर 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजुिंकत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती बीना देवी सेथिया

(अन्तरक)

(2) श्रीमसी तारा देवी काजारिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए-कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिमन 2 कटा 5 छिटाफ, 20 वर्गफुट जमीन का साथ मकान पता—2 ए, आलिपुर एवेन्य, थाना-अलिपुर, कलकत्ता – 27 दलिल संख्या – 1982 का 11086

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-II, कलकत्ता

विनांक :- 9-8-83

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० सी० 22/रेंजII-/कल/1983-84---यतः मुझे, एस० के० चौधुरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 ए आलिपुर एभिनिउ है तथा जो थाना आलिपुर फलकला-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन , तारीख 23 दिसम्बर 1982

को प्वींक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तर्ति (अन्तर्कों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उच्त अन्तरण निम्नलिखत उच्देश्य से उच्त अन्तरण निम्नलिखत उच्देश्य से उच्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गु के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री बिमल सिंघ सेथिया,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तारा देवी काजारिया,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वनसूची

जमीन 2 कठा 5 छटाक, 20 वर्गफुट जमीन का साथ मकान, पता -2ए, आलिपुर एभिनिउ, थाना आलिपुर कलकता-27 दलिल संख्या 1982 का 11085 ।

> एस० के० चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनाक : 9-8-83

प्ररूप भार्द्य दी तु एन तु एस तु--------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की,

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जम रेंज, कलकता

फलफसा, दिनांक । अगस्त 1983

मिवेश सं० ए सीं० 21/रेंज-II/ कल/ 1983-84---यतः मुझे एस० के० चौधुरी

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2 ए अलिपुर एभिनिज है तथा जो थाना आलिपुर, कल. 27 स्थित में है (और इससे ज्याबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23 दिसम्बर 1982

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कृषित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम औं अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा हो किए;

भक्तः जब , उक्त जिधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसर्ण को, भी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलृचित्र न्यक्तियों, जर्मात् क्ष्-- (1) श्रीमती गुलाब देवी सैथिया

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तारा देवी काजारिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्डके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिक्त में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क़ में परिभाषिते हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

जमीन 2 कठा० 5 छटाक० 20 वर्ग फिट जमीन का साथ मकान पासा -2ए, आलिपुर एभिनिख, कलकता-27 थाना आलिपुर, दलिल संख्या -1982 का 11084

> एस० के० चौघुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, —II, कलकत्ता

तारीख : 9-8-83

प्रस्प भाद⁴. टी. एन्., एस_्= = = = = =

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिमांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० 1311/ए सी क्यू आर- $I_{\perp}I/$ 83-84—यतः मुझे एस० के० चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्व 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 7 है तथा जो आइरन साइड रोड़, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन , तारीख 28-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित सब्बेश्य से उक्त बन्तरण मिंचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी नाय की वाज्य, उक्त निधिनियम् के नधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुजने में सुविधा के सिए; बॉट/या
- (क) ऐसी किसी बागु या किसी अन या बन्यु आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनिप्तम की धारण्य 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निजित व्यक्तियों, जर्चात् हु— (1) श्रीं देव कुमार मजुमदार

(अन्तरक)

(2) गोपी प्रोपाटिस प्राः० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिस्थः---इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर प्यों का, जो उन्ह्यू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनुसूची

7 आइरन साइड रोड़ कलकत्ता 1बी-3 कै०-13 सी एच 42 वर्ग फीट जमीन साथ मकान '1/4 मोयार) दलिल सं० 11266

> एस॰ के॰ चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकला

तारीख : 8-8-1983

प्ररूप आही. टी. एन्. एस्. सन्दरन्यन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० 1312/ए सी क्यू आर-III/83-84 — यतः मुझे एस० के० चौधरी

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो आइरन साइड रोड़ कलकत्ता स्थित है) और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-12-1982

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि युपापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त मृन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की िप्धारा (1) में अधीय, जिम्निसिसित स्यक्तियों, अर्थाह्य क्ष्म-र (1) श्री देव कुमार मजुमदार

(अन्तरक)

(2) लिलोया फाउआर मिलस प्राः लिः

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपर्तित के अर्जन के लिए_ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्ति योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 आईरन साइड रोड़, कलकत्ता 1 बी-3 के0-13 सी एच- 42 वर्ग फीट जमीन साथ मकान (1/4) प्रेयार) दलिल सं0 11264

एस०.के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक: 8-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1083

निर्देश सं० $1313/ए० सी० क्यू/म्रार—III यत: मझे, <math>\cdot$ एस० के० चौधरी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000∕-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो आइरन साइड रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्तां में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 28, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :

3-236 GI/83

(1) श्री देव कुमार मजुमदार

अन्तरक)

(2) गोप आइरन और स्टील प्राः लिः

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7, श्राइरन साइड रोड कलकत्ता, 1 बी \circ -3 के \circ 13 Ch.-52 वर्ग फीट जमीन मकान $\left(1/4\right)$ शयर $\left(1/4\right)$ हिंदि सं \circ 12623।

एस० के० चौधरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त विरोक्षण अर्जन रेंज, कलकसा

दिनांक : 8-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता ,दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं०1314/ए० सी० क्यू०-म्रा२०-III/83-84 यतः मुझ एस० के० चौधरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है तथा जो आइरन याइड रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इसभे उपाबत्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिस्म्बर 28, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह िन्दास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्वेदय में उक्त अन्तरण लिखित में नास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :--- (1) श्री देव कुमार मजुमदार

(अन्सरक)

(2) आगर्नटो इनमें स्टमेस्टम प्राइवेट लि. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राञ्चन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

7 आइरन साइड रोड़ कलकत्ता 1बी-3के \circ -13 सी एच-42 वर्ग फीट जमीन साथ मकान $\left(1/4\right)$ शेया दिलल सं-1.1262

एस० कें० चौधुरी मक्षम अधिकारी महायकै आयकर आयक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 8-8-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्वना

कार्यालय, सहायक आयक,र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

भारत सरकार

मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० 18007—यत. मृझे, आ२० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी की यह किश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे 49/6, और 50/6 ए, है, जो कीयमबेडू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडामबाक्स (डाक्मेंट 5108/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का नम्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उनते अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- · (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिष्ट्, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- ४) श्री आर० अनंतनारायणने

(अन्तरक)

(2) श्री दी० इलिंनगे और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सृचना भारी कारके पृवाँक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हैं गए।
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वार अंधोहस्ताक्षरी के पीस सिकिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अभिनिश्वम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि— सर्वे 49/6, 50 6ए, कीयमबेंडू (डाक्मेंट 5108/83)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनै रेंज, मद्रास

तारीख: 5-8-83

प्ररूप आई टी. एन. एस. - - - -

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) को अधीन मुचना

(1) श्री टी० राम बाबू

(अन्तरक)

(2) श्री चेतर्यया और सुभ्रमनियम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 5 श्रगस्त 83

निर्देश सं० 17966—स्तः मुझे, आर० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 19, है जो सैदापेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्नास सौत (डाक्स्मेंट 4079/82) में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिस्म्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के लिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए भा, कियाने में सृतिभा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— को यह सूचना जारी करके पृथाँक्य सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बबुध् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित मैं किए जा सकेंगे।

स्मच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -23, ईसट रोड़ वेस्ट सी० श्रय०टी० नगर, मद्रास-35 (डाक्मेंट 4079/82)

भार० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मंद्रास

दिनाक : 5-8-83

पुरुष् बाह्रे. टी.; एव., एव्,-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायक्षर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 भ्रगस्त 83

निर्देश सं० 17913—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित वाजार मृल्य 25,000 हर से अधिक ही

और जिसकी सं० सर्वे 143/3 है, जो पुलियूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटमबाखम (डाकूमेंट 5/33/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तर्भ के हुई जिस्सी आध की वाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें क्वने में सुविधा के लिए; बार/धा
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री राम महादेवयया

(अन्तरक)

(2) श्री ह्पी० नटरा न

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुत्रारा;
- (■) इसु सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त-स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयूक्त 'शब्दों अरैर पदों का, ' जो उक्त सिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 143 (3) पुलियुर (डाकूमैंट 5133/82

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् ६——

दिनांक : 6-8-83

प्ररूप . आहाँ . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)' अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक, 4 श्रगस्त 1983

निर्देश सं० 53 दिसम्बर /82—यतः मृक्षे आर० पी० पिळ्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संहै, जो वलयमपट्ट गांव वानियंभाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिबस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, वानियंभाड़ी एन० ए० दस्तावेज सं० 2627/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अधिनियम , 1980 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :- →

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

- (1) श्री पी० एम० ए० गोविन्दसामी चेट्टी (अन्तरक)
- (2) श्री पी० हाजी० कलिलूर रहमान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जते भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दितग्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमधी

भूमि और निर्माण वलयंपट्ट गांव वानियंभाड़ी (दस्तावेज सं० 2627/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269- को उपधारा (1) के अधीनः निस्नितिश्वतं स्थितां, सर्थात् ः—

दिनांक : 4-8-1983

मोहरः

पिल्लै

शरूप आई. टी. एन. एस. ---

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 209-च (1) के बंबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 श्रगस्त 1983 निर्देण मं० 94 /दिसम्बर/82 ——यत. मुझे, आर० पी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उनन अधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-च के अधीन नम्म प्राक्षिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका छिचन बाजार मृत्य 25,000/- दे अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 20/9, पार्ट ब्लाक सं० 10 .है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , सेवियम मद्रास दस्तावेज सं० 739/82 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पिक्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ट्रियमान पितिकल से, एसे हम्मान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि खित में नास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आप या किसी छन या आष्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय धाय-कर धिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या धवत अधिनियम, या छत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में भृषिधा के लिए,

बत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती के० सरस्वती

(अन्तरक)

(2) श्री गी० सं ० अलेक्साडर

(अन्तरिती)

कोर यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ऋ अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों ने स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति र्वाग, अथोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए ज सक्षे।

स्पक्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

जन्स्**धी**

भ्मि और निर्माण सं० एस० 20/9, पार्ट ब्लाक सं० 10 (वस्तावेज सं० 739/82) .

> आर० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक ' 4-8-1983

प्ररूप काइ. टी. एन. एस. -----

आशंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास ,दिनांक 4 अगस्त 1983

निर्देश सं० 95 दिसम्बर/82 — यत मुझे, आर० पी० पिल्लै

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 सिक्त वेल है, जो पेखलूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विजित , है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोम्बियम मद्रास दस्तावेज सं० 750 /82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एउपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एएयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किशा गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री डी॰ बी॰ नाथन

(अन्तरक)

(2) श्री बी॰ राममूर्ति और अन्यों

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्प्रेडन्सी त्यिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याख्वीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसची

भूमी और निर्माण सं० 1 मिक्त वेल पेरवल्लूर गांव (वस्तावेज सं० 750/82)

आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 4-8-83

प्ररूप आहूं, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन संघना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- ¹, मद्रास मद्रास, दिनांक 26 जून 1983

निर्देश सं० 12497—-यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं टी॰ एस॰ 770, है जो पोल्लाच्ची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची में (डाक्सेंट 2924/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिंसम्बर 1982 को पूर्णेक्त सम्पित के उचित बाजार मृल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास म्बंदने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्न प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक्ष क्य से किथन नहीं किया गया:——

- (क) बन्तरण से हुर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या िकसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सिविधा के लिए;

(1) श्री रामस्वामी नौडर और अदरस

(अन्तरक)

(1) श्री पोल्लाच्ची को-आपरेटिव हास कनस्ट्रकशन सोसाईटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्र**सम्बोकरणः ---इ**समें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय∷ गया है।

अन्स्ची

भूमि टी॰ रास सं॰ 770, पोल्लाच्ची (डाकूमेंट 2924/ 82)

> आर० ६१० पिल्लें मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज-[[, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक :- 26-7-83

मोहर :

4--236 GI/83

प्रकृष बाह्रै.टी एन.एस.-----

भ्रायक्तर श्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के सभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनाक 26 जून 1983

निर्देश सं० 17963—यतः मुझे आर० पी० पिस्लै भायकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उकत अधिनियम' कहा नवा है), की धारा 269-द के अधीन पक्षम प्रशिक्षकारी करे, एव विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कर में अधिक है

और जिसकी मं० 10, हैं, जो विदयोदया I कास स्ट्रीट, मद्रास 17 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत (डाक्सेंट 4015,4016,4017/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन ,दिनांक 19 दिसम्बर 82

हो प्वेंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अंतरित कीं गई है और मुक्ते यह विद्वास करने हा कारण है कि यथापृजेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, सिक्ते दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् तिशत अधिक ही और अन्तरकः (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिमक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:──

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या ग्रन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे 'योजनायं अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

कत जब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षिण अधिनस्यों, अधीत् :— (1) श्री विमलामनी और मनी

(अन्तरक)

(2) श्री पी० अलमेलू पिच्चैंकुट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (■) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण -10, विदयोदया I कास स्ट्रीट मद्रास-17 (अक्सेंट 4015,4016,4017/82)

(आर० पी० पिल्कै) सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास ,

दिमांक :- 26-7-83

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------

भाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून 1983

निर्देश सं० 17944 — यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रशात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 80, है, जो नुंगमवाखम है रोड़ मद्रास-34

आर जिसका स० 80, है, जो नुगमबाखम ह राड़ मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटद्रटस (डाक्मेंट 938/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (908 का 16) के अधीन दिनाक 16 दिसम्बर 82

को पूर्विक्त सम्पोस के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्दोस्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री पुनम एन्टर प्राह्जेंज

(अन्सरक)

(2) नरेश जी० लनट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिं में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-80 नुंगमबाखम है रोड़, मब्रास 34 (डाक्मेंट, 938/82)

(आर० पी० पिल्लै) सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Il, मद्रास

दिनाँक :- 26-7:83

मोहर ः

प्ररूप आर्ड् . टी . एन . एस . ------

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 2694(1) के प्रधीन सुनवा

भारत सरकार

कार्याजय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंअ-Iा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून 1983

निर्देश सं० 12486—स्याः मुझे, आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षंप प्रीधकारी को यह विकास करने का कारण हा कि स्थावन स्थाव विकास विकास करने का कारण हा कि स्थावन स्थावन विकास करने करने का कारण हा कि स्थावन स्थावन विकास व

और जिसकी सं० सर्वे 371, जो है विरूगलपट्टी, घोमलै गलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घोमनगलम (डाक्सेंट 895/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 विसम्बर 1983

को पूर्विक्त संप्रतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथिस नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण वे हुइ किसी आध् की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दर्शनत्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के विष्; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भग या जन्य नास्तियों को, चिन्हों भारतीय सायकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत श्रीभनियम, या भन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:—

(1) श्रीमती पठमावती

(अन्तरक)

- (2) श्री सारती पेरूमाल घोडंर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्तु सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासु सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

भूमि सर्वे 371, विरूगलपट्टी घोमनगलम (डाक्सेंट 895/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

विनाक:~ 26-7-83

प्रकृष् भार्दः . टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17957—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से जिधुक हैं

और जिसकी सं० 24, लेठी मादवन नायर रोड़, है, जो मादवन नायर कालोनी मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौसनटलैटस (डाक्मेंट 999/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 दिसम्बर 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम् के स्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री' श्रीनिवासन

(अन्तरक)

(2) श्री राकसिंह कारपोरेणन

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अगिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 विन की अग्रिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिते में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्यक्तिर्ण: ---इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -24, लेठी मादवन नायर रोड़, मादवन नायर कालोनी, मद्रास-34 (डाक्मेंट 999/82)

आर०पी०पिंस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मद्रास

दिनांक : 26-7-8**3**

प्रकृत बाहुँ, टी. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1983

निर्वेश सं० 17936—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये में अधिक हैं

और जिसकी सं० 12,13, सर मोहमद उसमान रोड़ है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर डाक्मेट 2086/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 16 दिसम्बर 82

को ध्वांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषांक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक लप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण. में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अन्तपूरनी अम्माल और अदरस
- (अन्तरक)

(2) अरसु रिस्तिनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि.सी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयाक्त शब्दों और पवो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, घही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

भूमि और निर्माण 12,13 सर मोहमच उसमान रोड़ मद्रास-17 (डाक्मेंट 2086/82)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मब्रास

विनांक : 26-7-83

प्रसम्ब बार्च, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1983 निर्देश सं० 12477—यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

25,000/-रत से अधिक हैं

और जिसकी स० सर्वे 168/3 है, जो घनपती, कोयम्बट्र (डाक्मेट 4625/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1982

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भ्रूय

को पूर्विक्त संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृतिधा के लिए: और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अत अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, वर्थात् :--- (1) श्री मारिमुत्

(अन्तरक)

(2) श्री वेनकटेश्वर इनडस्ट्रीज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

भूमि सब 168/3, घनपती, कोयम्बटूर (डाक्मेंट 4625/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक: 26-7-83

प्ररूप् आर्द्र, टी. एन्, एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-प (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज , मद्रास

मधास, दिनांक 26 जुलाई 1983

निर्देश सं० 12473—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

25,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी सं० सर्वे 93,94 हैं जो पुलियकुलम कोयम्बटूर
में स्थित हैं (और इससे उपाबत अनुसूची में पूर्ण रूप से
विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाक्सेंट 31/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक दिसम्बर 82
को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (﴿﴿ के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ः— (1) श्रीमती पारवती जोतिमलर

(अन्तरक)

(2) श्री जयलकशमी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी सर्वे, 93,94, पुलियकुलम (डाक्सूमेंट 31/83)

आर० पी० पि**रू**लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक: 26-7-83

प्रकृत वाही हो पुन् पुन् पुन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मार्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मधास

मद्रास, दिनाक 26 जुलाई, 1983

निर्देश सं० 17935—यत. मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 18 है, जो चिन्नय पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्स्मेट 2077/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान म्बितिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्ववदेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नृहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करदंया उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर कि धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर विधिनियम, बा धनकर विधिनियम, बा धनकर विधिनियम, विश्व के अयोधनार्थ जन्ति रती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
5—236 GI/83

(1) श्री शनमुहम और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री रा० जी० फेमिली दूस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार।
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

भूमि—18, चिन्नया मुदली स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाकूमट 2077/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्राम

तारी**व** . 26 जुलाई, 1983 मोहर ् प्ररूप आई². टी. एन. एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

नारव चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मदास, दिनांक 26 जलाई 1983

ंनर्देश सं 12479—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे 222/3, 224, 225/2 है, जो कुनियमुतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयभबटूर (डाक्मेंट 4412/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपान में स्विधा के लिए;

जतः जय, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उक्कारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्री वेलायुषम

(अन्तरक)

(2) श्रीपुश्पवस्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मुश्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन की अविधि या तत्स्टम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुए।
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 43 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रवीहरूताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिर्गः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को जक्त विभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि —सर्वे 222/3, 225/2, 224 कुनियमुदूर । (डाकूमेंट 4412/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 26-7-83

त्रस्य शहरे, टी. एवं, एवं, ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 26 जुलाई 1983

निवश सं 12474—यतः, मुझे आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे 310 है, जो सनगनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, कोयमबदूर (डाक्सेंट 4626/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विसम्बर, 1982

को प्वानित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंकत संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पल्ब्ह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्योगों से सक्त अन्तरण सिचित् में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरूज् वे हुए किसी वाय की वावत, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के वावित्व में कमी कर्त् या उसके वक्तने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) देवकी अम्माल

(अन्तरक)

(2) उदयसनकर

(अन्तरिती)

को यह सुमान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति में मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
 - (क) इस सूचना के एकपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा काल्लीहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सकींगे।

स्थाकीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षे का, वा उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

भूमि-सर्वे 310, सनगनूर (डाक्मेंट 5626/82)

> आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 26-7-83]

मोड़ र ६

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के सुधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1983

लायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

निदेश सं० 12457--यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले

और जिसकी संख्या सर्वे 486/2, 135-151 बी, है जो उप्पिलिया-लयम, कोयमबदूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमब-टूर (डाकूमट 5448/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्यु से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्ते अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री देवदास और हिमणी

(अन्तरक)

(2) पोष्पुस्वामी सुन्नमनियम

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त स्म्यूत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्वी

भूमि और निर्माण—सर्वे 586/2, उप्पिलिपालयम, कोयमब- दूर । (डाकूमेंट 5448/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज मद्रास

तारीख : 26-7-83

कार्यवाहियां करता हुं।

प्रकृप नाइं.टी.एन.एस.,-----

(1) श्री रामस्वामी जौडंर

(अन्तरक)

(2) कन्नमाल कश्रीनऔर अदर्स

(अन्तरिती)

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मदास

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1983

निदेश सं० 12481, यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 435, है, जो घनपती में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घाविपुरम (डाक्यूमेंट 4554/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

"को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरितों की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से विभिक्त हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिल उप्योच्य से उन्ते अंतरण तिचित में बास्तिक रूप से कायत मुद्दी किया गया है :--

- (क) वितरण से हुई किसी नाथ की वावत, उक्त वीधीनयम् के नधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

को यह स्थना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्धु किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास् सिवित में किसे जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्यों बाँद पर्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्र्यी

भूमि सर्वे 435, धनपती (डाक्यूमेंट 4554/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, नद्रास

जरुः अव, उन्त जीपींन्यम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र—

विनांक : 26-7-83

भक्त वार्<u>ष</u>्टी पुर । एष्ट्र पारस्थरस्थान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 26 जुलाई 1983

निवेश सं० 12480—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, बाय्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारक हैं कि स्थापर संपरित प्रियका उचित बाबार मुख्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे 424/2 है, जो वठवल्ली, कोयम्बत् में स्थित है (और इससे ज़्पाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबत्र (डाक्यूमेंट 4428/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, विमांक विसम्बर, 1982

की पूर्वोक्त संपरित के उजित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निक्तिसित्त उज्वेष्ट्र से उक्त अन्तरण कि बित में अन्तरक, निक्तिसित्त उज्वेष्ट्र से उक्त अन्तरण कि बित में अन्तरक कर के किए सम प्राप्त कर से अन्तरण कि बित में अन्तरक कर के किए सम प्राप्त कर से अन्तरण कि बित में अन्तरक कर के किए सम प्राप्त कर से अन्तरक कर के किएस स्वाप्त कर से अन्तरक कर से किएस से अन्तरक कर से किएस से अन्तरक स्वाप्त कर से अन्तरक से किएस से अन्तरक से अ

- (क) जन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत उक्त लीभ-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जाँद/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, धिमहुं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती असिकरी बेंगम

(अन्तरक)

(2) श्री शनमुहम श्री कनकलकशमी

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वध्वीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को सबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 424/2, वठवल्ली कोयमबतूर (डाक्यूमेंट 4428/82)

आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज II मद्रास

दिनांक : 26-7-83

प्रकृप बाई ० ही ० एत ० एस ०----

मानकर **समितियन**; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंण, II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1982

निदेश सं० 12482/—यतः मुझे, आर० पी० पिस्लै, गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सखन बाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वका अधित बाज़र मृल्य 25,000/- कथ्ये से पश्चिक हैं और जिसकी सं० सर्वे 197/2, है, जो सखनमपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबतूर (डाक्यूमेंट 4607, 4608/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाषार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिकल के लिए जन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाषार मूक्य, उसके रश्यमान प्रतिकल से, ऐसे रश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिशत से बाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नीलिश्चत उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अम्परण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बद, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के वन्तरण वाँ, गाँ, उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (†) को विभीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात् :--- (1) श्री आर० रामस्वामी और अदवर्स

(अन्सरक)

(2) श्री के० अब्दुल्ला और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उरत सम्पत्ति के पर्वेत के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेपः

- (क) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घर्वाध या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की धर्वाध, को भी
 घर्वाध बाद में समास्त्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी . इन्य व्यक्ति द्वारा, झबोह्रस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हरवही करण ।---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उन्ध प्रधिनियम के प्रथमाय 20-ए में परिधायित है, वहों प्रथें होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गंभा है:

अमृत्यो

भूमि सर्वे 197/2, सरवनम पट्टी (डाक्यूमेंट 4607/4608/ 82)

> आर० पी० फिल्मैं संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 26-7-83

प्रकप भाई • टी • एन • एस •------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 26 जुलाई 1983

निवेश सं० 17739—यतः मुझें, आर०पी० पिल्लै, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० 4, है, जो घापाल स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्यूमेंट 2054, 2055/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत प्रधिक है भीर भग्तरिक (प्रस्तर्कों) भीर भग्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक कथ से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के ज्यौन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (का) ऐसी किसी याय या किसी वन या प्राप्य घारिनेयों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनयम, या वन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में, सुविधा के लिए;

बतः कृत उक्त कृषिनियम की भाग्र 269-त के बन्सर्य में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री वेनुषोपाल रेड्डी

(अन्तरक)

(2) श्री रास महादेवन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्मां या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्मां, जो भी घर्मां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्रीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस तूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर शक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ब्रह्मोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त सिक्षानियम के सक्याय 20-क में परिसादित हैं, वही सर्व होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

नगुज्ञी

भूमि और निर्माण--4, घोषाल स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाक्यूमेंट 2054, 2055/82)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज —II, मद्रास

दिनांक : 26-7-83

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रक्रितियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1983

निवेश सं० 12488/यतः , मुझें, आर० पी० पिल्लै, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कर्ग गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन पञ्चम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जिल्लावर समाति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000¹- क्राए में ग्रिकिक है

और जिसकी सं० सर्वे 243, है, जो सनगलरैकैर घोबी में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रधूसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घोबी (डाक्यूमेंट 986, 987/82), भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूहन से कंप के दृष्य नात प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्तान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित् बाजार मूहय, उसके उत्थमान प्रतिकल से एपेसे उत्थमान प्रतिकल के प्रमाह प्रतिकल के प्रमाह प्रतिकल के प्रमाह प्रतिकतसे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उत्येय से उक्त अन्तरण विधित में बाइनिक कर से किया नहीं कि सामा है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम ६ प्रश्नान कर देत के प्रस्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रिविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिन्नन में सुविक्षा के लिए।

(1) श्री कृट्टियण चेट्टियार और मरुदप्पन

(अन्तरक)

(2) श्री देयवाताल

(अन्तरिती)

को पर सूत्रा जारी करते प्रवेशि उम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पन्ति से धार्तेत के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :--

- (क) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में 4 किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकालत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोद्दस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्तीकरण:--इनमें प्रयुक्त शक्तों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-त्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जा उन श्रष्ट्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि सर्वे 243, सनगलरैकरै घोबी (डाक्यूमेंट सं० 980, 987/82)

> आर० पी० पिल्लैं, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, II, मद्रास

पतः अब, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग हे, धनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित् व्युक्तियों, ख्थीत् ॥——
6—236GI/83

दिनांक : 2.7-7-83

मोहरु 🗈

प्रस्थ आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1983

निदेश सं० 12470, यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,006/- वपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 129/3, 129/2, है, जो रामनातपुरम, कोयमबट्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनूमूर्च) में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टूर (डाक्यूमेंट 5479, 5481/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूरोंवत सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-भित किस्टिनिस्त उद्वेश्य से उक्त अंतरण निक्ति में वास्तिषक हुन ते किस्टिन स्ही किस्टिन स्थार है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिवीं को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वित्य की लिए;

(1) श्री सी० आर० घोपालसुन्दरम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती करनामूरती और अदर्स

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के ट्रिसए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ज्यधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 129/3, 129/2, रामनातपुरम कोयमबट्टूर (डाक्यूमेंट 5479, 5481/82)

आर० प्री० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मब्रास

जतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिमित व्यक्तियों, अधीत :—

दिनांक : 27-7-83

प्रकप् आहें हो, एन , एस , - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 27 जुलाई, 1983

निदेश सं० 12498, यतः, मुर्से, आर० पी० पिल्लै, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 67/रा 4, ए० 5 है, जो उठुमलें दोड, पोल्लाच्ची में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकादी के कार्यालय, पोल्लाच्चची (डाक्यूमेंट 2898/2899/82), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 156) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राजम्माल और नागरतिनम ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० जीयरामकृष्ण ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ' है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-67/रा 4, 67/ए० 5, उठुमलै रोड, पोल्लाच्वी (डाक्यूमेंट 2898, 2899/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 27-7-83

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . . - - - ---

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17925, यतः, मृझें, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 39, 40, 41, 42, है, जो घोपरसनल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्षित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पूनमल्ली (शाकक्यू मेंट सं० 4779, 4780, 4782/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनिक्स, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय क्री बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्य में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपान में स्विधा के लिए।

जतः अब, उकतं जिधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृत् :— (1) श्री जानकीरामन और वनठारकुल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री के० किरान किक वीरकस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा त्रधांहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्ची

भूमि सर्वे 39, 40, 41, 42 घोपरसनल्लूर (डाक्यूमैंट 4779, 4780, 4782/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

विनांक : 27-7-83

मोष्टर ७

प्ररूप , आई. टी. एन , एस .-----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर : युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई, 1983

निदेश सं० 12476—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० सर्वे 338/1, हैं, जो मुनठकाम्तूत्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकूमेंट 4232, 4233/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आंय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, स्थातः :-- (1) श्री नंजम्माल और पलनियम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री कालियन्नं

(अन्तरिंती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सहें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे 338/1, सुनठकामुतूर (डाक्भेंट 4232, 4233/82) ।

आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

दिनांक : 27-7-83

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1983

निदेश सं० 12489--अतः मृष्टी, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण 👌 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ एत. से अधिक हैं और जिसकी सं० 10, चिकल्ली बायरवाल रोड है तथा जो ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाक्मेंट सं० 4790, 4791, 4792/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए शन्तिरत का गृह है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गुया प्रतिफल, निम्नलिखित उपदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

(1) श्री वेल्लैस्वामी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रत्नी देवी केठिया सुशिल कुमार केठिया मदन लाल।

′(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प**ट्टीकरणः - - इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का., **जो उक्क**∽ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-10, चिक्कल्ली वायरवाल रोड, ईरोड ।

(डाक्मेंट सं० 4790, 4791, 4792/82) ।

आर० पी० पिल्ली प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मदास

अतः अब उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 27-7-1983

प्रक्य नाहै, टी. एन. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारः सरकार

कार्यालय, सहायक आश्रम्प आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1983

निदेश सं० 12507— यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1013/24/1 है तथा जो तोट्टिपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपुर (डाक्मेंट सं० 2220-2224/82) मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उषित बाजार मूल्क्क, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अंतरण निक्षित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; ब्रीट्र/बा
- (का) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मारिमूत्त्।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री एस० पलनिस्वामी, कदिखेल, नटराजन बी० पलनिस्वामी, 19,

ओल्ड मार्किट स्ट्रीट, तिरुपूर ।

- श्री वी० चेन्नियान, 52 अ ओल्ड मार्केट स्ट्रीट, तिरुपुर ।
- श्री रा॰ कुठ्ठुस, 49 रा ओल्ड मार्किट स्ट्रीट, तिरुप्पुर ।
- श्री मुत्तूस्वामी घोंडर और कम्पनी 49 ओल्ड मार्किट स्ट्रीट सिरुपर
- श्री आर० सुन्नमियम 64
 अन्न कोयिल स्ट्रीट, तिरुपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशोधित सम्पत्ति के अजन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त जम्पत्ति की कर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्रूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यच्यीकरणः — इ.स.में प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ 1013/24/1, तोट्टिपालयम (जिंकूमेंट सं॰ $2220 \cdot 2224/82$) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीझण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 27--7-1983

भोहर:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-------भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मदास

मब्रास, दिनांक 27 जुलाई 1983

निदेश सं० 12478—अतः मुझे, आर० पी० पिस्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. स जावक ह और जिसकी सं० सर्वे सं० 334, 335/1, 336/2, 337 है तथा जो सौरिपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्मेंट सं० 15, 16, 17, 39, 40, 41, 5551-5556/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्। प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्ति,रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पलनियप्पन संतोष कुमार।

(अन्सरक)

- (2) 1. बिकरबाय, 10/9, कालीम्बर मिल रोड, कोयम्बट्र ।
 - 2. अब्बासबाय, 10/3, चेरियन रोड, कोयम्बट्र-9।
 - सेयपुठ्ठिन, 145, डाक्टर नंजप्प रोड, क्रीयम्बट्टर।

- 4 कयूमबाय, 39/बी, डाक्टर नंजप्प रोड, कोयम्बट्र ।
- हकीमुठ्ठिनबाय, 155 अवनाणि रोड, कोयम्बट्र ।
- युसुफबाय, 142, डाक्टर नंजप्प रोड, कोयम्बट्रर-18 ।
- बठरुठि्ठन 16/12—सी, श्रममुह थिएटर रोड, कोयम्बट्र ।
- फकरुठ्ठिनबाय, 59, डाक्टर नंजप्प रोड, कोयम्बट्टर ।
- शब्बिरबाय, 147, डाक्टर नंजप्प रोड, कोयम्बदूर-18 ।
- एस॰ तय्यब बाय, 10/3, चेरियन रोड, कीयम्बट्टर ।
- तय्यब बाय, 142, डाक्टर नंज्प रोड, कोयम्बट्ट.।
- 12. एस० नजमबाय, 141, हाक्टर नंजप्य रोड, कोयम्बट्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्मृत्ति के शर्जन के निष कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हा तो :---

- (क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारी हु के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में <u>दिया</u> ग्या हैं।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 334, 335/1, 336/2, 337, सौरिपालयम ।

(डाक्मेंट सं॰ 39, 40, 41, 15, 16, 17, 5551 \rightarrow 5556/82)।

आर० पीं० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़-II, मद्रास

तारीख: 27-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

_-----

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—र्गि, मद्राप

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1983

निदेश सं० 12508--अन मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1013, 1013/24/1 है तथा जो तीट्टिपालयम तिरुपूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपुर (डाक्सेट सं० 2225, 2232, 2248—2257/82) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

कां पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपन्ति का उचित जाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे हर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बरि/या
- (स) एमें किसी आय या िसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं तिया गया धा या किया जाना चाहिए था, किपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री मारिमुत्त् । (अन्तरक)
- $\left(oldsymbol{\omega}
 ight)$ 1. एस० कनकरतित्नम, वालिपालय, तिरुपूर,
 - ए० दनठपानं , कुष्पन्न चेट्टियार स्ट्रीट तिरुपुर।
 - 3. आरुमुह्म 6/1 मारप्प घौंडर स्ट्रीट॰ अनुप्परपालयमपुदूर तिरुपुर ।
 - 4. मी० वेंकटगनेश के० पी० एन० कालोनी तिरुपुर।
 - आर० लक्ष्मी, एल० आर० जी० ले आउट, कच्चमपालयम, तिरुपुर।
 - 6 श्री सी० वालभुब्रमनियम के० एन० **पी०** हालोनी, तिरुपुर ।

- नी० दनलक्ष्मी के० पी० एन० कालोनी, तिरुपुर।
- श्री राज गोपाल चेट्टियार 53, दारापुरम रोड, तिरुपुर ।
- 9. श्री नटराजन पोलिस लेन, तिरुपुर।
- 10. श्रीमती सरस्वती, 3ए-3, राम नगर, मेन रोड, तिरुपुर।
- 11. श्री मुख्गेसन, 36, ओल्ड माकिट रोड, तिख्पुर।
- 12. श्री रामनाथन्, के० पी० एन० कालोनी, तिरुपुर।
- 13. श्रीमती पुष्पावती, 73बी, कामराज रोड, तिरुपुर।
- 14. श्री दौरे स्वामी, 53, ईक्ष्वरन कोयिल स्ट्रीट, तिरुपूर।
- 15. श्री कें \circ नटेशन, 15/22, ओल्ड मार्किट रोड, तिरुपुर।
- 16. श्री मोहम्मद नशीर, 1 ए, ईलगनो ले आउट, पुष्पा नगर, तिरुपुर।
- 17. श्री सी० एस० मुख्गेशन, के० पी० एन० कालोनी, तिरुपुर।
- 18. श्री तंगवेलू 21-सी, गुरुनाथ घौंडर लन, तिरुपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि—टी॰ एस॰ सं॰ 1013, 1013/24/1, तोट्टि-पालयम, तिरुपुर ।

(डाक् मेंट सं० 2225-2232, 2248-2257/82) ।

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मधा

तारीख : 27--7-1983

प्रस्थ आर्च, टी. एन. एस. ----

अभिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 27 जुलाई 1983

निदेश सं० 12506--अत: मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० 1162/28/2 है तथा जो बिठजवे कालोनी एक्शटेंगन, तिरुपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुपुर (डाक्सेंट मं० 2335—2346/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और मंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने सा रुससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था की किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा की प्रता.

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाक् —

- (1) श्री मुत्तुस्वामी चेट्टियार और अदर्स। (अन्तरक)
- (2) 1. श्री सरोजा, निट्टरख लक्ष्मी नगर मेन स्ट्रीट, तिरुपुर।
 - श्री पलनी स्वामी, 34, हारबी गेड, तिरुपर।
 - श्रीमती सरस्वती 3 डी लक्ष्मी नगर, एक्सटेंशन, तिरुपुर।

- श्रीमती सरोजा निट्टरस, लक्ष्मी नगर मेन रोड, तिरुपर।
- 5. श्री पलिनस्यामी, 5 बी पिचामपालयम एनसटेशन, तिरुपुर।
- 6. श्रीमती सरोजा निष्टुरस, लक्ष्मी नगर, तिरुपुर
- 7. श्री एम० सुब्रमनी अनगेरीपालयम, 1 ए/21, शेरीफ कालोनी, चेट्टिपालयम, तिरुपुर ।
- श्री देवराज, 5 ब्रिटजवे कालोनी, तिरुपुर ।
- 9 श्री आचियम्माल, 1 चिन्नस्वामी घौडर ले । अाउट, तिरुपुर।
- 10. श्री देयत्रान, 94, लक्ष्मी नगर, तिरुपुर।
 - 11 श्री कै० आरुगृहम 1 बी ब्रिटजवे कालौनी, तिरुपुर।
 - 12. श्रीमती सरोजा निट्टरस, लक्ष्मी नगर कालोनी,मेन रोड, तिरुपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिश रा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार मुचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में ग्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ~-इसमें शयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा. जो उस अभ्याय में दिया गमा है।

अनुस्यी

भूमि—टी० एस० 1162/28/2. ब्रिटजवे कालोनी, एक्सटेंशनं, तिरुपुर. (डाक्सेंट सं० 2335-2346/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 27-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री एफ० सुसैराज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना (2) श्री सीता श्रीवररन, श्री निवासन, श्रीधरन एफ० सुसँराज, शीला सुसँराज, जय शंकर।

(अन्तरिती)

- 1 1 1/1 T

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1983

निदेश सं० 17919—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रतिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 4274/1 है तथा जो अठयार ब्रिटजवे रोड मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) तथा रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्सेंट स०

(1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982
को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते य विश्वास करने
का कारण ह कि यथापूर्वाक्षन सप्तान का मचन विश्वास करने
का कारण ह कि यथापूर्वाक्षन सप्तान का मचन विश्वास करने
का कारण ह कि यथापूर्वाक्षन स्पान का मचन विश्वास करने
प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

1510--1515/82) में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि—आर० एस० स० 4274/1, अठयार ब्राटजिये रोड, मद्रास-28 । (डाक्मेंट स० 1510-1515/82)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

सारीख: 27-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज। II, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनाक 7 ज्लाई 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2338/एक्य०-23/11/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० ग्राह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं० मर्थे तं० 183 है तथा जो सिखपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिद्धपुर में र्राजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ं को किसं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दंसे के अन्तरक के बाणिस्व में कभी करने पा सससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अण्य बास्तियों को, निर्में भारतीय आयकर प्रधिनियम, 192? (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर बिधिसम, 1957 (195? का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के सिंहर ;

यतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के धन्तरण र्ने; में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपमारा (1) के धधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों,

श्री बाई राय, विट्ठल दास वाजीदास
 की विधवा,
 राजपुर,
 सिद्धपुर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री भगवानदास मनानचन्द, मोट।
 - 2. श्री नारायणदास नानचन्द, मोट ।
 - 3. श्री रतिलाल जोयनाराम, मोट ।
 - 4 श्री अमरेतलाल अम्बालाल, मोट ।
 - श्री डाहयाभाई अम्बालाल, मोट । सरस्वती नगर सोसाइटी, सिद्धपूर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना **भारी करजे प्रॉक्ट संपरित के अर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 183 जिसका कुल क्षेत्रफल 14872 चौ० मीटर्स है । जो सिद्धपुर में स्थित है । मब-रजिस्ट्रार, नं० 1287/ डी० मं० 1982 में रजिस्टर्ड किया गया है ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, अहमदाबाव

तारीख: 7-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अपीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० ब्लाक नं० 1108 है तथा जो छनाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रजिस्ट्रीकरणअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बांबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) एसे िकसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) खेतान लिमिटेड इण्डस्ट्रीयल प्रा० लि०,
 306/307, वर्मा चेम्बर्स,
 होमजी स्ट्रीट,
 बम्बई-1 ।

(अन्तरक)

(2) बाजन केसल लिमिटेड, 302, मजेस्टिक शापिंग सेंटर, बम्बर्ड-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के न्यय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन ब्लाक नं० 1108 जिसका कुल क्षेत्रफल 7 एकड़ 18 गूंठा है जो छन्नाल में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, कलोल में 2659 नम्बर पर रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

तारीख : 11-7-1983

मोहर.

प्रत्य आ**र्धः टी. एन. एस.-----**

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं पी० आर० नं 2340/एक्यू०-23/II/

83-84--अतः मुक्षे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे मं० 495 है तथा जो खोरज, में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण, निम्निसित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्म से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीक कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था छिपानी में सविभा के लिए;

अप्तः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पीरु मियां वरुमियां मलेक, खोरज, तह०/जिला गांधी नगर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री जयन्तीभाई कचराभाई पटेल
 - 2. श्री रमणभाई खोडाभाई पटेल
 - 3. श्री नरेंन्द्र कालीदास पटेल
 - 4. श्री अहीतसिंह दाणीजी सिहोला खोरज, तह० गांघी नगर।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किभी ज्यक्ति द्वारा,
- (क) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हे में किए जा सकींचे ।

स्मध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उसक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

जमीन सर्वे नं० 459 जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 36 गूठा है जो खोरज में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, गांधी नगर में 2040 नम्बर, पर दिसम्बर 1982 मे रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ंरेंज्र—ा्र, अहमदाबाद

तारीख: 11-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1983
निदेश मं० पी० आरं० नं० 2341/एक्यू०-23/II/
83-84---अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पी० पी० एस० नं०1, एफ० पी० 337, और 338 है तथा जो नडीयाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के का जीलय नडीयाद में रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त गंपिता के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—-

- (क) शन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अल्क कर अधिनियम, या अल्क कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धःरा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री बाबूभाई धुलाभाई परमार
 - 2. श्री कामईभाई धुलाभाई परमार दरबार गोपालदास रोड, भातृभाई हाऊसिंग मोसाइटी, नडीयाद ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री सोलोमनं मोरारजी मकवाना
 - श्री जोनसन गंकर प्रसाद दरबार गोपालदास रोड, आदर्श सांसाइटी, नडीयाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पञ्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन प्लाटनं० 337 और 338 है जिसका कुल क्षेत्रफल 9496 चौ० मीटर्स हैं जो नडीयाद में स्थित हैं। सब–रजिस्ट्रार नडीयाद में 7950 नंम्बर पर ता० 20–12–82 को रजिस्टर्ड की गई हैं।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

तारीख: 11-7-1983

प्रकृप बाह्". ही. इन. यस.-----

सायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2342/एस्क्यू०—23/11/ 83—84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

श्रायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त श्रीभिनियम' कहा गया ही की भाष 269-स से अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण ही कि स्थावर संपीता जिसका उचित वाकार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० सर्वे नं० 985 है तथा जो आनंद में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द में रजिस्ट्री— करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 31 दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के धीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलीवत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नीलीवत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नीलीवत में बास्त-

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाव की नावध स्वतः विध-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उत्तत्वे वचने में दुविधा के सिये; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य दास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 259-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री आणाभाई प्रह्लादभाई गोटोल, सागोलपुरा, आनंद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरमान भाई मंगलभाई पटेल, नावली, ता० आनंद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

छक्त सम्पत्ति से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथित व्यक्तियों में किसी क्यिक्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंग

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया मुसा है।

वनुसूची

जमीन सर्वे नं० 985 जिसका कुल क्षेत्रफल 2276 चौ० मीटर्स जो आनंद में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार, आनंद में 4440 नम्बर पर ता० 18-12-82 में रजिस्टर्ड की गई है ।

> आर० आर० णाह मक्षम प्राधिकारी सहाथ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--JI, अहमदाबाद

तारीखा : 11-7-1983

मोहर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्) अर्जन रेंज-II,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2343/एक्यू०-23/11/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं कि मर्वे नं 1603 है तथा जो बल्लभ विद्या नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आणंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्नरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उगधारा (1) के अधीन. निम्निस्सत व्यक्तियों, अधीत :——
—236G1/83 (1) श्री गोवर्धनभाई चुन्नीलाल देसाई, पाणेथा, देसाई वर्गो, ता० सगडिया, जिला भग्च ।

(अन्तरक)

(2) श्री शशिकात डाह्यभाई पटेल, बाक्रोल, भाईलालजी की खिड़की, तह० आणंद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अगे उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 1603 जिसका कुल क्षेत्रफल 868 चौ० मीटस है जो वल्लभ विद्यानगर में स्थित है सब-रजिस्ट्रार, आणंद में 4462/ नम्बर परता० 21-12-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, अहमदाबाद

तारीख : 11-7-1983

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकार आय्का (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2344/एक्यू०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 273/1, 273/2 है तथा जो आणंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और दूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आणंव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थाह (1) श्री भाईलालभाई मोतीभाई, मार्फत अञ्चुलभाई सुलेमानभाई, कासुजी की खिड़की, जूना दादर, आणंद।

(अन्तरक)

(2) मैं० अहमदभाई हसन भाई, पोलसन डेरी रोड, आणंद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 273/1, 273/2 जिसका कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ 37 गूंठा है जो आणंद में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, आणंद में 4435 नम्बर पर ता० 17-12-82 में रडिस्टर्ड की गई है।

> आरं० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

ता**रीख** : 11—7—1983

प्रस्प बाइ .टी. एन. एव . ------

बायक प्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2345/एक्वी०-23/II/ 83-84-अतः मुझ, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उर्क्त विधिनयम' कहा गया ही, की वारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह दिवश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टीं पीं एस० नं० 3, प्लाट नं० 435/1 है तथा जो आणंद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आणंद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **बा**धीन, तारीख 22 दिसम्बर, 1982

को प्याँक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उद्ध प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए

अतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री भाईलाल भाई मोतीभाई पटल, मार्फत अब्बुलभाई सुलेमान भाई, जूना दादर, आणंद।

(अन्तरक)

(2) मैं अहमदभाई हसनभाई, पोलसन डरी रोड, आणंद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन सर्वे नं० 3, प्लाट नं० 435/जिसका कुल क्षेत्रफल 2223 चौ० मीटर्स है । सब-रिजस्ट्रार, आणंद में 4473 नं० पर सा० 22-12-82 में रिजस्टर्ड की गई है ।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आंयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

तारीख: 11-7-1983

मोहर

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

वायकर प्रधिवियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 289व (1) के ग्रधीन सूपना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमवाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2346/एक्वी०-23/11/ 83-84-अतः मुझे, आर० आर० साह

म्रायकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुरूप 25,000/-र∙ से ऋधिक है

और जिसकी सं० 281 हिस्सा 1/1 है तथा जो उमरगाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता**रीख** 24 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पम्ब्रह प्रतिशत से घधिक है ग्रीर भ्रन्तरक (घन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से काथन नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रान्तरण से हुई किसा भाष का बाबन, इका प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक क दायित्व में कमी करने राउयसे बचने में सुविद्या क लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भ्रन्य भास्तियो को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयायायाकियाजाना चाहिए था, फ्रिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उर्क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री वसंतलाल के० शाह, उमरगाम, जिला बलसार ≀

(अन्तरक)

(2) ओरिएण्टल सिथटिक और रेयन मिल प्रा० लि०, प्लाट नं० 188-189, जी० आई० डी०सी०, उमरगाम ।

(अन्तरिती)

क्षो यह सूचना जारी करके दुशकन सम्बक्ति के प्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भार्मन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भवधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविष्ठ, चौ भी ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीका स्यक्तियों में से किसा स्यक्ति **दारा**;
- (ख) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठोकरण.---इसमें प्रपृक्त गन्दा और पदों का, जो सकत अधिनियम के भध्याय-20क में परिभाषित है, यही भर्ष होगा को उप श्रध्याय में दिया वया है ।

•अनुसुची

जमीन सर्वे नं० 281, हिस्सा 1/1 जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 30 गूठा (11091) चौ० मीटर्स) जो उमर गांव में स्थित है। सब रिजस्ट्रार पारडी में 1891 नं० पर ता० 24-12-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 18 *7*—1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध '1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद,दिनांक 18 जुलाई 1983 निदेश सं० पी० आर०नं० 2347/एसी० क्यू०-23/II/ 83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 52/1/ए है तथा जो सिघरा, ता० पारडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के तारीख 10 दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुभे वैयह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण मो, मो उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) श्री भूपतराय खंडूभाई वेसाई, तीधरा, ता० पारडी ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती हेमलताबेन शभनचन्द्र शाह।
 - श्रीमती सरस्वती बेन प्रफुलचन्द्र जोशी।
 - 3. श्रीमती जयाबहुन प्रवीप कुमार बोरा।
 - 4. श्रीमती ईलाबहन देवचन्द शाह।
 - भाईनारे जस्मीन देवचन्द शाह, बगवाडा

ता० पारडी ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सेंसस/सर्वे नं० 52/1/ए जिसका कुल क्षेत्रफल 10724 चौ० मीटर्स जो निथरा 1815 नं० पर ता० 10-12-82 में रजिस्टर्ड की गई है ।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 18-7-1983 कोहर: प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2348/

अतः मुझे, आर० आर० शाह

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त 'अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 174/1 और 175/1 है तथा जो तीथरा, ता० पारडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूत्रिधा के निए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जमीयतराम नारायण जोशी, तीथरा, ता० पारडी ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री हरीभाई शंकरभाई पटेल माईनर : हवभाई हरीभाई और भुरेनभाई हरीभाई और अन्य, उत्तरसंडा, जिला खेड़ा, हाल पायी, ता० पारडी ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

मन्त्रपी

खेत—जमीन सर्वे नं० 174/1 और 175/1 है जिसका कुल क्षेत्रफल 1 हेक्टेयर 87 एकड़ है। जो तिथरा में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, पारडी में 1803 नं० पर ता० 3-12-1982 को रिजस्टर्ब की गई है।

आर० आर० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, अहमदाबाद

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप. आहूर. टी. एन. एस. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की क भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2349/एसी० क्वी०-23/II /83-84-अत: मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), 'की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे न० 1134/1/2 है तथा जो उमरगांव में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूत से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 दिसम्बर, 1982

को पूर्नेक्त संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरुवास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्तें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों ,अर्थात् :--- (1) श्री विलावर हुसैन अलीभाई नुरानी, सोमसुभा, ता० उमरगांव।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार मोहन लाल मेहना, सोमसुभा, ता० उमरगाव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपितन में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ह⁸।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 113/1/2 जिसका कुल क्षेत्रफल 4 एकर्स है जो उमरगांव में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, पारडी में 1794 नं० पर ता० 2-12-82 को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—2, अहमदाबाद

तारीख: 18-7-1982

प्ररूप आहर . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर०नं० 2350/एसी०, क्वी०-23/ II/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह प्राकृत क्षीप्रतिसम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 71, अरोदरा है तथा जो ता० ओलपाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिस्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती खरन बीवी,
नूरबंग रसूलबंग की लड़की
और मोहम्मद आजम की पत्नी,
गांव अरोदरा,
ता० चोर्यासी,
जिला सूरत ।

(अन्सरक)

(2) श्री विनय लैण्ड आर्गेनाइजर्स, किनारी बाजार, नाणावर , सूरत।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति. के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क्री तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 घिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन ब्लाक नं० 71 जो अरोदरा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 20 एकर्स 20 गूंठा है । सब-रजिस्ट्रार, ओलपाड में 5412 और 5413 नं० पर ता० 18-12-82 को रजिस्ट्रर्ड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख : 18-7-1983

मोष्टरः

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद
अहमवाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1983
निदेश सं० पी० आर० नं० 2351/एसी० क्वी०-23/
II/84-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य

और जिसकी सं० सर्वे नं० 501/2 पैंकी फ्लोर नं० 1 है तथा जो अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 दिसम्बर, 1982

25,000 ∕- रत. से अधिक **ह**ै

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रेती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं कथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उपतः 'अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व वें कभी करने या सबसे अचने में सृविभा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अत्र, उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 9—236GI/8 3

(1) श्री डाह्याभाई हीराभाई और अन्य, पी० ए० होल्डर श्री पूनमचन्व सोभाभाई प्रजापित, पटेल सुपर मार्फिट, भरुच।

(अन्तरक)

(2) सी० सी० श्री० सी० कन्स्ट्रवशन प्रा० लि०, कार्यालय 6, करीम चेम्बर्स, 40, हमाम शेरी, बम्बर्द, एवरेस्ट कार्पोरेशन, पटेल सुपर मार्किट, भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृतित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोंई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सें 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, पो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिन खेत विषयक जमीन सर्वे नं० 501/2 पैकी जो अंकलेश्वर में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 620 चौ० मीटर्स है। सब--रजिस्ट्रार, अंकलेश्वर में 3926 नं० पर ता० 20-12-82 को रजिस्ट्रर्ड की गई है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 18-7-1983

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाव अहमदाबाव,दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2352/एवयू०-23/ II/83-84-अतः मुझें, आर० आर० शाह, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे समर्थे एक्ना पंचात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की पारा 269-ख के अधीन मभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 क्पये से प्रधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 11 पैकी है तथा जो अली, भरुष में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुष में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यान प्रतिकल के निए पनारित की गई है प्रौर मुखे वह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पराइ प्रतिकात से प्रधिक है प्रौर प्रन्तरत (अस्तर हों) पौर पर्न्तरिनी (अस्तरिनर्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ नाथा गया प्रतिफल, निस्तलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण जिल्लित में वास्तवित स्था ने कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः भवः, उत्ततं मधिनियमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उत्ततं प्रधिनियमं की धारा 269-म जी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नारायण एसोसिएट्स, श्री रावजी भाई नाथूभाई प्रजापति, नारायण निवास, नीलकण्ठ महावेष, भरुच ।

(अन्तरक)

(2) श्री जलाराम नगर को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी , चेयरमैन : मनोरमा बहन जयंतीलाल ठक्कर, भरुच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति धारा;
- (ख्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किसे जा सकेंगे।

हरव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त गक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो श्रथं होगा, जो उम श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 11 जो अली गांव में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 4995 चौ० मीटर्स है । सब-रजिस्ट्रार, भरच में 5916 नं० पर ता० 22-12-82 और 17-1-83, 5973 नं० पर ता० 31-12-82 में रजिस्टर्ड की गई है ।

> आर० आरं० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 18-7-1983

प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2353 /एक्सी०-23/ 11/83-84—अतः मुझे, आर \circ आर \circ णाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रा. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 26 पैकी है तथा जो भोलाव ता० भरुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 दिसम्बर, 1982

को पूर्वीक्त संपीत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तुरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई फिलीबाद की शबत, स्वत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिल्हों भारतीय अध्यक्तः अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शंकरभाई रईजीभाई पटेल, जाडेश्वर, ता० भरुच।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण को० आपरेटिष हाऊसिंग' सोसाइटी लिमिटेड, प्रमुख श्री रावजी भाई मधुराभाई पटेल, भोलाव. ता० भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप:--

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधियातरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तिं द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

जमीन सर्वे नं० 26 पैंकी भोलाव में स्थित है जिसका 13748 चौ० मीटर्स है। सब-रजिस्ट्रार, भरुच मे 5886 और 5887 नं० परता० 15-12-82 और 2881 और 2882 नं पर ता 17-12-82 को रिजस्टर्ड की गई **है** ↓

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ज़अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 17-7-1983

प्ररूप आई ुटी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2354/एक्यू०-23/ II/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह, ब्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 47, नन्दपोल है तथा जो भरुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित गाणार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कृष्य महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे ब्याने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब् उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, दिस्नलि<u>क्ति व्यक्ति</u>यों, अर्थात् :—— (1) श्री इस्माईल अहम्मद पटेल, शेरपुरा, ता० भरुच ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रद्धा को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, वेयर मैन :श्री गजेन्द्र नानालाल, लाल बाजार, खवास वाड़ • भरुच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिन खेत विषयक जमीन सर्वे नं० 47 जो नन्दवल, ता० भरुच में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, भरुच में 5883 नं० पर ता० 15-12-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० और० ग्राह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाव

तारीख: 18-7-1983

प्रक्य मार्चः बर्वे, एतः एव,------

भागकर अधितिस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-डु (1) के ब्योन सूचवा

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-2, अहमवाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1983 निदेण सं० पी० आर० नं० 2355/एक्यू०-23/II/83-84--अत: मुझे, आर०आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1023, 1024 है तथा जो गोरवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 दिसम्बर, 1982

को पृवां क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृवां कत संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां)। और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रति-क्रम निम्निनिवत उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिवित में बास्त-विक क्य से क्षिण महीं किया गया है :--

- (क) अन्यरण ते हुव किथी नाम की कावड उपाप श्रीपु-विश्वण के वधीन कर दोने के क्लारक के शांवरण में कभी करणे वा उसके ब्लाने में सुविधा के किए; शरि/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी थन या अस्य जास्तियों की, चिन्हें भारसीय नाय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त जीभनियम, वा धन कर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिनाने में सुनिक्षा के जिन्हें।

जतः जन, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, में,, उक्त जीधनियम की धारा 269-म की जम्भारा (1) के स्थीन, निस्नीकृतिकृत का क्रिक्त की हिंदी क्यांत् क्र--- (1) श्री भाईलाल भाई पी० पटेल, नवरंग सिनेमा के पास, रावपुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री हसमुखभाई शंकरभाई पटेल, मार्फत एशिया सेल्स एण्ड मैनेजमेंट सर्विसेज, 4/91, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, गोरवा, बडौदा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के मर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निचित् में किए या सकोंगे।

स्वश्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसूची

शोड जो गोरवा में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 8524 चौ० फीट है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौवा में 6574 नं० पर तारीख 31-12-82 में रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 18-7-1983

मोहरः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

कायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाव
अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1983
निदेश सं० पी० आर० नं० 2356/एसी० क्यू०-23/
II/83-84-अत: मुझे, आर० आर०शाह
बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्सि, जिसका उषित बाजार मृत्य
25,000/- रा. से अधिक है

अगैर जिसकी सं० 273/1, 273/2, नं० 56, सर्वे नं० 2861/पी है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 दिसम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकी श्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार उद्योग से अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का सम्मित तहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायिएयु में कभी करने या उक्से क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना जाहिए था जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीम, विक्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ⊞— (1) श्रीमती ईच्छासंर छगनलाल गोपालजी और अन्य, कोस (जजाबल), ता० महुवा, जिला सुरत ।

(अन्तरक)-

(2) श्री मनोज कुमार रसीकलाल मेहता,
 2, शांति बिल्डिंग,
 नं० 1, फ्लेट नं० 41/19,
 पेकर रोड,
 बम्बई-26।

(अन्तरिती)

कौ यह मूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

तकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सुजना के राजपल में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की ध्विष्ठ, जो भी प्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र कि बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो शक्त श्राधिक नियम के शक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गन्ना है।

अमृसूची

जमीन सर्वे नं० 2861, आर० एस० 273/1, 273/2, सेन्सस नं० 56 जिसका कुल क्षेत्रफल 2812.5 चौ० मीटर्स (31329 चौ० फीट) जो नवसारी में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 4134 नंबर पर ता० 21-12-82 को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज—II, अहमदाबाव

तारीख: 18-7-1983

प्रकमः बार्षः दीः एन्ः एसः -----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारां 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलोई 1983

निदेश स० पी० आर० न० 2357/ए० क्की०-23/ $I^{I}/83-84$ —अतः मुझे, आर० आर० शाह श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड 2, नार्थ 1.933, प्लाट 2, फ्लैट नं० 502 है तथा जो चन्दन अपार्टमेंट, मंजुरागेट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित ज़ब्दिये से उच्त खंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) औरिएण्टल कार्पोरेशन, 101, रिज्जि-सिद्धि अपार्टेमेंट, गुजरात मित्र प्रेस. सोनी फलिया, सूरत '

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश पी० शाह, 502; चन्दनवन एपार्टमेंट, मजुरागेट, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पृत्ति के बर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन् को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यागः, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट तं० 502 जो चन्दनवन अपार्टेमेंट, मजुरागेट, सूरत में स्थित है जिसका वार्ड नं० 2, नार्थ नं० 1933, प्लाप्ट नं० 2, और कुल क्षेत्रफल 996 बौ० फीट हैं। सबस् रेजिस्ट्रार, सूरत में 8314 नं० पर दिसम्बर, 1982 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

तारीख : 22-7-1983

प्ररूप् बाइं, टी. एन., एस., ----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज Π ,

अहमदाबाद, धिनांक 22 जुलाई, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2358/एक्वी०/23-Ⅲ/ 83-84—अत: मुझे, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 - रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 16/पैकी फ्लैट नं० 21 है तथा जो शिवशंकर अपार्टमेंट विभाग-2, उम्मा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-12-82 को पूर्वोंक्त संम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजियत उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें वर्षाद् क्ष्म श्री राजु , ईन्दरकुमार हरिराम अङनानी,
 23, धर्म युग सोसायटी,
 घोड़-दौड़ रोड,
 सूरत ।

(अन्सरक)

 श्री मुकेश आर० नायक, सी-5/4, जीवन परिवार, तीमालियाबाड़, नामपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्की

फ्लैंट नं० 21, शिष शंकर एपार्टमेंट को० आ० हा० सोसा० लि० विभाग-II, उम्रा, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 590, ची० फीट सर्वे नं० 16 पैकी है। फार्म नं० 37ई०ई०, विनांक 25-12-82 को यह कार्यालय में मिला है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-7-1983

प्ररूप आई• टी॰ एत• एस•----

धायकर ग्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II,

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2359/एक्की०-23-II/83-84—यतः मुझे आर०, आर० शाह

भायकर ध्रावित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिल्ला घिष्टिनियम कहा गया है), की धारा 269-ज के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मुल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी वार्ड 13, नोर्थ नं० 1961, सर्वे नं० 54 पैकी है, तथा जो फ्लैट नं० 13 और 24, पहला मझलें, स्वाति, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रिक्त का जार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत अधिक है घोर घन्तरक (घन्तरकों) ग्रीर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बाँड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10-236GI/83

 श्री अस्पीन ईन्द्रवादन मारफतीया, पो० ए० होल्डर, श्री ईन्द्रवदन मोतीलाल, मारफतीया, दरिया महल, सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री नरेन्द्र जयन्ती लाल, बाला जी रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

gक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ**खे**प।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध; को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मलि में हिंत-वड किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताखरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्राव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त अन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त धर्षिनियम; के घड़याय 20-क में परिचाबित है; वही वर्ष होगा जो उस घड़याय में दिया गया है

अनुसूची

ब्लाक नं० 3, पहला मंजिला 'स्वाति', वार्ड नं० 13, नोर्थ नं० 1961, आर० एस० नं० 54, पैकी प्लाट नं० 13 और 24, जो सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 808.85, चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 9174 नंबर पर दिसम्बर 82 में रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख 22-7-1983 मो**ह्**र ु प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ग़र्, !

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1983

निवेश सं० पी० आर० न० 2360/एक्वी० 23-II/83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिक री को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं० वार्ड 13, नोर्थ नं० 1961, आर० एस० 54 पैकी है सथा जो प्लाट 13 एं 24, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1981 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य जे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के निये; अदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जीधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निस्नीसिखतु व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री अश्विन ईन्द्रवदन मारफतीया, पी०ए० होल्डर, ईन्द्रवदन मोतीलाल, दारीआ महल, सूरत।

(अन्तरक)

 मालतीबहुन नरेन्द्र भाई, सालासी रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 2, पहली मंजिल, वार्ड नं० 13, नौर्थ नं० 1961 आर० एस० नं० 54, प्लाट नं० 13 और 24 है, जिसका कुल क्षेत्रफल 846-45 चौ० फीट है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 917 नंबर पर दिसम्बर 82 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख 22-7-1983 मोहर : प्रकृप मार्च ् दी. एम्., एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2361/एक्वी०-23-II/83-84----अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खा के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यु 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे न० 30ए०-2, 31-2, टी०पी०एस०-6 है तथा जो पी० ओ० 4 (पी), मजूरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनाक 7-12-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से विश्वास करने के का स्वीपक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती कन, निम्मतिवित उप्योक्त से अवस अन्तर्ष दिन्त में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जुन्तदुष्य से हुद्द किसी वाजुकी बाबता, शक्त विधित्यम् के स्थीत् कर दोने के अन्तुरक के शाबित्य में कभी कहने या उत्तरे वचने में सुविधा के सिप्, श्रीर√या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया के वा चाहिए था जिया में सूविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— श्री सवजीभाई माधवजी भाई, परमार नानपुरा, घोबी शेरी, सुरत ।

(अन्तरक)

 श्रीमती शारदा बहुन, चन्द्र कान्ता पटेल, नानपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सुम्पत्ति के वर्जनु के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 दिन की संबंधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी कविध नाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी मन्य स्थवित द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीक एण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 22, दूसरी मंजिल, सर्वे नं० 30-ए-2, 31-2, टी० पी० एस० 6, एफ० पी० 4, पैकी ब्लाक-पी, पैकी सब प्लाट 1 से 4, सर्वे नं० 1829 से 1932 जिसका कुव क्षेत्रफल 55.928 चौ० मीटर्स (694 चौ० फीट), सब रजिस्ट्रार सूरत में 9004 नम्बर, पर ता० 7-12-82 में रजिस्टर्ड किया गया है ।

आर० आर० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज *घर,* अहम**बाबाद**

तारीख 22-7-1983 मोहर

प्रकष बाह्य, टी. एत्. एस.--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश स० पी० आर० न० 2362/एक्वी०-23-II/83-84-अत मुझे, आर० आर० शाह

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड-2, नोर्थ न० 1933, प्लाट 2, है तथा जो पलैट न० 204, मजूरा गेट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके बस्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किच निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उसत अधिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; शीर/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— ओरिएन्टल कार्पोरेशन, 101, रिद्धि-सिद्धि अपार्टमेंट, गुजरात मित्र प्रेस के सामने, सोनी फलीया, सूरत ।

(अन्तरक)

श्रीमती सरला देवी, धनश्याम जाजु, सी/2021, सूरत टेक्सटाईल, मारकेट, सूरत ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हैं, के भी कर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिता में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कृष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, दूसरा मंजिला, चन्दनवन एपार्टमेट वार्ड नं० 2, नोर्थ नं० 1933, प्लाट नं० 2 जो मजूरा गेट, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 628 चौ० फीट है । सब-रजिस्ट्रार सूरत में 8310/82 नंबर पर विसम्बर 80 में रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाव

तारीख 22-7-83 मोहर 🛭 प्ररूप आइ. ट्री. एन . एस ., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सण्कार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज $oldsymbol{\mathrm{II}},$ अहमदाबाद

अहमधाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2363/एक्वी ०-23-II/83-84-अतः मुझे, आर० आर० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० वार्ड 2, नोर्थ नं० 1933, प्लाट नं० 2, फ्लैट नं० 209 है, तथा जो चंदनवन एपार्टमेंट, मजूरा गेट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण, रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनतः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— ओरिएंटल कार्पोरेशन,
 101, रिद्धि-सिद्धि अपार्टमेंट
 गुजरात मित्र, प्रेस के सामने सोनी फलीया,
 सूरंत ।

(अन्तरक)

 श्रीमती धापु देवी जीतकुमार अग्रवाल, ई-6, सूरंत टेक्सटाईल मारकेट, मूरते ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 209, दूसरा मंजिला; घंदनवन अपार्टमेन्ट वार्ड नं० 2, नोर्थनं० 1933, प्लाटनं० 2 जो मजूरा गेट, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 628 भी० फीट है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 8309/82 नम्बर पर दिसम्बर 82 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , अहमदाबाद

तारीख 22-7-1983 मोहार 🖫 प्ररूप भाषां, टी. एन., एस., ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरोक्षण) अजन रेंज II, महमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० पी०श्रार०नं० 2364/एक्वी०-23-II/83-84— क्षतः मुझे,आर० आर० णाह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्यु 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नोर्थ नं० 1933, प्लाट नं० 2 है तथा जो फ्लैंट नं० 503, मजूरा गेट, सूरत में स्थित है। (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत मैं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृषित मुहीं किया गया है:—

- (क) जन्तुरण से हुई किसी आय की बाबतु, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने मा उससे मुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिकतथों, अर्थात्ः— ओरियंटल कारपोरेशन
101, रिब्धि-सिद्धि अपार्टमेंट,
गुजरात मिस्र प्रेस के सामने,
सोनी फलिया,
सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री संदीपभाई राजेन्द्र कुमार शाह, जैड-1197, सूरत टेक्सटाईल मारकेट, सूरत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि. या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त तब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 503, पांचथा मंजिला, चंदनश्रन अपार्टमेंट मजूरागेट, सूरत में स्थित हैं। (बार्ड नं० 2 नोंथें नं० 1933, प्लाट नं० 2, जिसका कुल क्षेत्रफल, 628 चौ० फीट हैं। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 8303 नंबर पर दिसम्बर 82 में रजिस्टर्ड कियागया है।

> आर० आर० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ÎI,अहमदाबाद

तारीख 22-7-1983 : मोहरू ब प्ररूप् बाइं .टी .प्रम . एस् . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2365/एक्यू०-23-1ा/83-84---अतः मुझे आर० ग्रार० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नोंध नं० 1933, प्लाट नं० 2 है तथा जो पलैट नं० 101, मजूरा गेट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिज़स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सो अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तित्तयों, अर्थात् :---

ओरियंटल कोरपोरेशन,
 101, रिद्धि-सिद्धि अपार्टमेंट,
 गुजरात मित्र प्रेस के सामने,
 सोना फिलिया,
 सूरत ।

(अन्तरक)

डा० सोनल सुहास शाह,
 101, चंदन वन, अपार्टमेंट,
 मजूरा गेट,
 सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अवनि के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस 'सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास सिखित में किए का सकेंगे।

स्मध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पलैट नं 101, पहला गंजिना चंदनबन, अपार्टमेंट, मजूरा गेट, सूरत बार्ड 2, नोंद 1933, प्लाट नं 2, 930 चौ फीट है, जिसका कुल क्षेत्र फल 930 चौ फीट है। सब-रिजस्ट्रार सूरत में 8303 नम्बर परिवसम्बर 1982 में रिजस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

तारी**ख** 22-7-1983 मोहर:

मुक्य वाह्ं..टी..एन्..एस्..-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

धाउत गुरुकाङ

कार्यास्य, सहायक मायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2366/एक्यू०-23- II/83-84---यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड 2, नोंद 1933, मूजरा गेट है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को प्वाँकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तर्भ ने हुई जिसी आय की बायत अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना आहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

ओरियंट कोरपोरेशन,
 101, रिद्धि-सिद्धि अपार्टमेंट,
 गुजरात मिस्र प्रेस के सामने,
 सोनी फिलिया, सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री यशपाल ठाकोरदास,
 क्वार्टर 1258, सूरत टैक्सटाईल मारकेट, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिभ या तत्त्वस्थन्थी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया क्या है।

मपुत्रची

फ्लेट नं 110, पहला मंजिला, चन्दनवन, अपार्टमेंट, वार्ड नं 2, नोंद नं 1933, प्लेट नं 2, मजूरा गेट, सूरत, जिसका कुल क्षेत्रफल 628 चौ फीट है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 8304/82 नंबर पर दिसम्बर 1982 में रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-मू की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीनीयतः व्यक्तियों, अथित् ः—

तारीख: 22-7-1983

मोह्रर :

प्ररूप धाई० डी• एन• एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (२९.६1 का 43) की धारा 269-ष (1) के अशोन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II,

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1983

निदेण सं० पी० आर० नं० 2367/एक्यू०-23-II/83-84---यत:, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र शिष्ठां है

और जिसकी स० बार्ड नं० 2, नोंद न० 1933, प्लाट नं० 2 है तथा जो फ्लैंट नं० 410, मजूरा गेट, र्यूरत मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को प्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वाम करने का यारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम में, ऐम दृश्यमान प्रतिक्रण का पन्दर प्रतिग्रत भिक्ष है और जनरक्ष (बन्दरकों, और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरंग ी दूई किसी जाय को जाबर उत्तर प्रिधितियम के अधीन कर जैने के प्रक्तरंक के दालिय में कमी करने या **ए**ससे बचने में सुविद्या के लिए, और/या
 - (ख) ऐसे हिनो आय या हिनी तन र अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायका छिनियम 1922 (1972 के प्राचित्रियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं हिया गया या अ दिया सिया के लिए;

अतः गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--11—236G1/83

ओरियंट कोरपेरिशन
 101, रिढि-सिढि अपार्टमेंट,
 गुजरात मित्र प्रेस के सामने,
 सोनी फिल्या,
 स्रत्त ।

(अन्तरक)

2. श्री श्यामसुन्दर हरिशकर तुलासयन, जैड-1201, सूरत टैक्सटाईल मारकेट, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्प्रन्थ में कोई भी अक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि भा तस्त्रक्षनधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धर्वाक्ष, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंज में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ हैं किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रघोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, फो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 410, चौथा मंजिला, चंदनवन अपार्टमेंट, वार्ड-2, नोंद नं० 1933, प्लाट-2, जो मजूरा गेंट, सूरत में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 623 चौ० फीट है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 8307/82 नंबर पर दिसम्बर 1982 में रिजस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० माह सञ्जन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 11

अहमदाबाद, दिनाक 22 जुलाई 1983

निदेण स० पी० आर० नं० 2368/एक्यू०-23-11/83-84--यत., मुझे, आर० आर० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड 2, नोद न० 1933, प्लाट नं० 2 है तथा जो पर्लेट न० 403, मजूरा गेट, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) र्यजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरिकार) और अन्तरिती (अन्तरितारों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मनिधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिति व्यक्तियों, अर्थात् .——

- ओरियट कोरपोरेशन,
 101, र्रिड-सिद्धि अपार्टमेट,
 गुजरात भित्र प्रेस के सामने,
 सोनी फलिया सूरत (अन्तरक)
- श्री महेशकुमार बद्रीप्रसाद मालपाणी,
 82, रेशमवाला मारकेट,
 सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का करों है।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूवन शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया "या है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, चौथा मंजिला, चंदनवन अपार्टमेंट, सूरत, नोंक न० 1933, प्लाट नं० 2, 628 चौ० फीट है। सब-र्राजस्ट्रार, सूरत में 8312 नंबर पर दिसम्बर 1982 में र्राजस्टर्ड किया गया है।

> म्रार० आर० माह् सक्षम पाधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-7-1983

प्ररूप पाई० टी॰ इन॰ एड॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2369/एक्यू०-23-II/83-84- यत:, मुझे, आर० आर० माह,

प्रायकर आधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उबन अधिनियम' कहा गया है), की धारा ,289-ख के अधीन सम्मन् प्राधिकारी को यह विश्वा करने का कारण है कि श्याबर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्म 25,000/• ६० से प्रधिक है और जिसकी संव वार्ड नव 2, नोच नंव 1933, प्लाट नंव 2 हैं तथा जो फ्लैंट नंव 201, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-12-1982

को पूर्वीकत सम्यत्ति के जीवन बाजार मूस्य से नाम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की नहं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्यत्ति का श्रवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान शतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान आंत्रकल का पण्डाह श्रियत श्राधिक है धीर जग्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरल के लिये तय पाया गया प्रतिश्वल, निम्नलिखित उद्ध्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की वाब्त, उक्त अधिनियम की जुधीन कर योगे के बन्तर्क की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वी सिए; शुंदु/मा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी वन या बन्य बास्त्यों को; जिन्हें पास्तीय बायकर बिजिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपल धिजिनयम, या बन-कर बिजियम, 1957 (1957 का 27) के बबोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बवा वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाते में धुविबा के जिए;

जत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसुरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् ६—

ओरियंट कोरपोरेशन,
 101, रिद्धि-सिद्धि अपार्टमेट,
 गुजरात मित्र प्रेस के सामने,
 सोनो फिलया,
 सूरत ।

(अन्तरक)

 श्रीमती नूतनबहन आर० णाह, जैड-1197, सूरत टैक्सटाईल मारकेट, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की खर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाध, जो भी
 धर्वाध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्रवधिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत विधितियम के प्रश्नाय 20-क में परिभाषित ्दै, बही अब होगा, आ उस शब्दाव में दिया गया है।

भनुस्ची

फ्लैंट, नं० 201, दूसरा मंलिजा, चन्दनवन अपार्टमेंट, मजूरा गेट, सूरत में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 996 चौ० फीट है और नोंखनं० 1933, प्लाट नं० 2 है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 831 नम्बर पर तारीख 2-12-82 में रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

तारीख: 23-7-1983

प्ररूप भार,, थी., एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज- ${
m II}$,

अहमदाबाद, दिनाक 23 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2370/एक्यू०-23-II/83-84— यतः, मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्यु 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नोद नं० 1933, प्लाट नं० 2 है तथा जो फ्लैंट 509, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-12-82

को प्वोंक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है ——

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की वाबत, उक्त् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी क्षरने या उससे क्ष्में में हुविधा के सिए; बोर/या
- '(स) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म-

ओरियट कोरपोरेशन,
 101, रिज्ञि-मिद्धि भ्रपार्टमेट,
 गुजरात मित्र प्रेस के सामने,
 सोनी फिलिया,
 स्रत ।

(अन्तरक)

 श्री लक्ष्मीकान्त जे० अली, एम-1277, सूरत टैंक्सटाईल भारकेट, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यांक्त
 व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की टारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थातर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के मध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस मध्याय में दिसा नया हैं!

वनुसूची

फ्लैंट नं० 501, पांचवां मंजिला, चंदनवन, ग्रपार्टमेंट, सूरत, वार्ड नं० 2, नोंद नं० 1933, प्लाट नं० 2, जिसका 996 चौ०फीट का कुल क्षेत्रफल है। सब्र-रजिस्ट्रार, सूरत में 831 नम्बर पर ता० 2-12-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 23-7-1983

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 11 जुलाई 1983

निदेश स० पी० आर० नं० 2371 /एवपू०—22- U/ 83-84—स्प्राः मुझे, आर० आर० जाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका म० सर्वे न० 16/2ो, फ्लैंट न० 20 है तथा जो शिवशंकर अपार्टमेट विमाग -1ं, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुगूची में और पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 24-12-82

को पूर्वोक्त संगरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत मे वास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तितयाँ, अर्थात्:-- (1) श्रो नीलम बासन्ती टेमनदास ग्रङनानी रूपलाल अस्टेट के सामने घुड-दौड रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र गोविन्दलाल परीख 10/1929 वाघेष्वरी पोल, सोनी फलीया, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अप्रधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास निवित्त में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 20, शिवशंकर एणर्टमेंट विभाग—II जो उमरा, सूरत में स्थित है जिसका सर्वे नं० 16 पेंकी 590 चौ० फीट है, ता० 22—12—82 का फार्म न० 37-ईई मिला है।

> आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 11-7-83

प्ररूपु आह[‡]. टी_ं एन . एस .- - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० थी० आर० नं 2372/एक्यू०-23-II/83-84--अतः मुभे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट ई, बार्ड-1, नोधं नं० 1308/v, फ्लैंट-3 है तथा जो गीतांजली सोसायटी जानपूरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-12-82।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहनलाल, छगनलाल हजारीधाला बी०-10 वस्लभनगर सोसायटी, कारेलीबाग, बड़ौदा-18 ।

(अन्तरक)

(2) डा० दिलीप चन्दुलाल हजारीवाला मैं 14, श्रीरंग सोसायटी, नीमालीवाड, नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सुची

फ्लैट नं० 3, गीतांजिल सोसायटी, प्लाट—ई०, बार्ड—1, नींध—नं० 1308/ए० जो नानपुरा, सूरत में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 600 चौ० फीट है। सा० 17-12-82 का फार्म नं० 37-ईई जो 17-12-82 को मिला है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज– , अहमदाबाद

दिनांक : 11-7-83

भोहर:

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भा सरकार

कार्यालय, सहायक कर र कायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० भी० आर० नं० 2373,/एन्य्०-23-II/83-84--श्रा:- मुझे, आर० आर० णाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1466 है तथा जो धोलका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घोलका में रजिल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिन्निक 1-12-82

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

- (1) श्री सरवभाई वाधजीरभाई
 - (2) श्री नवधन भाई वरेजीमाई
 - (3) श्री जीवनवरन, संअजी टिगोलभाई की पूत्री
 - (4) श्री हरिभाई माधाभाई
 - (5) श्री मोहनभाई खेंगारभाई

मोटा रवारी के पास, धोलका । "

(अन्तरक)

- (2) (1) शाह सुमितलाल छोटालाल अहमदाबाद
 - (2) णाह पंकज कूमार सुमलिलाल अहमदाबाद
 - (3) शाह नरेशचन्द्र सुमतिलाल
 - (4) गाह राजेशभाई " "
 - (5) शाह वीपनचन्द शांतिलाल "
 - (3) 416 441444 41141111
 - (6) गाह दिनेशचन्द्र शातिलाल "
 (7) गोसलिया रमणीकलाल सुन्दरर्जाः "

(अतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया म्या है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 1466 जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड 36 गुंठा है। जो घोलका में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, धोलका में 1216 नम्बर तारीख 1-12-82 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनाक : 30-7-83

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज=II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2374—"म्य०-23-11/83-84—-अत: मुझं, आण० आर० शाह,

अक्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 32/1 है तथा जो कंजरी में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-12-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार म्ल्य में कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है. और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नो, निहीं भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वांग प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-न्न की रापधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नाणा प्रताप सिंह अभेसिह कणजरी नहसील---नडियाद ।

(अन्तरक)

- (2) गरोवर एग्रो केमिकत्स एण्ड फर्टीलाईजर लि०
 - (1) श्री फनेर सिंह अमेसिह राजा कंजरी ४० नडिया
 - (2) श्री विशनदास नवलराय चन्दनानी निष्ठयाद
 - (3) श्री जतीन बुमार मनेन्द्रभाई पटेल
 - (4) श्री विष्वराज सिंह धिरेन्द्र सिंह जाला
 - 3/4 चन्द्रलोक सोसायटी नडियाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपष्टिकरण: -- इरामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20 कि में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

जमीन और मकान की कणजरी गांव में सर्वे तं० 32/1 में स्थित है। सब-रिजिस्ट्रार नडीयाद में 7673 नम्बर पर ता० 16-12-82 में रिजिस्टर्ट किया गया है।

आर० आर० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयफ़कर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनाक : 30-7-83

मोहर 🞉

प्रकृप आहाँ . टी एन . एस . -----

थावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 30 जुलाई 1983

निवेश स० पी० आर० न० 2375/एक्यू०--23-11/83-84---अत मझें, आर० आर० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 रु० से प्रधिक है

और जिसकी स० सर्वे न० 296 है तथा जो मलुन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्प से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्षा अधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 14-12-82 को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के खरयमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिय्त उद्भावस में गा जिल्ला की ति। सल के वास्तियं क्या से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के किए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आक्षिण था, परस्थान या स्विभा के सिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीय निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 12-296GI/83

(1) इण्टरनेशनल केमिकल्स क० मुकुन्द चुन्नीलाल पटेल लखवाड-नडियाद।

(अन्तरक)

- (2) मक्ति कोल्ड स्टोरेज भागीदार-
 - (1) श्री रमणभाई वल्लभ भाई पटेल
 - (2) श्री अरविंद भाई वल्लभ भाई पटेल
 - (3) श्री का्न्तीलाल मणीलाल पटेल महेलाप, ता० नडीयाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्बो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन और मकान (शेड) जो मलून सीम मे स्थित है। सब रिजस्ट्रार, नडीयाद में 7635 नम्बर पर 14-12-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-ाा, अहमदाबाद

दिनाक : 30-7-83

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-JI, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983 निदेश नं० पी० आर० नं० 2376/एक्यु०-23-II/83-

84--अत मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मर्वे नं० 978 है तथा जो प्रतापनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-12-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बेश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कमलाबह्त चन्दलाल गांधी 'गायत्रीकृण' 36बी, बड़ौदा पिपल्म मोमायटी अलकापुरी, बडौदा-5

(अन्तरक)

(2) श्री हीरालाल भं मर्ज:भाई पारडीया, 19, जवाहर नगर सोसायटी, आर० बी० देसाई मार्ग, बडौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के उर्जन के लिए कार्यवाही शृक्ष करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मवणी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिरिणम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो प्रतापनगर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 978 है। सब-रजिस्ट्रार बड़ौदा में 6955 नम्बर पर ता० 7-12-82 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-7-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

फार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-JI, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जुलाई 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2377/ एक्वी०-23-II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,0007- र.. से आपके हैं
और जिसकी मं० सर्वे नं० 978 हैं, तथा जो प्रतापनगर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है);
राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बडौदा में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 7-12-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के
भन्तह प्रस्थिक्तस अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अस्त(अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्टिस में
द्वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री प्रवीण कुमार शनालाल गाधी पाडी पोल, मान्डवी के पास बडौवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष हीरालाल पारडीया 19, जवाहर सोसायटी, आर० बी० वेसाई मार्ग, बडौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; दिया गया है।
- (स) इस सूघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय - मे दिया गया है।

अनुस्धी

जमीन जो प्रतापनगर मे स्थित है जिसका सर्वे नं० 978 है। सब-रजिस्ट्रार बड़ौदा में 6956 नम्बर पर तारीख 7-12-82 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनाक : 30-7-83

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•----

प्रायक्षर समितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के समीत सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त, 1983

निदेण सं० पी० आग्० नं० 2378, एक्यू०-23-II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० णाह.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 539/1, पैकी सी० एस० नं० 3569 पैकी है तथा जो फ्लैट-33 अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; अंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-12-82

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे रक्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से तुइ किसा आय का बाबत, छक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किनो प्राय या किनी वन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर पश्चित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर भिंधितियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रमीजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया "या या या किया जाना चानिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः सब, उनेन पश्चितियम श्री बारा 269-ग के स्रतुसेरण म,में, चनक धीवित्यम की बारा 269-घती उपवासा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मोहनलाल शीपलाल मोदी पीपला खडवी, अंकलेश्वर ।

(अन्तरक)

(2) गायत्नी ओरगेनाईसर्स, (पीरामण नाका) अंकलेण्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो स्टेशन रोड, अंकलेण्वर में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 539/1 पैकी स० पी० नं० 3569 पैकी प्लाट नं० 33 है और 328-95 चौ० मीटर्स का कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार, अंकलेश्वर में 3809 नम्बर पर 28-12-82 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० साह मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमबाबाद

दिनांक : 1-8-83

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2379,/एक्यू० $23 \cdot II/83 \cdot 84$ अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च फे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 539/1, पैकी सी० एस० 3569 पैकी है। तथा जो प्लाट नं० 33, स्टेशन रोड, अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 3-12-82 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके खरयमान प्रतिफल से, एसे खरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

जतः जन, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमति अम्बायहन कंचनलाल गांधी कंसार फलिया, अंकलेश्वर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री ओरगनाईजर्स पीरामन रोड, अकलेश्वर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ। भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत अयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकागे।

स्पर्धिकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जमीन जो स्टेशन रोड, अंकलेक्यर में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 539/1 सी० पी० नं० 3569 पकी प्लाट नं० 33 है और 328.95 चौ० मीटर्स का कुल क्षेत्रफल है। इस रिजस्ट्रार अंकलेक्यर में 3830 म्बर पर ता० 3-12-82 को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 2-8-83

प्ररूप आर्च टी. एन एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रेंज्,-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1983

निदेशं स० पी० आए० नं० 2380, एक्यू-23-II/83-84 अतः मुझे, आर० आए० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सर्वे मं० नं० 353 सी० एस० नं० 2683 पैकी है; तथा जो अंकलेम्बर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्पि में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेम्बर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-12-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य जास्तियों को, विक् निरास प्राप्तिय अप्य-सर अधिनिरास, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :-- (1) श्री ईंग्बरभाई जेंठाभाई पटेंल अंवाडी भागोल, स्टेशन रोड, अंकलेग्बर ।

(अन्तरक)

(2) डा० डी० महेन्द्र जयन्तीलाल सोनी टी० एम, स्टेशन रोड, अंकलेश्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारी ब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हु³।

अनुसृची

जमीन जो स्टेशन रोड, अंकलेश्वर में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 353, सीटी सर्वे नं० 2683 पैकी 266 चौ० मीदर्स का कुल क्षेंत्रफल है। सब रजिस्ट्रार, अंकलेश्वर में 3923 नं० पर ता० 18-12-82 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम_, प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

दिनांक : ग्रहमदाबाद 2-8-83

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ----- ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2381 एसीक्यू०-23-II/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाबार मृश्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1253/1, 454, 455, 456, 468/1-2-3 है। प्रथा जो चीला तहसील पारधी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; परदी मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-12-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मफे यह विष्णाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त सिध-नियम के घ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिरव में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
 - (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण मो ,मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नाररोजाजी रुस्तमजी चाला. तहसील—-पारडी।

(अन्तरक)

(2) अपना अपार्टमेट श्री मनुभाई वाङीलाल णाह चाला, तहसील—पारडी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस ची

ू खेत जिसका जमीन सर्थे नं० 453/1, 454, 455, 456 तथा 460/1-2-3 जिसका कुल क्षेत्रफल 17 ए० 05 जी है। सब रजिस्ट्रार पारडी में 1495 नम्बर पर ता० 1-12-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज —II, अहमदाबाद

दिनांक : 2-8-823

प्ररूप नार्च. टी. एन., एस् ८०००००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त, 1983

निवेश सं० पी भ्रार नं०-2382 एस क्यू०-23-II/83-84--अत: मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं क्वें नं 469 चाला सहसील परडी है। तथा जो पारडी में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक : 1-12-82

को पूर्वा तसम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

अत:, अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री नागरजी वल्लभभाई पटेल चला , तहसील—पारडी

(अन्तरक)

(2) अपना अपार्टमेट श्री मनुभाई वाडीलाल णाह श्री दावुभाई करीमभाई चला, तहसील—पारडी ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्षेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

खेंत विषयक जमीन , सर्वे नं० 469 फी० चला त० पारडी में स्थित है । जिसका कुल केंत्रफल 3-ए० 380 ई० है । सब-रिजस्ट्रार पारडी में 1296 नम्बर पर ता० 1-10-82 को रिजस्टर्ड की गई है ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -11, अहमदाबाद

दिनांक : 2-8-83

प्ररूप आहू^र. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अगस्त 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2383 आर० क्यू०-23-II---अतः, मुझे आर० आर० शाह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० बोर्ड -8, बो० नं० 1804 सूरत है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-12-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या विशी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः अवा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—— 13--236GI/83 (1) श्री रिवल।ल छोटालाल बाडोबाला और अन्य कमारगाम, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्दलाल शैलेन्द्रदास10/745 श्रम्बाजी राड सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान, बोर्ड नं० 8, नोध नं० 1804 जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 2216 चौ० फिट है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 9409 नम्बर पर रिजस्टर्ड किया गया गया है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 2-8--83

मोहार 🧓

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 ग्रगस्त 1983

निदेश सं० जी० आई० आर० सं०पी०—104/एक्यू यतः, भुझे ए**०** प्रसा**व**

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ai-47, है तथा जो ई—रोष्ठ महानगर एक्सटेन्यन,लखनऊ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, ाखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मो, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. डा० द्या स्वरूप

(अन्तरक)

2. (1) श्री पुरुषोत्तम प्रसाद गुप्ता

(2) श्रीमती कृष्णा गुप्ता

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपरित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्ना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट नं० बी--47 जोकि ई--रोड महानगर एक्सटेन्शन लखनऊ में स्थित है।

पैमाईण 947.58 स्क्वायर मीटर है) जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 257/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण जिला-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4--8-83

प्रक्ष मार्ड .टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 अगस्त 1983

जी० अ[ः]०आर० संख्या जे०--64|एक्यू०----यतः, मुझे, ए० प्रसाद

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा नं० 972/2 व 973 मोजा सोहना में स्थित है परगना बिजनौर तह० व जिला -लखनऊ-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982, लखनऊ

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ फिसी थान की नावत, उपक अधिनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी कारने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/ना
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय माय-कर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में सृविधा के लिए;

नंत: अब, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम -की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ध—— 1. श्रीमती नीता सिंह

(अन्तरक)

2. 羽

- सरदार जोगेन्दर सिंह
- 2. सरदार बलजीत सिंह
- 3. सरदार मुख्तार सिंह
- 4. सरदार जामोर सिंह

(अन्तरिती)

उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपरित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय बवा है।

अनुसुधी

एक प्लाट जिसकी पैमाईश 39 बीधा बिस्वा (खसरा नं० 972/2 व 973) है जो मोजा लोहाना परगना बिजनौर तह० व जिला-लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37—जो संख्या 279/82 में विणित है जिसका पंजीकरण जिला— रेजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 4 अगस्त, 1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 अगस्त, 1983

आर० ए० सी० नं० 359/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट है, जो वेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर, में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अस्तियों को जिन्हों, भारतीय आयकार अधिनियम, 1/922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थिन व्यक्तियों, अर्थीत् :—

 मैसर्स श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि० 1-2-593/4/ए, रामिकशन मिशन रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 कुमारी उमा रेड्डी
 6-3-1186/7, बेगमपेट, हैदरांबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन कें भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अच्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्यस अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन<u>ुस</u>ची

फ्लैट, श्रीनिवासा टावर्स, 'ए', बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीणे 1700 चौ० फुट, रास्ट्रीकृत विलेख नं० 2656/83 ए, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-8-1983

मोहर

प्रकृष कार्ड. दी. एन. एस. -----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न्व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 अगस्त 1983

आर०ए०सी०नं० 360/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मौहन

श्रीयकर श्रोंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त श्रिष्ठितयम' कहा गया हैं), की धारा 269 व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्यत्ति, जिसका उचित्र माजार मूक्य 25,000/-ष० से ग्रीधक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट है, जो रेड हील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को प्वींक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से गश्चिक है और चन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत, उच्छ श्रिष्ठित्यम के प्रधीन कर देते के प्रम्तदक के दायिस्त्र में कृषी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/मा
- (ख) ऐसी किसी गा मा किसी बन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴— मैसर्स भाग्यनगर कंस्ट्रवशन, को०, 11-4-656/1, रेड हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री टी० पी० चंत्रा शेखरन
 8-4-14, श्रीकांत कालोनी, स्टेशन रोड, वारंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी श्रन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्सिकरगः ---इसमें प्रयुक्त गब्दों पीर पदों का, जो सकत प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, कही प्रयंहीका, जा उस प्रश्याय ने दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 101, बृत्दावन अपार्टमेंट्स, रेड हील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 812 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2342/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहत . सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-8-1983

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, दिनांक 4 भ्रगस्त 1983

आर० ए० सी० नं० 361/83-84-स्वतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट है, जो रेड हील्स, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषयों से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वावत, उन्त अधिनिय्य के अधीन कर दोने के अन्तर्क के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यु आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त मधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैसर्स भाग्यनगर कॅस्ट्रवशन, को० 11-4-656/1, रेड हील्स, हैदराबाद।
- कुमारी चन्द्रा रेड्डी (माइनर) पिता ए० श्रीनिवास रेड्डी
 3-4-842, बरकतपुरा, हैदराजाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट वृन्दावन अपार्टमेंटस, रेड हीस्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1090 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नै० 2339/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-8-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 प्रगस्त 1983

आर० ए० सी० नं० 362/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षा अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है जो हिमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी' आय या किसी धन लन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्थिक्तयों, अर्थात् :--- श्री ह्वी० श्रीनिवासाचारी, घर नं० 3-6-591/1, हीमायसनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 सेंट जोसेस एजूकेशन सोसायटी, बाई सेकेटरी श्री यू जी रेड्डी आरविदनगर कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया। गया है।

अनुसूची

जमीन का भाग, हीसायतनगर, हैदराबाद, विस्तीण 220 चौ॰ गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7937/82 रजीस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद।

एम० जे गन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारी**ख**: 4-8-1983

प्ररूप द्वाई • टी • एन • एस • ⊸-

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 भ्रगस्त 1983

आर० ए० सी० नं० 363/83-84--यतः मुक्षे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है, जो बेगमबाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्सरे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा स्ते लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ए के जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अभीत्:— नेशनल सेट्रल जमीयतूल बुरेश, सोसाइटी, बाई
 प्रेसीडेट और सेक्नेटरी, घर न० 14-4-371, बेगमबाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश प्रसाद डेवडा, घनं० 15-7-576, बेगमबाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

घर संपती, बेगमधा झार, हैंदराबाष, विस्तीर्ग 1236 चौ० फूट और भूमि 163 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8380/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (ानरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-8-1983

मोहरः

प्ररूप आहाँ टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 4 श्रगस्स 1983

आर० ए० सी० न० 364/83-84--यत मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 27,000/ र के अधिक है

और जिसकी सख्या प्लाट है, जो गुड्डीमलकापूर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर; 1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से एसे इक्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ----

- (क) अन्तरण़ से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिगयम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अल' अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तित्यों, अर्थात --- 14-236GI/83

1 डा० आर० मुसालप्पा रेड्डी, घर न० 10-3-311/21, फस्ट रोड, कॅस्टल हील कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2 श्री खाजा नसीमुद्दीन, घर न० 11-2-287, नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी</mark> करके पूर्वोक्त संपत्ति के अ**र्जन के लिए** कार्यवाहिया करता ह**ू**।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से की 45 दिन की अविधि या तस्सवधी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट, गुड्डीमलकापुर, विस्तीर्ण 532 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2319/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 4-8-1983 मोहर प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 ग्रगस्त 1983

आर० ए० सी० नं० 365/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार भून्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है, जो गुड्डीमलकापुर, खैरताबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को प्वोंक्त संपरित को उचित बाजार मृस्य से कम के स्रयमाय प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मृभो यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृस्य उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्दि प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्द्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट न्ही किया गया था या किया जाना चाहिएं था छिपाने में संविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, नक्ष्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बीं० रामस्या नायडु,
 14/334, एन० नारापा स्ट्रीट,
 मदनापली, चित्र, जिला ।

(अन्तरक)

2 श्री खाजा मोहम्मद मुलेमान णाज्, घर नं ० 10-3-761/इ० विजयनगर कालोनी, हिंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृवांक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसुची

खुली जमीन, गुड्डीमालकापुर, विस्तीर्ण 520 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2321/82, रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी खैरनाबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-8-1983

प्ररूप आर्ह . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अगस्त 1933

आर० ए० सी० नं० 366/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या घर है, जो क्रस्मानशाही, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में और पूर्ण रूप से विणित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारसीय . रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचिन बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती एल० किस्टम्मा और अन्य, गृहडीमलकापुरम, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री आर्य वैश्या संगम, बाई श्री बाइ० राजय्या, घर नं० 15-5-467, आशोकनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

घर संपत्ति, उस्मानभाही, हैदराबाद, विस्तीर्ण 3150 चौ० फुट और भूमि, 236 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8089/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 4-8-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 श्रगस्त 1983 निर्देश स० अगर० ए० सी० न० 367/83-84--यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लेट है जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वीमत सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य में कमें के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उथ्दंश्य में उक्त अतरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए;
- (च) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, स्थित् :— 1. मैसर्स श्रीनिवासा बिल्डर्स प्रा० लि॰, 1-2-593/4/ए, रामकृष्ण मिशन रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 मैसर्स कोरोमङल फर्टीलाइजर्स लि०, 126, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना **चारी करके पूर्वोक्त** सम्पृत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्यष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

फ्लैट नं ० 805 (8 थ फलाँटर श्रीनिवासा टावर्स 'ए' बेगमपेट, हैदराबाट, विस्तीर्ण 4200 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2647/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 4-8-1983 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 अगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 368/83—84——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमाः तिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनयम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 2. मैसर्स श्रीनिवासा बिल्डर्स, प्रा० लि० $1-2-593/4/\sigma$, रामकृष्ण मिशन रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 मैसर्स कोरोमंडल फर्टीलाइजर्स लि०, 126, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपर्ति में हितबद्ध स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध , जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 902 नववा मंजला श्रीनिवासा टावर्स, 'ए' बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 4300 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2646/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**:.4-8-1983

माहर :

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर् अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 ग्रगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 369/83—84——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मे अधिक है

और जिसकी संख्या पलैट है, जो भोमाजीगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उज्ल अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय अयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स वादाम अपार्टमेंट्स, बाइ श्री बी० रामस्वामी. घर नं० 82-402, रोड नं० 5, बंजाराहिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री बिहारी मोहन लाल केयर आफ बादाम अपार्टमेंट्स, 6-3-905/ए, राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिसित में विष्णु वा सकों।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रथ्वत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थहांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट बादाम अगार्टमेंट्स, सोमाजीगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 900 चौ॰ फूट, रजिस्द्रीकृत विलेख नं॰ 8146/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैरदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-8-1983

मोहर '

प्ररूप आहाँ टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 4 श्रगस्त 1983

निर्देश सब्आरब एवंसीवनव 370/83—84——श्रत मुझे, एक जो नाहन,

आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लैट है जो मासान टैन्क, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विदृष्टस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सूविधा के लिए,

अत बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भी, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---- मैसर्स कैमेट टावर्स, बाह झा० वजीदूनिसाबेगम, बजारा हास्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री मैयद रसीद लतीफ घर न० 5-7-9/1, मझ्फाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सचना जारी करके प्रवेक्ति सम्यक्ति के वर्जन के निए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें
 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुने अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भलैट न० 103, त्रेसेट टावर्म मासाव-टैन्क, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1170 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8211/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आगक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 4-8-1983 मोहर प्ररूप नाइ[‡].टी. एन. एस

भायकर अधिनिक्षम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 श्रगस्त 1983

निर्देश सं०श्रार ए०सी० नं० 371/83-84--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' बाहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम पाधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं प्रलंट है, तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियस के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निगः और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1947 का 27) के प्रयोजनार अगिरिती द्यारा एकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभाग (1) के अभीत निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थात्:——

- मैसर्स श्रीनिवासा बिरुडर्स प्रा० लि०, 1-2-593/4/ए, रामकृष्णा मिण्रन रोड, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती सुमन जोशी, 28, ट्रान्सपोर्ट रोड, एस० बी० आई० कालोनी, सिकंदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में स जिसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार(, अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्गि।

स्पच्चिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

प्लैट नं० 608, श्रीनियासा टावर्स, 'ए' बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1600 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2665/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 4 अगस्त 1983

निर्देश मं आर० ए० सी० नं० 372/83-84---यतः मुझे, एम० जेगनमोहन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कृष से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 15-236GI/83

मैंसर्स श्रीनिवासा बिरुडर्स प्रा० लि०,
 1-2-593/4ए, रामाकृष्णा मिशन रोड,
 हैवराबाद।

(अन्तरक)

 श्री बकेलाइट हायलम लि०, 7-2-1669, सनतनगर, कैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

फ्लैट नं ० 806, श्रीनियासा टावर्स, 'ए' बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1350 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2632/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वलल्भनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-8-1983:

_{मो}हर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 ग्रगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 373/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लैट है, तथा जो मामाबर्टन्क, हैदराक्षाद में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जिल्लारित की गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्रियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए.

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण म, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीर, रिकालिंग व्यक्तियों, अर्थात:—— मैसर्स केसेट टावर्स, बाई डा० वजीद्गितसाबेगम बंजाश हील्स, हैदराक्षाद।

(अन्तरक)

2 श्री मीर वर्जादअली खान पिता श्री ताहेर आली खान, एफ० न० 404, एम० न० 10-1-128/1/ए/19, मामाब टैन्क, हैदराबाद ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियमें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट न० 404, माभाव टैन्क, हैदशबाद, विस्तीर्ण 1181 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत िलेख नं० 8210/82, रजिस्ट्रीकृत अधि-कारी, हैदराबाद।

> एम० जेगत मोहत सक्षम अधिकारी सहायक आयकर प्राप्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-8 1983

269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिना ४ 4 अगस्त 1983

निर्देश स० आर० ए० सी० न० 374/83-84-- यत. मुझे, एम० भेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका अधित बाजार मृत्य 25,000/- ए. म अधिक है

और जिसकी सख्या 9-4-86/175 है, तथा जो सालारजंग कालोनी हैइराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण) का ने विजित है), राजिस्ट्रा हर्ता अधिकारी के कार्या तया, हैंदराबाद में रिजिस्ट्रीकरूण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औष-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- श्री की० नीलाकंटेस्वर राव, घर नं० 9-3-86/175, सालारजंग कालोनी, रेतंं बावली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती फरझना पित सालेह मोहम्मद बिन मेलफुज, घर नं० 10-2-515, आसिफनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुना।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६म सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निस्तिन में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

अनुसूची ,

खुली जमीन विस्तीर्ण 325 चौ० गज, सालारजंग कालोनी, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2373/82, रजिस्ट्रीकर्ता खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिआरी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा : 4--8-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

नायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ग (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 ग्रगस्त 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 375/83-84--यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी संख्या 10-2-7/बी० है, जो ए० सी० गार्डस, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नृलिखित उद्वरेग से उर्वत अन्तरण निम्नृलिखित से आस्तिक रूप से कीयत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ने हुई किसी भाग की नावत उक्त निध-विश्वस के अधीन कड़ दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने वा उससे वचने में सुनिधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में तृतिभा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण मे, मं^ब, उक्त अधिनियम कीधारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात .—— श्री डी० सत्यनारायणा मूर्ति जीपीय श्रीमती वाइ० ललीता, 40, एम०आई०जी०एच० मालिनी, मेहवीपटनम, हैदराझाद ।

(अन्तरक)

2. श्री छी० व्ही०पी० नरसा राजू और अन्य घर नं० 10-2-7/बी०ए०सी० गार्डस हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति ए० सी० गार्डस, 1312 चौ० फुट, और मूर्ति विस्सीर्ण 444 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2340/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-8-1983

त्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भृथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हेदराबाद, दिनाक ,4 प्रगस्त 1983 निर्देश स 0 आर० ए० सी० न० 376/83-84-यात मुझे, एम० जेगन मोहन;

षायकर मिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है, तथा जो बूजा बूजा नेलोर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीं- कर्ती अधिकारी के कार्यात्य, नेलोर में रजिस्ट्रींकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर, 1982

को प्वेंक्त संपित्स् के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरिक्त (अन्तरित्रयो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (अ) ऐसी किमी पास या किनो धन या अन्य आस्तियों को,
 जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ
 यभरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था. जिलाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, में उत्तर अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री की० पैदा मस्तानय्या और अन्य, बूजा बूजा नेजोर।

(अन्तरक)

 स्वामी आय्यप्पा ट्रेडर्स, शातापेट, नेलोर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्मध्वीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

संपत्ति, उपजाऊ भूमि, बूजा बूजा नेलोर, तालुका और जिला, विस्तीर्ण 1-29 एकड, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 47/82 और 48/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नेलोर।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 4-8-1983 मोहर. प्रस्प आर्ड टी एन.एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत चर्चान

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 4 अगस्त 1983

और०ए०मी०न० 377/83 84 -⊸पन मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नेम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में विधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है जो नेलोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलोर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वे अत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (जंतरितिका) के बीच एसे अंन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अतरण लिखित मे वास्तिवक इप के किया गया है:--

- (फ) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक. के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; बौर/का
- ्ष) एसी किसी थ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

अस. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री टी० चद्रशेखार रेड्डी पिता नारायण रेड्डी नेसीर।

(अन्तरक)

 श्रीमती जी० गयानप्रसुना पति सीतारामन्जूलू, नेलोर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उप्तत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थावित्यों में से किसी व्यक्तियों बुवारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरणः -- इसर्थे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय २० कम परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्याहीं।

अनुसूची

भूमि और इमारत घर न॰ 21/27, नेलौर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 5504, 4565/82, रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी अनेलौर्।

> एन० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-8-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----=

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक-4 अ**गस्त** 1983

आर० ए० सी० न० 378/83-84--यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उन्नत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अपिन सभम प्रतिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सख्या भूमि है, जो बूजा बूजा नेलौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर, 1982

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) भेर अन्ति ती (अन्तरितियो) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर. देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विशा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री एन० पेचलस्था पिता गगस्या, बूजा बूजा, नेलीर तालुक और जिला, और अन्य एक ।

(अन्तरक)

स्वामी आय्यप्पा ट्रेडर्स, सातापेट नेलीर ।

(अन्मरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

उपजाऊ भूमि, बृजा बूजा नेलीर तालुक और जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5412 और 5473/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नेलीर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, हैदराबाद

तारीख 4-8-1983 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4484--यतः मुझे, जे० एल० गिरघर,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983।

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिंखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है

- (क्त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण नं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) इं अधीन विकालिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री करम चन्द्र पुत्र मंगन सिहवासी सुखेरा बस्ती, अबोटर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलवन राये पुत्र करम चन्द और सोन् राम पुत्र बलवन राये वामी मुखेरा बस्ती, अबोहर । (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2579 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 'अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक [:] 8-8-1983

मोहर '

प्ररूप आहूरं.टी.एन.एस.------

प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 2.69-व (1) के ध्रशीन सुचना

श्चित संबद्धाः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 4485---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी धारे यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अखोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983।

का पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त बीभनियम, के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, गाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :--16—236 GI/83

(1) श्री मोहन सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर ।

(अन्तरक)

(2) श्री निहाल चन्द पुत नन्द लाल और राजेण कुमार पुत्र निहाल चन्द वासी अबोहर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सी 45 दिन की विश्वित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा:
- (इ.) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आप से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2847 दिनांक जनवरी 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एन० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जं नं रेंज, जालन्धर

दिनांक: 5-8-1983

मौहर

प्ररूप आई.टी.ध्न.एस. -----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4486---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), वी घारा 269-ख के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यात्य अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृहय से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृहय, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (भ) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन उक्त भिन्न (समम के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमें करने या उससे बचने में मुक्तिश के लिए; भौर/मा
- (च) ऐसी किसो भाग या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिष्ठिनियम, या धन कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

बतः धव, उक्त अधिनियम को धारः 269-व के समुसरण के में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मोहन तिह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखोरा बस्ती, अबोहर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र कुमार पुत्र चुन्नी और रवी कांत पुत वेद प्रकाण वासी गऊणाना रोड, अबोहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में क्षेट्र भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनिया, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3229 दिनांक फरवरी 1983 को रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जा*लन्*धर

दिनांक: 5--8--1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं०० पं.० ० 4487—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रशः नक्षा पर नैकाल अनुतूनों में तिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औ पूर्ण रूप में किना है), र निष्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्या अबोहर में रोजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1 के अधीन, दिनांक मार्व 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रो मोहन जिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखोरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्रो रमेण चन्द पुत्र टेक चन्द वासी ढाबा की करीया, अशोक कुमार पुत्र मुरारी लाल वासी अबोहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

Acres A

समाति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3609 दिनांक मार्च, 1983 का रोजस्ट्रोक्ती अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> ज० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकेर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 5-8-1983

गाक्र ः

प्ररूप आइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राच १€९-४ (1) के अवान सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4488----यतः मुझो, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुईं. किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:—

(1) श्री अमर सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र प्रताप पुत्र सककत राय और श्रीमती नीलम देवी पत्नी सतीय चन्द्र वासी फाजिल्का। (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन केंगी तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2848 दिनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 5-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4489—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उधाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उच्च देय से उक्त मंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मंतरण से हुई किसी आयु की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जंतरक के यायित्य में कभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री अमर सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर (अन्तरक)
- (2) श्री मदन लाल, अवनाश चन्द्र सुपुन्न गुमंडी राम वासी अबोहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची सम्पक्षि तथा व्यक्ति जसा कि विलेख नं० 3227 दिनांक फरवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अधीत .---

दिनांक': 5-8-1983

मोहर 🔅

प्ररूप आइ^{*}.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

· भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4490---यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विभा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ∰ (1) श्री अमर सिंह पुत्र नाजर सिंह, वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम कुमार पुत्र तारा चन्द और नरिन्द्र पाल पुत्र फूल चन्द वासी अबोहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3606 दिनांक मार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

> ज० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 5-8-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर मायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4491---यतः मुझे, जे० एल० गिरुधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री पाल सिह उर्फ कृपाल सिह पुत्र नाजर सिह सुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगल सैन वासी वाजीद पुर कटोथा वाली तहसील फाजिल्का, धर्म लिह पुत्र मुन्द सिंह वासी मुरादवाला दल सिंह।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2849 दिनांक जनवरी 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनाक: 5-8-1983

प्ररूप बाई. टां. एन एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

4 - A + TARE

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4492--यतः मुझा, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में गम्स-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें स्विधा के लिए;

(1) श्रो पाल सिंह उर्फ कुपाल सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नरैन, रिव कुमार सुपुन्न श्री कुन्दन लाल वासी अबोहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाओप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पब्जीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3225 दिनांक फरवरी 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एन० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्डित व्यक्तियों, अर्थात् :---

टिनांक : 5-8-1983

मोहर्ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4493--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन घर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारी (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--17 --236 GI/83

(1) श्री पाल मिह उर्फ कृपाल सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार पुत्र निहाल चन्द वासी अबोहर, 2. श्रीमती विमल पत्नी नानक चन्द वासी मंडी उनवाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 3607 दिनांक मार्च 1983 को रजिस्ट्रोकर्त्ती अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 5-8-1983

मोहर∶

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, जालन्यर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4494—म्यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से सिथक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983।

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) बार अंतरित (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दखने में सूबिधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायक र अधिनियम 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसीत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सोहन सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी मुखेरा वस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुत्र मुरारी लाल और विसू रानी पत्नी रिव कुमार वासी अबोहर। (अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2830 दिनांक जनवरी 1983 को र्राजस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक: 5-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायक्तर मिविनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूत्रका

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक भायकर भायका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4495—-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1983

को पूर्विक्त सम्मित के छिता बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के शिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकास है भीर प्रस्तरक (अन्तरिका) आए अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरित के निम् तय पाया गया प्रतिकाल, निम्न्सिखित उद्देश्य न उन्न अनारण निकास में वास्तिका कर से किया नहीं किया स्था है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अपने में सूबिशा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त बर्धिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्सरक)

(2) श्री करम सिंह पुत्र मुकुन्द सिंह वासी मुरादवाला दल सिंह, मंगल मैंन वासी वाशीदपुर कटीया वाली, तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयंकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3224 दिनांक फरवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एस**ं** गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : `5-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन, सूच्ना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4496—यतः मुझे, जे० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के, स्वयमान मितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

(क) ∙**इ**स 45

(1) श्री सोहन सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पुत्री कश्मीरी लाल और राजेन्द्र कुमार पुत्र ज्ञान चन्द वासी अबोहर।

(अन्तरिती)

्को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यबहियां करता हूं।

उक्तुसम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्जारा अधोहस्ताक्षरी वे पास् जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3608 दिनांक मार्च, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधरः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतु ----

दिनांक: 5-8-1983

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4497---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मृत्य 25,000/- इ० से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिवक हम से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से धुर किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सूनिया के निष्ए;

(1) श्री मुबेग सिंह पुत्र नाजर सिंह वार्सा सुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगत राय पुत्र गुमन्डी राम परणोत्तम दास पुत्र कुन्दन लाल वासी अबोहर।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्पृतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं० 2851 विनांक जनवरी 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर,

 सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ध---

दिनांक: 5-8-1983

मोहरु 🖫

प्रारूप आहें.टी.एन्.एस<u>.</u>-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के सभीन म्चना

भारत सरकार

कार्बास्य, सहायक जायकर नायुक्त (रिनरीक्ण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4498——यन: मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बण्जार नृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी गं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्द्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की आवत, उक्त अभिनियभ की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिआ के लिए;

भतः व्यव, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्ष-- (1) श्री मुखेग सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी मुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री केवल कृष्ण और हकुमत राय पुत्र हसमत राय वासी गऊभाला रोड़, अबोहर ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृत्रीकत सम्पृतित को अर्थन के लिए कार्यमाहिमां शुरू कारता हुं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थितत्यों में से किसी स्थितर द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

सम्मित्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3226 दिनांक फरवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

> जे० एन० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्धर

दिनांक: 5-8-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जा न्धर,

जालन्धर, दिनाः, 5 श्रगस्त 1983

निर्देश स० ए० पी० न० 4499—पत मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्यां हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक मार्च 1983

को प्वेंक्ति सम्परित के उण्यत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्परित का उण्यत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्मिम मे वाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक क वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के किए। और√या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: भ्रम, उस्त श्रिधिनियम की भ्रारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिखत व्यक्तियों, अर्थात:--- (1) श्री सुबेग सिंह पुत्र नाजर सिंह वासी सुबेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरश कुमार पुत्र मगत सैन और कुरडा राम पुत्र लधू राम वासी वजीद पुत्र कतीया वाली तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की ारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेगे।

रपष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 0 3605 विनौक भार्च 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर मे लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी महागक आएकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक 5-8-1983 मोहर प्ररूप आहरें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-श् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रामकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धाः

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4500---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोड मंडी, तहमील तलवंडी माबो में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय तलवंडी साबो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियौं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण_से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन. निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री करतार सिंह पुत्र सोभा सिंह वासी मोड कला तहसील तलवंडी साबो।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वनी कुमार पुत्र बिहारी लाल मार्फन मैंसर्ज मदाराम मिलकीराम, मोड मंडी तहमील नलवडी साबो।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2411 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी माबो में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 5~8-1983

प्ररूप बाइ³.टी.एन्.एसं.-----

आयकर अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4501—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोड़ खुरद तहसील तलवंडी साबो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय तलवंडी साबो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क निम्नुलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि विद्या पाया कि का कि सामा कि का कि सामा कि का कि सामा कि का सम्पर्क के सिंद के सिंद से सामा कि सामा कि

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उक्क्षे बचने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के जिए;

(1) श्री करनैल सिंह, जरनैल मिंह, गुरसेवक सिंह गुरमेल सिंह मुपुत्र सरदारा सिंह और श्रीमती छिंदर कौर पुत्री सरदार सिंह वार्ड नं० 13, मोड मंडी तहसील तलवंडी साबो।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र राम मिंह मोड खुरद (वार्ड न० 13) तहसील तलवंडी माबो।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसािक विलेख नं० 2425, दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी तलवंडी साबो में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 5-8-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक,र आयुक्त (निर्धाण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4502 और 4504---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, जनवरी, 1982, 83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेंच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति-किक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय यां किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्वं, उकत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थात् :----

- (1) श्री हरचन्द उर्फ चांद सिंह पुत्र सुच्चा सिंह और जरनैल सिंह पुत्र गुरनाम सिंह और जलौर सिंह पुत्र मंगल सिंहबासी गांव सरावां तहसील जैतो जिला फरीदकोट। (अन्तरक)
 - (2) श्री जोगिन्द्र सिंह, जगसीर सिंह, जमबीर सिंह सुपुत्र लाल सिंह वासी गांव पश्ती सादा, जैतो जिला फरीदकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यित् के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आदि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सूर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 15 कनाल 3 मरले और 15 कनाल, 2 मरले जो गांव जैतो में स्थित है जैसा कि विलेख नं 1272 और 1287 दिनांक दिसम्बर और जनवरी को रिज-स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जैतो में लिखा गया है।

जे० एल० गिरक्षर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 5-8-1983

प्रकप बाइ टी.एन.एस.----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4503—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

स्रायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत्, प्रधितियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक, दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और भूझे पह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रनिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरको) भौर अन्तरिता (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की गावत, उक्त पश्चि-तियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दागिश्व में कभी करने पा उससे ग्रचने में मुविधा के लिए। और/गा
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याद्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त बिधिनियम की भारा 269-म के बन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रूलदू सिह पुत्र जनौर सिंह और चांद सिंह उर्फ हरचद सिह और जरनैल सिह पुत्र गुरनाम सिंह पुत्र सुच्चा सिह बामी गाव सरावा तहसील जैतो जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिह, जगसीर सिह, जसबीर सिह सुपुत्र लाल सिह वासी गाव पट्टी सैदा, जैतो जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीत 11 कनाल 2 मरले जो गांव. जैतो में स्थित है। जसा कि विलेख न० 1273 दिनाक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो मे लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज, जालन्धर

दिनाक : 5-8-1983 मोहर प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4505—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

अयकर प्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छकत स्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से स्रिकिक है

और जिसकी सं० जैसां कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबस अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उलित बाजार भूल्य से कम के पूर्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसकं वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चक प्रतिपति से प्रक्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरित्रों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरित्रों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरित्री (अन्तरित्रों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों से प्राया प्रति- फल निम्नलिक्षत उद्देश्य स उच्छ अन्तरण लिखित में वास्तिक का मन्तरित्रों के स्वीच नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नागत उक्त पश्च-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्सरक के वायिस्य में कमी करते या उपसे बचे दिनुत्रिश के निए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें चारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चितियम, या वनकर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में , सें , सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोपरदान दत्त पुत्र जगदीश राम वानी एन ० ए०-243 किशनपुरा, जालन्धर श्रौर कुलदीप कुमार पुत्र ओम प्रकाश वासी एन० डी० 183 विक्रमपुरा जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सतवन्ती देवी पत्नी मेहर चन्द वासी ई० के० 215, फगवाड़ा गेट, जालन्धर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंक्षेप :--

- (क) इस सूचना है राजस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।!

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति नं० ई० के०-215 फगवाड़ा गेट, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6907, दिनांक जनवरी, 1983 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 5-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4506—यतः मुझे, जे०, एल० गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिखित मे वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र गुरबख्य सिंह वासी गांव नगरा तहसील जालन्धर, मुख्तियार खास, श्रीमती ईष्वर कौर पत्नी बख्णीण सिंह वासी रेलवे रोड़ जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्री बूटा सिंह पुत्र धन्ना सिंह और मलिकयात सिंह पुत्र दरबारा सिंह वामी गांव नागरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबैंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विश्वीकरण: --- इसमें प्रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन एरिया 2 कनाल जो शहीद बाबू लाभ सिंह जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6142 दिनोक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक: 5-8-1983

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एत॰--

भायकर **श्रीविषयम, 1961 (1961 का 43)** की थारा 269 मा (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4507--ात. सुझे, जै० एल गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' नहा गया है); की धारा 269-ज के प्रपीन उन्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्बरित का गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश्ची (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पामा गया प्रतिकल, निम्निजिबत उद्देश्य स उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) सस्तरण से हुई कियी भाय की बाबत उक्त प्रक्षित्वम के प्रक्षीत कर देने के अन्तरक के श्रीयस्थ में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रव, उट्ट प्रवितियम की भारत 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रवितियम की भ्रारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री तरलोक सिंह पुत्र सुचेत सिंह वासी गांव भोगोवाल, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सुरिन्द्र कौर बेटी प्रीतम सिहवासी भोगोवाल तहसील जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर को पूर्वोक्स्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की धारीख के 45 दिन की भविधि था तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत प्रविद्यों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशत को तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वह किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण !—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित ्हें, बही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 12 कनाल जो गुरू नगर नजदीक माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6084दिनाक दिसम्बर, 1982 की रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 5-8-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4508——यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि. से बिधक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल् से एसे द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलीचत उद्देश्य से उचल अंतरण लिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ने हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/का
- (स) एसी निक्सी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री केहर सिंह पुत्र के**स**र सिंह वासी पत्ती रिसाल जैनो जिला फरीदकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री भाग सिंह पुत्र हरी सिंह वासी गांव दल सिंह वाला तहसील जैतो जिला फरीदकोट।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 6 कनाल जो गांव जैतों में स्थित है जैसा कि विलख नं० 1251 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 5-8-1982

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4409—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची मे लिखा है तथा जो पुर हीरा, होशियारपुर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहों किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्री हरदियाल सिंह पुत्र भोला सिंह वासी गाव जल में (जालन्धर) जी० ए० आफ कुलदीप कौर वासी निकजगतपुरा, होशियारपुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री चुन्नी लाल पुत्र देवी दयाल, सुरजीत कुमार पुत्र चुन्नी लाल वासी पिदयाना तहसील जालन्धर (1/3) दर्शन लाल पुत्र देवी दयाल वासी पिटयाला और सिवा देवी पत्नी कसतुरी लाल तूगवाड़ा रोड़ किरयाना डीलर सामने टी० वी० हस्पताल (1/3 हिस्सा) कृष्ण लाल पुत्र दरआई लाल गाव कोटली जमीअत सिह, जालन्धर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीक रण हिन्स में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3963 दिनाक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी होशियारपुर मे लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक . 8-8-1983 मोहर . प्ररूप आद. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983 निर्देश सं० ए० पी० न० 4510—यतः मुझे, जे० एल० गरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कानिया पाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अनुसूची में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वंणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रू—— 19—236GI/83

- (2) सुरिन्द्र कोर पुत्री हरनाम सिंह पुर्श आतमा सिंह वासी कानिया वाली तहसील मुक्तसर मार्फत मुख्तियार-ऐ-आम बलजीत सिंह पुत्र रणबीर सिंह वासी चक अंतर सिंह वाला तहसील भटिंडा। (अन्तरक)
- (2) श्री हरचन्द सिंह पुत्र भूर सिंह वासी प्रेम नगर नजदीः गोवरमैन्ट हायर सैकण्डरी स्कूल, कोटकपुरा जिला फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्थळतीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसािक विलेख नं 2672 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखागया है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-8-1983

प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 6 अगस्त 1983

निर्देश स० ए० पी० न० 4511--यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कानियावाली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तमर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दूरश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथन नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई कि भी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की नपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अथार र (1) श्रीमती तेज कौर विधवा हरनाम सिंह वासी कानियावाली तहसील मुक्तमर द्वारा मुख्तियार ऐ—आम बलजीत सिंह पुत्न रणवीर सिंह वासी वक-अत्तर सिंह वाला तहसील भटिडा।

(अन्तरक)

(2) श्री हरचन्द सिंह पुत्र भूर सिंह नासी प्रेम नगर, नजदीक गोर्वनमेट हायर सैंकेन्ड्री स्कूल कोटकपुरा जिला फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 2673 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी मुक्तसर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक 6-8-1983 मोहर: प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4512--यत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य' 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कानिपावाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती तेज कौर विधवा हरनाम सिंह वासी कानिपा वाली तहमील मुक्तबर द्वारा मुख्तियार--ऐ-आम बलजीत सिंह पुत्र रणवीर सिंह वासी ठाक अत्तर सिंह वाला तहसील भटिडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जंगीर कौर पत्नी हरचन्द सिंह पुत्र भूर सिंह वासी प्रेम नगर नजदीक गोवर्नमेंट हायर सेकेन्द्री स्कूल कोटकपुरा जिला फरीदकोट। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमा कि विलेख नं० 2674 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक : 6-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4513 से लेकर 4515---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०, जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव कानिया वाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे निर्णत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्द्द किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के. अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूतिका के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जगतार सिंह पुत्र ठाकुर सिंह वासी गांव साकन-वाली तहसील मुक्तसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजबीर कौर पुत्ती और रिजन्द्र सिंह पुत्र जलौर सिंह वासी 4-ए, लखा तहसील करनपुर 2. क्लेर सिंह पुत्र भोला सिंह और हरनेक सिंह पुत्र बन्ता सिंह वासी चौक-50 एक रूप नगर तहसील करनपुर 3. दिलराज सिंह पुत्र हरबंस सिंह वासी गांव जगते वाला तहसील करनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदौं का, जो उक्त . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन जो गांव कानियावाली में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2689, 2690, 2842 दिनांक विसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-8-1983

प्रकप बाहाँ. टी. एन. एसं. - - - ----भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4516---यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

षायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन अक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. संबंधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती बावा खेल में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफिनायों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारी प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जुगल साहनी पुन्न मदन लाल बस्ती गेख जालन्धर, मुख्तियार-ऐ-आम सोम नाथ पुन नरसिंह वासी आदर्ण नगर जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) कुमारी संतोश बेटी निहाल चन्द 651, सैंक्टर, 8-बी, चण्डीगढ़!

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्डीकरण — इसमें प्रयुक्त कक्षों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु[†], वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 2 कनाल जो बस्ती बाबा खेल जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 5881 दिनांक दिसम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 6-8-83

प्ररूप आईं.दी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश स्० ए० पी० नं० 4517--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संद्वार किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी कारने या उससे अधाने में सुविधा के किए; आडि√या
- (वा) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्ता अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, संशोत् र— (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र गजत सिंह खुदवा मुखितयार ऐ-आम अर्जन सिंह, करतार तिंह, अजीत सिंह, सुच्चा सिंह सुपुत्र गजन सिंह वासी बस्ती शेख जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्री भोपिन्द्र सिंह मोहिन्द्र सिंह 24-सी माडल हाऊस जालन्धर 2. गुरवचन सिंह पुत्र जसवन्त सिंह, 47-बी, माडल हाऊस जालन्धर 3. गुरदियाल सिंह पुत्र मक्खन सिंह डक्ल्यू आर 35 बड़ां बाजार बस्ती शेख जालन्धर 4. कुलवीप कौर पत्नी रेशम सिंह 150 माडल टाऊन जालन्धर 5. जसविन्द्र सिंह पुत्र गियान सिंह वासी तलवा तहंसील फलौर 6. कस्तूरी लाल पुत्र डेसराम 125/12 बी नगर जालन्धर 7. अमरीक सिंह पुत्र बेअन्त सिंह 82-ए मा ल हाऊस जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमा कि विलेख नं० 6021 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एन० गिरधर, मक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण), अर्जन रेंज, जालस्धर

दिनांक: 6-8-1983

त्ररूप आइं टो एन एस . ------

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारह सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4518—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर (गड़ा) में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के गंद्र हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री पुरण सिंह पुत्र लाभ सिंह यासी गढा वा हिन्दा जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री सम्प सिंह पुत्र लेखा सिंह वासी फाजौदिता तहसील होशियारपुर द्वारा सिंबन्द्र जीत सिंह पुत्र गंगा सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 6236 विनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6~8-1983

प्ररूप अवि टो एन एस ---- ---

ग्राज्ञ र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भार, भरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 6 अगस्त 1983

निर्देश स० ए० पी० न० 4519—यत. मुझे जे० एल० गिरधर,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है)। की धारा 269-ल के अधीम सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, यस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत् प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य म स्थन अन्तरण (विज्ञा म वास्तिवि इ स्व) वे लीचत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या धम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर पिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ भन्तिरी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा २69-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा २७९-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— (1) श्री राज कुमार, रामेण कुमार और देसराज सपुत्र श्रीमती णानौ विधवा रामदिन्ना वासी प्रार्ड न० 15 मुक्तसर ।

(अन्तरका)

(2) श्री जसविन्दर सिंह पुत्न रघुबीर सिंह और हुकम सिंह पुत्र प्रताप सिंह और कुलदीप सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी मुक्तसर और लक्ष्मण सिंह पुत्र गुरदीप सिंह वासी गांव थादेवाला तहसील मुक्तसर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोंक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि ता तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1600 स्केयर फुट मुक्तसर मे स्थित है जैसा कि विलेख 2786 दिनाफ दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर मे लिखा गया है ।

> ्रजे० एन० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण), अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाकं 6-8-1983 मोहर

प्ररूप काइ".टी.एन.एछ.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4520--यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वांकत सम्पृतित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्ति में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्यित्व में कमी करने या उससे वृचने में सुविधा के लिए; बार्य/वा
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के निमए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्।——
20—236GI/83

(1) श्री राजकुमार, रमेश कुमार और देसराज सुपुत्र श्रीमती शानो विधवा रामदित्ता वासी वार्ड नं त 15 मक्तसर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री निरमल सिंह पुत्र रघवीर सिंह 2. जसपाल सिंह पुत्र राम सिंह रेसिडेट सेरेबाला तहसील मुक्तसर 3. सुखमन्दर सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह 4. कृष्ण लाल पुत्र बिहारी लाल वासी मुक्तसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों करं सम्परित के अर्जन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतअव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों आ,र पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे पिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीत 1600 स्केयर फूट जो मुक्तसर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 2787 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-8-1983

प्ररूप भाइर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जार्लन्धर, विनाक 6 अगस्त 1083

निर्देश स० ए० पी० न० 4521—यत मुझे, जे० एल० गिरधर.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स॰ जैसा कि अनुसूची मे लिखा है तथा जो बस्ती ग्रेख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 (1008 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1082।

को प्वें जिस सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई हैं और मुन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीश, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहन सिंह पुन्न रला सिंह वासी निजामत नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सिंह, अमरजीत सिंह, हरजीत सिंह व इन्द्रजीत सिंह पुत्र तारा सिंह वासी बस्ती गेख जालन्छर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस् जा सकींगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जमीन 2 कनाल 3 मरले जो बस्ती गेख जालन्धर मे स्थित है जैसा कि विलेख न० 5946 दिनांक विसम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनाक . 6-8-1983 ---

प्रारूप प्रार्धि टीं० एन० एन०----

नायफर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीत सुनता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 6 अगस्त 1083

निर्देश स० ए० पी० न० 4522--यत मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी म० जैमा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो गाव लदेवाली में स्थित है (और इसने उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नीसित उद्वेषय से उनत अन्तरण निम्नीसित में नास्तिक का निम्नीसित उद्वेषय से उनत अन्तरण निम्नीसित में नास्तिक

- (क) अन्तरण ते हुई किती आय को बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कहने या उस्ते बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था-या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निस्नीजिखित व्यक्तियों, अधृति के— (1) श्री लाल चन्द साधू राम वासी लदेवाली मुस्तियर ऐ-आम निहाल कौर विधवा अवतार सिंह वासी लदेवाली तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

- (2) श्री राकेश कुमार पुत्र मतपाल मार्फत सरदारी लाल मदर बाजार जालन्धर छावनी 2 पी० के० ढिल्लो पत्नी मेजर एस० एस० ढिल्लो 12/15 जालन्धर छावनी, कुन्दन बीर कौर पत्नी अमरजीत सिंह वासी लसरी वाला तहसील जालन्धर। इन्द्रजीत सिंह पुत्र ईश्वर सिंह उब्ल्यू०-एक्स०-225 बस्ती नौ जालन्धर, रणधीर नन्द दुस्र फतेह चन्द मोहल्ला नं० 21 जालन्धर कैन्ट । जसबीर कौर पत्नी मजीत सिंह वासी जालन्धर।
 - जसमार कार पत्ना मजात । सह वासा जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

का यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए आ सकांग।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उच्छे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गमा है।

अध्यक्ष

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 6059 विनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

िदनाक: 6--8-1983 --े--

मोहर .

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर विधिनियन; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4523—यतः मुझे, जे० एल० गिर्धर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मकसूदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिषात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उथत अभिनियम् को अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यथने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (प) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विभा को लिए,

जतः अब, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उर्णधारा (1) काँ न्भीन, निम्न्सिचित स्पित्सियों, सर्भात् का (1) श्री शंकर दास पुत्र अटारा द्वारा जनरल अटोरनी जोगिन्द्र पाल वासी गांव बलन्वपुर तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरन्द्र कौर ओबराय पत्नी गुरशरन सिंह वासी ई० पी० 183 मुहल्ला खोदियां, जालन्धर। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सुम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्मण्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नपुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 18 मरले जो गांव मकसूद-पुर्भों स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6136 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे॰ एल॰ गिरधर, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जासन्धर

दिनांक: 6-8-1983

मोहर 🔢

प्ररूप बार्ड टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1083

निदेश सं० ए० पी० नं० 4524—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव मकसूदपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल के न्मनितिषत उद्वोदय से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से धुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—-

(1) श्री जोगिनद्र पाल पुत्र शंकर दास वासी गांव बलन्दपुर तहसील जालन्धर । मुरुतियार-ऐ-आम श्री शंकर दास पुत्र अतारा ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र अर्जन सिंह वासी माडल हाऊम, जालन्धर 2 अनील चोपडा पुत्र राम चन्द कैमिकशल शिशु माडल स्कूल नपातीना बाजार नजदीक पक्का बाग जालम्धर 3 जसवन्त सिंह पुत्र अजीन सिंह वासी सतकरतार नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उपक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसीन 1 कनाल जो गांव मकसूदपुर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6201 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्धर

दिनांक: 6-8-1983

मोहर 📳

प्ररूप लाइ . टी. एत. एस. -----

जायकर जिभिनिषम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4525—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर श्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उन्त् अधिनियम" कहा गवा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1982।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देष्य से उक्त अंतरण शिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाजरा, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरफ के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र ऊजागर सिंह वासी गांव किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा खेतर पाल पत्नी हंसराज वासी जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। वह व्यक्ति, जिसके अधि भोग में सम्पत्ति है
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में धिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह संपत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6215 दिनांक विसम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जें० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-8-1983

प्ररूपु आहू . टी. एन . एस .- - = =---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्रयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर जासन्धर, दिनांक 6 श्रयस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4526---यतः, मुझे, जी० एल०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिचत बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के मीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह, कोरूड स्टोर गांव किंगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री चरण सिंह पुत्र सुजान सिंह वासी गांव खेड़ा दोना तहसील और जिला कपूरथला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्वीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिल हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 19 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 6120 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-8-1983

मोहर ः

प्ररूप् आहु . दी. एन्. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 श्रगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4527---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैंसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजूने में सुविधा के सिए; और /या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ू बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित न्यक्तियों, अर्थात्:— श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह, कोल्ड स्टोर गाव किगरा तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरुदेव सिंह पुत्र पाल सिंह और रिवन्द्र सिंह गिल पुत्र लक्ष्मण सिंह, 511-भोला सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कर्के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पइ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्डीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 19 मरले जो गांव किगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6119 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-8-1983

मोह्यु 🖫

प्रकृष् भारं. टी. एत्. एस.-----

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1981 **का 43) की धारा** 289-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 ग्रगस्त 1983

निदेश सं० ऐ० पी० नं०,4528—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उनन श्रिष्ठिनियम' कहा गया है); की धारा 269 का के श्रिश्रीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्यति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबन्द अनुसूची में और पूर्ण रूत से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त धिक्षित्यम, या धन-कर घिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सन्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 21—236GI/83 श्री जसबीर सिंह पुत्र शिव सिंह मुख्तियार-ऐं-आम बलबीर सिंह वासी गांव देहरिया तहंसील नकोषर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नरिन्द्र कौर पत्नी हरनाम सिंह 2. दर्शना देवी पत्नी दर्शन लाल 3. राकेश कुमार पुत्र दर्शन लाल, 4. तरलोकी नाथ पुत्र रोणन लाल, 5. कुसुम लता पत्नी रिवन्द्र कुमार, 6. विजय कुमार पुत्र कुलवन्त राय, 7. रणजीत कौर पत्नी मनमोहन सिंह 8. अमरजीत कौर परनी ईन्दरमोहन सिंह वासी ई० क्यू०, 400 पीर बोदला बाजार, जालन्धर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत मन्यति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकागी।

समध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही याय होगा, नो उन धाराय में विवास सही

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 4 कनाल जो गांव किगरा' में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6204 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-8-1983

प्ररूप आई• टी० एन० एस•-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

दार्यालय, सहायक आयकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 श्रगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4529--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का-43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982 को पूर्वीक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में कमी भरने या उसके अचने में सुविधा के सिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय ना किसी धन या प्रस्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आनकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नर्गरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था खिपाने में पुनिधा के लिए।

जतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मों., मों , उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

- श्री जसबीर सिंह पुत्र णिय सिंह जनरल अटोरनी बलबीर सिंह वासी गांव देहरिया तहसील नकोदर जिला जालन्धर। (अन्तरक)
- 2. श्री रमेश चुग पुत्र हरदियाल वासी म० नं० 173 नीला महल जालन्धर-2 राज कुमार कपूर पुत्र जगन नाथ वासी म० न० एन० एच० 193/13 नीला महल जालन्धर 3. श्रीमती पूजा पत्नी विजय कुमार कैयिकशलय पिलत शो स्टोर बाजार पंजपीर जाल-धर 4. पी० एल० छावड़ा पुत्र नन्द 5. श्रीमती राजकुमारी पत्नी भरत लाल रतन 6. राम सिंह गुप्ता प्रहा० श्रात्मा 7. राज कुमार पुत्र रामकृष्ण 8. नवीन गुप्ता पुत्र राम कृष्ण संदीप गुप्ता वासी ई० क्यू० 430 सेदागेंट, जालन्धर जगदीण चन्द्र पुत्र मुलख राज वासी एन० एन० 154 पाती दनीशमन्दन जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है।
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके झारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धे में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राघोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः —इसमें प्रयुक्त धन्दों भीर पदों का, जो उनत धिवनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, बही धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जमीन 5 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6236 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखा: 6-8-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को मधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश स०/ऐ० पी० सं० 4530—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 25,000 - रु. से अधिक है

और जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1982

को पूर्विवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; औद्द/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना जाहिए था, जिनाने जे सुनिधा के निए;

भतः अभ, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1), को अभीन, निम्निस्ति अधिकत्यों, अर्थात् ६—-

1. श्री शिव सिंह पुत्र गुरबख्श सिंह वासी गांव दहेरिया तहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सतपाल पुत्र चरणदास, वासी गांव मूछल तहसील अमृतसर 2. बनवारी लाल पुत्र धर्मपाल और बिमला देवी पत्नी धर्मपाल, वासी गांव कन्वन जिला गुरदासपुर 3. प्रवीन कुमारी पत्नी पूरन चन्द, वासी 146/2 ऊधम सिंह नगर जालन्धर 4. सतीश सियाल पत्नी अमर नाथ और प्रवीन सियाल पत्नी विजय सियाल, वासी टांडा जिला होशियारपुर 5. रमेश कुमार पुत्र कुन्दन लाल और माधवा नन्द पुत्र मुखन्द लाल और अरुण कुमारी पत्नी विजय कुमार और महिन्द्र कौर पत्नी बलवन्त सिंह और अनील चोपड़ा पुत्र रामचन्द और विनोद गोयल पुत्र श्रीराम वासी जालन्धर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृत्रांक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

हम्कटीक रणः --- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उनक अधिनियम, को अध्याद 20-क में परिभाषित् है, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवाड री.

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 5 कनाल 12 मरले जो गांव किंगरा में स्थित है जैसा कि विलेख न० 6058 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-8-1983

मोहरु 🖫

प्रक्ष ध।ई० डी० एत० एस० ' ' ' '

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा **269-य(1) के मधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 4531—यतः सुझे, जे० एस० गिरधर,

आयकर पश्चित्यमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अद्यिनियम' महा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,06% द॰ से प्रधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय जानन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्टह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अण्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य में उन्त अन्तरण बिखित में वाक्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर द'ने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृतिभा के चिए; बौद्य/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— श्री शिव सिंह पुत्र गुरबख्श सिंह वासी गांव देहरिया तहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. (1) मोहिन्द्र कौर पत्नी बलवन्त सिंह, वासी ई० क्यू०-340 चौक रैवक बाजार जालन्धर (2) मीना भण्डारी पत्नी ए० के० भण्डारी (3) अमर कौर पत्नी अमर सिंह (4) सरलोचन सिंह पुत्र मनमोहन सिंह (5) निरन्द्र कुमार पुत्र चरणजी लाल, वासी गांव खंडाला तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी-कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 3 कनाल 6 मरसे जो गांव किगरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 6275 दिनांक दिसम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 6-8-1983

मोहरः

प्रकृष बाइ. टी., एन्. एस..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4532—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याब लय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्विषय से उन्त अन्तरण लिसित में बास्त्-विक रूप से कथित नहीं किया गया है के—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में करी करने मा उससे यथने में सुविधा के लिए; बीड्र/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अधिनों में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अर्थात् ४०-- 1. श्री शिव सिंह पुत्र गुरबंख्श सिंह वासी गांत तहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. (1) प्रेम सह पुत्र तुलसी दास पाली बला चौक जिला होशियारपुर (2) सतनाम कौर परी लखिनचर सिंह वासी बाखमा कला जि । सर (3) बलवन्त सिंह पुत्र कृष्ण सिंह वासी कृष्ण निक्र वाजार जालन्धर (4) निर्मला जैन पत्नी एन० के० जैन 963, मुहल्ला गोविन्दगढ़, जालन्धर (5) ए० के० जोशी पुत्र ए० एल० जोशी, 9 न्यू अवाहर नगर जालन्धर (6) अरजिन्दर कौर पत्नी हरदीप सिंह बतरा, 16 बन्दा बहादुर नगर जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हुए।

डक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई ना बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मुधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण:—इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा औं अध्याय में विया गया हैं।

नन्सूची

़ संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5758 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-8-1983

मोहरः

प्रकृष काइ . टी. एन. एस्.

नायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेंज, आसन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं०/4533—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीसित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त वीधीनवृत्र के अवीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिक्त अदि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्तिया के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्—ः

1. श्री शिव सिंह पुत्र गुरबब्ब सिंह वासी देहरिया सहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. (1) सुमन सरपाल पत्नी दिवन्द्र सरपाल वासी णिय नगर सोहल रोड़ जालन्धर (2) विनो**द** शर्मा पत्नी सुभाष शर्मा एस-245 इंडरदीयल एरिया जालन्धर (3) बचन कौर पत्नी बलदेव सिह एम० ई० एस० क्यार्टर नं० 147/4/5 गंगा रोड़, जालन्धर छावनी (4) शशी भल्ला पत्नी हरी भल्ला, 56 गार्डन कालोनी जालन्धर (5) सुरेखा भल्ला पत्नी कमल भल्ला 56 मार्डन कालोनी जालन्धर (6) सुनीता पत्नी कुलदीप कुमार 634/4 मुहल्ला जटपूरा, (7) अवतार सिंह पुत्र हाकम सिंह 3357/8 अम्बाला शहर .(8) हरमोहिन्द्र कौर पत्नी ग्रवतार सिंह 41 माडल टाउन जालन्धर (9) कृष्ण चन्द्र पुत्र अपना दास गांव और पोस्ट आफिस बुखारा तहसील फगवाड़ा (10) इन्द्र परनी जगमोहन बृज और आशा बृज पत्नी राजेश बृज 167 न्यू जवाहर नगर जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीनित/कुमारी जो व्यक्ति सन्पति में रिच रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सपिता में हितबद्द्ध हैं)
को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सपित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी के वे 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध को भी वर्ष काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ब) इस स्कान के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कर्य क्यक्ति इवारा, नशेहस्ताक्षुरी के पास जिस् में किए जा स्कींगी।

स्पट्टोंकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5652 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-8-1983

मोहरः

प्ररूप् आहाँ हो एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4534—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किगरां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री शिव सिंह पुत्र गुरबख्श सिंह वासी गांव देहरिया तहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. (1) लहौरी राम पुत्र मिलखी राम (2) जोतो पत्नी लहौरी राम (3) मोहिन्द्र सिंह पुत्र अमर सिंह (4) शान्ती देवी पत्नी मोहिन्द्र सिंह (5) सिद्धार्थ कुमार पुत्र लहौरी राम (6) गुरमीत वन्द्र पुत्र पूरन चन्द्र (7) मोहन लाल जसी पुत्र राम चन्द्र (8) मोहिन्दी पत्नी मनोहर लाल वासी 393-आबादपुरा जालन्धर (9) नरिन्द्र कुमार, पवन कुमार सुपुत्र जगत राम वासी गांत्र खुरला किंगरां तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्वना क्रेराजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, क्रेभीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीक एण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^र, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जमीन 5 कनाल जो गांव किगरों में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 5958 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आपुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 6-8-1983

मोहर 4

प्ररूप भार्च , दी , एम , एस , ------

काथकार कृषिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्णा

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 ग्रमस्त 1983

निदेश संर ए० पी० नं० 4535—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर ,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाई मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वरिय से उचत बन्तरण निचत में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) जनतरण से हुई किसी नाम को बाबत, उच्छ। अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कमी करने वा उपये वृष्ये में पृष्टिया के सिए; अरि/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ के अनुसरक की, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान :---

 दिवन्द्र पाल सिंह पुत्र बरियाम सिंह और हरिजन्दर सिंह पुत्र मनोहर सिंह वासी नजदीक रास्ता लोहा स्टोर नकोदर रोड़, जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री गुरणरनवीर सिंह पुत्र डा० करतार सिंह और सुरिन्द्र कौर पुत्री मोहन लाल के० बहार क्लीनिक जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल 10 मरले जो गांव खुरला में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 5904 दिनांक दिंसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धरं

तारीख: 6-8-1983

भोहरः

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कर्म्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, जासन्धर जालन्धर दिनांक 6 अगस्त 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4536—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 (1908 का 16 के अधीन सारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए वश्विरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्दिश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 23) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

सतः अव, उकत् अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन. निम्मलिवित व्यक्तियों वर्षात् !--- 22-236GI/83

- 1. श्री कसत्रीरा सि पुत्र मलूक सिंह वासी धुधुगहर जिला जालन्धर मुख्तियार आसवलो गुरजीत सिंह पुत्र अमरजीत सिंह वासी 215, सैक्टर 11-ए चण्डीगढ़ों (अन्तरक)
- 2. (1) कालीचरण, लखनपाल पुत्र बृज लाल वासी डब्स्यू० ए० 50 मुख् बाजार, जालन्धर। करपाल सिंह पुत्र भगत सिंह 17/38 जालन्धर कैन्ट, रिजन्ब सिंह पुत्र करपाल सिंह 17 जालन्धर छावनी। कुलक्त सिंह पुत्र रेगम सिंह वासी जालन्धर। संतरी केवी मरनी अमोक्र्या नाथ एन० ए० 36 अजीत नगर जालन्धर। केवल सिंह पुत्र नन्द सिंह वासी फूल तहसील नकोदर इन्दरणाल सिंह पुत्र पियारा सिंह डब्ल्यू० ए०-32 अली मोहल्ला जालन्धर, विरन्त्र पाल सिंह पुत्र गुरबक्श सिंह एन० एन० 507/गोपाल नगर अशोक कुमार पुत्र फूल चन्द माइल टाउन रोड, जालन्धर।
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति सपित में घिच रखता है।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में, अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपित में हितबद्ध ई)

को यह सूचता जारी करके पुर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन् के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास किखित में किए जा स्केंगे।

स्पन्धिकाताः इसमें प्रमुखत सम्बद्धां और पृष्टी का, जो उनल् अधिनियम, के वश्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विश्लेख नं० 5761 दिनांक दिसम्बर 1982 की रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्घर

तारीख: 6-8-1983

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्घर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4537—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री बलवीर सिंह पुत्र शिव सिंह वासी गांव दहेरिया तहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जोगिन्द्र कौर सोहल पत्नी चरणजीत सिंह और जोगिन्द्र सिंह पुत्र बुद्ध सिंह पसरीछा 416 प्रीत नगर सोहल रोइ, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 6281 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 6-8-1983

प्रक्ष बाह्".टी.एन.एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० पी० सं० 4538—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव खुरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्प्रट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निश्चत में बास्तिबक कम् से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वका था वा किया थाना वाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती आणा अंगी पत्नी खरंती लाल वासी 52, विजय नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

 (1) सवर्णदास पुत्र लखाराम (2) बिमला कुमारी पत्नी सवर्ण दास (3) सोहन लाल पुत्र लखाराम वासी गांव गुरहा तहसील नकोदर जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवादा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य स्पन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वर सकेंगे।

स्पद्धिक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हूं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 1 कनाल 10 मरले जो गांव खुरला में स्थित है जसा कि विलेख नं० 6186 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में जन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक 6-8-1983 मोहर: प्ररूप गाई. टी. एम. एसं. -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 की 43) की

भारा 269 म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कीर्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, विनांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० ऐं० पी० नं० 4539—यतः मुझें, जे० एल० गिरधर,

बायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ज के धर्मीन संक्षेत्र प्राधिकारी कों, यह विश्वीस करेंने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मूश्ये 25,000/-व० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अमुसूची में लिखा है तथा जो वस्ती गोंख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाँधार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाँधार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह अतिवात से मधिक है और मन्तरच (मन्तरकों) मोर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गता प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उचत बन्तरण किखित में वास्त्रविक रून से किबत नहीं किया बया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जनत अजिनियम के प्रजीत कर देने के प्रस्तरक के व्यथित्व में कर्नी करने या उसने बचने में सुविधा के जिए। और्थ्या
- (ख) ऐसी किसा भाग या किसी घर या अन्य ब्रॉस्टियों कों, भिरहें भारतीय घायकर सिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिविनयम, मा इंग-कर सिविनयम, 1987 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे भारीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित् :—— 1. श्री सुशील कुमार भस्ला पुत्र मोहन लाल वा कि हैं जी० 830 गोबिन्दगढ़ जालन्धर। श्री० ए० आकू घरणसिंह, रिवन्द्र जीत सिंह सुपुत्र हरभजन सिंह वासी इब्ल्यू० पी० 156 बस्ती शेंख जालन्धर।

(अन्तरक)

2. चांद कौर पत्नी पूरन सिंह बासी जालन्धर शहर। (अन्तरिती)

की बहु सूबिमा जॉरी करके पूर्वीक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के खर्जन के मंबंध में कोई भी आसोप :---

- (क) इस सुजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की घवडि मा तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामीज के 30 दिन की अविद्धिं जो भी धवडि बाद में समान्य होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा प्रश्नोहरूताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्क्ष्टीं करण: ----इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदौं का, जो छक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जी इस बड्याय में विया गया है।

क्रमसृची

संम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 2 कनाल जी बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है ।जैसा कि विलख नं० 6003 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिधरर सक्षम अधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः: 6-8-1983

प्रकृत बाह्री, ठी. एक. एस., ----

नायकं र अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्बर

जालन्धर, विनांकं 8 अगस्त 1983

निर्वेश सं ७ ऐ० पी० सं० 4540--- यत: मुझे, जे० एस० गिरधर,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतकों इतकों परमात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हूँ), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिह्नका उचित व्याप देन मूल्य 25,000/-रा. से अभिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उंपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्विनंत् संपत्ति के उत्वित् वाकारं मृत्य से कम् के क्यमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे मह विद्वास करने
का कारण है कि स्थाप्वेवित संपत्ति का अधित वाकार मृत्य,
असके दश्यमान प्रतिफल् से, एसे क्यमान प्रतिफल् का पत्यह
प्रतिकृत से वृधिक है वृद क्यारक (क्युरकों) वृद कन्तरिती
(अन्तरितिवों) के बीच एसे क्यारक कि जिस त्य पाना च्या
प्रतिकृत, निम्नुनिवित् उत्विक्त ही क्यार क्यारक कन्तरल किवित्

- (क) मनाइम वे हार्च किसी नाम की नाम्त्, समस् नामितिम्ब के ब्रामित कर बाने के ननाइक के बारियल में कनी करने या उपने मुखने में सुविन्ध के लिए; नीइ/ना
- (व) एसी किसी अन्य का किसी पृत्र वा शृत्य वासित्यों को जिन्हों भाउतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनीय अधिनियम स्वाप्त पृत्र सहीं किया ग्या भा या किया जाना जाहिए जा, कियाने में सुनिधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों हा अर्जुत् हिल्ल श्री कुलवन्त राय पुत्र वलैती राम मुख्यतियारे आम आफ हुकम चन्द ,वेद प्रकाश, दर्शन लाल सुपुत्र हरी राम मारफत वलैती राम ,कुलवंत राय, मानसा भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री साल सिंह पुत्र भौला सिंह (2) सुरिन्द्र पाल सिंह पुत्र लाल सिंह, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूच्या कारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवीध, जो भी संबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्नवर्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास सिकित में किस् जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त सम्बों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अमस्यी

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5434 दिनांक विसम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-8-1983

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4541—यतः मुझें, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरज लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियरण में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अधि कुलवंत राय पुंत्र वर्लती राम मुख्तियारे आम आफ श्री हुकम चन्द, वेद प्रकाश, दर्शन लाल, सुपुत्र हरी राम मारफत वर्लती राम कुलवंत राय मानसा मण्डी।

(अन्तरक)

- 2 (1) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी सीता राम
- (2) साधु राम पुत्र दुरगा सिंह (3) विनोद कुमार वर्षान्द्र कुमार, अशोक कुमार सुपुत्र मनोहर लाल वसंत लाल पुत्र सिंह पुत्र बलवीर सिंह (6) संत नारायण पुत्र दया राम, सीता राम पुत्र लखू राम (8) गुरुबख्श सिंह पुत्र सान सिंह पो० खुरद मारफत परवेश कुमार दलाल जनता नगर आफ परस राम नगर नजदीक सिरहिन्द कनाल, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्वव्यक्तिस्त :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त धिवियम के घड़याय 20 में परिभावित है, वही धर्य होगा, जो एस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5435 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 8-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निवेश सं० ए० पी० नं० 4542—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवित्त जिस्का उचित बाजार भूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हजूर सिंह पुत्र हवेला सिंह, वासी गुरु नानक प्रा, भटिज्डा।

(अन्तरक)

(1)श्री परमजीत सिंह वेदी पुत्र श्री रतन लाल (2) कुलवंत कौर पत्नी सुरिन्द्र पाल सिंह (3) जोगिन्द्र सिंह बंख्गी (4) जसवन्त कौर (5) तरलोक सिंह बंख्गी (6) गुरबंख्य सिंह बंख्गी, वासी लाल सिंह बंस्ती नजदीक सिंव सा मिल, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अंग्रेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, भी उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5436 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-8-1983

मोहर

प्रकृष नाह¹. दी. श्रृत्य एत्.-----नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सन्दर्भर

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्तण) अर्जन रेंज, जालम्बर

जालन्धर, दिनांक 8 मगस्त 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4543---यतः मुझे, स्रो० एस० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसने परनात, 'उनत अधिनियम' कहा मता ही, की आहरा 269-व के अधीन सक्षम प्राचिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 25,000/रु. से किथक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रसिम्मल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने के कारण हैं कि यजापूर्वोच्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से खेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत दो अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देष्य से उच्या अन्तरण जिल्हित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया न्या हैं क्षान्य

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाक्त, उक्त विधिनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कभी कुरने या उक्सते सम्बने में स्विधा के सिए; मौद्र/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना आहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

जतः जव्, उक्त अधिनियम की भाषा 2269-स के वनुक्रतम् में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा -(₁) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अजुविया लाल उर्फ जोग राज पुत्र बजीर चन्द भटिण्डा।

(अन्तरक)

 श्री ओम प्रकाश पुत्र जगदेव राज, (2) जगदीश राम पुत्र राम लाल, भरिंडा।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् राज्यस्ति के जुर्वन् के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के एकएक में प्रकासन की कारीज़ से 45 किन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 किन की नवीथ, जो भी स्वक्ति आद में समस्य इस्ती हो, के भीतर पृज्यित व्यक्तियों में से विकती व्यक्तिय कुनाय;
- (क) इस सूचवा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीत्र जनत स्थानर सम्मरित में हितववृथ फिक्टी जन्म क्योंनर वृवारा वभोहस्ताक्षरों के नास् सिक्टि में निक्स का क्योंने।

स्वकाकरणः — इसमें अनुनत् अस्ते जीर पर्वो का, जो 'जकत अधिनित्त्व', को सभ्यात 20 का में परिशामित इ., कही क्षी हागा, जो उस अध्याद में दिया क्या है।

नपूत्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5466 दिनोक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

सारीच : '8−8−1963

नोहर 🛭

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 श्रगस्त 1983

निदेश सं० ए० णी० नं० 4551--यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वीवल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल,, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्ति-विकं ख्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्म या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--23-236GI/83 श्रो चरण सिंह पुत्र हरनाम सिंह, सुनार वासी मोगा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी बाबू राम, करियाना दुकान नजदीक रेलचे फाटक, मेन बाजार मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबब्र है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

· अनुस्**ची**

संपत्ति तथा व्यक्ति मकान जो कृष्णा नगर मोगा में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 5979 दिनाक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नरीखा: 9-8-1983

स्प शहुर तां तन तस ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाउ

भार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 श्रगस्त 1983

निर्देश सं० ए० गी० नं० 4552 एण्ड 4553--यत:, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इसके अपायत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती अंतरिती (अलरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त बन्तरण निकित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, क्षियाने में सिवभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री तारा सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी, वस्ती-पीर-दाद खान, जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री इन्दर सिंह पुत्र संता सिंह और करपाल सिंह, व मोहिन्द्र सिंह, सुपुत्र इन्दर सिंह, वासी-वस्ती भावा खेल, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उन्त कन्द्रीता के वर्षन से सम्बन्ध में कोई भी बालेप;--

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ने 45 दिन की जविध का तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा.
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिबित में किए जा सकोंगे ।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5727 और 5728 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-8-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 ग्रगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4554—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयो था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

 श्रीमती वलबीर कौर पन्ती जोगिन्द्र सिंह, वासी सहदेव मार्किट, जालन्धर, मुख्तियार हरनाम सिंह, वासी-फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र नेषु सिंह पुत्र तुलना सिंह, वासी-सहदेव मार्कीट नजबीक जी पी ओ, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वायः;
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6077 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-8-1983

प्ररूप भार . डी., एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 श्रगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4555—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर वृषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्छर में स्थित है (और इससे उपावड अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्थालंग, जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन तारीफ दिसावर 1992

का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए: और/या
- (क्य) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिय्रे था छिगाने में सविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनीयमं की धारा 269-ग के, अनुसरण, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) , निम्नलिखित व्यक्तियों, ऊर्थात् :—

1. श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र बेला सिंह, प्रकाश निवास वस्ती दनीश मन्दन, जालन्धर।

(अन्तरक)

- 2. श्री सतीश कुमार पुत्र करतार चन्द ,करतार चन्द पुत्र बाल राम, सुरिन्द्र कुमार पुत्र महेगा राम विश्वानाथ पुत्र हंस राज, वासी-वस्ती नौ, जालन्धर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि विलेख नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स संम्यस्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्टित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविध्या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रृद्धों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5889 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल'० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गेंज, जालन्धर

सारीख: 10-8-1983

प्रकथ बार्ड . टी. एन. एस .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक श्रायकर श्रायकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 10 श्रगस्त 1983 निर्देश सं० ए० पी० नं० 4556——यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तर्स अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य कारिसयों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री चरण दास पुत्र उद्धु राम, म०न० ४३ स्यू० डी० 264 श्रली मोहल्ला, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. कुमारी शांति देवी पुत्री केसर दास, 143 शक्ति नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है। (बह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा विश्व जैसा कि विलेख नं० 5846 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-8-1983

प्रकार आहे. टी. एन्. एस्.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 भा 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 10 श्रगस्त 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4557—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक न्हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, उच्छ बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कामी करने या उच्छ व्यने के सृविधा के सिए; अट्टि/वा
- (क्ष) एसी किसी अध्य या किसी भग्या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री सोहन लाल करूर पुत्र करमचन्द, बासी-अड्डा हुशियारपुर, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री दर्शन सिंह पुत्र पटेल सिंह, वासी-गांव ईश्वर वाल, तहसील-जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3 जैंसा कि ऊपर नं० 2 में लिख। है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति स्पित्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनचे बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है- कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद म समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (व) इस सूचना के राजरत में प्रकासन की तारी का से 45 दिन के मीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोदक्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पच्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का; जो छक्त अधिनियम के बद्ध्याय 20का में परिवाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रद्ध्याय में दिय' गया है।

अनुसूची

संपत्तिः तथा अयक्ति जैसा कि विलेख नं० 5940 दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० ए ० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-8-1983

प्रकष आहें. टॉ. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 10 अगस्त 1983

निर्वेश सं० ए० पी० नं० 4558---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखा विसम्बर 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तिस का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिकी (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे बन्दरण के बिए तब पाया गया प्रति- कस निम्मलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्सरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से इ.च. किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उत्तरों वचने में सुविधा के सिए; आदि/या
- (स) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती बिमला देवी विधवा ओम प्रकाश और मधु भण्डारी, तरुणा भण्डारी पुत्री ओम प्रकाश वासी 25 सुभाष नगर जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री बृज मोहन पुत्र हरी चन्द, महिन्दर पुत्र कृष्ण गोपाल वासी बाजार चढ़त सिंह नजदीक इमाम नासर जालन्धर।

(अन्तरिसी)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधिकृत्ताक्षरी
 जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत बरन्दित के नर्जन के सुरन्ध्य में कोई भी भाश्योप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में सवापत होती हो, के भीतर कुवें कर व्यक्तिस्त में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकासन की दारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोक्त में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए या सकींगे।

स्पृथ्विकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पर्यों का, वो उपल क्रिपिनयम, के अध्याय 20-क में प्रिभाविद ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अन्स्ची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5803 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-8-198**3**

प्ररूप काई, दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ं 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 4559—स्यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसंकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को प्रयोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी नरिन्द्र सिंह और राज कुमार पुत्र बनारसी दास भटिण्डा। (अन्तरक)
- श्री प्रेम चन्द पुत्र सिय दिंता मल (2) प्रेम सागर पुत्र सोहन लाल (3) हरमिन्द्र सिंह पुत्र भगवंत सिंह, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निकार जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5578 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जाकन्घर

तारीख : 11-8 1983

प्ररूप आर्ह्न. टी. एन. एरा. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4560—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर निधिनियम, -1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा म स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--25-236GI/83

1. श्री अवतार सिंह पुत्र लखमन सिंह गांव बीवी वस्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदेश पुत्री इकबाल चन्द खन्ना धासी वस्हती गुजा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अन्स्ची

संगत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5582 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा म लिखा है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 अगस्त 1983

निर्देश मं० ऐ० पी० नं० 4561—यत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० जैंमा कि अनुसूचों में लिखा है तथा जो भिटण्डा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के दिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रांस प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है .----

- (क) अंतरण सं हुई किसी आप की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गर्ही किया प्रधा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तितयों, अर्थातः —

श्री वूटो गिह पुत्र जीत सिंह और सुख बिन्द्र सिंह पुत्र बूटा सिंह वासी। मकान नं० 3305 सिधवा वाली मुहत्त्रा, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमर जीत कौर पत्नी भुखदेव सिंह मारफत हरताम सिंह मकान न० 7315, हाजी रतन गलें। भटिण्डा ।

(अन्तरिसी).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारील सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमों पराइत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अन्सूची

मंपत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 5644 दिनांक दिसम्बर 1982 को रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी भटिण्डा में सिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11--8--1983

प्ररूप. आहरें. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, जालन्धर

जानन्धर, दिनाक 11 अगस्त 1983

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 4562---यॅतः मुझे, जे०एन० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० जैंसा कि अनुसूची म लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और यभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त रंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्तिस में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया वया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम कं अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान ने सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लीखन व्यक्तियों, अर्थात् '—— श्री हरचरन सिंह पुत्र वख्तीर सिंह वासी कोठी अमर पूरा बैंक साइड आफ थरमल कालोनी, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री मंगत राम पुन्न छजू राम बरेटा (2) ब्रिज मोहन पुन्न ऊम प्रकाश भटिण्डा (3) रणजीत मिह पुन्न केहर सिंह गांव पक्का कलां तह० भटिण्डा (4) सरूप चन्द पुन्न बचना राम वासी तलवंडी साबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को नागीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विषया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि बिलेख न० 5722 विनाक विपम्बर 1982 को रजिस्ट्राकर्ती अधिकारी मटिण्डा में लिखा है

> जै० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-8-1983

प्ररूप भाई० ठी• एन• एस०--

म्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 11 अगस्त 1983

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 4563—-यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा थया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विकास करने वा कारण है कि स्वावर सम्बंदि, जिन्ना उचित्र अजार मूल्य 25,000/- दे अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने ऐने दृश्यभात प्रतिफल का परवद् प्रतिशत से मधिक है और भन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (पन्तरितियों) के बीथ ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहंश्य स अकत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किया गया है —

- (क) अन्तरण पेहर्ड किया आप की वानन, उनत विधिनयम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे यचने में भुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आर वा किनी धन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1857 का 27) के ध्रमोजनार्व कन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया यमा था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के किए;

श्रातः अत, उक्त मधिनियम की वारा 269-ग के समृत्याम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के समिन, निम्नलिखित क्यानितमों सर्थात् ::- 1 श्री प्रेम कुमार पुत्र हरी राम वासी मेहता मुहल्ला नजदीक कोरङ, भटिण्डा।

(अन्तरक)

 श्री मोहन लाल गरग वकील सिविल कोर्ट भिटिण्डा और विजे कुमार पुत्र हरी चन्द, वृडलाडा मडी। (अन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्ज**न के लिए कार्य**वाहियां करता** है।

. इतन सम्पत्ति के अर्थन के लंबंब में कोई भा आजेर।-

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की घनकि, की भी घनकि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रानात्र में प्रकाशन की ताशीय से 45 दिन के भीतर छन्त स्वावश सम्पत्ति में हितब किर्स ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, भभीहरूतकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पूडडोकरण। --इभने प्रयुक्त पश्नों जीर पदों का, तो प्रकत अधिनियम के अध्यार 20 हमे परिमाणित है, वहीं सर्वे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5822 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-8-1983

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 📭 अनस्त 1983

निदेश स० ऐ० पी० न० 4564--- यत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किशा गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त जिमित्यम के अभीन कर दाने के अन्सरक के वाजित्व में कभी कर्ति या उससे क्वने में सुविधा के लिए; बार्टिया
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्;

1. श्रीमर्ता लाल देवी विधवा नथू राम मुहल्ला जट-पुरा साहमने कांतवाली, कपूरथला । (अन्तरक)

2 श्री जीतेन्द्र पाल कौर पत्नी प्रीतम सिंह मारफत सहाय फोटोग्राफर, सदर बाजार, क्यूरथला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के **६ए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रूप्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछितिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2716 दिनाक दिसम्बर , 1982 की राजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी कपूरथना में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

तारीख: 11-8-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना कार्यालय पटना, दिनाक 10 अगस्त 1983

निर्देश सं० 3-800/अर्जन/83-84--यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे निरीक्षं सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, विहार, पटना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य' 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एम एम एम एम एम एम पार मं 1477, हो एमं 716/ बी/716-सी (पार्ट), वार्ड सं एपा/बी है, तथा जो नवीन चन्द्र मित्रा लेन, मुहल्ला ला-वर्दवान कम्पाउन्ड, पो लालपुर में स्थित है (और इसने उपाबब अनुसूची में और पूर्ण म्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 1 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निल में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- श्री प्रकाण चन्द्र हरलालका वल्द श्री भगवान दास हरलालका निवासी——वर्दवान कम्पाउन्ड, थाना——लालपुर जिला रांची

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरिता देवी बजाज जौजे--श्री महाबीर प्रसाद बजाज निवासी--अपर बाजार, पो/जिला रांची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित -हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला पक्का मकान जिसका रकबा 4 कटठा 6 छटांक 7 वर्गफीट है तथा जो नतीन चन्द्र मिला लेन, मुहन्ला—वर्दवान कम्पाउन्ड, णो—लालपुर जिला—रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या—9718 दिनांक 1-12-82 में विणित है एवं जिला अवर निबंध पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,पटनाबिहार

तारीखा : 10-8-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्देश सं० के-161/कानपुर/83-84--यतः, मुझे, विवेक बनर्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. में अधिक ही

और जिसकी मं० 133/240 ब्लाक 'एम' है, तथा जो किटवर्ड नगर, कानपुर में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्प में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीव्ट 22 मार्च 1983

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने पें स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार अन्तिरिती स्टारा प्रकट गढ़ी किया गरा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की आधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री प्रकाण गुष्ता पुत श्री लक्ष्मी नरायण गुष्ता निवासी पंचयटी कैंगाल रोड़ कैंन्ट, कानपुर

(अन्तरकः)

2 श्री मोविन्द प्रमाद जैसवाल (एच० यू० एफ०) तथा राम गोपाल जैसवाल पुत्र स्व० लल्लू राम निवासी---133/38 किदवर्द नगर, कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील, से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्वध किसी अन्य क्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची '

एक किता मकान नम्बर 133/240 बलाक 'एम' किदबई नगर, कानपूर में स्थित है ।

विवेक वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-8-1983

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस. -----

अ।यंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कार्यालय कानपुर, दिनांक 2 अगस्त 1983

निर्देण सं० के-35/कानपुर/82-83--यतः, मुझे, विवेक वनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह में अथिक है

और जिसकी मं० 124/एम/7 है, तथा जो गोविन्दनगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार बूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्दिश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में वास्तियक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी. करने या उससे बजने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूचिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- श्रीगती कमला रानी गुलाटी पत्नी श्री बाल किशन गुलाटी केयर आभ विजय श्राटोमोबाइल्म निवासी—— मनीपुर (इमफाल)

(अन्तरक)

2. श्री शेष नारायण नागिया रमेश नागिया, व सुरेश नागिया पुत्रगण श्री लक्ष्मण दास नागिया व श्रीमती मुशीला देवी पत्नी श्री लक्ष्मण दास नागिया निवासी—-124 ए/7 गोविन्दनगर कानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

एक किता अचल सम्पत्ति नम्बर 124/एम/७, रकवा 233 वर्गगज, गोविन्दनगर, कानपुर में स्थित है ।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, कानपुर

तारी**ख** : 2-8-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पूना-411004, दिनांक 7 जुलाई 1983

निर्वेश सं० सी ए 5/37-ई ई/1983-84--यत:, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मुल्य 25,000 ∕- रः. से **अधिक ह**ैं

और जिसकी संव आफिस नंव 202 दूसरा माला अम्बर चेंबर्स सी० ए० न० 28-ए वधबार पेठ पणे है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख

को पर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उववेश्य से उक्त अन्तरण लिसित कों वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (क्) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के 'लए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुहरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---25 -23531/33

1 श्री विश्वामित्र आणि राठी 1149 सदाशिव पेठ पुगे 30, 103 सूयश चंबर्स

(अन्तरक)

2. श्री कृष्णाजी पांड्रंग भोडे 40/42 गोपाल कृषा भोंडे कालोनी कर्वे रोड पुना-411004

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औफिस नं०2 अंबर चेंबर्स

दूसरा माला

सीसं ए० नं० 28-ए पूर्ण-2 बधवार पेठ

क्षेत्र

145 स्के० फीट

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 373/1983-84 तारीख 13 मई 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है)।

> श्राप्रकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नारीख: 7-7-1983

मोहर .

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन मणन -

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरक्षिण)

अजेन रेंज, पूना

पूना-411004, िनांक 21 जुलाई 1993

निर्देश सं० साए 5/37 ई ई/83-84--यतः, मुझे, शिश्वतत कुलकर्णी

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परुधात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-च दे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 दूसरा माला फ्लैट नं० 126 सब प्लाट नं० 10-11 रू० नं० 103 येख डा एना-6 (क्षेत्र 600 स्के॰ फीट) है, तथा जो पूना-6 में स्थित है (और इससे उपायक अनुम्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, नं० 301 पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर. 1982

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्नित्सित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तींवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (त) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त शीधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; कौर/बा
- (अ) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जार जिल्हा भारतीय अन्य कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या पालत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एपारवार्थ बन्तरिती यशरा प्रक्रित तहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात —— 1 मेसर्स रमेण बिल्डर्स धीरज चेबसे 9 आदबाय रोड, बस्बई

(अन्तरक)

2 श्रीमती माया खमी 12 भहेन्द्र कालोनी 121 तगर रोह, पूना

(अतरिती)

क्ये यह स्थान जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विज की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सृष्या की तानील से 30 दिन को अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर क्रिक्तियों में सा कि मी ल्यक्ति द्वारा
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा भरों थे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

प्लैट नं ० ए-7 दूसरा माला फ्लैट नं ० 126 रू ० नं ० 103 सब फ्लैट न ० 10-11 येखड़ा पूना-6 क्षेत्र 600 स्के ० फीट (जैसे कि रस्ट्रीप्टल नं ० 301 ता ० को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दक्तर मे लिखा है।)

> गणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आप्वत (निरीक्षण) अजन रज, पूना

नारीख 21-7-1983 मोहर्ः प्रकृप भाइं. टी. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनाक 29 जुलाई 1983 निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० मायल/940/83-84 ---यतः, मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० विलेज नुगरली, तालुक मावल आर० एस० नं० 113 हिस्सा नं० 1/बी/2 और 113/ 1-ए फायनल प्लाट नं० 138 है, तथा जा जिला पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, दृग्यम निबंधक मावत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन तारीह हिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अतरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने से बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, भिन्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री माणिक लाल काली गम मेहत:
 185 प्रभाकुंज साधन (वेस्ट) बाम्बे-72
 - (2) श्री आर० डी० मखिभा,
 - (उ) श्री जी० आर० मिक्का,
 - (4) श्री बिहारीलाल आर० मखिजा,
 - (5) श्रो भजन दास आर० मखिजा, 28, तुलसी बाड़ी, तंरदेव रोड, बम्बई-400034 (अन्तरक)
- 2. (1) श्री अधाराम पहील राज शहानी
 - (2) श्री रामचन्द्र केवल राम शहानी, 61-बी, बंधीन्स अपाटमेटस, पाली होल, बाझा, बस्बई- 50

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्परित, को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विलेज तुंगारली सब प्लाट सं० बो फायनल प्लाट न० 138, टी० पी० स्कीम नं० 1 आर० एस० नं० 113 हिस्सा नं० 1/बी/2, और 113/1-ए, तालुका भावल जिला पूना 1023 स्कवेयर मीटर है। (जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख ५० 1607 तारीख दिसम्बर 82 को दुश्यम निबंधक मावलके दालर में लिखा है।

र्शाशकांत कुलकर्णी सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 29-7-1983

प्रस्प आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगल्र, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं अगर वी/रजिस्ट्रेशन नं ० 22/37-ईई/83-84/

अर्जन बी-यतः मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० मेद्रिस नं० 16 और सर्वे नं० 11/17 है, तथा जो "क्सिर डी० कुज" नाम परिचित सम्पत्ति है वार्ड कुजिका सान्ता कुज विलेज इलहास गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269 ए वो भाग से शक्त अधिकारी से अपने बंगलूर कार्यालय में पंजीकृत लेखपत्र सं० 22/82-83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन दिनांक 3-12-82

को पूर्वीक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विदेशास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्नरण लिखित में वास्तिविक हुए से किथा गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबस्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री सिलवेस्टर एलविनो अगस्टो, गुनसलवेस, सान्ता कृज, इल्हास, गोवा।

(अन्तरक)

- (1) मोहन के० कीरतानी ब्लाक नं० 3, सदाणिव जानकी प्रसाद डाक्टर दादा वैध्या रोड, पनजी, गोवा।
 - (2) श्री एकनाय जी० सवायकर हाउस नं० एम-94-हाउसिंग बोर्ड कालोनी, आल्टो पखोरिम, गोवा।
 - (3) श्री सुधाम बी० नायक प्रसाद विस्डिंग इसाक ए-1, सान्ता इनेज, पणजी, गौवा।

- (4) श्री प्रकाण के बीरकर, केयर/आफ : डी० बी० बन्दोडकर और बच्चे डाक्टर आत्माराम बोरकर रोड, पणजी, गोवा,
- (5) श्री विलास एस घाडी केर/ग्राफ डी र्बा बन्दोड-कर श्रीर बच्चे डाक्टर ग्रात्माराम बोरकर रोड पणजी गोवा
- (6) श्री विनय के० लाख द्वारा: बी० वी० दुकाले, नायकवाडो, कोलनगुड, बारडज, गोधा।
- (7) श्री गजानन के० नानिशकर, केर ग्राफ द्वारा: महालक्ष्मी टेम्पल के नजदीक घर है पणजी गोवा ।
- (8) श्री प्रामेश के० रायकर, द्वारा: कृष्णा पी० रायकर, घरनं०ई-55, माला पणजी, गोवा।
- (9) श्रीमती एसपी० सी० फरनान्डेस घर नं० ई-65, सान्ना श्रंगस्टिनो, सान्ना कुज इलहास, गोवा ।
- (10) श्रीमती सुनन्दा वी० रायकर, रैतूरकरस कर्से हाउस, दयानन्द बन्दोडकर मार्ग, मीरामार, पणजी, गोवा ।
- (11) श्रीमती णिल्पा एस० ढालवी केअर/आफ: एस० एस० ढालवी, काकुलो हाउस, अपोजिट: णिखायकर ग्यारेज, सेंट इनेज, पणजी, गोवा।
- (12) श्री दामोदर एस० प्रभु हाउस नं० 69, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, आल्टो परवोरिम, वारडेज, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरुदाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 22/82-83 ता० 3-12-82) सब सम्पत्ति है जो "क्सिर डी कृज" नाम से परिचित है जो कोकोनट ग्रोब है, सास्ता कृज विलेज के कुजिरा वार्ड सब-डिस्ट्रिक्ट आफ गोवा में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

ं तारीख 30-6-1983 मोहर प्ररूप आर्थं को एन एस क्स किस की सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 30 जून 1983 र

निदेश सं० आर-40/रिजिस्ट्रेशन नं० 15/37ईई/83-84/ अर्जन बी—न्यतः मझे मंज माधवन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० सर्वे चालता मं० 42-ए, क्षेत्र मं० 105 है, तथा जो सान्ता इनेज, तलेगांव, इल्हाम, गोवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269ए-बी, भाग म मक्त अधिकारी से अपने बेंगलूर कार्यालय में लेखपत्र नं० 15/82-83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत्रक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उस्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धभ या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीम, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्री विनायक निलक्नाथ बोन्स्ते, और श्रीमती पृष्पा विनायक बोन्स्ते, एस० टी०, इनिज, पनजी, गोवा ।

(अन्तरक)

 मैसर्स नालीस होम्स एंड एस्टेट्स, मुशीला बिल्डिंग, पण जी, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शस्तो और पत्तो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

(दस्तावेज सं० 15/82-83 ता० 3-12/-82) जो सम्पत्ति, है जिसका सं० चालना नं० 42/ए क्षेत्र नं० 105 "प्रेडियो अरबनो डि काजास" नाम से परिचित है जो तालेगांव सान्ता इनेज, इलहास गोवा में स्थित है।

> मंजु माध्यवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 30-6-1983

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० आर-55/रिजिस्ट्रेशन नं० 12/37ईई/अर्जनबी/-83-84—यत मुझे मंजुमाधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 8-10 है, तथा जो भारडेज तालूक में उसामियम में पालियम गोवा डिस्ट्रिक्ट (मक्सा, गोवा के नजदीक है), में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269ए बी भाग से शक्त अधिकारी से भ्रपने वेंगलूर कार्यालय में लेख पद्म नं० 12/82-83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अवीन दिनाक 3-12-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जीभीनयम को अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (का) एरेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सृविधा के हिसए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री अन्तानी अरुलेलुया अजावडो और श्रीमती किलोमेना अजावेडो केर/आफ : लूचिम डि कुन्हा, मोलरमल कोरट, II फ्लोर गोमज पेरैरा रोड, पजिम, गोवा, ।

'(अन्तरक)

2. क्लानेट ब्रालटर, गोमज, पी० ए० एच० डाक्टर मिनगुचन, आलवरटो ड कास्टा, मेडिकल प्राक्टीशनर, आर०/ओ० सी० क्रिज, मीरामार, पजिम, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर संपत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्हिम्नाक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकर्ग।

स्यस्त्रीकरण:---इसमे प्रयुक्त क्षथ्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

(वस्तावेज सं० 12/82-83 ता० 3-12-82') सब संम्पत्ति, है, उसके एरिया 4049 स्क्वायर, मीटरर्स है, डूपेम नाम से परिवित है जो भारडेज डिस्ट्रिक्ट गोवा के उकासियम में पालियम में स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 30-6-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० 50/रिजिस्ट्रेशन नं० 7/367-ईई/अर्जन बी/ 83-84---यतः मुझे मंजु भाधवन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० चलता नं० 84फ्लाट नं० 5/2 II, फ्लोर है तथा जो बास्कोडिगामा, मुरमेन्डलम नाम से परिचित्त है में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269 ए वी भाग से शक्त अधिकारी से अपने बेंगलूर कार्यालय में लेख पन्न नं० 7 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स कामत रियल एस्टेंट डेवलपमेट, एक/1, इंदिरा अपार्टमेन्ट्स, केटानो आलबुक्रक रोड, पणर्जी, गोवा,

(अन्तरकः)

श्रीमती मेरिया ई० फिलोमेना फरनेन्डिस,
 डी/1, जन्ता, कार्नर, बैना,
 बास्को-डि-गामा, गोवा ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पध्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

(दस्सावेज सं० 7/82-83, ता० 3-12-82) "गम्बार ग्रपार्टमेंट" के II फ्लोर, फ्लाट नं० एस/2, जो मुरमेनडलम नाम से परिचित सम्पत्ति में निर्माण हो रहा है। जो वास्को-डि-गामा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अप्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख : 20-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बेंगलूर बेंगलुर, दिनांक 30 जून, 1983

निदेश सं० आर-66/रजिस्ट्रेशन नं० 50/37ईई/अर्जन बी/ 83-84---यन मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रेवेन्यू कार्यालय सं० 225 में पंजीकृत है वुकान नं० जी-2, (संजीव श्रपार्टमेन्ट्स) (निर्माण हो रहा है) है तथा जो बोगटान्चो दान्छो यीं कोम्बा नाम से परिचित सम्पत्ति जो कोम्बा, पुलिस स्टेशन, के पीछे, मनोविकास स्कूल से नजदीक, मरगोवा, गोवा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269ए बी भाग से शक्त अधिकारी में अपने वेंगलूर कार्यालय में लेख पत्र नं० 50/82-83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनंक 2-2-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीतृ:——

- मैंसर्स बी० नामक एंड असोसियेट्स बिल्डिस और एस्टेंट, डेबलपर्स,
 - 393. कोम्बा, मारगोवा, गोवा ।

(अन्तरक)

2 जान सालिनास एक्स रेवेरेडो, मारगोवा, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 50/82-83 ता० 2-2-83)

"संजीव अपार्टमेंट्स" नाम के भवन में दुकान नं० जी-2,
ग्राजन्ड पलोर, जो "नोगटान्चो दा हो या कोम्बा नाम से परिचित
सम्पत्ति में निर्माण हो रहा है, जो पुलिस स्टेशन के पीछे
मनोविकास स्कूल के नजदीक मारगोवा, गोवा में स्थित है।

मंजु माधवन गक्षम पाधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

नारीख 30-6-1983 मोहर. प्ररूप आहाँ. टी. एन., एस.,====

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, क्षिनाँक, 30 जून 1983

निदेश सं० आर०-67/रिजस्ट्रेशन नं० 51/37ईई/अर्जन बी/ 83-84--यत: मुझे मंजू माध्यवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि पंजीकृत सं० 23337, दूकान नं० जी-3, संजीव अपार्टमेन्ट्स (निर्माण होना है) है तथा जो बोगटान्चा दान्दी या कोम्बा, सम्पत्ति नाम से परिचित हैं कोम्बा पुलिस स्टेशन, केपीछे मनोविकास स्कूल से नजदीक पारगोवा गोवा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269ए बी भाग से शक्त अधिकारी अपने बेंगलूर कार्यालय में पंजीकृत लेख पन्न नं० 51/82-83 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-2-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से, ऐसे दृदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ). और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरंण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः अव, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 26 --236 GI/83

मैसर्स वी॰ नायक ग्रीर असोसियेट्स बिल्डिर्स और एस्टेट डेव पर्स,

393, कोम्बा, मारगोवा, गोवा

(अस्रतक)

 जान एलिनास क्सेवियर रेवरेडी सी/8, निर्मला हार्जासग कोआपरेटिव सोसायटी, मारगोवा, गोवा-403601

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- . (ख) इस सूचना को राजपत्र में पकाशन की तारीख से
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य स्थावत व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 किदित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पद्यों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

(दस्तावेज सं० 51/82-83 ता० 2-2-83)

"बोगटान्चो दान्दो या कोम्बा" सम्पत्ति में लिखा निर्माण हो
रहा है संजीव श्रपार्टमेंन्ट्स नाम से परिचित भवन में दुकान
नं० जी 3, ग्राउन्ड फ्लोर, जो पुलिस स्टेगन के पीछे, मनोविकास स्कूल में नजदीक, मारगोवा, गोवा में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंग़लूर

तारीख 30-6-1983 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 30 जून, 1983

निदेश सं० आर-69/37ईई/रजिस्ट्रेशन नं० 45/अर्जन बी/ 83-84---यतः मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० रेवेन्यू कार्यालय में 225 सं० में पंजीकृत है, दूकान जी-8, ग्राउन्ड फ्लौर (निर्माण होना है) तथां ओ कोम्बा पुलिस स्टेगन के पीछे मारगोवा, गोवा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269ए बी भाग से शक्त अधिकारी से अपने बेंगलूर, कार्यालय में लेख पत्न नं० 45/82-83 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिनांक 2-2-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाप की बाबत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुसिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

 मैसर्स वी० नायक और एसोसियेट्स बिल्डिस और एस्टेट डेवलपर्स,
 अभिका मारगोवा, गोवा।

(अन्तरक)

 श्रीमती सियदा अब्दुल रजाक, पत्नी श्री अब्दुल रजाक, केर/आफ होटेल पेन्गविन, मारगोवा, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सेम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 45/82-83 ता० 2-2-83)
कोम्बा, नाम से परिचित सम्पत्ति में निर्माण होना
"संजीव अपार्टमेन्ट्स" नाम से परिचित भवन, में दूकान
नं० जी-8, ग्राउन्ड फ्लौर, जो कोम्बा, पुलिस स्टेशन
के पीछे मारगोवा, गोवा में स्थित हैं।

मंजु. माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख 30-6-83 मोहर: प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक अव्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जून 1983

निदेश सं० आर० 70/37ईई/रजिस्ट्रेशन नं० 48/अर्जन बी/ 83-84—यतः, मुझे मंजू माधवन,

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० रेवेन्यू कार्यालय में पंजीकृत सं० 225 है, जो संजीव अपार्टमेन्ट्स (निर्माण होना है) में दूकान नं० जी-9 है तथा जो वोगटान्ची दान्छो या कोम्बा नाम में परिचित्त है कोम्बा पुलिस स्टेशन के पीछे मनोविकास स्कूल से नजदीक मारगोवा गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269ए बी भाग से शक्त अधिकारी से अपने बेंगलूर कार्यालय में पंजीकृत लेख पन्न नं० 48/82-83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 2-2-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मसर्स वी नायक और एसोसिएट् बिल्डिसें और एस्टेट डेबलपर्स,
 393, कोम्बा, मारगाबा, गोवा ।

(अन्तरक)

 श्री गैंक जैमुद्दीन, केर/आफ श्री ए० रजाक, मारगोवा, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 48/82-83 सा० 2-2-83)
निर्माण होना भवन, संजीव अपार्टमेंन्ट्स नाम से परिचित है
उसमें दूकान नं० जी-9 ग्राउन्ड फ्लौर जो "बोगटान्ची ढान्छो या
कोम्बा" नाम से परिचित सम्पत्ति में निर्माण होना है जो
पुलिस रटेशन के पीछे मनोविकास स्कूल, से नजवीक मारगोदा,
गोव, में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

कारीख 30-6-83 मोहर : प्र्रूच्य बाइं. टी. एन. एस्. -----

बाय्कर अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 6 जुलाई 1983 निदेश सं० आर-108/रजिस्ट्रेशन नं० 52/37ईई/अर्जन बी/ 83-84---यतः, मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पंजीकृत सं० 1558, दुकान नं० 22, "द्रिनोरा अपार्टमेन्ट्स" (निर्माण अभी शुरू हुआ है) तथा जो न्यू बाजार पंजिम, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 269ए बी भाग से शक्त अधिकारी से अपने बेंगलूर कार्यालय में लेखपत्त नं० 52/82-83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-2-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्यदेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष

- (क) ज़ल्हरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त जिथानियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; ज़रि, धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स कामेत रियल एस्टेट डेवलपर्स एफ/1, इंदिरा अपार्टमेंट्स, केटोनो आलबुकरक रोड, पनजी, गोवा ।

(अन्तरक)

 हरीश चन्द्रा पी० चौदानकर, नेरूल, बारडेज, गोवा ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन, के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की जामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्यीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं धर्य होगा जो उस घष्ट्याय में दिया समाहि।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 52/82-83 ता० 9-2-83) निर्माण अभी मुरू हो गयां "द्रिनोरा अपार्टमेन्ट्स" के नाम से भवन में दुकान नं० 22 ग्राउन्ड फ्लोर जो "भारु लेट्टा" नाम के सम्पत्ति में निर्माण हो रहा है, जो पनजी, गोवा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 6-7-1983

प्रकृप भार्ष• टी.७ एन० एस॰ →-----

प्रायक्तर प्रश्चितिन्न, 1931 (1961 हा 43) की बारा 269-च (1) के प्रशीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक श्रायकार बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर • बेगलूर, दिनांक 4 प्रगस्त 1983

निदेश सं० सि॰आर० सं० 62/36884/82-83---यतः

मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० 40 (212) है, तथा जो ओ०टी०पेट कास, बेगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधिनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-12-82

को पूर्वोक्त समासि क जिनत बाजार मूह्य में कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है थीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का प्रक्रित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रक्रिक है पीर अस्तरक (अस्तरकों) ग्रीर अस्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तित उदेश से उक्त प्रन्तरण लिखन में वास्त्विक इप से किस नहीं किया गया है ।

- (भ्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के लिए;

 तिम्माराजु सुपुत्र स्वर्गीय श्री एम० चिन्तागरियाच्या, दि० सं० 108, पूरब V ला, ए० टि० ऐ० टोनाशिप, दूरवानिनगर, पोस्ट, बेंगलूर-16 (अन्तरक)

 के० हाजि हबीबर रहमान, सं० 40, पुराना तरगुपेट, बेंगलूर-53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके रूवांका सन्यस्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

वश्व सकाति के प्रवंत के तस्वस्य में कोई भी बास्ते। :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 2771/82-83 ता० 4-12-82) सुत्र सम्मत्ति है जिसका सं० 40 (212) जो ओ० टी० पेट कास, बेंगलूर में स्थित है ।

> मंजु माघवन सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

तारीख 4-8-1983 मोहर: प्ररूप भार्षे . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं)। अर्जन रेंज, बेंगलूर बेगलूर, दिनांक 4 अगस्त, 1983

निदेश सं० नोटीस नं० 36707/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 ई है, तथा जो सैट जान्स रोड बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन क्विनंक 17-12-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, तसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन में निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्री बी० ए० कृष्णामूर्ती, नं० 11, आसबरन रोड, सिविल स्टेशन बेंगलुर

(अन्तरक)

2. श्री वी० एस० सुन्दरामूर्ती, ट्रस्ट रेप्रेस्तटेड, बै० ट्रस्टी, श्रीमती एस० नील वेणी, नं० 25, अन्तास्वामी माविलयार रोड, सिविल स्टेशन, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जात सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्री से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए पा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 2854/82-83 ता० 17-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका मं० 9 ई जो सैंट जान्स रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

ारीख 4-8-1983 समो**हर**ः प्रस्य आर्द्द. टी. एन. एस.-----

सायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 4 अगस्त, 1983

निदेश सं० सि० आर०नं० 62/37396/82-83—यतः मुझे मंजुमाधवन

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 47 है, तथा जो 18 कास मल्लोखारम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजिनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-2-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बी० एम० ननजुडेय्या अलियास एम० एन० नायडू सन/आफ एच० एन० मुनिरामास्वामी, सं० 45, 18 श्रास, मल्स्लेखारम, बेंगलूर-3

(अन्तरक)

 बी० सीतारामय्या, सन/आफ लेट बी० नारायण मदयास्ता, सं० 10, शेषोद्रि रोड, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्युची

(वस्सावेज सं० 4320/82-83 सा० 3-2-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 45 जो 18 कास, मल्लेग्वारम, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बेंगलुर

तारीख: 4-8-1983

प्ररूप माद्दै तटी ु एन ु एस ु------

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 1 अगस्त, 1983

सि॰ आर॰ नं॰ 62/37223/82-83—यतः मुझे मणु माधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं.

बौर जिसकी सं० 37 (पूरव भाग) है, सथा जो सखेवर रहीट वसवनगुडि, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसवन गुडि में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-12-82

को पृथेनित् सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिये था खिपाने में स्विभा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरा, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रीमती अलमेलु नटेशन, लेट नटेशन और कुछ लोग पी० ए० होल्डर्स, सं० 6, गणेश राम कालोनी, अन्नामलीपुरम, मद्रास,

(अन्तरक)

 श्रीमती एम० एस० विद्यावती, एस० बी० रोड, वि० वि० पुरम, बेंगलूर,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

जन्स्धी

(दस्तावेज सं० 3331/82-83 ता० 17-12-82) संब सम्पत्ति है जिसका सं० 37 जो सरवेवर स्ट्रीट, बसवनगुडि, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राण्टिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज, बेंगलूर

तारीख: 1-8-83 मौहर ≝ प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर धायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 5 अगस्त, 1983

निदेश मं० सि० आर० नं० 62/37929/82-83--अतः सुझे मंजुमाधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रह. में भीधक ही

और जिसकी सं० 21 तथा 22 (नया सं० 1), है, तथा जो लाल भाग, रिद्धापुर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, में रिजस्ट्रीकरण आर्धानयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-12-82

को प्रतिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफाल के लिए अन्तारेस्त की यड है और मुक्ते यह निश्वास करनी का कारण है कि यथा पूर्व के पंपतित का उचित मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योषय से उक्त अन्तरण प्लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे तचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उच्न अधिनियम, था धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में गृथिधा केलिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्भरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ---27---236GI/93

1. श्री मुनिराज्, मं० 17, 12 मैंन रोड, शिवनाहल्ली. राजाजी नगर, बेंगल्र-10

(अन्तरक)

2. सैयद अनसर, फल क्यापारी, दासराबीटि. देवनाहल्ली, टाउन, बेंगलर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^।

अन्सची

(स्स्तावेज सं० 3303/32-83 ता० 27-12-82) यब मन्पत्ति, है जिसका सं० 21 और 22 (नया सं ० 1) जो लानभाग) सिद्धापुर, बेंगलूर में स्थित है :

> मंजु माधवन चनम प्राथिकारी सहायक आयकर आयुवा (शिरीक्षण) अर्जन रेच, बेंगलुर

तारीख : 5-8-1983

म्द्रांच •

प्रस्प नार्ड्ः दी. एम. एव.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 अगस्त, 1983

निवेश सं० नोटीस नं० 37197/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1874 है, तथा जो बनशंकरी II, स्टेज एक्स-टेंशन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 13-12-82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्ः---- श्री जै० गुन्डू राव,
 312, V मैन, I क्लास,
 एन० आर० कालोनी,
 बेंगलूर

(अन्तरक)

2. श्री एच० एन० नागराज,
 1903, 31 कास,
 बनशंठकरी II, स्टेज,
 बेंगलुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांचित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रवी

(दस्तावेज सं० 3113/82-83 ना० 13-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1874 जो बनगंकरी II स्टेज एक्सटेंगन, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **प्रा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-8-1983

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

बेगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1983

नोटिस न० 37178/82-83—अत मुझे मंजु माधवन आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स वो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० 278 है, तथा जो विश्वमन्गला, एक्सटेशन, बंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्णरूप से विणत हैं) रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिन क 9-12-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षा, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तावक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; आर्डि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा अंकट नहीं किया प्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, मिन्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

श्री एस० श्री निवासा मूरतीः
 नं० 13,, 14 कासं,
 कब्बनपेट, बेंगलूर ;

(अन्तरक)

 श्री के० टी० कुबचन्दानी, सामरसेट अपार्टमेंटस 46/18, एम० जी० रोड, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्थळाकिर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधितियम के अध्याप 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दवा हैं।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2802/82-83 ता० 9-12-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 278जो बित्रमगाना, एकन टेंगन, बेंगलूर में स्थित है ।

> मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 5-8-1983

प्ररूप आहूर. टी. एत. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ (1) के अधीन म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निदेण सं० मि० आर० 62/36928/82-83---यतः भुझे मंजु माधवन

जीर लिसकी सं० 23 तथा 24 है तथा को जान भाग सिछापुर, बेगल्र में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण का से निष्ण है) रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 था। त) के अधीन दिनांग 27-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधित्वयम के अधोन कर देने के प्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बृधने में सूबिधा के सिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जी० मुनिराजु सं० 17, 12 मेन रोड, शिवानाहल्ली, राजाजीनगर, बेंगलूर-10

(अन्तरक)

रहमान शरीफ,
 मं० 6, रुद्राप्पा, काम्पीड,
 एच० सिद्धाय्या रोड,
 बेंगलूर-27

(अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्रो

(दस्तावेज मं० 3304/82-83 ता० 27-12-82) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 23 तथा 24 जो लाल भाग सिद्धापुर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 5-8-1983

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार नाय्यत (निरक्षिण) अर्जन रेज, बगलूर बंगलुर, दिनांक 5 अगस्त 1983

नोटिस सं० 36678/82-83—यतः, मुझे, मंजु माधवन, श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० 71 है, तथा जो दिगवाँ कारा राजमहल विलास एक्सटेंन्यन बेगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचीमें और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 7-12-1982

का पृत्रांवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत संपरित का उचित वाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत. जक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्य मं कभी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नही किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री अशोक वी० हिरेमत5, जलिकरन 35, कुफे पेरेड कोलाबा, बम्बई-400005

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक हीरानन्द जगितयानी चीफ प्रोमोटर राजमहल ह्यापी होम कोआपरेटिव हार्जासग सोसायटी लिमिटेड नं० 81, राजमहल विलास एक्सटेंशन कास रोड, बेंगलूर~560080

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्घना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त हवाना में से फिसी प्रविन ब्हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में गरिभाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1156/82-83 दिनांक 7-12-82) सैंट नं० 71 में 1/4 भाग जो सनवाँ कास राजमहल विलास एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 5-8-83

मोहर 🖟

प्रकम आई. टी. एव. एस. -------

भायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० 37315/82-83—यत., मुझे, मंजु माधवन, बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त बिधिनयम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, तथा जो दसवाँ कास राजमहल विलास एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 29-1-83

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल फा निश्नितियाँ। के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल फा निश्नितियाँ। के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल का मिक्नितियाँ। के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुद्द िकसी जाय की बाबत, उथत अधिनियम के मधीन कर बोने के अन्तरक कें बाबित्य में कभी करने या उससे वचने में सूबिभा के निष्; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए:

जतः अज्ञ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

सुरेश वी० हिरेमत
 जल किरन, 35,
 कुफे पेरेड, कोलाबा
 बम्बई—400005

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक हीरानन्द जगितयानी चीफ प्रोमोटर, राजमहल हैप्पी होम कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड नं० 81, राजमहल विलास एक्सटेंशन बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस् सूचमा के राजपन में प्रकाशन की दारीथ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति कृतारा अधोहस्ताकारी औं पास निचित में किए जा सकीतें।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका स्वा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1157/82-83, दिनांक 29-1-83) सैंट नं० 71 में 3/16 भाग जो वसवां कास राजमहरू विलास एक्सटेंशन बेंगलूर ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 5-8-83

माहर:

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारः सरकार

कार्यालय, सहायक आक्कार जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 10 अगस्त 1983

निर्देश सं० 36661/82-83-यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 115 है, तथा जो लालबाग फोर्ट रोड बी०बी० पुरम, बेंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबस अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवन-गुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री पी० सुवामणी
 - (2) श्री एस० बाबू
 - (3) श्री एस० रधु
 - (4) श्री पी० रवी
 - 457, केम्पानन्जाम्बा अग्रहारा मैसूर-1

(अन्तरक)

2. मेसर्स जी० आर० इंटरप्राइजीज 42, पी० बी० आर० रोड जाली मोहल्ला बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तुची

(दस्तावेज सं० 3165/82-83 दिनांक दिसम्बर, 82) सं० 115 सम्पत्ति में 1/8 भाग जो लालबाग फोर्ट रोड, वी० वी० पुरम, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 10-8-83

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत रास्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 10 अगस्त 1983

निर्देश सं० 36655/82-83--यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी नथा मं० 115 है, तथा जो लालबाग फोर्ट रोड़ बो० बी० पुरम बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसबनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार म्ल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का जोचत बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल में, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूब्धिक के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्त्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्द अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितियन व्यक्तियों, अभित्:—

(1) श्री टी० अन्य मुत्तु नं० 42, पी० वी० आर० रोड, जाली मोहल्ला बेंगलूर—2

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जी० आर० इंण्टरप्राइजीस नं० 42, पी० बी० आर० रोड, जाली मोह्ल्ला बेंगलर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ज्ये उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अम्सधी

(दस्तावेज सं० $314 \frac{1}{82}$ -83 दिनांक दिसम्बर, 82) नया न० 115 सम्पत्ति में 1/4 भाग जो लालबाग, फोर्ट रोड, बी० बी० पुरम, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी _!सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-8-83

प्रकप भाई• टी० एन• एस●-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 अगस्त, 1983

निर्देश सं० 36659/82-83—यतः मुझे, माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिलका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 115 है, तथा जो लालबाग फोर्ट रोड, वी० वी० पुरम बेगलूर में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची 'मे और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 10-8-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में थास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(कः) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 को 11) यो उक्त अधिनियम, या धन-क,र अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का बाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों अर्थात् क्ष्मारा 28—236GI/83

(1) श्री के० मनोहर और दो लोग वीणे सेशन्ता रोड, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जी० आर० एण्टरप्रेंस्स नं० 42, पी० वी० आर० रोड, जार्ला मोहल्ला बेंगलुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप;--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी क्यिश्त इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमूस्ची

(दस्तावेज सं० 3108/82-83, दिनांक दिसम्बर, 1982) नं० 115 सम्पत्ति में 1/6 भाग जो लालबाग फोर्ट रोड, बी० बी० पुरम, बेंगलूर-4 में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-8-83

मोहर 🗓

प्ररूप बाई .टी.एन.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 अगस्त, 1983[.]

निर्देश सं० 36660/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25.000/रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं० 115 है, तथा जो लालबाग फोर्ट रोड, वी०बी० पुरम बेगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवन-गुड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-12-1982

को पृथों वस संपरित के उषित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवों क्त सम्परित का उषित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रद्वीयत्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; ऑर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या 'बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया. या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी० कन्दास्वामी वीणे शेशन्ना रोड मैसूर

(अन्तरक)

(2) मेसर्म जी० आर० एण्टरप्रेंस्स नं० 42, पी० वी० आर० रोड, जाली मोहल्ला वेंगलुर

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्त्रजन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्योक्करणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3130/82-83 दिनांक 4-12-82) न० 115 सम्पत्ति मे 1/12 भाग जो लालबाग फोर्ट रोड वी० वी० पुरम, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 10-8-83

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.----

कायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 10 अगस्त, 1983

निर्देश सं० 36658/82-83---यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 115 है, तथा जो लालबाग, फोर्ट रोड, बी०वी० पुरम, बेगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याद्भय, बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के इद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उंसके इद्यमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्त्रिक इन्य से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरभ ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के बृधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बॉर/बा
- (व) ऐसी किसी बाद या किसी भन या बन्य बास्तियों कां., जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया भाना चाहिए भा, छिपान में सुविभा के निए;

कतः वस, उक्त विधिनियम, की भारा 269-च के बनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी० पेरुमाल और पी० राजू केम्पनन्जाम्बा अग्रहारा मैसूर~1

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जी० आर० एण्टरप्रैस्स नं० 42, जाली मोहल्ला पी० वी० आर० रोड, बेंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट क्ष्यित्तों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति सें हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(वस्तावेज सं० 3192/82-83, विनांक दिसम्बर, 1982) नं० 115 सम्पत्ति में 1/8 भाग जो लालबाग, फोर्ट रोड, वी० वी० पुरम, बेंगलूर-4 में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

दिनांक : 10-8-83

प्ररूप आर्चटी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 10 अगस्त 1983

निर्देश स० 36657/82-83—यत मुझे, मजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी स० 115 है, तथा जो लालबाग फोर्ट राष्ट्र, वी० वी० पुरम बेगलूर-4 में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवन-गुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सपरित का उचित बाजार म्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूबिधा के लिए; और∕या
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियो, अर्थास् :--- (1) श्री टी० कुप्पुराम न० 39, मिल रोड, काटनपेट कास बेगलूर

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जी० आर० एण्टरप्रैसस
 न० 42, पी० वी० आर० रोड,
 जाली मोहल्ला
 बेंगलूर--2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

(दस्तावेज स० 3191/82-83 दिनांक दिसम्बर, 82) न० 115 सम्पत्ति मे 1/4 भाग जो लालबाग , फोर्ट रोड वी० वी० पुरम, बेगलूर मे स्थित हैं।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

दिनाक 10-8-83 मेल्हर ।;

प्रकथ नाइ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन_रेज, बेगलर

बेगलूर, दिनाक 5 अगस्त 1983, निर्देश सं० 37314/82-83-4: मुझ, मजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० 71 है, तथा जो X काम, राजमहल विलास एक्सटेशन में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्स्टीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 29-1-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूक्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सूविधा केलिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. डिप्पाने में सृविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री प्रमु वी० हिरेमतन० 5, जलकिरन , 35कुफे, पेरेड, कोलबाबम्बई--400005

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक हीरानन्द जगितयानी चीफ प्रोमोटर राजमहल हयानी होम, कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, न० 81, राजमहल विलास, एक्सटेशन, XI क्रास रोड, बेगलुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

बन्त सपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जनिंध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (▼) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सपित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्यक्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अन्स्ची

(दस्तावेज म० 1155/82-83, दिनांक 29-1-83) सैंट नं० 71 में 1/4 भाग जो X कास राजमहल विलास एक्स-देशन, बेगलूर ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, बेगसर

दिनांक : 5-8-83

मोहर.

प्ररूप - मार्ड ्टी. एन्. एस., -----

आयक दु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 भ्रगस्त 1983

निर्देश सं० 37316/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० 71 है, तथा जो 🗙 ऋास, राज महल विलास एक्सटेशन थेगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण एप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 29-1-83

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :— (1) श्रीमती कुसुम बी० मलेकोपमत द्वारा श्री बी० आर० हिरेमत 5 जलकिरन, 35, कुफे पेरेड कोलबा, बम्बई-400005

(अन्तरक)

(2) श्री अमोक हीरानन्व जगतियानी चीफ प्रोमोटर राजमहल हणनी होम कोआपरे हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड न० 81 राजमहल विलास एक्सटेंशन, IX क्षास रोड, बेगलूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तायेज सं० 1158/82-83, दिनांक 29-1-83) सैंट न० 71 में 1/8 भाग जी X श्रास राजमहल दिलास एक्सटेशन बेगलूर ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर ।

दिनांक : 5-8-83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, वेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1983

निर्देश सं० 36679/82-83--यत मुझे मंजु माधवन, आयक्तर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
 - (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्रीमती विजया बी० हिरेमत5, जलकिरन, 35,कुफे गेरेड, कोलबाबम्बई-40003

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक हीरानन्द जगतियानी चीफ प्रोमोटर राजमहल ह्यापी होम क्लोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड नं० 8, राजमहल विलास एक्सटेंशन, IV क्रांस रोड, बेगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वांरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची.

(दस्तावेज सं० 1159/82-83, दिनांक 7-12-82) सैट नं० 71 में 3/16 भाग जो X कास, राजमहल विलास एक्सटेंग्रन बेंगलूर।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक : 5-8-83 .

मोहर 🤯

प्रकप माई• टी• एन• एस॰

अध्यक्तर प्रतिनिम्म, 1961 (1961 का 43) ही धारा 269-ष (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाक 5 ध्रगस्त 1983

निर्वेश सं० 37222/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, धायकर श्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उसने अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सन्नम निर्धिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं० 92, 92/1, 92/2, 92/3, 92/4 और 92/5 (सैंट नं० 17) है, तथा जो त्यागराजा रोड, फोर्ट मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण हप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिन के 10-12-1982

को पूर्वावत सम्पत्ति के रिवन बाजार मृत्य से कमके पृथ्यमान प्रतिकल के लिए प्रातिति की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिकत का पन्दर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (का) अन्तरण से हुई किसा आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बीर/या
- (क) देसी किसी स्राय या किसो धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त स्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रपाजनाय प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिद्धित अधिनसमों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० एम० सोमसुन्दरा शर्मा नं० 1595, ॥ ऋास, के० आर० मोहल्ला मैसूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० के० वनजा हारा श्री जी० डी० गोपाल नं० 386, बाजार स्ट्रीट सेलम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उना समाति के ब्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवब किसी प्रमय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शास्तों प्रोर पदों का, जो उन्त प्रधि-नियम के खड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अयं होगा, जो छम प्रख्याय में विया गया है।

अनुस्की

(बस्तावेज सं० 4285/82-83 दिनांक 10-12-82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 92, 92/1, 92/2, 92/3, 92/4 और 92/5 सैट नं० 17 जो फोर्ट मोहल्ला, स्यागराजा रोड, मैसूर ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बेंगसूर

दिनांक : 5~8**~83**

मोहरु 🖫

प्ररूप बाई, दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

"धार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क'र्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 5 अगस्त, 1983

निर्देश सं० 62/37553/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवनः आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25 000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० 18 है, तथा जो मैन रोड बैटफील्ड बेंगलूर मौत तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर सौत तालूक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-12-1982

को प्वेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बाँद्र/बा
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :—— 29—236 GI/83

(1) श्रीमती इडना बौने,
 18, मैन रोड
 बैटफील्ड
 बेंगलूर।
 (अन्तरक)

(2) मेसर्स सीसा साणियल बेलफेर सर्विसेस 141, अतूर टेरेस्स-19, कुंफे परेड बम्बई ।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पृत्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्याबितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास
 लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गरा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 6624/82-83, दिनांक 14-12-82), सब सम्पत्ति है, जिसकी सं० 18 जो मेन रोड, वैटफील्ड बेंग्लूर सौत तालूक में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांकः : 5--8--83

मोहरः

प्रस्प वाड्डे. टी. एन. एस. -----

अधिकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 अगस्त 1983

निर्देश सं० 36649/82-83—यतः मुझी, मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 352 है, तथा जो कोरामनाला II फेस, बेंगलूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर सौत तालूक में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कां, ग्रेन्तरण से हुइ किसी शाय की बाबत, उक्त श्रीधनिश्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बाशित्व में कनी करूपे या उससे वचने में सुविधा को सिक्ष: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृष्धिया के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के० एस० मेनन
 ए० एच० 240, प्लाट 3518
 अन्नानगर मद्रास, पी० ए० होल्डर
 श्री वी० जी० नेडुन्गडी नं० 91
 नंदीदुर्ग रोड, सिविल स्टेगन बेंगलूर ।
- (2) डाक्टर पी० एन० पक्कर कोया पी० ए० होल्डर, श्री टी० पी० इम्बा चमाद 1332, II स्टेज इन्दिरा नगर, बेंगसूर

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वों कर तस्परित को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्धोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण्ड--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त सिंध-निक्त के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4974/82-83, दिनांक विसम्बर, 1982) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 352 जो कोरामन्गला II फेस बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु मांधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 8-8-83

सोहर 🖫

प्रकप भाई• धी• एन० एस०-

श्रायकर पश्चिमियस; 1981 (1961 का 43) की धारा 26अव (1) के बधीन सूचना

मारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर जबेंगलूर, दिनांक 9 अगस्त, 1983

निर्देश सं० 37003/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन,

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

६० से मिधिक है

और जिसकी सं० 20/1 और 20/2 (पुराना नं० 20 और 18) है, तथा जो I कास बसवन्ना टेम्पल स्ट्रीट एवेन्यू रोड, कास बंगलूर— 53 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-12-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, इक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर शिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिंधनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, जिन्यां सुविधा के लिए;

अतः मनः, उक्त भिष्टितयम की भारा 269+ग के भगुकरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ु—

- (1) (1) श्रीमती एम० तिम्मलक्ष्म्मा
 - (2) श्री डी० श्रीनिवासामूर्ती
 - (3) श्री डी० वेंकटेशमूर्ती
 - (4) श्री डी॰ नरसिद्धा मूर्ती नं॰ 656 IV ब्लाक, राजजीनगर, बंगलूर—560010

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भाग्यलक्ष्ममा

(2) श्री एन० सीतारामा गुप्ता नं० 20, I क्रास बसवन्ना टेम्पल स्ट्रीट, एवेन्यू रोड, बंगसूर—53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धारोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकारण्:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त धिवियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्च होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

यमुसूची

(दस्तावेज सं० 2943/82-83, विनांक 20-12-82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 20/1 और 20/2 पुराना सं० 20 और 18) जो I कास वसवन्ना टेम्पल स्ट्रीट, एवेन्यू रोड कास बेंगलूर-53 में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 9--8-83

मोहर 🖫

प्रकृष बाह् .टी . एन . एच . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनैांक 6 अगस्त 1983

निर्देश सं० 37224/82-83---यतः मुझी, मंजु भाधवन, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भार 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- हर से अधिक है

और जिसकी सं० 54, 54, 1 और 54/2 है, तथा जो सुब्धारामा शेट्टी रोड, बसबनगुडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसबनगुडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-12-1982

को पूर्शोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान शितफल से, एसे दश्यमान शितफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करन या उसने बचने वे सृतिभा के लिए; खाँद/या
- (च) ऐसी किसी जाब या किसी धम या अन्य आस्तियरें को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- श्री रमेण आर० मट्टादा डिफेन्स फूड लेबोरेटरी मैंसूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० रामकृष्णा 1135, अशोक नगर मन्डया।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वर्ष्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

(दस्तावेज सं० 3310/82-83, दिनांक 16-12-82) सब सम्पत्ति है, जिसका नं० 54, 54/1, और 54/2 जो सुब्बरामा शेट्टी रोड बसवनगुडी, बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज-, बंगलूर

दिनांक : 6-8-83

मोहर ∴

प्रकप आहू . टी . एन . एस . ------

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई, 1983

निर्देण सं० 62/37264/82-83—यत मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 29 है, तथा जो 1 कास, श्रीरामपुरम, बंगलूर-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908- का 16) के अधीन दिनांक 20-1-83

को पूर्वेक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति, ति व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एन० हेमनना और एन० आशोक, सं० 43, II कास, सक्ष्मी निलया, ओकालिपुरम, बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वि० वि० अश्वातेय्या और श्रेदर्स, सं० 183, नगरत पेट, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके थे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3495/82-83, दिनांक 20-1-83) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 29 जो I कास, श्रीरामपुरम, बंगलूर-21 में स्थित है। (दक्षिण भाग)

मंजु माधवन सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 25-7-83

मोहर 🕄

प्रक्रम बाइं टी. एन. एस.-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 जुलाई, 1983

निर्देश सं० 62/36695/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-10 है, तथा जो कुन्दचेरि विलेज, कूरग डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरकेरा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-12-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसने बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में त्विभा के सिक्;

जतः जब, उक्त जिथिनियम् की बारा 269-व के जनुसरक जै, जे उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) श्री वै० मोहम्मद कुन्हि,
 - (2) वाई ० अब्दुल्ला कुन्हि, द्वारा मेसर्स वाई ० मोइदीन कुन्हि और क० अशोक नगर, बंगलूर-8

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री सुशीला धीरजलाल,
 - (2) नीना भरत,
 - (3) उषा अघन,
 - (4) हरशादा जे०
 - (5) मेधा हेमन्स,
 - (6) संगीता एस०,

द्वारा धीरजलाल

विट्ठल, बॅकर, बन्दर, मंगलूर-1 प्रतिनिधि : श्री हेमन्तभाई धीरजलाल,

"सुशील", फलनीर, मंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यांक्तयों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगुस्ची

(दस्तावेज सं० 880/82-83 दिमांक 13-12-82) सब सम्पन्ति है, जिसका सं० 1-10 (सर्वे) जो कुंन्दयेरि विलेज, भागामंडला नाड, कूरग डिस्ट्रिक्ट ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर ।

दिनांक : 29-7-83

मोहर 🕸

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1983

निर्देश सं० 36690/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुः. से अधिक हैं

25,000/-रु. सं अधिक हैं:
और जिसकी सं० 13/8 है, तथा जो नवज्योती स्टूडियो से आगे
स्विम्मिन्ग पूल रोड, चामराजा मोहल्ला मैसूर में स्थित है (और
इससे उपावज्र अनुसूची में और पूर्णक्प से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, के कार्यालय मैसूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 20-12-1982
को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के स्थमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) (1) श्रीमती अनुसूया कान्ता राजू अलियास अनस्यम्मा ।
 - (2) श्री बी० के० जै राज्
 - (3) श्रीमती बी० के० नागरना
 - (4) श्रीमती बी० के० इन्ट्रानी
 - (5) श्रीमती बी० के० वसन्ता कुमारी
 - (6) श्रीमती बी० के० शयामला
 - (7) श्रीमती बी० के० सावित्री
 - (8) श्री बी० के० प्रकाण बाबा कपिला एस्टेट, कुदुरे गुन्डी चिक्कमगलूर डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलावती पालि श्री रमेण कुमार नं० 2678/2, IV/ ऋस, कालिदास रोड, बी० बी० मोहल्ला मैसूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

(दस्तावेज सं० 4438/82-83, दिनांक 20-12-82) सब सम्पत्ति है, जिसका मं० 13/8 जो नवज्योती स्टूडियो से आगे स्विम्मिन्ग पूल रोड, चामराजा मोहल्ला मैसूर ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 25-7-83

प्ररूप आइं.टी.एन.**एस**.-----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के नृशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

अर्जैन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 1 अगस्त 1983 निर्देश सं० 36702/82-83---थतः मुझे, मंजु माधवन, र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37/22 है, तथा जो मीनी एवेन्यू रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-12-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निविद्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने न्ना उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन् या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियम, या भन्न भनकार अभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) श्रीमती मेरी कृष्णन पित्न श्री सी० आर० कृष्णन नं० 37/22 मीनी एवेन्यू रोड , सिविल स्टेशन बंगलुर (अन्तरक)
- (2) गफ्फार शरीफ़
 (2) श्रीमती रहमा बेगम
 पितन गफ्फार शरीफ
 ने० 60, सेंद्रल स्ट्रीट
 सिविल स्टेशन बंगलूर ।
 (अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2929/82-83, दिनांक 23-12-82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 37/22 जो मीनी एवेन्यू रोष्ड, सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 1-8-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 1 अगस्त 1983

सी आर सं० 62/36705/82-83-यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० 236 है, तथा जो बिन्नामंगला एक्सटेंगन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 18-12-1982

को पूर्वोक्त संपति के उपित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) डा० एस० नगेन्द्रा पुत्र श्री आर० शिवाराम सं० 148, IX मैंन रोड, लक्कासंद्रा एक्सटेंशन, बेंगलूर-30।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एन० नरेन्द्रा रेड्डी, पुत्र श्री टी० नारायण रेड्डी, सं० 1/11, अलसूर रोड, बेंगलूर-42।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के मिक् एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति हारा, भजोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गर्क्टों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रकाप में विया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2867/82-83, दिनांक 18-12-82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 236 जो बिन्नामंगला एक्स-टेंशन, इन्दिरानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

अत∵ अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **कैं अनुसरण** मों, मों,, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा (1)** के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्था**त्**:——

दिनांक : 1-8-83

मोहर:

30-236 GI/83

प्ररूप आहें. टी. एन. एसं.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 अगस्त 1983

निर्देश सं० 36738/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 341, 345, 346, 347, 350, 351 और 352 है, तथा जो जुम्मा मसजिद रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबच्च अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-1-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं लिए।)

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण घें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारी (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :—— (1) श्री महाराज परमानन्द नं० 6-IXश्रास, I ब्लाक कुमारा पार्क, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मसजीव ई अजाम नं० ।।।, जुम्मा मसजिद रोड, कोंगलूर-1 ।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---.

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3025/82-83 ता• 3-1-83 सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 341, 345, 346, 347, 350, 352 और 351 जो जुम्मा मसजिद रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 4-8-83

प्रकम् बाह्यं हो हो प्रकृत प्रस्तु -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वुं (1) के अभीन तुच्ना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर बेंगलूर, विनांक 25 जुलाई, 1983

निर्देश सं० 62/36697/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 112/8, है, तथा जो गौलि स्ट्रीट, माडिकेरि कूर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मरकेरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-12-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे ब्युने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृविधा के लिए;

(1) श्री कें ० के ० धमोदरन, पुत्न लेंट एम० वि० किष्णन, पी० डब्स्यू० डी० कन्द्रैक्टर, गौलि स्टीट, मडिकेरि ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० के० सुमिद्रा पत्नि श्री ए० पी० मल्लाप्पा, कराडा विलेज, मडिकेरि तलुक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भ, आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 871/82-83, दिनांक 9-12-82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 112/8 जो गौलि स्ट्रीट, मिडकेरि, ब्लाक सं० 13, कुर्ग में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

विनांक: 25-7-83

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 25 जलाई, 1983

निर्देश सं० 62/37263/82-83--यत: मुझे मंजु माधवन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत प्रधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकरी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निगका उचित्र बाजार मुख्य 25,000/-इ॰ से घष्ठिक है

और जिसकी सं० 29 है, तथा जो I कास, श्रीरामपुरम, बेंगलूर—21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-1-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के भिये बन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचिन बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से घांधक है और चन्तरित (चन्तरकों) भीर धन्तरितों (धन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरित के लिये तय पादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त धन्तरित लिखे तय पादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त धन्तरित लिखे तय पादा गया प्रतिफल निम्नलिखित

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भ्राय की बाबत, धकत अभ्रितियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे जनने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या निसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भन्तिरिती द्वारा प्रकड नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री डि॰ नारयनप्पा, श्रीमती जयम्मा,स॰ 43, ।। ऋास, लक्ष्मी निलया, ओकलिपुरम, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) बि० वि० अम्वानेय्या और सं० 183, नगरतपेट, बेंगलुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचतः आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त पम्पत्ति के अर्बत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राबीर :--

- (क) इप भूचना के राजनत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जा भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत प्रका के राजनत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमक्ती करा: --- इतमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर परों का, जो उक्त श्रव्ध नियम के धव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जा उन धटनाय में दिया गया है।

अनुसूची

(यस्तावेज सं० 3496/82-83, दिनांक 20-1-83) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 29 जो। कास, श्रीरामपुरम, बेंगलूर-21 में स्थित है। (उत्तर भाग)

> मंजु माधवन सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 25-7-83

प्रथम जाइ . टी . एम . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 अगस्त, 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/37इ०इ०-153/82-83--अत: मुझे, एस० एच० अब्बास अविदी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० (गाला नं० ए०-29, 1 ला माला, कांदिवली, बोनाझा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, विलेज बाधवान, निअर कांदिवली, बम्बई है तथा जो कांदिवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्त्री में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रेंकरण ग्रिधिनियम (1908 का 16) दिनांक 15-12-1982 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 2 के कार्यालय में दिनांक 5-12-1982 को रिजस्ट्री है।

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम् के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच् एसे अन्तरण के सिए तम् पाया ग्या प्रतिक का निम्नलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्त मुन्क रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या जन्म बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया बाना थाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुबर्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) मैंसर्स पाँवरद्रानिक्स,

(अन्तरक)

(2) श्री पियुष गुलाबराय चन्वराणा और मास्टर राजिव सुरेश चन्वराणा ।

(अन्तरिती)

न्ध्रे सह स्वना वारी करके पृत्रों का सम्पृतित के नर्वन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शृथ्यों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल गाला नं० ए०-29 1 ला माला, कांविवली, बोनांझा इन्डस्ट्रियल इस्टेट, विलेज बाधवन, निअर कांविवली, बम्बर्ड ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका कि 2/108 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 15-12-1982 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास, अबिवी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज →2, बस्बई

दिनांक : 3-8-83

प्ररूप बार्ड्ः, टी. एन्., एस्.। - -- -

बाय्कर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, विनांक 11 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० आर-2/3472/82-83--अतः, मृझे, एस० एच० अब्बास **अ**बिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 208 हिस्सा नं० 9, सी० टी० एस० नं० 2244 है तथा जो एक्हसर, बारीवली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बन्यत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जरिस्त्यों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भून-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के सिए;

(1) श्रीमती घारूबाई अर्जुन महात्ने और अन्य । (अन्तरक)

(2) श्री आर० बी० ग्राई० इम्पलाइ आ सिद्धिवनायक को० आँपरेटिय हाऊसिंग-सोसाइटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकते।

स्पक्किरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुचबी जैसा कि विलेख सं० 2845/1982 और उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 13-1-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० अब्बास अबिदी . सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--2, बम्बई

बतः स्व, स्वत अधिनियम की भारा 269-न के जुनूस्रव भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

सारीख: 11-8-83

प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

गाउँ चुडेकाड

कार्यालय, सहायक शायक र शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनोक 10 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० आर०-3/37 जी/2288/82-83--अतः

मुझे, एस० एच० अञ्बाम अधिदी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 65, एच० नं० 2, एस नं 65 हिस्सा नं० 3 (भाग) सर्वे नं० 66, हिस्सा नं० 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, और 8 सर्वे नं० 67, हिस्सा नं० 3 है तथा जो अंधेरी में स्थित है)और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 विसम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से ऐसे छ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, मिन्निविचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण सं हुइ किसी नाम की नानत उन्त निध-नियम के स्थीन कर दोने के अन्तर् के दायित्व में कमी करने वा उस्ते बचने में सुविधा के जिने; बीद/पा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्ताम अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

जतः तम, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के जनूसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) केशव प्रसाद दिवेदी, ईशवरलाल नारंजी शहा,।

(अन्तरक)

(2) मरोल उद्योग प्रिमाइसेज को० आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संप्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरणः — इसमे प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुस्ची

जैसा की विलेख सं० ए० भार० 3/4768/72 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्धई द्वारा दि० 24-12-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 10-8-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 12 अगस्त 1983 निर्देश सं० ए० आर०/1/37/जी/ 4828/83-84---अतः मृक्षे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 485 आफ मलबार और कंबाला हिल डिविजन, प्लाट नं० 67 है तथा जो लबूरनम रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० श्रीकांत नागप्पा मंगेशीकर और डा० श्रीमती शालिनी श्रीकांत मंगेशीकर।

(अन्सरक)

- (2) श्री प्रशांत श्रीकांत मंगेशीकर और तुषार श्रीकांत मंगेशीकर, डा० श्रीकांत एन० मंगेशीकर,
 - 2. डा० श्रीमती शालिनी एस० मंगेशीकर,
 - 3. डा० मंगेशीकर किलनिक और
 - 4. श्री सी० पी० सोनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा की विलेख सं० बम्बई 1015/79 और उप-रिज-स्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-12-1982 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-8-1983

मोहर् 🛭

प्रकार वार्ड.टी.एव्.एस्. -----

अ।यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० आर०--1/37ईई/91/83--84---अतः मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी स० पत्नैट नं० 1, 4या माला, प्रमावती अपार्टमेट हैं तथा जो परेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ख के अधीन, बम्बई में स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 1 के कार्यालय, में दिनांक 6/12/82 को रिजस्ट्री है।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) भन्तरण सं हुएँ किसी आम की बातह, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के जस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/मा
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ क्ये, चिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के शिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स पथा डेवलपमेंट कापरिशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री शांताराम वेऊ सावंत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्मिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर अपनित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं 1, जौथा माला, पश्चावती अपार्टमेंट, परेल, बम्बई-12, अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका 1/67/82-83 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-12-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-8-1983

मोहरः

13 —236 GI/83 AL AL

प्ररूप गाइ. टी. एनं. एसं. ------

नायक र मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत बहुकाहु

कार्यामय, यहायक नायकर गायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बभ्यई

बम्बई, दिनाक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० आर०/1/37ईई-27/83-84-अत, मुझे, आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नंसें 1, पहला माला, पद्मावती अपार्ट— मेंट तथा जो परेल में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में और जिसका

करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ख के ग्रधीन, बम्बई में स्थित, सक्षम प्राधिकारी रुहायक आयकर आयुक्त अर्जन इकाला 1 के कार्यालय मे दिनाक 6-12-1982 को रजिस्ट्री हैं।

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा की लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त सिंधनियम, या धन-कर सिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के सबोचनार्थ सन्तिरती ब्नारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसंसी पद्मा डेवलपर्मेंट कार्पोरेशन ।

(अन्सरक)

(2) श्री गंजानन घोंडू शेटपे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्सु सुम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अन्निथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहेस्तोक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

अनु**सूची**

पलैट मं० 2, पहला माला, पद्मावती अपार्टमेंट, परेल, बस्बई-12 ।

अनुसूची जैसा की अर्जन इलाका कम सं० 1/37 ईई-58/82-83— और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 6-12-1982 को रिजस्टर्ड किया गया है।

आर०के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-8-1983

प्रकल नाहाँ ही पूर्व एस , -----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्वज्ञ

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० आर०-1/37ईई०-21/83-84--अतः मुझी, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त खिभानियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० (1) युनिट ए-42, रायल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट है। तथा जो वडाला में स्थित है (और इसस उपाबद अनुयूची मे और पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में (2) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-कख के अधीन, 4 बम्बई में स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 3 के कार्यालय में दिनांक 23-12-1982 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, > उक्त अभिनियम की अधीन कर दोने को अन्तरक की वायित्व में कभी करने बाउस से क्वर्त में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती रजनी गोपाबदास खिलनानी । (अन्तरक)
- (2) श्री पी० पी० प्रधान और श्रीमती के॰ मी॰ प्रधान ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीक से 45 दिन की अविभि दा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की बामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर मुर्वेक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अनुध किसी जन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकोंगी।

स्पव्यक्रिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुस्वा

यनिट सं० ए-42, तीसरा माला, रायल इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बडाला, बम्बई-400031 ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन कम सं० 1/88/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-12-82 को रजिस्टर्डकियागयाहै।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख 12-8-1983

त्रक्त् आर्च्य की. एस. एत. -----

नायकर निभिन्यम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, विनोक 12 अगस्त 1983

निवेश सं० ए० आर०-1/37ईई०-28/83-84-अतः मझे, आर० के० बकाया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स॰ (1) फ्लैंट नं॰ दूसरा मालेवर, पद्मावती अपार्टमेंट है तथा जो परेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में (2) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई में स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 1 के कार्यालय, में दिनांक 6 दिसम्बर, 1982 को रिजस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूधयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबृक रूप से किथा नहीं किया प्रा है है—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी बाय की वाबत, अक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; अद्युवा
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में वृत्तिथा के लिए;

अतः वस उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैंसर्स पद्मावती डेवलपमट अपार्टमेट। कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० वी० वलवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्मवयी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनयम, के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं दूसरा मालवेर, पद्मावती अपार्टमेट, परेल, बम्बई — 12। अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क्रम स० 1/59/82— 83 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 6 दिसम्बर 1982 को रजिस्टई किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

तारीख 12-8-1983 मोहर 🕹

प्रकृष् वार्षं .दी .क्न .एस .----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० आर०-1/37 ईई०-29/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० (1) फ्लैंट नं० 1, तीसरा माला, पणावती अपार्टमेंट है। तथा जो परेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वम्बई में और जिसका करारनामां ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई में स्थित; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 1 के कार्यालय में दिनाक 6-12-82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक ध्रयमान प्रतिफल स, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (को एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में स्विभा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिमित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैंसर्स पद्मा डेवलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नलिनी एस० खिखले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चाडी करके पूर्वों का सम्मृतित के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के शर्मन के सम्बन्ध में कोई' भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य अपिकत ब्वाडा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकर्णः --इसमें प्रयुक्त चन्यों और वर्षों का, जो उक्स जिथीन्यम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 1, नीसरा माला, पद्मावती अपार्टमेंट, परेल, अम्बर्ध-12

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका कम सं० 37ईई-60/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 6-12-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-I, बम्ब**ई**

तारीख: 12-8-1983

मोहर 🖫

श्वा वर्षं दी <u>एन् एन् ,</u> नननननननननन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1983

निवेश सं० ए० आर०-1/37 ईई.-66/83-85—अतः मुक्के,आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियिस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चार, 'उबत अधिनियस', कहा समा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, पहला माला, पद्मावती अपार्टमेंट है तथा जो परेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के केकार्यालय, बम्बई में और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 1 के कार्यालय में दिनांक 6-12-82 को रजिस्ट्री है

को पूर्वो कर सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम् संहूदं किसी नाय को वावत्र, उच्छ नियानम् के नभीत् कर दोने के वृत्तरक के बामित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुनिभा के बिए; जॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने यें स्विधा के लिए;

गत. अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स पद्मा डेवलपमेंट कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री वसंत शंकर वैद्या

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करको पूर्वोचन, स्म्यृतित को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपृत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी सन्म व्यक्ति इवाय न्याहस्ताक्षरी के पास् सिसिस मों किए जा इकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण:--इस्में प्रयुक्त सब्बों और पर्वोका, जो सकत अधिनिग्रम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही बूर्य होना को उस कृष्याय मे दिया प्याहै।

अनुसूची

पर्लंड नं. 1, पहला माला, पद्माबती अपार्टमेंट, परेल, बम्बई-12 ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका कम सं० 1/61/82-83 में प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6 दिसम्बर, 1982 को रिजस्टिंड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आँयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 12-8-1983

अरूप **बाइं**. टी. एत. एस.-----

बायकर बिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० आर० /2/3461/83-84---अतः, मुझे, एस० एच० अब्बास मनिदी,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव् सम्यत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ए० मं० 85, एच० नं० 15 (पार्ट) और प्लाट नं० 57, टी० पी० एस० 5 (ड्राफ्ट) है तथा जो विलेपार्ले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रंजिस्ट्रीकरण भौधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 विसम्बर, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के छन्ति वाजार मृज्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास अपने का कारण है कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति सा जिलत बाजार मुख्य, इसके वृश्यमाम प्रतिकास से। ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रश्तरक (प्रश्तरकों) थीर धन्तरिती (अश्वरितिकों) के बीच ऐसे बन्नरण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नविधित **प्रदेश्य**्से प्रस्त भन्तरण सिक्षित में वास्तक्कि कप से कथित नहीं किया यया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिक्षित्रमं के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में क्मी करने या उससे बचने में सुविधां के लिए। भीर/या
- (खं) ऐसी किसी आप यां निसी धनया प्रत्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आवकर धिवियम 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम। या धनकर मिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयौजनाचे घन्तरिती द्वारा वकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के किए;

अत: शव, उक्त ग्रविनियम की घारा 269-ग के धनुः प्ररण में, मैं उक्त ग्रविनियम की घारा 269-ग की उपवादा (1) के ब्रवीम, निम्मलिचित व्यक्तियों श्रवीत्:—

- (1) 1, श्रीमती सेसीली इग्नेशम गोन्साल्वेज,
 - 2. मग्गी रोज गोन्साल्वेज,
 - 3. फल्सीस एम० गोन्साल्वेस और जोसेफ नाबट गोन्साल्वेज ।

(अन्तरक)

(2) रिजर्व बैंक स्टाफ संफालया को०-आपरेटिव हार्ऊांसग सोसायटी लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में ब्रचानन की तारीच से 45 दिन के भीतर प्रकेत क्यावर संपत्ति में हितवक्ष किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोतस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सर्वेगे।

हपध्यीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, की उनस प्रतिनिक्त के ग्रध्याय 20कों में परिवादित हैं, वहीं वर्षे होगा की उस प्रकास में दिया गया है।

वनुसूची

जैसा कि विलेख सं० एस० 2264/78 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई ब्रारा दिनांक 20 दिसम्बर, 1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास प्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बस्बई

तारीख: 11-8-1983

मोहर 🛭

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० आर०-2/37ई०ई०/178/82-83-यत, मुझे, एस० एच० अब्बास म्रबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 351/1 से 6 और 350/1 से 6 है सथा जो मालाड (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्षित है), रिजर्स्ट्रेंकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई में स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन इलाका, 2 कार्यालय मे दिनांक 18-12-82 को रिजर्स्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिस्सि व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स दत्ताणी कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

(2) मि० प्रकाशचन्द्र, बाबूलाल संघवी।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 32, तीसरा माला, गोकुल अपार्टमैंट, प्लाट बेयरिंग सी० टी० एस० नं० 351/1 से 6 और 350/1 से 6 आफ विलेज मालाड, गोशाला लेन, आफ दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64। अनुसूची जमा कि अर्जन इलाका क० सं० 2/123 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18 दिसम्बर, 1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास म्रबिदी सज्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, बम्बई

तारीख : 4-8-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अगस्त 1983

निदेश सं० ए० आर०-2/37ईई०/214/83-84--अन. मुझे, एस० एच० अब्बास सिद्दीकी,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रुः. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० सी०/5, ग'गा' दूसरी मंजिल तथा जो मालाड (प) में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 दिसम्बर, 1982 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम; 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई में स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका-2 के कार्यालय मे दिनांक 12 दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्री है

की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया **प्रौत**फल., निम्नलिखित उष्यदेश्यों से उक्त अनंतरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

अत. अम, उक्त अधिनियम को धारा 260 म के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---32-236GI/83

(1) श्री आयर्ंत रॉड़ीग्ज ।

(अन्नरक)

(2) डा० मिशकांन प्राणजीवनदास हजारीबाला ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिय। करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणु:--इसम् प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

प्लाट नं० मी०/5, गगा, द्वरी मंजिल, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि अर्जन इनाका क्रम सं० 2/1/164 82-83 और जो सक्षम प्राध्यिक≀री, बम्बई द्वारा ∤दिनांक 17 दिसम्बर, 1982 को रॉजस्टर्ड किया गया है।

> एम० एच० अञ्चास सिद्दीकी नक्षा प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज-2. वस्प्री

नारीख . 11-3-1983 मोहर.

प्ररूप आह. दी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1983 निवेश सं० ए० आर० 1/37ईई/67/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

बौर जिसकी सं० आफिस ब्लाक नं० 306, आदमजी बिल्डिंग है तथा जो नरसी नाथा स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 दिसम्बर, 1982 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई में स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 1 के कार्यालय में दिनाक 21 दिसम्बर, 1982 को रिजस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभिने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्दिशा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) खी कोहीनूर बाबर फुफ वर्का।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्षद छोटालाल दोशी और इला हर्षक दोशी।

(अन्तरिती)

(3) श्री हर्षद छोटालाल दोगी, और इला हर्षद दोगी। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्का की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस ब्लाक नं० 306, आदमजी बिल्डिंग, 413 नरसी नाथा स्ट्रीट, बम्बई-400009 ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका कम सं० 1/85/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 21 विसम्बर, को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-8-1983

प्रक्प आइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 2 अगस्त 1983

निर्देश सं० ए० सी० 34/रेंज-IV/कल/1983-84---यतः, मुझो एस० के० चौधुरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 36/1 है तथा जो शिवपुर रोड, जिला हावड़ा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्ति ति की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों अधित्——: 1. श्री बलाइ चन्द्र सेठ

(अन्तरक)

2. श्री शंकर नाथ घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां सबस्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन-1 काठा 8 छटाक 25 स्ववेयर फीट जमीन का साथ मकान ।

पता 36/1, णिवपुर रोड, थाना शिवपुर, जिला हावड़ा, दिलल सं० 1982 का 7499।

> एस० के० चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 2-8-1983

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMEN! OF PERSONNEL & AR. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 17th August 1983

No A 20024/1/78 AD V—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspr General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Altaf Hussain as Public Prosecutor/Central Bureau of Investigation on deputation with effect from the forenoon of 6th July, 1983

Shri Altaf Hussain is posted in CBI Jaipur Branch

The 19th August 1983

No. A 19036 18/80 AD V—Shri S N Mujumdar, Deputy Superintendent of Police, C BI GOW Calcutta retired voluntarily under FR 56 (k) on 1st August, 1983 (afternoon)

The 20th August 1983

No J 14/65-AD V—In continuation of notification of even Number dated 31-1-1983, the President was pleased to appoint Shii J C Ojha to officiate as ad hoc Dy Legal Adviser in C B I for the period from 1st March, 1983 to 13th June, 1983

The 22nd August 1983

No A-20023/I/83-ADV—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Rameshwai Singh as Public Prosecutor CBI on deputation with effect from the forenoon of 2nd August, 1983

Shii Rameshwar Singh is posted in CBI/EOW Calcutta Branch

R S NAGPAL, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delht 110003, the 20th August 1983

No O II 23 77-Fstt (CRPF) —Consequent on his repatriation to parent State 1c Union Territory, Shri R K Ohri,

1PS has relinquished charge of the post of Deputy Director (Prov), Directorate General, CRPF New Delhi in afternoon of the 20th August, 1983

The 22nd August 1983

No O II 1430/79 Estt —Consequent on his repatriation to Andhra Pradesh Police, Shii G M Pentaiah has relinquished charge of the post of Dy SP 12 Bn, CRPF, on 31 5 1983 (AN)

A K SURI, Asstt Dir (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENFRAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th August 1983

No E-38013(4)/12/83 Pers—President is pleased to appoint Shri B C Ghosh, Inspector (Min) CISF, as Assit. Comdt (Junior Administrative Officer) Central Industrial Security Force, E Zone, Calcutta in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 3rd June, 1983, until further orders.

SURENDRA NATH Dir-Gnl/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 18th August 1983

No 11/50 '80-Ad I —In continuation of this office's Notification of even number dated the 26th February, 1983, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment, on deputation, of Shri M M Dua, Deputy Director of Census Operations in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Semio Research Officer (Social Studies) in the same office, for a further period upto the 31st October, 1983 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions

2 The headquarters of Shri Dua will be at New Delhi

No 10/30/81 Ad J—The President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Senior Geographers to the post of Research Officer (Mip) in the office of the Director of Census Operations, as mentioned against their names, on regular basis, in temporary capacity, with effect from the date as indicated against each, until further orders:—

	ibed arters
1 Shti J C Srivastava DCO, Rajasthan, Jaipur 4-4-1983 (FN) Jaipur	
2 Shri J P Rout DCO, West Bengal, Calcutta 25-7-1983 (FN) Calcut	ta

P PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

LABOUR BUREAU

Simla 171004 the 3rd September 1983

No 23/3 83 CPI—The All-India Consumer Pice Index Number for Industrial Workers on Base 1960=100 increased by eight points to reach 541 (Five hundred Forty one), during the month of July, 1983 Converted to Base: 1949=100 the index for the month of July, 1983 works out to 658 (Six hundred and fifty eight)

A S BHARADWAJ,
Director
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 13th August 1983

F. No BNP/C/5/83—Shri H S Ronad, permanent Junior Supervisor, Offset Printing) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30 740-35-810-EB-35-880 40-1000-EB 40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 9-8 83 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier

This ad hoc appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being

appointed thereto on a regular basis and the ad-hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

M. V. CHAR, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND

AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 20th August 1983

No. CA.I/53-77.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri K. P. Mishra, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior to retire voluntary from Government service from 30-6-1983 (AN) under Rule 48 of CCS (Pension) Rules 1972.

M. A. SOMESWARA RAO, Jt. Dir. (Coml.)

OFFICE OF THE D.A.C.R., NEW DELHI

New Delhi, the 22nd August 1983

No. Admn.I/O.O.No. 222.—Shri V. P. Dhingra an officiating Audit Officer of this office has been absorbed permanently in the Bharat Heavy Electricals Limited New Delhi with effect from 15th March 1983 (FN) on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has the approval of the Govt, of India conveyed vide C.A.G.'s letter No. 1841-GE/II/29-83 dated 2nd August

1983.

Sd./- ILLEGIBLE Joint Director of Audit (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, 18th August 1983

No. Admn.I/8-132/83-84/563.—The Accountant General I. Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Section Officers in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names until further orders.

Name & Date of Assumption of Charge

- 1. Sri D. Srinivasa Rao-10th August 1983 F.N.
- 2. Sri M. Venkata Reddy-II-9th August 1983 F.N.

The promotions are ordered without prejudice to the claims of their seniors if any and are also subject to the result of the writ petitions pending in the A. P. High Court/Supreme Court.

B. MASON Sr. Deputy Accountant General (Administration)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, (1) BIHAR (LOCAL AUDIT WING)

Ranchi-2, the 19th August 1983

His inter se seniority will be fixed in due course.

TT.

The Accountant General I, Bihar has been pleased to give protorma Promoton to Shri Kaushal Kishore Prasad, a substantive Section Officer of the Local Audit Wing of his office on deputation to the Bihar State Water Development Corporation Patna to officiate until further order as Assistant Examiner of Local Accounts with effect from the 4th August, 1982 F.N. under the next below rule.

D. MUKHERJEE, Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, TAMIL NADU

Madras, the 6th August 1983

No. Estt.1/GB/83-84/201.—Shri S. K. Mahalingam (Date of Birth: 15-06-1933) Accounts Officer Office of the Accountant General-II, Tamil Nadu and Pondicherry, Madras expired on 24th July 1983.

C. SANKARA MENON Accountant General-I, Tamil Nadu, Madras-18

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR PRADESH

Allahabad, the 18th August 1983

No. Admn.I/11-144/Notin./4366.—The following Accounts Officers have retired from service with effect from 31st July 1983 (A.N.) on attaining age of superannuation.

- 1. Shri Udai Shankar, Substanitve Accounts Officer, Office of the Accountant General-II U.P. Allahabad.
- 2. Shri Gopal Das Agrawal, Substantive Accounts Officer, Office of the Accountant General III U.P. Allahabad.
- 3. Shri Gopi Nath Gupta, Substantive Accounts Officer, Office of the Accountant General III U.P. Allahabad.
- 4. Shri S. V. Kashalkar, Substantive Accounts Officer, Office of the Accountant General 1 U.P. Allahabad.
- 5. Shri Shree Ram II, Substantive Accounts Officer, Office of the Accountant General II U.P. Allahabad

S. J. S. AHLUWALIA Senior Deputy Accountant General (Admn.)

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 17th August 1983

No. 6/1983.—Shri R. S. Dhama Chemical Assistant Gr. I Central Revenue Control Laboratory, New Delhi has been povisionally pomoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the Custom House Calcutta with effect from 16th July 1983 (F.N.) and until further orders,

KESHAV PRASAD Chief Chemist, Central Revenues

C. No. II(3)(1)/83-Estt.

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 16th August 1983

No. 35/G/83.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri N. C. Sarkar, Assistant Works Manager retired from service w.e.f. 31st December, 1982 (AN).

V. K. MEHTA Director

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 16th August 1983

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/18/78-ADMN(G)/5456.—The President is pleased to appoint Shri Bhagat Singh, an officer of the S.O. s grade of the C.S.S. an Assistant Director (Drawback) in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi on deputation basis for a period of 3 years with effect from 15th May 1981.

No. 6/418/56-DMN(G).—On attaining the age of superannuation, Shri K. Raman, Joint Controller of Imports and Exports (CL), New Delhi has been permitted to retire from Government service with enect from the afternoon of the 31st July 1983.

M. L. BHARGAVA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-110066, the 16th August 1983

No. 58/214/79-Admn.I.—Shri Hari Govind Das Chauhan, an Officiating Assistant Director (Display) in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi expired on 29th July 1983.

> SHIROMANI SHARMA Development Commissioner (Handicrafts)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 30th July 1983

No. A-19018(169)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. L. Garg, Assistant Director (Gr. 1) (Mech.) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industrise), New Delhi as Deputy Director (Mech.) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 31st May 1983.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 11th August 1983

No. A-6/247 (446).—The President is pleased to appoint Shri G. Kalyanasundaram, Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection, Madras as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on ad-hoc basis in the same office for a period of six months with effect from the forenoon of 19th April, 1983.

2. Shri Kalyanasundaram relinquished the charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engineering) at Madras on 19th April 1983 (F.N.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) on the same date and at the same station.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals.

New Delhi-110001, the 16th August 1983

No. A-31013/10/80-A.6.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Nandi officiating as Deputy Director of inspection in the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively to the permanent post of Deputy Director of Inspection in the Textiles Branch, Grade II of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from 7th August 1981.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th August 1983

No. A-19012(177)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Kumari J. R. Kanire, officiating Senior Technical Assistant (Chemistry), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Chemist, in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 27th July, 1983.

The 20th August 1983

No. A-19012(176)/83-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. S. Gondane, officiating Semor Technical Assistant (Chemistry), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 25th July 1983.

B. C. MISHRA
Head of Office,
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 22nd August 1983

No. C-5991/718-A.—Shri P. K. Bhattacharji, Officiating Office Superintendent, C.S.T. & M.P. is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B post), on ad-hoc basis, in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 11th May, 1983 vice Shri K. V. Krishnamurthy, Establishment and Accounts Officer proceeded on leave for 48 days from the same date.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th August 1983

No. 1/20/83-S II.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. S. L. Acharya, Accountant ot officiate as Administrative Officer on ad-hoc basis at All India Radio, Bikaner with effect from 23rd July 1983 (FN).

Smt. RUKMINI DAS GUPTA Deputy Director Administration for Director General

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 20th August 1983

No. PA/79(1)/83-R-III/261.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Ambakkattu Govindapillai Sasidharan Nair, permanent Senior Stneographer and offi-

ciating Stenographer (SC) to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 1983 until further orders.

M. D. GADGIL

Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 17th August 1983

Ref. No. DPS/2/1(19)/83-Adm./26401.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shrl V. V. Nair, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200 from 1st July 1983 (FN) to 30th September 1983 (AN) in the same Directoarte or until further orders whichever is earlier.

P. GOPALAN Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 19th August 1983

No. NAPP/Adm/26(1)/83-S/8983.—Officiating appointment on ad-hoc basis of Shri R. N. Shukla, a permanent Personnel Assistant and officiating Assistant Personnel Officer in this Project as Industrial Relations Officer notified vide notification 'No. NAPP/Adm/26(1)/83/S/7220 dated July 18, 1983 stands terminated with effect from the afternoon of August 12, 1983.

R, K, BALI Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti, the 16th August 1983

No. RAPP/04637/D.Cell/83/S/E-182|345.—A memorandum of charges No. RAPP/04637/D.Cell/(E-182)/82|S/1043 dated 24th May 1983 was sent to Shri S. S. Kaintura. Tradesman 'B'. O&M Section, RAPS, the imputations of charges against him being (i) unauthorised absence from duty with effect from 1st September 1982, 'i) disregard of official directions asking him to report for duty, (lii) conduct in a manner wholly unbecoming of a Government servant. The above memorandum of charges sent to him by Registered A.D. post to the last known addresses have been received back undelivered with the remarks of the Postal authorities on the envelope as under:—

- "बार एल—पाने वाला घर पर नहीं रहता है, भेजने वाले की वापस"।
- 2. "ताला बंद मिला है। बीट नं 8 में इस नाम का आदमी नहीं है"।

The whereabouts of the said Shri S. S. Kaintura are thus not known.

By this Notification, Shri S. S. Kaintura is informed that the undersigned as the Disciplinary Authority in this case would commence the Departmental proceedings on the aforesaid charges against him and for the purpose, Shri Kaintura is directed to appear before the undersigned within 15 days from the appearance of this notification in the Gazette of India. In case Shri S. S. Kaintura fails to appear before the undersigned by or within the period stipulated above, action as envisaged under Rule 19(ii) of the Central Civil Services

(Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 would be taken against him.

M. S. R. SARMA Chief Project Engineer

ANUSHAKTI, the 17th August 1983

No. RAPP/Rectt/1(1A)/83/S|91.—On transfer from Atomic Mineral Division, Hyderabad, Shri K. P. Sharma, Assistant Accounts Officer has joined his duties in Rajasthan Atomic Power Station with effect from the forenoon of 22nd July 1983.

A. N. KATTI Administrative Officer (E)

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 19th August 1983

No. AMD-16/5/82-Rectt.—Director, Atomic Division. Department of Atomic Energy hereby appoints Shri U. Paulchamy a permanent Lower Division Clerk in Madras Atomic Power Project and officiating Assistant Accountant in Rajasthan Atomic Power Project as Assistant Accounts Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of July 28, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 19th August 1983

No. 05012/R1/OP/2746.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri S. M. Mishra, Assistant Accountant, Heavy Water Project (Kota) to officiate as an Assistant Accounts Officer in the same office in a temporary capacity on ad-hoc basis from August 7, 1982 (FN) to July 5, 1983 (FN) vice S. R. Shidyali, Assistant Accounts Officer, transferred on promotion as Accounts Officer-II to RAPP.

K. MUTHUSWAMY Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 9th August 1983

No. A. 32013/13/82-EI.—The President is pleased to promote the following Deputy Director/Controller of Aerodromes as Director of Aerodromes on adhoc basis for a period of six months from the dates mentioned against their names or till the regular appointments are made, whichever is earlier.

SI. Name of Officer No.	Date of taking Station of posting over the charge as Director		
1. Shri J.M. Manan		Delhi Airport	
Shri George Lakra	25-7-83 (FN)	Calcutta Airport	
3. Shri S.H. Sontakke	29-7-83 (FN)	Bombay Airport	

The 10th August 1983

No. A. 31011/1/80-EC(.),...The President is pleased to appoint the following officers in the grade of Deputy Director/Controller of Communication in the Civil Aviation Depart-

ment in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each:---

S. No.	Name	Date		
··	S/Shri	 	 	
1.	M.S. Krishnan			13-7-1980
2.	K. Teckchandani			13-7-1980
3.	S.K. Das			13-7-1980
4.	V.K. Kalra	,		13-7-1980
5.	B.S. Grewal			13-7-1980
6.	S.C. Goswami			13-7-1980
7.	B.R. Chaturvedi			4-9-198ն
8.	J.K. Bhattacharya			8-9-1980
9.	R.P. Sharma			8-2-1982

The 16th August 1983

No. A. 32013/12/82-EC(.).—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Assistant Director of Communication on a regular basis with effect from the dates

indicated against each and to post them at the D.G.C.A. (HQrs.), New Delhi.

S. No.	Name & Designation	Date of taking over charge		
1.	S/Shri	<u></u>		
1.	K.S. Krishnamoorthi, Sr. Comm. Officer	17-6-1983 (FN)		
2.	S.K. Maheswari, Sr. Comm. Officer	25-5-1983 (AN)		
3.	V.K. Chaudhury, Sr. Tech. Officer .	19-7-1983 (FN)		

O.P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

New Delhi, the 17th August 1983

No. A-12025/2/82-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint S/Shri P Santha Kumar and Rakesh Kumar Khanna, as Aircraft Inspector on temporary basis, in the Civil Aviation Department with effect from 29th July 1983.

J. C. GARG Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 16th August 1983

No. II (7)2-ET/82/8077.—In pursuance of this office Estt. Order Nos. 235/82, dated 3-8-82, 293/82, dated 23-9-82, 341/82, dated 6-11-82,354/82, dated 15-12-82, 34/83, dated 7-2-83 and 58/83, dated 28-2-83, the following Inspectors of Central Excise/Customs promoted to officiate as Superintendent, Group 'B', Central Excise/Customs in the scale of pay of Rs. \$650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, have assumed charge of Superintendent, Gr. 'B', Central Excise/Customs at the places and with effect from the dates and hours as indicated below against each:

Sl. No.	Name of Officer			Date of assumption of charge			
						3 .	4
1.	Nawa Nath Jha					Divisional Office, Central Excise Division, Jamshedpur	7-8-82 (F.N.)
2.	Mahesh Narain Dubey	• "		•	•	Motihari II Range, Central Excise Division, Laheriasaral	30-8-82 (F.N.)
3.	Sultan Ahmad					Arrah Range, Central Excise Division, Gaya	26-8-82 (F.N.)
4.	Ramdco Mahto		, .	٠.		Divisional Office, Contral Excise Division, Ranchi	22-10-82 (F.N.)
5.	Laxmi Narain Singh					Central Excise, Hqrs. Office, Patna	25-11-82 (F.N.)
6.	Gurudeo Narain Roy					Bogusarai Range, Central Excise Division, Patna	10-12-82 (F.N.)
7.	Dip Narain Singh					Central Excise, Divisional Office, Jamshedpur	12-11-82 (F.N.)
8.	Maheshwar Pd. Sinha					Central Excise, Divisional Office, Jamshedpur	21-12-82 (F.N.)
9.	Babu Ram Singh					Customs, Hqrs. Office, Patna	18-12-82 (F.N.)
10.	Shambhu Dayal Pandoy					Bettiah Range, Central Excise Division, Laberisarai	21-3-83 (F.N.)
11.	Deo Kant Jha					Central Excise, Hqrs. Office, Patna	9-2-83 (F.N.)
12.	Noel Tigga				-	Customs Divisional Office, Motihari	21-3-83 (F.N.)
	Lakhan Tuddu					Central Excise Divisional Office, Dhanbad	11-3-83 (F.N.)

K.K. SRIVASTAVA
Assistant Collector (Hqrs)
for Collector of Central Excise

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the

August 1983

No. 23/83.—Shri C. Mathur, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Collectorate of Central Excise, Madras on transfer to the South Regional Unit of this Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, Madras vide Ministry of Finance, Department of Revenue Order No. 73/83 (F. No. A-22012/23/83-Ad.II) dated 26th April 1983, assumed charge of the post of Assistant Director (Customs & Central Excise) Group 'A' w.e.f. 18th July 1983 (F.N.).

The 17th August 1983

No. 24/83.—Shrl N. K. Bose, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, West Bengal Collectorate on transfer to the East Regional Unit of this Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, Calcutta vide Ministry of Finance, Department of Revenue Order No. 120/83 (F. No. A-32012/5/83-Ad.II) dated 8th July. 1983 assumed charge of the post of Assistant Director (Customs & Central Excise) Group 'A' w.e.f. 13th July 1983 (Forenoon).

B. C. RASTOGI Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 20th August 1983

No. A-19012/1010/82-Estt.V,—On the recommendations of the Review Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Milan Kumar Saha. Supervisor, officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer on ad-hoc basis in the Central Water Commission on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effet from the forenoon of 22nd March 1983 until further orders.

- 2. Shri Milan Kumar Saha will be on probation in the grade of FAD/AE for a period of two years with effect from 22nd March 1983.
- 3. The promotion of Shri Milan Kumar Saha is subject to the result of Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta

T. N. FOTEDAR Under Secv. Central Water Commission

CENTRAL FIFCTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 16th August 1983

No. 2/5 '83-Adm.I(B).——The Chairman, Central Flectricity Authority, hereby appoints Shi R. K. Goel, Technical

Assistant, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering Group B Service in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of the 20th July, 1983, until further orders.

S. BISWAS Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

to the western of the Community Act 1056 and at

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sri Marikamba Engineering & Wood Works (Mysorc) Private Ltd.

Bangalore-56009, the 17th August 1983

No. 1468/560/83-84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Marikamba Engineering & Wood Works (Mysore) Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies Karnataka, Bangalore.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOMF-FAX

ACQUISITION RANGE IV CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1983

Ref No AC-39/Acqn R-IV/Cal/83 84—Whereas, I
S K CHAUDHURI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No 36/1 situated at Shibpur Road, Dist Howiah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

it Howrah on 30-12-1982

Rs 25.000/- and bearing

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforceard property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said A t I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Balai Chandra Sett, 5/4/7, Hazarath Kahtala Lane, Santiagachi, Dist Howrah

(Transferor)

(1) Shri Sankarnath Ghose, 141, India Biswas Road, Calcutta-27

(Fransteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land . 0 Cloth 13 Chattaks 20 Sq Ft land with Building Address 361, Shibpur Road PS Shibpur, Dist Howrah Deed No 7500 of 1982

S K CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range IV
54-Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date 2-8-1983 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL-IV, CALCUITA

Calcutta, the 2nd August 1983

Ref. No. AC-40/Acqn. R-IV/Cul/83-84, --Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac*, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

26 situated at Sachindra Nath Road, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Serampore on 14-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Saroj Ranjan Mukhopadhaya, 45, Panchanantola Road, P.O. Bally, Dt. Howrah.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ndima Dutta,
2. Shri Gouri Das Dutta,
26, Sachindra Nath Road,
Uttarpara, Dt. Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 3 Cottahs, 11 Chattaks 29 Sq. Ft with building. Address: 26, Sachindra Nath Road, Mouza & P. S. Uttarpara, Dt. Hooghly.
Deed No. 6521 of 1982.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-8-1983

Seal

FORM NO ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-JV (ALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1983

Ref No AC 23/R II/Cal/83 84 ---Whereas, I, S K CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing No A-A, Alipore Avenue Calcutty 27 situated at P S Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R A Celcutta on 23 12 1982

for an apparent consideration which is less than the fair mukt value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pe cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Smt Bina Devi Sethia of 195/1/1 Mahatma Gundi Road, Calcutta-7 (Transferor)
- (1) Smt Tara Devi Kajaria, 2-J, Alipore Avenue, Calcutta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Area 2k 5 Ch 20 Sft with structure Premises No 2 A Alipore Avenue Calcutta 27 Deed No 11086 of 1982

S K CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV
54-Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcuita-16

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the roresaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:—

Date 9-8-1983 Senl 1

(1) Shri Bimal Singh Sethia, 195/1/1, Mahatma Gandi Road, Calcutta-7, (Transferor)

> (1) Smt. Tara Devi Kajarri, 2-I, Alipore Avenue, Calcutta.

(Transletee)

16341

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCULTA

Calcutta, the 9th August 1983

Ref. No. AC-22/R-II/Cai/83-83 — Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R. A. Calcutta cn 23-12-1982

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office:

at R. A. Calcutta on 23-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Area: 2k. 5 Ch. 20 Sft. with structure. Premises No. 2-A, Alipore Avenue, Calcutta-27. Deed No. 11085 of 1982.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV 54-Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-8-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gulab Devi Sethia, 195/1/1, Mahatma Gandi Road, Calcutta-7. (Transferor)

(1) Smt. Tara Devi Kajaria. 2-J, Alipore Avenue, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 9th August 1983

Ref. No. AC-21/R-II/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-A, Alipore Arane, Calcutta-27 situated at P. S. Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 23-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2k. 5 Ch. 20 Sft. with structure.
Premises No. 2-A, Alipore Avenue, Calcutta-27.
Deed No. 11084 of 1982.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV 54-Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 9-8-1983

Scal +

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JH, CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1983

Ref. No. 1311/Acq. R-III/Cal/83-84,--Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7 situated at Iron Side Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weelshard Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Deb Kumar Majumdar,

(Transferor)

(1) Gopi Properties Pvt, Ltd.,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of premises No. 7, Iron Side Road, Calcutta, having 1B- 3K- 13-Ch.- 42 sft. of land together with two storied building.

Reg. before, S.R.A., Calcutta vide deed No. 11266.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54-Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 8-8-1983

16344

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III. CAI CUTTA

Calcutta, the 8th August 1983

Ref. No. 1312/Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 situated at Iron Side Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Deb Kumar Majumdar,

(Transferor)

(1) Lilloah Flour Mills Pyt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mad in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of premises No. 7, Iron Side Road, Calcutta, having 1B- 3K- 13-Ch.- 42 sft. of land together with two storied building.

Regd. before S.R.A. Calcutta vide deed No. 11264.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54-Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 8-8-1983

Seal ;

(1) Shri Dcb Kumar Majumdar,

(Transferor)

(1) Gopi Iron & Steel Pvt. Ltd.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF IN COMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1983

Ref. No. 1313/Acq. R-III/Cal/1983-84,---Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 situated at Iron Side Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of premises No. 7, Iron Side Road, Calcutta, having 113-3K-13-Ch.-42 sft. of land together with two storied building.

Reg. before S.R.A. Calcutta vide deed No. 11263 dt.

28-12-1982.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54-Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
34—236GI/83

Date: 8-8-1983.

(1) Shri Deb Kumar Majumdar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Agrentee Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1983

Ref. No. .1314/Acq. R-III/Cal/83-84.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7 situated at Iron Side Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of premises No. 7, Iron Side Road, Calcutta, having 1B- 3K- 13-Ch.- 42 sft. of land together with two storied building.

Regd. before S.R.A. Calcutta, vide deed No. 11262.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54-Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th August 1983

Ref No. 18007.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 49/6 and 50/6A, situated at Koyambedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 5108/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) A. Ananthanarayanan, 35, Nowroji Road, Madras-31.

(Transferor)

- (2) 1. T. Elango, Plot 40, Krishna Nagar, 4th St., Madras-92.
 - Madras-92.
 Dr. R. Thirunarayanan, 20, Jayammal St., Ayyavu Colony, Aminjikarai, Madras-29.
 D. Kalpana, 41, Shri Venkatesa Perumal Nagar, Madray 104.
 - Madras-106.
 - 4. Mrs Kodhainayaki, 59, A. J. Block, Anna Nagar, Madras-40.
 - Mrs. Jayasree Umakant, 100, Sengalaneer Pillai, Koil St., Madras-1.
 Jaimalani, 40, East Chetty St., St. Thomas Mount,
 - Madras-16.
 - 7. Mrs. R. Chandraleka, 1, Ashok Road, Madras-18. 8. Shri D. Mukesh Kumar, 52, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as S. No. 49/6 and 50/6A, Koyambedu, (Dóc. 5108/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 5th August 1983

Ref. No. 17966.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS. No. 19, Saidapet situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 4079/82) in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 D. M. Babu
 East Road, West CIT Nagar, Madras-35.

(Transferor)

(2) Shri D. Chenchaiah,Shri D. V. Subramaniam,8, II Cross St., West CIT Nagar,Madrus-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 23, East Road, West CIT Nagar Madras-35. (Doc. 4079/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date · 5-8-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1983

Ref. No. 17913.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 143/3, Puliyur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 5133/82) in December, 1982

at Kodambakkam (Doc. 5133/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Mahadevaiah, 337A, Mowbays Road, Madras-14.

(Transferor)

(1) Shri P. Natarajan, S/o P. Pugal Neela Perumal, South Surankudy (P.O.), Agustheeswaram Tk., Kanyakumari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 143/3, Puliyur. (Doc. 5133/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th August 1983

Ref. No. 53/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

at Vaniyambadi, N.A. (Doc. 2627/82), in December 1982 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Vaniyambadi, N.A. (Doc. 2627/28) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Shri P. M. A. Govindaswamy Chetty, S/o Late Shri Arumugha Chetty, 619, Arasamaram Street, Amburpet, Vaniyambadi, N.A.

(Transferor)

 Shri P. Hajee Kalilur Rahman, S/o Pallam Abdul Salam, 477, Old Mosque Street, Muslimpure, Vaniyambadi, N.A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Valayampattu Village Vaniyambadi Doc. No. 2627/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 4-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th August 1983

Ref. No. 94/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No 20/9, Part Block No. 10, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sembiam, Madras (Doc. No. 739/82) in December 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. Saraswathi, 27, Foxen Street, Perambur, Madras-11.

(Transferor)

16351

(2) P. C Alexander, C/o. E. A. Joseph, A-11, E.I.D. Parry Colony, Ennore, Madras-57

(Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. S. No. 20/9, Part Block No. 10, Doc. No. 739/82.)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner
Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th August 1983

Ref. No. 95/Dec./82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1. Sakthivel situated at Peravallur village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sembiam, Madras. (Doc. No. 750/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri D. V. Nathan, 44, Strotten Muthiah Mudali Sreet, Madras-1,

(Transferor)

 Shri V. Ramamurthi, Mrs. Janaki & Swaminathan, 12, Saiva Muthia Mudali Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building at No. 1, Sakthivel Peravallur village, Doc.. No. 750/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 (i/c)
Madras-600 006

Dete : 4-8-1983

Seal !

FORM LT.N.S.--

(1) Shri N. Ramaswamy Gounder, Vellingiri Gounder, Veluswamy Gr., Palaniswamy, Alagappan, Shanmughavelu, Somasundaram Muthukumar, Sethupathi, 37, Kothukara Gr. St., Vadugapalayam, Thalakarai, Pollachi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 The Pollachi Co-op. House, Construction Society, 16, Kamaraj Road, Mahalingapuram Colony, Pollachi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 12497.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing

TS No. 770 situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. 2924/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 770, Pollachi. (Doc. 2924/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

35-236GI/83

Date: 26-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 17963.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

25,000/- and bearing
No. 10, Vidyodaya I Cross St., situated at Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Madras South (Doc. 4015, 4016, 4017/82) in December,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Vimalamani, V. V. S. Mani, 10, Vidyadaya I Cross Road. Madras-17.

(Transferor)

Mrs. P. Alamelu,
 V. Pichaikutty,
 Krishna Iyer St., Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Vidyodaya I Cross St., Madras-17. (Doc. 4015, 4016, 4017/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 26-7-1983

(1) Poonam Enterprises, 834, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Naresh G. Lund, 52-D, East Periaswamy Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 17944.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 80, Nungambakkam High Road situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 938/82) in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 80, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 938/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 26-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 12486.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 371, situated at Virugalpatti, Gomangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Gomangalam (Doc. 895/82) in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Padmavathy
 W/o. Thandukondar Narayanaswamy Naidu
 Lingamanaickenpudur, Vadugapalayam, Udumalpet
 (Transferor)
- (2) /G. Sarathy Perumal Gr. S/o. Govindaswamy Gi. Ramachandiapuram, Amkadavu, Udumalpet

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 371, Virugalpatti Gomangalam. (Doc. 895/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 26-7-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

P. R. Sriniyaşan,
 Ludy Madhavan Nair Road,
 Mahalingapuram, Madras-34

(Transferor)

(2) M/s. Exind Corporation, 22, Murali St., Mahalingapuram, Madras-34 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 17957.—Whereas, 1, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, Lady Madhavan Nair Road, situated at Madhavan Nair Colony, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Thousandlinghts (Doc. 999/82) in December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to octween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 24, Lady Madhavan Nair Road, Madhavan Nair Colony, Madras-34, (Doc. 999/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUSITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 17936 .- Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 12, 13, Sir Mohd. Usman Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2086/82) on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Annapoorani Ammal Ganapathy Venkateswara Iyet, G. Hariharan, 12, South Usman Road, Madras-17

(Transferor)

(2) R. M. Arasu Rathinam. 29, Rangier St., Madras-17

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, 13, Sir Mohd, Usman Road, Madras-17 (Doc. 2086/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 26-7-83.

- (1) M. Marimuthu, 4/9, Koniappa Pillai St., Kurichi, Ganapathy, Coimbatore.
 - (Transferor)
- (2) Sri Venkateswara Industries, Perumal Koil Thottam, Ganapathy, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 12477.——Whereas, I, R. P. PILLAI,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 168/3, situated at Ganapathy, Coimbatore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. 4625/82) on December 1982,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 168/3, Ganapathy, Coimbatore. (Doc. 4625/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 26.7.83.

FORM ITNS—

(1) Parvathy, Jothimani, 6/113, Trichy Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Jayalakshmi W/o M. M. Shanmughasundaram, Main Road, Ramanathapuram, Colmbatore-18. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 12473.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

S. No. 93, 94, Puliyakulam, situated at Coimbatore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc, 31/83) on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 93, 94, Puliyakulam. (Doc. 31/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26.7.83.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TE.

Kooteswaran, 18, Chinnaya Pillai Road, Madras-17. (Transferor) (2) A. G. Family Trust. 6. I Cross St. New Colony,

(1) T. C. Shanmugham, Dr. T. C. Manonmani, Vimala

(2) A. G. Family Trust, 6, I Cross St., New Colony, Madres-44.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 12474 —Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18, Chinnaya Pillai St., situated at Madras-17,

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

1908) in the Office of the registering Officer at T. Nagar (Doc 2077/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 18, Chinnaya Pillai St, Madras-17. (Doc. 2077/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—36—236OI/83

Date: 26.7.83.

Seal;

(1) Velayudham, S/o Pullar, Kunamuthur, Coimba-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pushpavelli, 7 34 Kadalaikara Lane, Coimba-(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 12479.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

224, 225 2, situated at Kuniamuthur, S. No. 222 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4412 '82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 222/3, 225/2, 224, Kuniamuthur. (Doc. 4412/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Date : 26.7 83.

(1) K. Devaki Ammal, 11/323, Subramaniampalayam, Coimbatore-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A Udayasankat, 11/323, Subiamaniampalayam, Coimbatore-29.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ret. No. 12474 —Whereas, 1 R. P. PILI AI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S No 310, Sanganus situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore (Doc 4626/82), on December 1982, for an apparent consderation which is less than the fair

for an apparent consderation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

*(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid preons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 310, Sanganut. (Doc. 4626/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 26 7 83.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ret. No. 12457.—Whoreas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 486/2, situated at 135 to 141B, Uppilipalayam, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Coimbatore, (Doc. 5448/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

- (1) K. Devadoss, Rukmani, 19, SRT Lay out, Singanallur. Coimbatore.
 - (Transferor)
- (2) Ponnuswamy, Subramaniam, 40, North St. No. 1, Varadarajapuram Medu, Uppilipulayam, Coimbatore-641 015.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 486/2, Uppilipalayani, Coimbatore. (Doc. 5448/82).

> R. P PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 26 7,83,

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 12481.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 435, Ganapathi, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhipuram (Doc. 4554/82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

- (1) Ramaswamy Gr. 426, 2, Ganapathy, Coimbatore, (Transferor
- (2) Kannammal W/o Ramaswamy, Renthottam, Nilambur (P.O.) Karayanpalayam Valliammal, W/o Kuppuswamy Gr. Kulathur, Palladam Tk.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein same defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 435, Ganapathy. (Doc. 4554/82).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 26.7.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 12480.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 424/2, Vadavalli, situated at Coimbatore, (an) more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc 4428 82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S. Askiri Begam, 2, Shanmugham Chettiar Road, RS puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) C. N. Shanmugham, S. Kanalakshmi, 159, Karuppa gounder St., Coimbatorc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S.F. No. 424/2, Vadavalli, Coimbatore. (Doc. 4428/82).

R. P. PILLAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26.7.83.

THE WAY STREET, NO STREET, N

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref No. 12482.—Whereas, 1 R P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing S. No. 197 2, Saravanampatti, situated at Colmbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Coimbatore (Doc. 4607, 4608-82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Ramaswamy, R. Palaniswamy, Sarojini, 8, Budhar St., Ramakrishnapuram, Ganapathy, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Abdulle, N. Mohd Haji, 257, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18 N. Bakkai A/31, Idayar St., Coimbatore, A. P. Abdulla Haji 25/221, Rangey gowder St., Coimbatore-1. P. P. Sherif, 12, 187, Mettupalayam Road, Coimbatore

(Transferee)

'Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at S. No. 197/2, Saravanampatti, (Doc. 4607, 4608/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 26 7.83.

FORM I.T.N.S.-

(1) M. Venugopal Reddy, 5, Gopal St., Madrag-17. (Transferor)

(2) S. Mahadevan, 2, Soundararajan St., Madras-17. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 26th July 1983

Ref. No. 17739.-Whereas, 1 R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, Gopal St., situated at Madras-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at

T. Nagar (Doc. 2054, 2055/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Gopal St., Madras-17. (Doc. 2054, 2055/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Seal:

Date: 6-7-1983

FORM ITNS----

(1) Kutuappa Chettiar, S. Marudappan, 95, Easwaran Koil St., Turuppur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Deivathal W/o N. R. Thiruvengadam Pandian St., Nalla goundampalayam Lakkampatti, Kobi Tk. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

,

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12488.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 243, Senkalaraikarai, situated at Gobi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

1908) in the office of the Registering officer at Gobi (Doc. 986, 987/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 343, Senkalaraikarai Gobi. (Doc 986, 987/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madray-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—236GI/83

Date: 27.7.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12470.-Whereas, I

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 129/3, 129/2, situated at Ramanathapuram, Coimba-

tore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore (Doc. 5479, 5480, 5481/82), on December

1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income suising from the transfer; and /or

(o) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) C. R. Gopalasundaram for C. S. Ramasubramanian Plot 261, 11, Blank Road, Reserve Bank Quarters, East Sion, Bombay.

(Transferor)

(2) Karunamurthy, Balasubramaniam, Muniappa Nadar, Ramanathapuram, Nanjundapuram, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the 'date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 129/3, 129/2, Ramanathapuram, Coimbatore (Doc. 5479, 5480, 5481/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27.7.83, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12498.-Whereas, I

of transfer with the object of :-

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 67/A4, A5, Udumalai Road, situated at Pollachi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. 2898, 2899/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Rajammal, M. Nagarathinam, 12, Venkataramapuram St., Pollachi.

(2) R. Jayaramakrishnan, 5, Vivekanandar St., Mahlingapuram, Pollachi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at 67/A4, 67/A5, Udumalai Road, Pollachi.

(Doc. 2898, 2899/82).

R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assu Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27.7.83.

(1) M. Janakiraman, M. Vandarkuzhali AG 94, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. V. N. Works, 56, Aiyavu Naidu St., Madras-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITNON RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 17925.-Whereas, I,

R. P. PULLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and hearing

to as the sand Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 39, 40, 41, 42, Goparasanallur, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Poonamallee (Doc. 4779, 4780, 4782/82), in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 39, 40, 41, 42, Goparasanallur, (Doc. 4779, 4780, 4782/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27.7.83.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely —

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12476.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 338/1, Sundakamuthur, situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4232, 4233/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nanjammal W/o Ramaswamy Chettiar Palaniammal W/o V. Pattichettiar Sundakamuthur, Coimbatore

(Transferor)

(2) K. Kaliannan, 2, 52, Perur Chettipalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 338/1, Sundakamuthur, (Doc. 4232, 4233/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27.7.83.

15371

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12489.---Whereas, 1 R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

10, Chakkili Vaikkal Road, situated at Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 4790, 4791, 4792 82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

(1) A. V. M. Vellaiswamv. 26, 27, Varahappiar St., Karungalpalayam, Erode-3.

(Transferor)

(2) Ratni Devi Kedia, Sushil Kumar Kedia, Mandanlal, 42, Kottaiar St., Indira nagar, Erode.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Land and building at 10, Chakkili Vaikal Road, Erode. (Doc. 4790, 4791, 4792 82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 27.7.83.

(Transferor)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12507.-Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 1013/24/1, situated at Thottipalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triuppur (Doc. 2220 to 2224/82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S. V. Marimuthu, Balan Corporation, 15, Begam Sahib St., Madras-2.
- (2). (1) S. Palaniswamy, Kadirvel, Natarajan, V. Palaniswamy, 19, Old Market St., Tituppur.
 (2) V. Chenniappan, 52, Old Market St., Tiruppur.
 (3) A. Kuddus, 49A, Old Market St., Tiruppul.
 (4) Muthuswamy Gr. & Co. 49, Old Market St., Triup-

- pur. (5) R. Subramaniam, 64, Anna Koil St., Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1013/24/1, Thottipalayam. (Doc. 2220 to 2224/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ra/nge-II, Madras-600 006

Date: 27.7.83. Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12478.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S.F. No. 334, 335/1, 336/2, 337, situated at Souripalayam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 15, 16, 17, 39, 40, 41, 5551 to 5556/82), on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) R. Palaniappan, Santhoshkumar, Peclamedu, Souripalayam, Coimbatore. (Transferor)
- (2) (1) Bakirbhai, 10/9, Kalceswara Mill Road, Coimbatore-9.
 - (2) M. Abbashai 10/3, Cherian Road, Coimbatore-9.
 - (3) Saifuddin, 145, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18.
 - (4) Kaiyumbhai, 39/B, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18.
 - Hakimuddinbhai, 155, Avanashi Road, Coimbatore.
 - (6) Usufbhai, 142, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18.
 - (7) Badruddin, 16/12/C, Shanmugha Theatre Road, Coimbatore-2.
 - (8) Fakruddinbhai, 59, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18.
 - (9) Shabbirbhai, 147, Dr. Nanjapaa Road, Coimbatore-18,
 - (10) M. Taiyebbhai, 10/3, Cherian Road, Coimbatore-9.
 - (11) Thiyebbhai, 142, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore.
 - (12) S. Najambhai, 141, Dr Nanjappa Road, Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at SF. No. 334, 335/1, 336/2, 337, Souripalayam. (Doc. 39, 40, 41, 15, 16, 17, 5551 to 5556/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27.7.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12508 .-- Whereas, 1

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable archesty having a fair market value archesty. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
TS 1013, 1013/24/1, situated at Thottipalayam, Tirppur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 2225 to 2232, 2248 to 2257/82), on Decem-

ber 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

38--236GI/83

- (1) S. V. Marimuthu, 109, Kumran Road, Tiruppur. (Transferor)
- (2) (1) M. Kanakuruthinam, S/o. C. Muthuswamy, Valipalayam, Tiruppur.
 - (2) A. Dandapani, S/o Arunchala Mudaliar, Kuppanna Chettiar St., Tiruppur,
 (3) Arumugham, 6/1, Marappa Gr. St., Anupperpaleyampudur, Tiruppur.
 (4) C. Vonketzungan, S. C. Chidamharana

 - (4) C. Venkataganaesh, S.o. S. Chidambaram, K. P. N. Colony, Tiruppur.
 (5) R. Lakshmi W/o P. Ramaswamy, LRG Lay out, Karuvampalayam, Tiruppur.

 - Karuvampanayam, 1ruppur.

 (6) C. Balasubramaniam, S/o Chidambaram, KNP Colony, Tiruppur.

 (7) C. Dhanalakshmi, W/o S Chidambaram, KPN Colony, Tiruppur.

 (8) Rajagopal Chettiar S'o Ramaswamy Chettiar, 53, Dharappuram Road, Tiruppur.

 (9) N. Naturaian S/o Vankutochala Chettian Police

 - (9) N. Natarajan S/o Venkatachala Chettiar, Police Line, Tiruppur.
 - (10) Sdraswathi 3A-3, Ramnagar Main Roa, Tirup-
 - (11) Murugesan, 36, Old Market Road, Tiruppur,
 - (12) A. S. Ramanathan, S/o Swamynatha Mudaliar, KPN Colony, Triuppur.
 (13) Pushnavathi, 73B, Kamaraj Road, Tiruppur.
 (14) R. Doraiswamy, 53, Easwaran Koil St., Tirup-

 - (15) K. Natesan, 15/22, Old Market Road, Tirup-
 - pur.
 (16) Mohammed Nazcer, 1A, Ilango Lay out, Pushpa
 - Nagar, Tiruppur.

 (17) C. S. Murugesan, S/o Subbana Gr. KPN Colony, Tiruppur,
 - (18) N Thangevelu, 21C. Gurunatha Gr. Lane, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 1013, 1013/24/1, Thottipalayam, Tirup-(Doc 2225 to 2232, 2248 to 2257/82).

> R. P. PILI AI Competent Authorit. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Mudras-600 006

Date: 27 7,83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 12506,—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beaing No.
TS 1162/28/2, Bridgeway Colony, situated at Extension,

Tiruppur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 2335 to 2346/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Muthuswamy Chettiar, Rangaswamy, K. Shanthamani, Umarani, Sugunakumari, Angeripalayam, Chettipalayam, Palladam Tk. (Transferor)
- (2) (1) Saroja Knitters, Lakshminagar Main St., Tirup-
 - (2) M. Palaniswamy, 34, Harvi Road, Tiruppur.
 (3) C. Saraswathy, 3D, Lakshmi Nager Extension,
 - Tiruppur.
 - (4) Saroja Knitters, Lakshminagar Main Road, Tiruppur.
 - (5) A. Palaniswamy 5B, Pichampalayam Extension, Tiruppur.
 - (6) Saroja Knitters, Lakshmi Nagar, Tiruppur.
 (7) M. Subramani S/o Muthuswamy Gr. Angeri Palyam, 1-A/21, Sheriff Colony, Chettipalayam, Tiruppur.

 - (8) P. Devaraj, 5, Bridgeway Colony, Tiruppur.
 (9) P. Achiammal, 1, Chinnaswamy Gr. Lay out, Tiruppur.
 - (11) K. Arumugham 1B, Bridgeway Colony, Tiruppur.
 - (12) Saroja Knitters, Lakshminagar Main Road, Tiruppur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1162/28/2, Bridgeway Colony Extension, Tiruppur.

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely ;--

Date: 27.7.83.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th July 1983

Ref. No. 17919.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 4274/1, Adyar Bridge Road, situated at Madras-28, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mylapore (Doc. 1510 to 1515/82), on December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I b ve reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) F. Susairaj, Rep. by John Sundarrajan, 18, Lazarus Church Road, Madras-28.

(Transferor)

- (2) (1) Sita Sridharan S. Srinivasan, S. Sridharan, 128,
 - Karpagam Avenue, Madras-28.
 (2) F. Susairaj, Sheela Susairaj, 18, Lazarus Church Road, Madras-28.
 - (3) Jai Shankar, 2 College Road, Madras-8. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 4274/1, Adyar Bridge Road, Madras-28. (Doc. 1510 to 1515/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27.7.83.

Seal ;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th July 1983

Ref. No. P.R.No. 2338 Acq.23 11/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 183 situated at Sidhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Sidhpur on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Bai Rai wd/o Vithaldas Bajidas Rajpur, Sidhpur.

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. Bhagwandas Sananchand Modh2. Narayandas Nanchand Modh

 - Ratilal Joitaram Modh
 Amratlal Ambalal Modh
 Dahyabhai Ambalal Modh Saraswatinagar Society, Sidhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Land at Sidhpur S. No. 183 adm. 14872 sq. mtr. Document of transfer regd. with S. R. 1287/December 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 7-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Ref No. P.R No. 2339 Acq.23 '11/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 1108 situated at Chhatral (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registrating Officer of

1908) in the office of the Registering Officer at kalol on 9-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Khetan Lemicoat Indu. P. Ltd. Verma Chambers 306-307, Homji Street, Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) Baakra Cables Ltd. 302, Majestic Shopping Centre, Bombay-400 024.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chhatral block No. 1108 adm. A7 G.18, Document of transfer regd. with S. R. Kalol under No. 2650 at 9-12-82.

R. R. SHAH Competent. Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 11-7-1983.

(1) Shri Pirumiya Varumiya Malek. Khoraj. Tal ; Dist : Gandhinagar

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Jayantibhai Kacharabhai Patel

2. Ramanbhai Khodabhal Patel

3. Narendra Kalidas Patel
4. Ahitsinh Dajiji Bihola Khoraj Tal. Dist: Gandhinagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Rcf. No. P.R.No. 2340 Acq.23/II/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 495 situated at Khoraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar in December 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S, No. 459 adm. A3 G. 36, Document of transfer regd. with S. R. Gandhinagar under No. 2040 December 1982.

R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :-

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Ref. No. P.R.No. 2341 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TPS. 1 FP 337, 338 situated at Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 20-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. name!"

S/Shii 1. Babubhai Dhulabhai Parmar
 Kabhajbhai Dhulabhai
 Darbar Gopandas Road,
 Bhatrubhai SHsg. Socj.
 Nadiad.

(Transferor)

16383

 S/Shii I. Soloman Moraiji Makwana
 Jonson Shankerprasad, Darbar Gopaldas Road, Adarsh Society, Nadiad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad FP No. 337, 338 adm. 9496 sq mt. Document of transfer regd. with S. R. Nadiad under No. 7950/20-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Anand.

(1) Shii Ashabhai Prabhatbhai Gohel

Sangolpura,

(Transferor)

(2) Shri Harmanbhai Mangllabhai Patel, Mavli, Zanda Chowk, Tal: Anand.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Ref. No. P.R.No. 2342 Acq.23 II /83-84.—Whereas I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R & No 985 situated at Anand.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 31-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Yealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Aanad R. S. No. 985 adm. 2276 sq. mt, i.e. 2322 sq. yd. Document of transfer regd. with S. R. Anand under No. 4440 Date 18-12-1982.

R R. SHAH
COMPETENT AUTHORITY
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Ref. No. P.R.No. 2343 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 1603 situated at Vallabh Vidyanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anand on 21-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

39-236GY 83

(1) Shri Gordhanbhai Chunibhai Desat, Panetha, Desai Vago, Tal: Bagadia, Dist: Broach.

(Transferor)

(2) Shri Shashikant Dahyabhai Patel, Bakrol, Bhailaljini Khadki, Tal: Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land Vallabh Vidyanagar C.S. No. 1603 adm. 868 sq. mt. Document of transfer regd. with S. R. Anand under No. 4462/21-12-82.

> R. R. SHAH COMPETENT AUTHORITY Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 11-7-1983,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Ref. No. P.R.No. 2344 Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 273/1, 273/2 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 17-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Bhadalbhai Motibhai C/o Vahora Abdulbhai Sulemanbhai Kasujini Khodki, Juna Dadar, Anand.

(Transferor)

(2) M/s Ahmedbhai Hasanbhai Polson Dairy Road, Anand.

(Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand R. S. No. 271/3/1, 273/2 adm. total A1 G.37. Document of transfer regd. with S. R. Anand under No. 4435 Date 17-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2345 Acq. $23/\Pi/83-84$.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T.P.S. 3 F. P. 435/1 situated at Anand

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anand on 22-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhailalbhai Motibhai Patel, C/o Abdulbhai Sulemanbhai Juna Dadar, Anand.

(Transferor)

(2) M/s. Ahmedbhai Husanbhai Polson Dairy Road Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand T.P.S. 3 F.P. No. 435/1 adm. 2223 sq. mtr. Document of transfer regd. with S. R. Anand under No. 4473 Dt. 22-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedebad

Date: 11-7-1983

(1) Shri Vasantlal. K. Shah, Umargam, Dist. Valsad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Oriental Synthetic & Rayon Mill Pvt. Ltd. Plot No. 188-199, G.I.D.C., Umargam,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAI>-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2346.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. 281 Hi 1/1 situated at Umargam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi an 24-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Umargam S. No. 281, Hi. 1/1 adm. 2A 30G i.e. 11091 sq. mtrs. The document of conveyance was regd. with S. R. Pardi, under No. 1891 dt. 24-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-7-83.

NOTICE UDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1983

Ref. P. R. No. 2347.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. 52-I-A situated at Tidhara, Tal: Pardi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Parketering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on 10-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhupatrai Kahndubhai Desai, Tidhara, Tal: Pardi.

(Transferor)

(2) 1. Hemlataben Subhanchandra Shah, Sarawatiben Prafulchandra Doshi,
 Jayaben Pradipkumar Vora,

 Haben Devchand Shah
 Minor Jasmin Devchand Shah, guardian Devchand Jethalal Shah. Bagvada, Tal: Pardi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Tidhara, Tal: Pardi, C. S. No. 52-1-A, adm. 10724. The document of conveyance was regd. with S. R. Pardi, under No. 1815 dt. 10-12-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 18-7-83.

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jamiyatram Narayan Joshi, Tidhara, Tal: Pardi.

(Transferor)

(2) Haribhai Shankarbhai Patel self and guardian of minor Harashbhai Haribhai & Bharesh Haribhai Patel & Others, Uttarsanda Dist. Kaira, At present: Vapi Tal: Pardi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2348.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Inco ne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 174-1 & 175-1 situated at Tidhara Tal: Pardi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pardi on 3-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land at S. No. 174-1 175-1 at Tidhara Tal; Pardi, adm. 1 Hector 87 Acre 17 sq mtrs. The document of conveyance was 1egd., with S. R. Pardi under No. 1803 dt. 3-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 18-7-83, Seal:

FORM ITNS----

(1) Shri Dilavarhussein Alibhai Nurani, At Somsubha, Tal: Umaigam,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrin Sureshkumar Mohanlal Mehta, at Somsumbha, Tal: Umargam

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2349.Acq.23 $/\Pi/83$ -84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S No. 113/1/2 situated at Umargam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerng Officer at Pardi on 2-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 113/1/2 at Umargam adm. Acre 4. The document of conveyance was regd. with S.R. Pardi under No. 1794 Dt. 2-12 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 18-7-83.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2350.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Block No. 71 situated at Atodara, Tal: Olpad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kheranbibi, D/o Noorbag Rasulbag and W/o Mohmed Ajam, At Atodara, Tal: Choryashi, Dist. Surat.

(2) Vinay Land Organisors, Kinari Bazar, Nanavat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Block No. 71 of Atodaia, Tal: Olpad. Dist. Surat adm. 20 Acre 20 Guntha 8. The document of conveyance were regd, under Nos. 5412 & 5413 dt. 18-12-82 with S.R. Olpad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-7-83,

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2351.Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and S. No. 501/2 paiki S.P. 1, situated at Ankleshwar

S. No. 501/2 paiki S.P. 1, situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 20-12-82

at Ankieshwar on 20-12-82
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

40-236GI/83

- Shii Dahyabhai Hirabhai & Others,
 P. A. Holder of Punambhai Somabhai Prajapati,
 Patel Super Market, Broach.
- (Transferors)
 (2) C.C.D.C. Construction P. Ltd.,
 Office-6, Karim Chambers, 40, Hamam street,
 Bombay.
 Confirming party: Everest Corp. Patel Super
 Market, Broach.
 (Transferees)

Objections if any, to the acquisition of the sadi property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

' N. A. land adm. 620 sq. mtrs, at S. No. 501/2 paiki at Ankleshwar. The document of conveyance was regd. under No. 3926 Dt. 20-12-82 with S.R. Ankleshwar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 18-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1983

Ref. No. P R. No. 2352.Acq 23/II/83-84.—Whereas, I, R R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S. 11 parki situated at Ali Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 22, 27 & 31-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid—axceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Narayan Associates, partner Shri Ravjibhar Nathubhar Prajapati, Narayan Niwas, Nilkanth Mahadev, Bharneh.

(Transferor)

(2) The Jalaram Nagar Co-op. Hsg. Socy. Chairman Mano amaben Jayantilal Thakkar, Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XλA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 11 paiks at Ali, Bharuch adm. 4995 sq. mtrs. The three documents of conveyance were regd, with S. R. Bharuch under Nos. 5916 dt. 22-12-82, 5952 dt. 27-3-82 & 5073 Dt. 31-12-82,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18-7-1983

16395

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMI DABAD-380 009

Ahmedabad-386 009, the 17th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2353.Acq.23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S 26 paiki situated at Bholav Tal, Bharuch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bharuch on 15 & 17-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Shankerbhai Rayıbhai Patel, Zadeshwar, Tal: Bharuch.

(Transferore)
(2) Shree Laxminarayan Co-op. Hsg. Socy. Ltd.
President Shri Ravjibhai Mathurbhai Patel,
Bholav Tal: Broach.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 26 parki at Bholav Tal: Broach adm. 13748 sq. mtrs. Four documents of conveyance were regd. with S.R. Bharuch under Nos. 5886 & 5887 dt. 15-12-82 and 2881 & 2582 dt. 17-12 82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1985

Ref. No. P. R. No. 2354/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. 47 situated at Nandeval, Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhauch on 15-12-82

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ismail Ahmed Patel At Sherpura, Tal: Dist. Bharuch.

(Transferor)

(2) Shree Shradha Co.-op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman Shri Gajendra Nanalal Lal Bazar, Khavas Vad, Bharuch.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Land adm. 1A at S. No. 47 at Nandeval Tal. Dist. Bharuch. The document of conveyance was regd, with S.R. Bharuch under No. 5883 Dt. 15-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 18-7-83

Seal '

FORM ITNS----

(1) Shri Bailalbhai P. Patel, Near Navrang Cinema, Raopura, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hasmukhbhai Shankerbhai Patel, C/o Asia Sales & Management Services, 4/91, Industrial Estate, Gorva, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2355-Acq.23/II/83-84.--Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1023, 1024 situated at Gorva

(and rione fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 31-12-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesard exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shed at Gorva adm, 5624 sq. ft. Document of transfer regd. with S. R. Baroda under No. 6574 dt. 31-12-82.

R. R. SHAH
COMPETENT AUTHORITY
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Abmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1983

Ref. No. 2356,Acq.23/II/83-84.--Whereas I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/and bearing No. 273/1+273/2, C. S. No. 56 S. No. 2861/P situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 21-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Ichhaben wd/o Chhaganlal Gopalji & Others. Kos (Anaval) Tal. Mahuva Dist. Surat. (Transferor)
- (2) Shri Manojkumar Rasiklal Mehta, 2, Shanti Building No. 1 Flat No. 41, 19 Pakar Road, Bombay No. 26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ward at Navsati R. S. No. 273/1—273/2, C. S. No. 56, S. No. 2861 adm, 2812.5 sq. mtrs, i.e. 31,329 sq. ft. The document of conveyance was read with S. R. Navsari under R. No. 4134 dt. 21-12-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 18-7-83.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIJRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2357 Acq. 23/11/83-84 -- Whereas, I R. R. SHAH,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bea ing
to W1 2 Nondi-1933 Plot-2 Flat No 502 of situated at Chandavan Aptt., Majura 'Gate, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering officer at Surat in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Arihant Corporation, 101/Riddhi Siddhi Apartment, Opp. Gujarat Mitra Press, Somfan, Surat.

(2) Shri Mukesh P. Shah, 502, Chandavan Aptt., Majura Gate, Surat.

(Transferor)

16399

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a ven in that

THE SCHEDULE

Flat No. 502 of Chandanvan Aptt. situated at Majura Gate, Surat at Wd. 2, Nondh 1933. Plot-2, adm. 996 sq. ft. The document of conveyance was reed, with S.R. Surat under No 8314 in Dec 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely '-

Date: 22-7-1983

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mukesh B. Naik,

(2) Shri Mukesh B. Naik, C-5/4, Jeevan Parivar, Timaliawad, Nanpura, Surat.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2358 Acq.23/II/83-84.---Whereas, IR. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. S. No. 16/paiki Flat 21 in Shivshankar Aptt. Parf II situated at Umra, Surat, as per form No. 37EE,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per form No. 37FE in the office of the undersigned at Ahmedabad Dt. 24-12-82 reed, on 28-12-82 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Shri Raju alias Inderkumar Hariram Adnani, 23, Dharmug Society, Ghod-dod Road, Surat.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 21 of Shivshankoj Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Part-II, Umra, Surat, adm. 590 sq. ft. at S. No. 16 paiki, The Form No. 37EE. No. 37EE dt. 25-12-82 was reed. in this office on 28-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Abmedabad

Date: 22-7-1983

FORM TINS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref No PR No 2359 Acq 23 11/83 84 -Whereas, I R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/-and bearing No
No Wd 13, Nondh-1961 RS No 54 pulki Plot 13 & 24, situated it 1st Floor, Swati Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Ash an Indiavadan Marfatra PA Holder Shri Indravadan, Motifal Marfatri, Daria Mahal Surit

(Transferoi)

(2) Natendra Jayantilal Balaji Road, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No 3 of First Flooi, West side of Swati' of Marfatia Bunglow, situated at Wd No 13, Nondh-1961, R 5 No 54 parki, Plot No 13 & 24, at Surat adm 808 85 of 1t The document of conveyance was regd with SR Surat under No 9174 of Dec 1982

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date 22-7-1983 Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2360 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing No. Wd. 13, Nondh-1961, RS No. 54 paiki, Plot 13 & 24, situated at 1st Floor, Swati, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the office of the Registering Officer at Surat in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ashwin Indravadan Marfatia, P.A. Holder Indravadan Motilal, Marfatia, Daria Mahal, Surat.

(Transferor)

(2) Maltiben Narendrabhai, Balaji Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 2 of First Floor South side, of Marfatia Bunglow, situated at Wd. 13, Nondh-1961 R.S. No. 54 paiki, Plot 13 & 24, at Surat adm. 846.85 sq. ft. The document of conveyance was regd, with S.R. Surat under No. 917 of Dec. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1983

FORM ITNS----

(1) Devlibhai Madhavjibhai Parmar, Nanpura, Dhobisheri, Surat.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shardaben Chandrakant Patel, Nanpura, Marvadi Mahallo, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2361 Acq 23/11/83-84.--Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Pajura S. No. 30-A-2, 31-2, TPS 6, FO 4(P) situated at Block 'P' paiki S.P. 1 to 4, C.S. No. 1829 to 1832 Majura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 7-12-1982,

Surat on 7-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 2nd floor of Aptt. situated at Majura S. No. 30-A-2, 31-2, TPS 6 FP 4, paiki Block-P, paiki Subplot 1 to 4, C.S. No. 1829 to 1932 paiki, Surat adm. 55.928 sq. mtrs. i.e. 694 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 9004 dated 7-12-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2365 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the moome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Wd. 2, Nondh 1933, Plot 2, Flat No. 101 situated at Chandanyan Aptt. Majura Gate, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Arihant Corp.
 Riddhi-Siddhi Aptt.,
 Opp. Gujarat Mitra Press,
 Soni-Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Dr. Sonal Suhas Shah, 101, Chandanvan Aptt., Majura Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on 1st 1-locr of Chandanvan Aptt., Majura Gate, Surat at Wd. 2, Nondh-1933, Plot No. 2, adm. 930 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 8303 in Dec. 1982,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nJ July 1983

Ref. No. P. R. No. 2363/Acq.23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authorit; under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

beating No. Wd. 2, Nondh 1933, Plot 2, Flat No. 209 situated at Chandanyan Aptt. Majura Gate, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office:

at Surat in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(21 Arihant Corpn. 101, Riddhi-Siddhi Aptt., Opp. Gujarat Mitra Press, Soni Falia, Surat.

(Transfer or)

(2) Smt. Dhapudevi Jinkumal Agaval, C/o E/6, Surat Textile Market Godown, Surat

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 209 on 2nd floor of Chandanvan Aptt. situated at Wd. No. 2 Nondh 1933. Plot 2 of Majura Gate, Surat, adm. 628 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 8309/82 in Dec. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 22-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Arihant Corporation, 101-Riddhi-Siddhi Apartment, Opp. Gujarat Mitra Press, Soni. Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Sandeephhai Rajendrakumar Shah, Z-1197, Surat Textile Market, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2364 Acq. 23/11/83-84.—Whereas, 1

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Wd. 2, Nondh, 1933 Plot-2, Flat No. 503 situated at Chandanvan Aptt. Majura Gate, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 5th Floor of Chandravadan Aptt, Majura Gate, Surat at Wd. 2, Nondh-1933, Plot No. 2 adm. 628 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 8303 in Dec. 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 22-7-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2362 Acq.23/11/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Wd. 2, Nondh 1933, Plot-2, Flat No. 204 situated at

Chandravadan Aptt. Majura Gate, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Arihant Corp., 101, Riddhi-Siddhi Aptt. Opp. Gujarat Mitra Press, Soni Falia, Smat

(Transferor)

(2) Smt. Sarladevi Ghanshyam Janju, C/o C/2021, Surat Textile Market,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 204 on 2nd floor of Chandavan Aptt, situated at Wd. No. 2 Nondh 1933, Plot 2 of Majura Gate, Surat, adm. 628 sq. 1t. The document of conveyance was regd. with S R_{*} Surat under No. 8310/82 Dt. Dec. 1982.

R. Ř. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Date: 22-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Arihant Corp. 101, Riddhi Siddhi Aptt., Opp. Gujarat Mitta Press, Soni Falia, Surat.

(Transferor)

 Yashpal Thakoidas, Q.1248, Surat Textile Market, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2366 Acq 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Wd. 2, Nondh-1933, Flat No. 110 situated at

Chandanvan Aptt. Majura Gate, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 110 on 1st Floor of Chandanvan Aptt. situated at Ward No 2, Nondh 1933, Plot-2 of Majura Gate, Surat, adm. 628 sq. ft. The document of conveyance was regd, with S.R. Surat under No. 8304/82 in Dec. 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1983

 Arihant Corp. 101, Riddhi Siddhi Aptt. Opp. Gujarat Mitra Press, Soni Falia,

(Transferor)

(2) Shree Shyamsunder Harishankar Tulsian Z-1201, Surat Textile Market,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2367 Acq. 23/11/83-184.—Whereas, I R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Wd. 2 Nondh 1933, Plot 2 Flat No. 410 situated at Chandanvan Aptt. Majura Gate, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gien in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410 on 4th Floor of Chandanvan Aptt, situated at Wd. No. 2, Nondh-1933, Plot 2 of Majura Gate, Surat, adm. 628 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 8307/82 in Dec. 1982,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—236G1/83

Date: 22-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1983

Ref. No. P.R. No. 2368 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. Wd. 2, Nondh 1933, Plot 2 Chandanvan Aptt. situated
at Flat No. 403. Majura Gate, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Surat in December 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Arihant Corporation,
 Riddhi-Siddhi Aptt.,
 Opp. Guj. Mitra Press,
 Soni Falia, Surat 395 001.

(Transferor)

(2) Shri Maheshkumar Badriprasad Malpani, 82, Reshamvala Market, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, on 4th Floor of Chandanvan Aptt., Majura Gate, Surat at Wd. No. 2, Nondh No. 19033, Plot No. 2 adm. 628 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 8312 in December 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 22-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmcdabad-380 009, the 23rd July 1983

Ref. No. P. R. No. 2369 Acq/23/11/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Wd. 2, Nondh 1933, Plot-2, Flat No. 201 situated at Chandanvan Aptt. Majura Gate, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Arihant Corporation 101, Riddhi-Siddhi Aptt., Opp: Gujarat Mitra Press, Soni-Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Nutenben R. Shah Z-1197, Surat Textile Market, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on 2nd floor of Chandanvan Aptt. Majura Gate, Surat Wd. No. 2, Nondh 1933, Plot-2, adm. 996 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 831 dt. 2-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahemedabad

Date: 23-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1983

, Ref. No. P. R. No. 2370/Acq.-23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Wd. 2, Nondh 1933, Plot-2, Flat No. 509 situated at Chandanyan Aptt. Majura Gate, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-12-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Arihant Corporation 101, Raddhi-Siddhi Aptt., Opp: Gujarat Mitra Press, Soni-Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Shri I axmikant J. Allu, M. 1277, Surat Textile Market, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 on 5th Floor of Chandanvan Aptt. Majura Gate, Surat, Wd. No. 2, Nondh 1933, Plot-2, adm. 996 sq ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 831 dt. 2-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahemedabad

Date: 23-7-1983

(1) Nılam Alias Vasanti Hemandas Adnani Opp: Savlanı Estate. Ghod-dod Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajendra Govindial Parikh 10/1929, Vagehswari Pole, Soni-Falia, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2371/Acq/23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S No. 16/p, Flat 20 of Shivshankar Aptt. Part-II situated to the said Act.

at Umra, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per form No. 37EE dated 22-12-82 received in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 24-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be divelosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 20 of Shivshenkar Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Part-II, Umra, Surat S. No. 16 paiki adm. 590 sq. ft. The form No. 37 EE Dt. 22-12-82 was reed in this office on 24-12-1982.

R, R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedabad

Date: 11-7-1983

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Mohanlal Chhaganlal Hazqriwala B-10, Vallabhnagar Society, Karelibaug Baroda-390 018,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Dilip Chandulal Hazqriwala 14, Shrirang Society, Timaliavad. Nanpura, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2372/Acq/23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot-E, Wd. 1, Nondh-1308/A, Flat 3 of Gitanjali Co.op. Hsg. Socy. Ltd., situated at Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per form 37 EE dt. in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 of Gitanjali Co.op. Hsg. Socy. Ltd., situated at plot E, Wd. 1, Nondh-1308/A, Nanpura, Surat, adm. 600 sq. ft. The form No. 37 EE dt. 17-12-1982 was recd. in this office on 27-12-1982...

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2373/Acq/23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 1466 situated at Dholka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoika on 1-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Rabari Sartanbhai Vaghjibhai
 - 2. Shu Rabari Navghanbhai Verjibhai
 - 3. Kumari Rabari Jivatben D/o Saiji Hingolbhai
 - 4. Shri Rabari Haribhai Madhabhai 5. Shri Rabari Mohanbhai Khengarbhai
 - Mota Rabari Monandhai Khengarbhai Mota Rabarivas,
 Dholka,

(Transferors)

 Shah Pankajkumar Sumatilal 11, Shitalbaug, Paldi, Ellisbridge, Ahmedabad.

- Shah Sumatilal Chhotalal 11, Shitalbaug, Paldi, Elhsbridge, Ahmedabad.
- 3. Shah Nareshchandra Sumatilal 1, Bhagatbaug, Nava Sharda Mandir Road, Ilishridge Ahmedabad
- llisbridge, Ahmedabad.
 4. Shah Rajeshbhai Sumatilal
 26, Vasantkuni,
 Nava Sharda Mandir Road,
 Ellisbridge, Ahmedabad.
 5. Shah Bipinchandra Shantilal
- Shah Bipinchandra Shantilal 15, Jain Nagar, Nava Sharda Mandir Road, llisbridge Ahmedabad.
- llisbridge, Ahmedabad.

 6. Shah Dineshehandra Shantilal
 10, Shitalbaug, Paldi,
 Ahmedabad.
- Gosalia Ramniklal Sunderji 9/A, Sundervan, Brahamxtriya Socy., Ahmedahad

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dholka S. No. 1466 adm. A-3 f3-36. The document of transfer regd. with S.R. Dholka under No. 1216 dt. 1-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 30-7-1983 Seal:

Seal

(1) Shri Rana Pratapsinh Abhesinh Kanjari, Tal. Nadiad.

Jawaharnagar, Nadiad.

Nadiad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,-II, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2374/Acq/23/II/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
S. No. 31/1 situated at Kanjari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadjad on 16-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Charotar Agro. Chemicals & Fertilisers Ltd. C/o. (1) Fatesinh Abhesinh Rana, Kanjairi, Tal. Nadiad,

(2) Visandas Navalray Chandnani

(3) Jatinkumar Mahendrabhai Patel (4) Vishvarajsinh Dhirendrasinh Zala Sr. No. 3 & 4 Add, Chandralok Socy.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions usd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land & Bldg at Kanjari S., No. 32/1 Document of transfer regd. with S.R. Nadiad under No. 7673 dt. 16-12-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-7-1983

Seal.

FORM ITNS-----

(1) The International Chemicals Co. C/o Mukund Chunilal Patel Lakhavad, Nadiad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,-II, 2ND FIOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2375/Acq./23/II/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 296 situated at Salun

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 14-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income--tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-accion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——
43—236GI/83

(2) Shaktı Cold Storage & their partners

1. Shri Ramanbhai Vallavbhai Patel

2. Arvindbhai Vallavbhai Patel

2. Arvindbhai Vallavbhai Patel Lakhavad, Nadiad. 3. Kantilal Manilal Patel Mahelav, Tal. Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bldg. (Shed) at Salun Sim Document of transfer regd. with S. R. Nadiad under No. 7635 Dt. 14-12-1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,-II, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2376/Acq/23/II/83-84.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

S. No. 978 situated at Pratapnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 7-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamlaben Chandlal Gandhi "Gayatrikrapa",
 36-B, Baroda Peolpes Socy.,
 Alkapuri,
 Baroda-5.

(Transferor)

 Shri Hiralal Bhumjibhai Patadia 19, Jawaharnagar Society, R. V. Desai Road, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Pratapnagar S. No. 978. Document of transfer regd. with S. R. Baroda under No. 6955/7-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 (1) Shri Pravinkumar Chhanulal Gandhi Padi Pole, Near Mandvi, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Subodh Hiralal Patadia19, Jawahar Society,R. V. Desai Road,Baroda.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,-II, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th July 1983

Ref. No. P. R. No. 2377/Acq/23/II/83-84.—Whereas, I. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 978 situated at Pratapnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 7-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Pratapnagar S. No. 978. Document of transfer regd. with S. R. Baroda under No. 6956 Dt. 7-12-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-7-1983

(1) Shri Mohanlal Shivlal Modi Pipla Khadki, Ankeshwar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gayatri Organisors Piraman Naka Ankleshwar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THB INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,-II, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1983

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P. R. No. 2378/Acq/23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 539/1 paiki CS 3569 paiki plot 33-A paiki situated at station Road, Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar on 1-12-1982

Ankleshwar on 1-12-1982

Ankleshwar on 1-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Station Road, Ankleshwar S. No. 539/1, paiki, C. P. No. 3564 paiki Plot No. 33 paiki sq. mtrs. 32895. The document of conveyance was regd. with S. R. Ankleshwar under No. 3809 Dt. 1-12-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 1-8-1983

FORM ITNS----

(1)Shri Ambaben Kanchanlal Gandhi, Kansar Falia, Ankleshwar.

(2) Gayatri Organisers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

T OF INDIA Piraman Naka, Ankleehwar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 2nd August 9183

Ref. No. P. R. No. 2379 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 539/1, Paiki CS 3569 Paiki Plot 33-A, Paiki Station Road, Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 3-12-1982

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Station Road, Ankleshwar, S. No. 539/1, paiki SC. No. 3564 paiki plot No. 33 paiki sq. mtrs. 32895. The deed of conveyance was regd. with S.R. Ankleshwar under No. 3830 Dt. 3-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 2-8-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 2nd August 9183

Ref. No. P. R. No. 2380 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 353 C.S. No. 2683 paiki situated at Andadi Bhogal, Station Road, Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ankleshwar on 18-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1)Shri Ishverbhai Jethabhai Patel, Station Road, Andadi Bhagol, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Dr. Mahendra Jayantilal Soni, Soni Maternity Home, Station Road, Ankleshwar.

(Transferce)

Objections, if any; to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Station Road, Andadi Bhagol, Ankleshwar, S. No. 353 C.S. No. 2683 paiki adm. 266 sq. mtrs. The deed of conveyance was regd. with S. R. Ankleshwar under No. 3924 Dt. 18-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-III
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-8-1983

TNS (1) Shri Navroji Rustamji, Chala, Tal : Pardi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Apna Apartment, Partner S/Shri Manubhai Vadilal Shah, Daudbhai Karimbhai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 2nd August 1983

Ref. No. P. R. No. 2381 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 453/1, 454, 455, 456 & 468/1-2-3 situated at Chala Tal:

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Pardi on 1-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land at Chala, Tal Pardi, at S. No. 453/1, 454, 455, 456, 468/1-2-3, adm. Acre-17-05 Guntha. The document of conveyance was regd. with S. R. Pardi, under No. 1495 Dt. 1-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 2-8-1983

(1) Shri Nagarbhaji Vallabhbhai Patel, Chala, Tal: Pardi.

(2) Apna Apartment,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Partners: Manubhai Vadilal Shah, Daudbhai Karimbhai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 2nd August 1983

Ref. No. P. R. 2382 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 469 situated at Chala Tal: Pardi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on 1-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land at S. No. 469 situated at Chala, Tal: Pardi, adm. 3 Acre 38 G. The document of conveyance was regd. with S. R. Pardi, under No. 1496 Dt. 1-12-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-II
Ahmedabad-380 009

Date: 2-8-1983

(1) Shri Ratilal Chhotalal Bodawala & others, Kataigam, Gotalavadi, Smat,

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nandulal Shaileudra Das. & Others, 10/745, Ambaji Road, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 2nd August 1983

Ref. No. P. R. No. 2383 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Wd. 8, Nondh 1804 situated at Gopipura, Kirpa Ram

Mehta's Khancho, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & Buldg. at Wd. 8, Nondh-1804 at Gopipura, Kirparam Mehta's Khancho, Surat, land area sq. mts. 81-10-46 & Built up area in all 2216 sq. ft. The document of conveyance was regd. with S.R. Surat under No. 9409 dt. 14-12-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---44--236GI/83

Date: 2-8-1983

(1) Dr. Daya Swaroop

(3) Above seller.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Purshottam Prasad Gupta 2. Smt. Krishna Gupta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th August 1983

Ref. No. G.I.R. No. P-104/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. B-47

No. Plot No. B-47 situated at E. Road, Mahanagar Extension, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-47 situated at 'E' Road, Mahanagar Extension, Lucknow, measuring 947.58 sq. mtrs. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 257/82, which have duly been registered in the office of the District Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assis ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 4-8-1983

(1) Smt. Nita Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th August 1983

Ref. No. G.I.R. No. J-64/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot

No. Khasra No. 972/2 and 973

situated at Mauza-Lohna, Pargana-Bijnor, Teh. & Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Lucknow

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (!1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) 1. Sarder Jogender Singh

Sarder Baljeet Singh
 Sarder Mukhter Singh
 Sarder Jagir Singh

(Transferee)

(3) Above seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 39 bighas 4 Biswas (Khasra No. 972/2 and 973) situated at Mauza—Lohna, Pargana—Bijnor Tehsil & District—Lucknow, and all that description of the property which as mentioned in the sale deed and form 37G No. 279/82, which have duly been registered in the office of the District Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Srinivasa Buillers Pvt. Ltd. 1-2-593/4/A, Ramakrishna Mission Road, Hyderabad.

(Transferor) (2) Miss Umareddy, H. No. 6-3-1186/7, Begumpet, Hyderabad.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. RAC No. 359/83-84.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at Srinivasa Towers "A" at Begumpet Hyderabad ad-acasuring 1700 sft., registered by the S.R.O. Vallabhnagar measuring 1700 sft., registered by the S.R.O. vide document No. 2656/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date . 4-8-1983

(1) M/s. Bhagyanagai Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri T. P. Chandra Sekharan, 8-4-14 Srikishan Colony, Station Road, Warrangal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

SIONER OF INCOME-TAX

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 360/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Khairatabad on Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, at Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad admeasuring 912 sft. registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2342/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC No. 361/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have tenson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this office of the Registering Officer

at Khairatabad on December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Bhagyanagai Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad. (Transferor)

(2) Miss Chandana Reddy (Minor) d/o A. Stinivasa Reddy, 3-4-842, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat at Brindavan Apartment, Red Hills, Hyderabad admeasuring 1090 sft, registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2339/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983

(1) Sri V. Srinivasachari, H. No. 3-6-591, 591/1, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) St. Joseph's Education Society, Rep. by Secretary Sii U. G. Reddy, r/o Arvindnagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC No. 362/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Con.petent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule approved bereto)

No. Land situated at Himayathnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hyderabad on Dec, 1982

at Hyderanad on Dec. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

and/or

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land at Himavathnagar, Hyderabad admeasuring 220 sq. yds registe ed by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7937/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983

30m

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC No 363/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Begum Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderbad on Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) National Central Jamiatul Quresh, Society, Represented by its President and Secretary, H. No. 14-4-371, Begum Bazar, Hyderabad.
- (2) Sri Jagadish Prasad Devda, H. No. 15-7576, Begum Bazar, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Begum Bazar, Hydrabad admeasuring 1236 sft., and land area 163 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 8380/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. R. Musalappa Reddy, H. No. 10-3-311/21, 1st Road, Castle Hill Colony, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri Khaja Nasimuddin, H. No. 11-2-287, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAÇ No. 364/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.Plot situated at Guddimalkapur Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in Dec. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45-236GT/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Guddimalkapur admeasuring 532 sq. yds. registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2319/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983

FORM ITNS----

(1) Sri B. Ramayya Naidu, 14/334, N. Narappa Street, Madanapally, Chittoor Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Khaja Mohd, Sulaiman Shaju, H. No. 10-3-761/
 Vijayanagar Celony, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires (ater;

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 4th August 1983

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. RAC No. 365/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot situated at Guddimalka Khairatabad

No. Plot situated at Guadumalka Khairatabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been t ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in Dec. 1982

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1°57 (27 of 1957);

Open plot at Guddimalkapur admeasuring 520 sq.yds. registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2321/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983

FORM LT N.S.-

(1) Smt Lingala Kistamma, and Other, R o Gaddiannaram, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aiya Vysya Sangham, Rep by Sri Y. Rajaiah, H No 15-5-467, Ashoknagai, Hyderabad (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref No PAC No 366/83 84—Whereas, I, M IEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No House situated at Osmansbahi Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property at Osmanshahi Hyderabad admeasuring 3150 stt, and land area 236 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 8089/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabild (AP)

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Date 4-8-1983 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 367/83-84. Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Author ty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd., 1-2-593/4/A, Ramakrishna Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Coromandal Fertilizers Ltd., 126, S.D. Road, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 805 (8th floor) in Srinivasa Towers "A", Begumpet, Hyderabad admeasuring 4200 sft. registered by the S.R.O. Vallabhnagar vide document No. 2647/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-lection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Date: 4-8-1983

 M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd., 1-2-593/4/A, Ramakrishna Mission Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Coromandal Fertilizers Ltd., 126, S.D. Road, Sceunderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
'Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 368/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Dec, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 902 (9th floor) in Srinivasa Towers "A" Begumpet, Hyderabad admeasuring 4300 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2646/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 369/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at S.O. Majiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule' annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideraiton for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

 M/s Badam Apartments, Rep. by Sri B. Ramaswamy, H. No. 8-2 402, Road No. 5, Banjara Hills, Hyde, abad.

(Transferor)

(2) Sti Bahari Mohanlal, C'/o 'Badam Apartments', 6-3-905/A, Raj Bhawan Road, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat in "Badam Apartments" situated at Somajiguda, Hyderabad admeasuring 900 sft., registrered by the S.R.O. Hydera-bad vide document No. 8146/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 371/83-84.—-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat situated at Begunipet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 on 1908) in the Office of the Registering Officer at Vallabhnagar in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

(1) M/s. Srinivasa Builders Pvt. Ltd. 1-2-593/4/A, Ramakrishna Mission Road Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Joshi, 28, Transport Road, SBI Colony, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 608 in Srinivasa Towers 'A' situated at Begumpet, Hyderahad admeasuring 1600 sft, registered by the SR.O. Vallabhnagar vide document No. 2665/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983.

Scal ·

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Cresent Towers, Rep. by Dr. Wajidunnisa Begum, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Sri Syed Rashid Lateer, H. No. 5-7-9/1, Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad (A.P.), the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 370/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Flat situated at Masab Tank Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Cresent Towers, Masab Tank, Hyderabad admeasuring 1170 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 8211/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad (A.P.), the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 372/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in Dec. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—236GI/83

(1) M/s. Stinivasa Builders Pvt Ltd., 1-2-593/4/A, Ramakrishna Mussion Road Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bekelite Hylam I imited, 7-2-1669, Sanathnagar, Hydeiabad.

(Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 806 in "Srinivasa Towers A" at Beginnpet Hyderabad admeasuring 1350 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2632/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P.

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP.) Hyderabad (A.P.), the 4th August 1983

Ref. No. RAC No. 373/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Masab Tank, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Dec. 1982

that the immovable property having a fair market value

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Crecent Towers, Rep. by Dr. Wajidunnisa Begumpet, Banjara Hills, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Sri Mir Wajced Ali Khan, S/o Mr. Taher Ali khan, F. No. 404, M. No. 10-1-128/1/A/19, Masab Tank, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 at Masab Tank, Hyderabad admeasuring 1181 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 8210/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC No. 374/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 26

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing No. 9-4-86/175 situated at Salarjung, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri D. Neelakanteswara Rao, H. No. 9-3-86-175, Salatjung Colong Retibowli Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Smt. Farzana, W/o Saleh Mohd. Bin Mehfooz, H. No. 10-2-515, Asifnagar, Hyderabad (Transferee)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 325 sq.yds at Salarjung Colony, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2373/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 375/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-7/B situated A.C. Guards Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri D. Satyanarayana Murthy, GPA: Smt. Y. Lalitha 40, M.I.G.H. Colony, Mehdipatnam, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri D.V.P. Narasa Raju and Other, H.No. 10-2-7/B, A.C. Guards, Hyderabad (Transfero)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House property at A.C. Guards, Hyderabad admeasuring 1312 sft. and land area 444 sq.yds. registered by the S.R.O. Khairatabad vide document No. 2340/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983.

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri B. Peda Masthanaish & Others, Buja Buja, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Swamy Ayyappa Traders, Santhapet. Nellore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 376/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Land situated at Buja Buja Nellore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or the period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property wet land situated at Buja Buja, Nellore Taluk, Nellore Dt., admeasuring 1-29 acres registered by the S.R.O. Nellore vide document No. 47/82 and 48/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri T. Chandrasekara Reddy, S/o. Narayana Reddy, Nellore.

(Transferor)

 Smt., G. Gyanaprasuna, W/o. Seetharamanujulu, Nellore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 377/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. Land situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nellore in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market tvalue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned 1—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at D. No. 21/27, at Neilore registered by the S.R.O. Nellore vide document No. 5504, 5565/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983.

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMSISIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th August 1983

Ref. No. RAC. No. 378/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Buja Buja Nellore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nellore in Dec. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

 Sri Nune Penchalaiah, S/o Gangaiah, Buja Buja, Nellore Taluk, Nellore.
 Sri Boligarla Pitchaiah & Others, Buja Buja, Nellore Taluk.

(2) Swamy Ayyappa Teaders Santhapet, Nellore. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person niterested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wet land at Buja Buja Nellore, Nellore Taluk registered by the S.R.O. Nellore vide document No. 5412, 5473/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-8-1983. Seal:

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No./4484.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Abohar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax /.ct, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiatic proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karam Chand S/o Mangal Singh, R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Rai S/o Karam Chand and Sonu Ram S/o Balwant Rai R/o Sukhera Basti. Abohar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2579 of January 1983 of the Registering Authority, Abohar.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No./4485.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Obohar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in January 1983

Abonar in January 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following

persons, namely:-

47-236GI/83

(1) Shri Mohan Singh S/o Najar Singh R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Nihal Chand S/o Nand Lal, and Rajesh Kumar \$/o Nihal Chand R/o Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2847 of January 1983 of the Registering Authority, Abohar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

(1) Shri Mohan Singh S/o Najar Singh R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Varınder Kumar S/o Chuni and Ravi Kant S/o Ved Parkash

(Fransferee)

R/o Gaushala Road, Abbhar.

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JAL ANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No./4486.—Whereas, I J. L. GERDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Obohar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar in February, 1983

for an apparent consideration and which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3229 of February 1983 of the Registering Authority, Abohar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Rcf. No. A.P. No./4487.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Abohar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohan Singh S/o Najar Singh R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Romesh Chand S/o Tek Chand, R/o Bhaba Kokaria and Ashok Kumar S/o Shri Murari Lal R/o Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the sale deed No. 3609 of March, 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No./4488.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Abohar in January, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Singh S/o Najar Singh R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Partap S/o Sh. Sakfat Rai, and Smt. Neelam Devi W/o Satish Chander, R/o Fazilka.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2848 of January 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 5-8-19&

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No./4489.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in February 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Amar Singh S/o Najar Singh R/o Sukhera Basti, Abohur.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal, Abnash Chander SS/o Ghumandi Ram, R/o Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3227 of February 1983 of the Registering Authority, Abohar.

> L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

Seal 4

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No./4490.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar in March 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Amar Singh S/o Najar Singh, R/o Sukhora Basti, Abohar.

(Transferor)

- (2) Shri Prem Kumar S/o Tara Chand, and Narinder Pal S/o Phool Chand, R/o Abohar.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3606 of March 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No. / 4491.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

as per schedule situated at Abohar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in January 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Pal Singh Urf Kirpal Singh S/o Najar Singh, Sukheta Basti, Abohar. (Transferor)

(2) 1. Shri Mangal Sain,
R/o Bijid Pur Katian Wali Teh. Fazila,
2. Dharam Singh S/o Mukand Singh,
R/o Muradwala Dal Singh.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:~-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2849 of January 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No./4492.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Abohar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Abohar in February 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pal Singh Urf Kirpal Singh S/o Najar Singh R/o Suhera Basti, Abohar. (Transferor)
- (2) Shri Laxmi Narain, Ravi Kumar, SS/o Sh. Kundan Lal R/o Abohar.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3225 of February 1983 of the Registering Authority, Abohar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

cal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhai, the 5th August 1983

Ret. No. A.P. No./4493.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Abohai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar in March 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Pal Singh Urf Kirpal Singh, S/o Najar Singh R/o Sukhera Basti, Abohar. (Transferor)

(2) 1. Satish Kumar S/o Sh. Nihal Chand, R/o Abohar
2. Smt. Vimal W/o Nanak Chand R/o Mandi Dabwali

(Transferee)

(3) As per Si. No 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3607 of March 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 5-8-1983

Seal:

48-236GI/83

(1) Shri Sohan Singh S/o Najar Singh R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar S/o Murari Lal and Visu Rani W/o Ravi Kumar R/o Abohar.

ever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occapation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice,

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No./4494.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. as per schedule situated at Abohar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in January 1983,

Abonar in January 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2830 of January 1983 of the Registering Authority, Abohar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection .1) of Section 269D of the said Act to the following persone, namely :---

Date: 5-8-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 196f (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhai, the 5th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4495.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Abohar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in February, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Singh S/o Najar Singh R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

- (2) Shri Karam Singh S/o Mukand Singh R/o Muradwala Dal Singh, Mangal Sain R/o Bijid Pur Katian Wali Teh, Fazilka.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the sale deed No. 3224 of February 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4496.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Sohan Singh \$/o
 Shri Najar Singh, R/o
 Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Rani D/o Shri Kashmiri Lal, and Shri Rajinder Kumar S/o Shri Gian Chand, R/o Abohar.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registration sale deed No. 3608 of March, 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing, persons, namely:—

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhui, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4497—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subegh Singh S/o Shri Najar Singh, R/o Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) 1. Shrì Mangat Rui S/o Shrì Ghamandi Ram.
2. Shrì Parshotam Dass S/o Shrì Kundan Lal, R/o Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2851 of Jan., 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Datu . 5 8-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TÂX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4498.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Abohar on Feb.. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresal i property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Subegh Singh S/o Shri Najar Singh, R/o Sukhora Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan & Shri Hakumat Rai S/o Shri Hashmat Rai, R/o Gaushala Road, Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3226 of Feb., 1983 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4499.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18 per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(1) Shri Subegh Singh S/o Shri Najar Singh, R/e Sukhera Basti, Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar 5/0 Shri Mangal Sain and Shri Kura Ram S/o Shri Ladhu Ram, R/o Vijid Pur, Katian Wali, Teh. Fàzilka.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA f the said Act, shall have the same meaning ar-given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3605 of March, 1983 of the Registering Authority, Abohar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4500.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Maur Mandi; Tch. Talwandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Talwandi Sabo in Dec. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Shri Kartar Singh S/o Shri Shobha Singh, R/o Maur Kalan, Teh. Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) Shri Ashwani Kumar S/o Shri Bihari Lal, R/o C/o M/s. Mada Ram Milki Ram, Maur Mandi, Teh. Talwandi Sabo.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2411 of 12/82 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JALANDHAR

wing Date : 5-8-1983 Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4501.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Maur Khurd, Teh. Talwandi Sabo

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than after the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Karnail Singh, Shri Jarnail Singh. Shri Gursevak Singh. Shri Gurmail Singh SS/o Shri Sardara Singh and Smt. Shinder Kaur D/o Smt. Shinder Kaur D/o Shri Sardara Singh, R/o Ward No. 13, Maur Mandi, Teh. Talwandi Sabo.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Shri Ram Singh, R/o Maur Khurd (Ward No. 13), Teh. Talwandi Sabo.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2425 of 12/82 of the Registering Authority. Talwandi Sabo,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, JALANDHAR

Date: 5-8-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely:-

FORM 1.T.N.5.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4502 and 4504.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaitu on Dec., 1982 and Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harchand Singh 'urf' Chand Singh S/o Shri Sucha Singh and Shri Jarnail Singh a/o Shri Gurnam Singh and Shri Jalaur Singh S/o Shri Mangal Singh, R/o V. Sarvan, Teh. Jaitu, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh, Shri Jasbir Singh, Shri Jasbir Singh, Sa/o Shri Lal Singh, R/o V. Patti Saida, Jaitu, Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 15 Kls. 3 Mls, and 15 Kls. 2 Mls. situated in V. Jaitn and persons as mentioned in registeration sale deed Nos. 1272 and 1287 of dated December, 1982 and January, 1983 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GJRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JALANDHAR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the atomaski property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1983

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4503.—Whereas, I. I. L. GIRDHAR, being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,300 'and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Juitu on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Ruido Singh S/o
Shri Jalaur Singh and
Shri Chand Singh 'urf' Harchand Singh and
Shri Jarnail Singh \$/o
Shri Gurnam Singh \$/o
Shri Sucha Singh, R/O
V. Saravan Teh. Jaitu,
Distt. Faridhot.

(2) Shi Joginder Singh, Shri Jagsir Singh, Shri Jasbir Singh Sy/o Shri Lal Singh, R/o V. Patti Saida, Jaitu, Distt. Faridkot.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice! in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 11 Kls. 2 Mis. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1273 of dated December, 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JALANDHAR

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4505.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the In...me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Jan., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Goverdhan Datt S/o Shri Jagdish Ram, R/o N. A.-243, Kishan Pura, Jalandhar and Shri Kuldip Kumar S/o Shri Om Parkash, r/o N D-183, Bikuampura, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Satwanti Devi W/o Shri Mehar Chand, r/o E.K-215, Phagwara Gate, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereim assare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E. K. 215, situated at Paghwara Gete, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6907 of dated January, 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incom-tax
Acquisiton Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4506.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh S/O Shri Gurbax Singh, R/o V. Nagra tehsil Jalandhar Mukhtiar Khas of Smt. Ishar Kaur w/o Shri Kirti Karam Singh Mukhtiar-ai-Am of Smt. Swaran Kaur w/o Shri Bakhshish Singh, r/o Rly. Road.

(Transferor)

(2) Shri Buta Singh s/o Shri Dhanna Singh and Shri Malkiat Singh s/o Shri Darbara Singh, r/o V. Nagra Teh. Jalandhar,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 2 Kls. situated in Shaheed Babu Labh Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6142 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range, Jalandhar

Date: 5-8-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4507.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ref. 25 000/cord begins No. 25 market value exceeding the contract of the Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in Dec., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objet of :-

Shri Tarlok Singh \$/o
 Shri Suchet Singh R/o
 Village Bhagowal, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Surrinder Kaur D/o Shri Pritam Singh, R/o V. Bhagowal, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land 12 Mls. situated in Guru Nagar near Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registra-tion sale deed No. 6084 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, JALANDHAR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 5th August 1983

Ref. No. A. P. No./4508.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immerable property, having a fair nurket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kehar Singh s/o Shri Kesar Singh, r/o Patti Risal, Jaitu Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Bhag Singh S/O Shri Hari Singh, r/o V. Dal Singh Wala, Teh. Jaitu, Distt, Faridkot.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 6 Kls. situated in V. Jaitu and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1251 of dated December, 1982 of the Registering Authority, Jaitu.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, JALANDHAR

Date : 5-8-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th August 1983.

Ref. No. A.P. No. 4509.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Pur Hiran, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Hardial Singh s/o Mota Singh R/o Vill. Jal Bhain (Jalandhar) G.A. of Kuldip Kaur, R/o New Jagat Pura, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Chuni Lal s/o Devi Dayal, Surjit Kumar s/o Chuni Lal R/o Phadiana Teh. Jalandhar (1/3rd) Darshan Lal s/o Devi Dayal R/o Phadiana and Shivan Devi w/o Kasturi Lal, Phagwara Road, Karyana Dealer Opp. T.B. Hospital (1/3rd Share) Krishan Lal s/o Daryai Lal, Vill. Kotli, Jamiat Singh, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3963 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 6th August 1983

Ref. No A.P. No. 4510—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kanianwali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Muktsar on December, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—236GI/83

(1) Shrimati Surinder Kaur d o Harnam Singh s/o Atma Singh 1/o V. Kanianwali Teh. Muktsar through G. A. Baljit Singh 5/0 Randhir Singh 7/0 V Chak Attai Singh Wata, Tehsil Bhatinda. (Transferoi)

(2) Shii Harchand Singh s/o Bui Singh i/o Piem Nagai, near Govt. Higher Secondary School, Kapura Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As pci Si. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other purson interested in the property.

 (Person whom the undersigned konws to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Kanianwali and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2672 of December, 82 of the Registering Authority, Muktsai.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge,
Jalandhar

Date: 6-8-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONEROF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 6th August 1983

Ref No A.P. No. 4511.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Kanianwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsai on Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the rability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimat, let Kaur wd/o Harnam Singh r/o V. Kar anwa't Ich. Muktsat through Baljit Singh s/o Randnir Singh 1/o V. Chak Attar Singh Wala, Ichsil Bhatinda.
 - (Transferor)
- (2) C.: Un craid Siigh s/o Bur Singh r/o Prem Nagar, niar Govt. Higher Secondary School, Kot Kimula Distt. Fandkot.
 - (Transferee)
- (3) As per Si No. 2 above.
 (Persor in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned konws to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Kanianwali & persons as mentioned in the registration sale deed No. 2673 of December, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
'Jalandhar

Date: 6-8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTON RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4512.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

Muktsar on Dec 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kanianwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent, of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shrimati Tej Kaur Wd/o Harnam Singh, r/o V. Kanianwali Teh. Muktsar through Baljit Singh 5 to Randhir Singh 1/0 V. Chak Attar Singh Wala, Tch, Bhatinda,

(Transferor)

(2) Shtimati Jangir Kaur W/o Shii Harchand Singh, s/o Bur Singh r/o Prem Nagar, near Govt. Higher Secondary School, Kotkapura Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Kanianwali and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2674 of December, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-8-83

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. $\Lambda.P.$ 4513 to 4515.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kamanwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any lucome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagtar Singh s/o Shri Thaker Singh r/o V. Sakan Wali Teh. Muktsar.

· (Transferor)

(2) Shrimati Rajbir Kaur daughter of Shri Rajinder Singh \$/0 Jalaur Singh r/0 4-A, Lakha, Tehsil Karanpur.
2. Shri Daler Singh s/0 Bhola Singh and Harnek Singh s/0 Shri Banta Singh r/0 Chak-50F, Rup Nagar, Tehsil Karanpur and 3. Shri Dilraj Singh S/0 Shri Harbans Singh, r/0 V. Jagte Wala, Tehsil Karanpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Kanianwali and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2689, 2690 and 2842 of December, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 6-8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4516.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Bawa Khel, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jugal Sahni s/o Madan Lal of Basti Sheikh, Jalandhur Mukhtar-ai-am of Som Nath s/o Shri Narsing r/o Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Kumari Santosh d/o Nihal Chand 651, Sector, 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said-immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. situated in Basti Bawa Khel, Jalandhar and persons as mentioned in he registration sale deed No. 5881 of December, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No./4517.—Whereas I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Dec. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohinder Singh
S/o Shri Gajjen Singh
Self and G.A. of Arjan Singh,
Kartar Singh, Ajit Singh, Sucha Singh
ss/o Gajjen Singh
r/o Basti Sheikh,
Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Bhupinder Singh
 a/o Shri Mohinder Singh
 24-C, Model House, Jalandhar,
 2. Shri Gurbachan Singh
 s/o Shri Jaswant Singh,
 47-B, Model House, Jalandhar,
 3. Shri Gurdial Singh
 s/o Makhan Singh WR-35,
 Bara Bazar, Basu Sheikh, Jalandhar,
 4. Shri Kuldip Kaur
 w/o Resham Singh,
 151-Model House, Jalandhar,
 5. Shri Jaswinder Singh,
 s/o Shri Gian Singh
 r/o V. Talwan Tch. Phillaur,
 6. Shri Kasturi Lal
 s/o Shri Dehru Ram,
 125/12-B, Nagar, Jalandhar.
 7. Shri Amrik Singh
 s/o Beant Singh 82-A, Model House, Jalandhar.
 (Transefree)
- (3) As S. No. 2 above.
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 4 K-1 M-1301/2 S.ft. situated in Basti-Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6021 of 12/82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Jalandhar

Date: 6-8-83

Scal:

FORM I.T.N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AOT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 45188.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar Garha Wahunda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Puran Singh S/o Shri Labh Singh R/o V. Garha Wahinda, Jalandhar.

(2) Shri Sarup Singh S/o Shri Lakha Singh R/o V. Phazeditta Tehsil Hoshiarpur through Shri Savinderjit Singh S To Shri Ganga Singh.

(Transferee)

(Transferor)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 K-15 MIs, situated in Village Gatha Wahinda Teh, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6236 of dated of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4519.—Whereas I. J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Raj Kumar, Ramesh Kumar & Des Raj Ss/o and Smt Shano Wd/o Shri Ram Ditta, R/o Ward No. 15, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh S/o Shri Raghubir Singh and Shri Harbans Singh S/o Shri Partap Singh and Shri Kuldip Singh S/lo Shri Joginder Singh R/o Muktsar, and Shri Lachhman Singh

may be made in writing to the undersigned-

Shri Gurdip Singh R/o V. Thandewala Teh, Muktsar,

(Transferee)

to be interested in the property)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1600 Sq ft. situated in Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No 2786 of December, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref No. A.P. No. 4520.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in December 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) \$/Shri Raj Kumar, Ramesh Kumar & Des Raj Su/o and Smt. Shano Wd/o Shri Ram Ditta, R/o Ward No. 15, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh S/o Shri Raghbir Singh and Shri Jaspal Singh

S/lo Shri Ram Singh

R/o Saire Wala, Teh. Muktsar and Shri Sukhmandar Singh

S/o Shri Joginder Singh and

Shri Krishan Lal S/o Shri Behari Lal

R/o Muktsar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1600 Sq. ft, situated in Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2787 of December, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAP Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1983 Seal:

51-236GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Rof. No. A.P. No. 4521.-Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 67 situated at Basti Sheikh Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Jalandhar in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mohan Singh S/o Shri Rala Singh R/o Nijatam Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) S/Shri Prem Singh Amarjit Singh Harjit Singh & Inderjit Singh Ss/o Shri Tara Singh R/o Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kl. 3 Mls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5946 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4522.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. as per schedule situated at V. Ladhewali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

of the Registering
Officer at Jalandhar in December, 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Lal Chand
 S/o Shrl Sadhu Ram
 R/o V. Ladhewali Teh. Jalandhar,
 Mukhtiar-ai-am of Nihal Kaur
 Wd/o Shri Avtar Singh.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Kumar
S/o Shri Sat Pal
C/o Shri Sardari Lal
Saddar Bazar, Jalandhar.
(2) Smt. P. K. Dhillon W/o Maj. S. S. Dhillon,
Mohalla 21, Jalandhar Cantt.
(3) Smt. Kundanbir Kaur W/o Shri Amarjit Singh,
12/15, Jalandhar Cant.
(4) Sh. Inderjit Singh S/o Sh. Ishar Singh
X-225, Basti Nau, Jalandhar.
(5) Randhir Chander S/o Fateh Chand
Jasbir Kaur W/o Manjeet Singh
R/o Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kl. and 8 Ms. situated in V. Ladhewali and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6059 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1983

Scal:

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P No. 4523—Whereas I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. as per schedule situated at Maksoodpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering officer at Islandhar in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shanker Dass S/o Shri Attra through General Attorney Shri Joginder Pal R/o V. Naland Pur Tehsil Jalandhar.

(2) Smt. Narinder Kaur Oberol W/o Shri Gurcharan Singh R/o E.P. 183, Mohalla Khodian, Jalandhar. (Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 18 Mls. situated in V. Maksoodpur and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6136 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Dato: 6-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4524.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Maksood Pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Joginder Pal S/o Shri Shanker Dass R/o V. Baland Pur Tehsil Jalandhar Mukhtiar-ai-am of Sh. Shanker Dass S/o Shri Attra.

(Transferor)

(2) 1. Shri Joginder Singh S/o Arjan Singh R/o Model House, Jalandhar.
 2. Anil Chopra S/o Ram Chand

 Anil Chopra S/o Ram Chand
 C/o Shishu Model School, Nayya Bazav near Pucca Bagh, Jalandhar.

Jaswent Singh S/o Ajit Singh,
 R/o Sat Kartar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insusevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in V. Maksood Pur and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6291 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4525.—Whereas I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Omeer at Jalandhar in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Ast, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Haripal Singh S/o Shri Ujagar Singh (Cold Store) V. Kingra, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Kheterpal W/o Shri Hans Raj R/o Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicher period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4500 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6215 of dated December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Data: 6-8-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4526,—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Haripal Singh S/o Shri Ujagar Singh (Cold Store) V. Kingra, Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Charan Singh S/o Shri Sujan Singh R/o V. Khera Dona, Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 Mis. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6120 of dated December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 6-8-1983

16488

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4527.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Haripal Singh S/o Shri Ujagar Singh (Cold Store) V. Kingra, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Shri Pal Singh and Shri Ravinder Singh Gill S/o Shri Lachhman Singh R/o 511-Mota Singh Nagar, Jalandhar

(3) As Sr. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 19 Mls, situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6119 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4528,—Whereas I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jasbir Singh S/o Shri Shiv Singh Mukhtiar-ai-Am Sh. Balbir Singh R/o V. Deharian, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar,

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Narinder Kaur W/o Harnam Singh 2. Darshna Devi W/o Darshan Lal 3. Rakesh Kumar S/o Darshan Lal 4. Tarloki Nath S/o Roshan Lal 5. Kusam Lata W/o Ravinder Kumar 6. Vijay Kumar S/o Kulwant Raj

 - 6. Vijay Kumar S/o Kulwant Rai 7. Ranjit Kaur W/o Manmohan Singh 8. Amarjit Kaur W/o Inder Mohan Singh R/o E.Q. 400, Pir Bodla Bazar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6204 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant
> Commissioner of Income-task Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

16490

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4529.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Jasbir Singh S/o Shri Shiv Singh Mukhtiar-ai-Am Sh. Balbir Singh R/o V. Deharian, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar,

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

Sh. Ramesh Chugh S/o Hardial R/o House No. N.H. 173, Neela Mahal, Jalandhar.
 Rai Kumar Kapoor S/o Jagan Nath R/o H. No. 193/13, Neela Mahal, Jalandhar.
 Smt. Pooja W/o Vijay Kumar C/o Lalita Show Store, Bazar Puni Pir Jalandhar.

C/o Lalita Show Store,
Bazar Punj Pir, Jalandhar,
P. L. Chhabra S'o Nand
Smt. Raj Kumari W/o Madan Lal Rattan.
Ram Krishan Gupta S/o Atma,
Raj Kumar S'o Ram Krishan and
Naveen Gupta S'o Ram Krishan,
Sandin Gupta

9. Sandip Gupta
R/o EQ-430, saidan gate, Inlandhar and
10. Jagdish Chander S /o Mulkh Raj
R/o W.N. 154, Basti Danishrandan,

Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 5 Kls situated in V. Kingta and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6236 of dated December, 1982 of the Registering Authority Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ialandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4530.-Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Kingra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more-than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shri Shiv Singh
 Sho Shri Gurbax Singh
 R/o V. Deharian, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferor)

Shri Sat Pal S/o Charan Dass
 R/o V. Muchal Teh. Amritsur,
 Banwari Lal S/o Dharam Pal and
 Bimla Devi W/o Dharam Pal
 R/o V. Kanuwan Distt. Gurdas Pur,
 Parveen Kumari W/o Puran Shand
 R/o 146/2, Udham Singh Nagar,
 Lalandhar

R/o 146/2, Udham Singh Nagar, Jalandhar,

4. Santosh Siyal W/o Amai Nath and Parveen Siyal W/o Vijay Siyal R/o Tanda Distt. Hoshiarpur and

5. Ramesh Kumar S/o Kundan Lal and Madhwa Nand S/o Mukand Lal & Arun Kumar W/o Vijay Kumar & Mohinder Kaur W/o Balwant Singh & Anil Chopra S/o Ram Chand & Vinod Goel S/o Siri Ram R/o Jalandhar.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 5 Kls. 12 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6058 of dated December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-8-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4531.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. V. Kingra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Singh S/o Gurbax Singh r/o V. Deharian, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Mohinder Kaur W/o Balwant Singh r/o E Q-340, Chowk Rainak Bazar, Jalandhar. (2) Meena Bhandari w o A. K. Bhandari and (3) Amar Kaur w/o Amar Singh and (4) Tarlochan Singh S/o Manmohan Singh, (5) Narinder Kumar S/o Charanji Lal R/o V. Kandhala Teh. Jalandhar. (Transferce)
- "(3) As S. No. 2 above.

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kls. 6 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6275 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-8-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4532.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs Rs. 25,000/- and bearing No. as per scheduled situated at V. Kingra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

falandhar, in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Shiv Singh s o Gurbax Singh r o V. Dehanan, Teh. Nakodar, Distt. Jelandhar

(Transferor)

(2) Shri Prem Singh s/o Tulsi Ram r o V. & P.O. Balachaur Distt. Hoshiarpur. (2) Satnam Kaui w/o Lakhvinder Singh r/o V. Bhakhma Kalan Distt. Amritsar. (3) Balwant Singh s/o Kishan Singh, EQ-34, Rainak Bazai, Jalandhar (4) Nirmala Jam D/o N. K. Jain r/o 963, Mohalla Gobindgarh, Jalandhar. (5) A. K. Joshi S/o A. L. Joshi, R/o 9, New Jawahar Nagar, Jalandhar. (6) Arjinder Kaur W/o Harbir Singh Batra. 16-Banda Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

"(3) As S. No. 2 above.

(Person a occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kls. 9-1/2 Mls. situated in V. Kingia and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5758 of dated December, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-8-83. Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4533.-Whereas, I

J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per scheduled situated at V. Kingra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandbar, in Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

- (1) Shri Shiv Singh s/o Gurbax Singh r/o V. Deharian, Teh. Nakodar, Distt, Jalandhar
 - (Transferor)
- (2) Suman Sarpal w. o Devinder Sarpal, r/o Shiv Nagar, Sodal Road, Jalandhar. (2) Vinod Sharma w/o Subhush Sharma, S-245, Industrial area, Jalandhar. (3) Bachan Kaur w/o Baldev Singh, MES, Qr. No. 147/4/5, Ganga Road, Jalandhar Cautt. (4) Shashi 147/4/5, Ganga Road, Jalandhar Cantt. (4) Shashi Bala w/o Hari Bhalla, 56, Modern Colony, Jalandhar. (5) Surekha Bhalla w/o Kamal Bhalla, 56, Modern Colony, Jalandhar. (6) Sunita w/o Kuldip Kumar, 634/4, Mohalla Jatpura, Kapurthala. (7) Avtar Singh s/o Hakam Singh, 3357/8, Ambala City. (8) Harmohinder Kaur w/o Avtar Singh 41-Model Town, Jalandhar. (9) Krishan Chander s/o Jamna Dass V. & P.O. Bakhara, Teh. Phagwara. (10) Indu w/o Jagmohan and Usha Vijh w/o Rakesh Vij, r/o 167, Jawahar Nagar, Jalandhar (Transferee) (Transferee)
- *(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) facilitating the resuction or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land 5 Kls. 12-1/2 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5652 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalan-

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-8-83.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE. INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4534.—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule at V. Kingra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Singh s/o Gurbax Singh r/o V. Deherian, Teh. Nakodar, Distt. Jalandnar
- (Transferor)
 (2) (1) Shri Lahori Ram 6/0 Milkhi Ram. (2) Jito w/o Lahori Ram, (3) Mohinder Singh 5/0 Amar Singh, (4) Shunti Devi w/o Mohinder Singh. (5) Sidharath Kumar s/o Lahori Ram, (6) Gurnit Chand 5/0 Puran Chand. (7) Mohan Lal Jassi s/o Ram Chander. (8) Mohindo w/o Manohar Lal r/o 393 Abadpura, Jalandhar and (9) Narinder Kumar, Pawan Kumar Ss/o Jagat Ram 1/0 V. Khurla Kingra, Teh. Jalandhar.

(Transferees)

*(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 5 Kls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5958 of December 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-8-1983

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4535.—Whereas I.

16496

Ref. No. A.P. No. 4535.—Whereas I.

J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Khurla as per schedule situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

Khurla as per schedule situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ialandhar in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the annagent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Davinder Pal Singh s/o Waryam Singh and Harjinder Singh s/o Manohar Singh r/o near Sasta 1100 Store, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor) (2) Shri Gurcharanbir Singh s/o Dr. Kartar Singh and Surinder Kaur d/o Sh. Mohan Lal C/o Bahar Clinic, Jalandhar.

(Transferee)

⁴(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

[PART III—SEC. I

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl, 10 Mls. situated in V. Khurla and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5904 dated December, 1982 of the Registering Authority, Jelandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4536,—Whereas I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at V. Kingra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

53—236GI/83

(1) Shri Kashmira Singh s/o Maluk Singh r/o Ghugh-share Distt Jalandhur, Mukhtiar Khas Gurjit Singh s/o Amarjit Singh, 215, Sector 11-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kalicharan Lukhanpal s/o Brij Lal r/o WA-56, Guru Bazar, Jalandhar, (2) Kirpal Singh s/o Bhagat Singh 17/38, Jalandhar Cant. (3) Rajinder Singh s/o Kirpal/Singh, 17, Jalandhar Cant. (4) Kulwant Singh so Resham Singh r/o Jalandhar, (5) Savitri Devi w/o Ajudhia Nath, NA 36, Ajit Nagar, Jalandhar, (6) Kewal Singh s/o Nand Sngh, r/o V. Phul Teh. Nakodar, (7) Inderpal Singh s/o Pyara Singh, WA-32, Ali Mohalla Jalandhar, (8) Varinder Pal Singh s/o Gurbax Singh NN-507/1, Gopal Nagar, Jalandhar, (9) Ashok Kumar s/o Phul Chand, Model Town Road, Jalandhar.

(Transferee)

*(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the propert;

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 3 Kl. 14 Mls. 227 Sq. ft. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5761 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4537.—Whereas I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/ and bearing No. as per shedule situated at V. Kingra.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhar in Dec. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Balbir Singh s/o Shiv Singh r/o V. Dehrian, Teh. Nakoder Distt. Jalandhar through G. A. Ram Avtar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Joginder Kaur Sohel w/o Charanjit Singh and Joginder Singh s. o Budh Singh Pasricha, 416, Preet Nagar, Sodal Road, Jalandhar.
- (Transferee) *(3) As S. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property) *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6281 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said

Date: 6-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4538.—Wherens I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Khurla,

(an.1' more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money; or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shrimati Ahsa Augi w/o Kharaiti Lal r/o 52, Vijay Nagar, Jalandhar.
- (2) Shri Swaran Dass s/o Lakha Ram, (2) Bimla Kumari w/o Swaran Dass and (3) Sohan Lal s/o Lakha Ram r/o V. Gurah, Teh. Nakodar, Disti. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. 10 Mls. situated in V. Khurla and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6186 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4539.—Whereas I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the following the state of the following the state of the following the state of the following the following the state of the following t

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Sushil Kumar Bhalla s/o Mohan Lal r/o E.G. 830, Gobindgarh, Jalandhar G.A. of Charanjit Singh, Ravinderjit Singh Ss/o Harbhajan Singh r/o W.P. 156, Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Chand Kaur w/o Puran Singh r/o Jalandhar City.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 6003 of dated December, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th August 1983

A.P. No. 4540.—Whereas 1, Ref. No. A.P. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (1) Shri Kulwant Rai s/o Walaiti Ram, Mukhtiaream Hukam Chand, Ved Parkash, Darshan Lal Sa/o Hari Ram C/o Walaiti Ram Kulwant Rai, Mansa Mandı.
 - (Transferee)
- (2) 1. Lal Singh Sco Bhola Singh. 2. Surinder Pal Singh 8/o Lal Singh, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate procedeings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5434 of Dec. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> (J. L. GIRDHAR) Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 8-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4541.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda on December 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Kulwant Rai S o Walaiti Ram Mukhtiaream of Hukam Chand, Vice Parkash, Darshan Lal Sa/o Hari Ram C/o Walaiti Ram Kulwant Rai Mansa Mandi.

(Transferor)

(2) (1) Shrimati Kaushalya Devi W/o Sita Ram. (2) Sadhu Ram s/o Durga Singh.

(3) Vinod Kumar, Barjinder Kumar, Ashok Kumar Ss/o Manohar Lal.

(4) Basant Lal s/o Shiv Ram.

(5) Gurvinder Singh s/o Balbir Singh.
(6) Sat Narain s/o Daya Ram.
(7) Sita Ram. S/o Ladhoo Ram.
(8) Gurbux Singh s/o Bhan Singh, Bhucho Khuid C/o Parvesh Kumar Dalal, Janta Nagar of Paras Ram Nagar, Near Sirhind Canal, Bhatinda Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5435 of Dec., 1982 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 8-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4542.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

- (1) Shri Hazoor Singh S/o Havela Singh r/o Guru Nanak Pura, Bhatinda,
- (Transferor) (2) (1) Shu Paramjit Singh Bedi s/o Shri Rattan Singh
 - (2) Kulwant Kaur w/o Surinder Pal Singh.
 (3) Joginder Singh Bakshi.
 (4) Jaswant Kaur.

 - (5) Tirlok Singh Baksi.(6) Gurbux Singh Baksi r/o Lal Singh Basti near
 - Shiv Sow Mills, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5436 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 8-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4543 —Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per scheduled situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ayudhia Lal alias Yog Raj s/o Wazir Chand, Bhatinda.

 (Transferor)
- (2) Om Parkash S/o Jagdev Raj,
 (2) Jagdish Rai s/o Ram Lal, Bhatinda.
 (Transferge)
- '(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5466 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandbar.

Date: 8.8.1983,

FORM IINS-

NOTICE UNDER \$1 CTI IN 269-1 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jolanchar, the 9th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4551. Whereas, I. J. I., GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—236GI/83

(1) Shri Charan Singh s/o Harnam Singh, Goldsmith

(Traneferor)

(2) Krishna view o Gabu Ram and Madan Lal, Natesh Kumai Ss/o Babu Ram, Karyana Shop near Rly, Phatak, Main Bazar, Moga,

(Transferee)

(3) As S ≥ o 2 abov =

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person in crested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Kirs'ma Negar, Moga and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5979 dated 12/1982 of the Registering Auhority, Moga.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Jalandhar.

Date: 9-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 8th August 1983

Ref. No. AP/4552 & 4553.—Whereas, J. L. GIRDHAR,

being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per scheduled situated at Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on Dec., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tara Singh S/o Harnam Singh, R/o Basti Pir Dad Khan, Jalandhar. Tubewell No. H-48.

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh S/o Santa Singh, and Kirpal Singh, Mohinder Singh Ss/o Inder Singh, R/o 502-Kacha-Kot, Bast Bawa Khel, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 1 K 15 Mls, and 1 K, 16 Mls, situated in Basti Pir Dad Khan, Jelandhar and persons as mentioned in the registration sale deed Nos. 5727 and 5728 of dated December 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10.8.83,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 10th August 1983

Ref. No. A.P. No. 454.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per scheduled situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Dec. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shrimati Balbir Kaur W/o Joginder Singh, R/o Sehdev Market, Jalandhar. Mukhtiar Harnam Singh of Phagwara.
 - (Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh, S/o Naryan Singh, S/o Tulsa Singh R/o Sehdev Market, near GPO, Jalandhar. (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property lan darea 6 Mls. 33 Sq. ft. situated in Sehdev Market, Jalandhar and persons as mentioned in he registration sale deed No. 6077 of December. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10.8.83.

Seal #

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 10th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4555.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. as per schedule and situated at Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohinder Singh S/o Bela Singh, Parkash Niwas, Basti Danishmandan, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar S/o Kartar Chand and Kartar Chand S/o Bal Ram, Surrinder Kumar S/o Mehanga Ram and Vishwa Nath S/o Hans Raj R/o Basti Nau, Jalandhar. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any o. w. 5.750a interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 2 Kd. 14 Mls. situated in Basti Danishmandan, Jalandhar and persons as mentioned the registration sale deed No. 5889 of December. 1982 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10.8.83.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 10th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4556.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000, and bearing No. as per schedule and situated at Jalandhar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar in Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chazan Dase S/o Udho Rata. H. No. WD 264, Ali Mohalla, Julandhar. (Transferor)

(2) Kumari Suanti De v O to Kesar Dass, 143, Shakti Nagar, Jalandbar.

AND CONTRACTOR OF THE CONTRACT

(fransteree)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 10 Mls. situated in Nijatam Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5846 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10.8.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4557.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sohan Lal Kapoor S/o Karam Chand r/o Adda Hoshiarpur, Halandhar.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh s o Partap Singh r/o V. Isharwal, Tch. Jalandhar.

(Transferee)

³ (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 15 Mls. 45 Sq. ft. situated in Shiv Nagar, Sodal Road, Jalandhar and person as mentioned in the Registration sale deed No. 5940 of dated December, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4558.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Chak Hussain Lama Pind, Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Dec. 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Bimla Devi wd/o Om Parkash and Madhu Bhandari & Taruna Bhandari ds/o Om Parkash r/o 25, Subash Nagar, Jalandhar.

(Transfetor)

(2) Shri Brij Mohan s. o Hari Chand s/o Krishan Gopal Mohindru r/o Bazar Charat Singh near Jmam Nasar, Talandhar.

Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property factory building situated in Chak Hussain Lama Pind, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5803 of December, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-8-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th August 1983

Ref. No. A.P. No./4559.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in December, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ton Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sint. Sakuntala Devi, W/o Narinder Singh and Raj Kumar S/o Banarsi Dass, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Sh. Prem Chand, S/o Shivdittamal,
 2. Sh. Prem Sagar S/o Sohan Lal,
 3. Harminder Singh, S/o Bhagwant Singh,
 Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5578 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Islandhar

Date: 11-8-1283

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th August 1983

Ref. No. Λ.P. No./4560.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sakuntala Devi, W/o Narinder and Vill. Bibiwala.

(Transferor) (2) Smt. Sudesh, D/o Igbal Chand Khanna, R/o Basti Gujan, Jalandhar.

(Transforce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5582 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE- JALANDHAR

Jalandhar, the 11th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4561.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Boota Singh, S/o Jeet Singh, and Sukhvinder Singh, S/o Boota Singh, R/o H. No. 3305, Sidianwala Moh. Bhatinda.

 (Transferor)
- (2) Smt. Amarjit Kaur W/o Sukhdev Singh, C/o Harnam Singh, H. No. 7315, Haji Rattan Gali, Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5644 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-8-1983

16515

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4562,—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Harcharan Singh S/o Sh. Bakhtaur Singh, R/o Kothi Amarpura, Backside of Thermal Colony, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Mangat Ram S/o Chhajju Ram Barretta, 2. Brij Mohan S/o Om Parkash, Bhatinda. 3. Ranjit Singh S/o Kehar Singh, Vill. Pacca Kalan Teh. Bhatinda. 4. Saroop Chand S/o Bachna Ram R/o Talwandi Sabo.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5722 of Dec., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GJRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-8-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 11th August 1983

Ref. No. A.P. No. 4563.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Prem Kumar S/o Hari Ram, R/o Mchna Mohalla near Fort, Bhatinda.
- (Transferor) (2) Sh. Mohan Lal Garg, Advocate, Civil Courts, Bhatinda and Vijay Kumar S/o Hari Chand, Budhlada Mandi.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5822 of 12/82 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhai

Date: 8-8-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE- JAI.ANDHAR

Jalandhar, the 11th August 1983

Ref. No. A.P. No./4564.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shrimati Lal Devi Wd/o Sh. Nathu Ram, Moh. Jatpura, Opp. Kotwali, Kapurthala.
 - (Transferor)
- (2) Shrimati Jatinder Paul Kaur W/o Sh. Pritam Singh, C/o Sahai Photographers, Sadar Bazar, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person intertsted in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration safe deed No. 2716 of 12/82 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 10th August 1983

Ref. No. III-800/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M.S. Plot No. 1477, H. No. 716-B/716-C (Part), Ward No. VII B situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, P.O. Lalpur, Dt. Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 1-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Prakash Chandra Harlalka S/o Sri Bhagwan Das Harlalka,
 R/o Burdwan Compound, P.S.-Lalpur, Dist. Ranchi.
 (Transferor)
- (2) Smt. Sarita Devi Bajaj W/o Sri Mahabir Prasad Bajaj, R/o Upper Bazar, P. O. Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kathas 6 Chatak 7 sq. ft. with single storyed pucca building situated at Navin Chandra Mitra Lane, Mohalla-Burdwan Compound, P.S. Lalpur, Dist. Ranchi and more fully described in deed No. 9718 dt. 1-12-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 10-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1983

Ref. No. K-161/KNP/83-84.—Whereas, I,

BIBEK BANERJI, being, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 22-3-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Shree Prakash Gupta s/o Shri Laxni Narain Gupta R/o 77 Panchwati Canal Road, Cantt, Kanpur. (Transferor)
- (2) Shri Govind Prasad Jaiswal (H.U.F.) and Shri Ram Gopal Jaiswal s/o Late Lallu Ram R/o 133/38 Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) Shri Govind Prasad Jaiswal and Shri Ram Gopal Jaiswal (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 3s are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable Property No. 133/240 Block 'M' Kidwai Nagar. Kanpur.

BIBEK BANERJI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 2-8-1983

(1) Smt. Kamla Rani Gulati w/o Shri Bal Kıshan Gulati c/o Vijai Automobiles Manipur (Emphal)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sesh Narain Nagia, Ramesh Nagia and Sureah Nagia s/o Shri Laxman Das Nagia and Smt. Sushila Devi w/o Shri Laxman Das Nagia R/o 124A/7 Govind Nagpur, Kanpur. (Transferee)

(3) Tenant and Transferee.
(Person in occupation of the Property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd August 1983

Ref. No. K-35/KNP/82-83.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Immovable Property No. 124/M/7 Area 233 Sq. Yds. situated at Govind Nagar, Kanpur.

BIBEK BANERJI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-8-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 60/51, ERANDWANE, KARVE ROAD, PUNE

> > Pune-4, the 7th July 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84/210.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Office No. 202, 2nd Floor, Ambar Chambers, CTS. No. 28-A, Budhwar Peth, Pune-2 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acq. Range, Pune on 373/1983-84, Dt. 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—236GI/83

 Vishwamitra & Rathi, 103, Suyas Chambers, 1149, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Krishnaji Pandurang Bhonde, 40/32'Gopal Krishna', Bhonde Colony, Karve Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 202, 2nd Floor, Ambar Chambers, CTS. No. 28-A, Budhwar Pth, Pune-2. (145 Sr. Feet.)

(Property as described in the agreement to sale registered under No. 373/1983-84 on 13-5-1983 in the office of the I.A.C., Acq. Range, Punc,)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date . 7-7-1983 Seal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/61, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 26th July 1983

Ref. No. CA5/37EE/83-84.— Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 7, 2nd floor, Plot No. 126 sub-plot No. 10+11-S. No. 103 situated at Yerwada, Pune-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range, Pune in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mibility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Ramesh Builders, Dhiraj Chambers, 9, Waudhy Road, Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Khatri, 12 Mahendra Colony, 121 Nagar Road, Pune-411 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-7, 2nd floor, Plot No. 126, S. No. 103, Sub-Plot No. 10 & 11 Yerwada, Pune-6: (Area-600 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under No. 301 in the month of December 1982)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 21-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANE, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 29th July 1983

Ref. No. S.R. Maval/940/83-84.—Whereas, J, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Village Tungarli, Tal. Maval, R.S. No. 113 Hissa No. 1/B/2 & 113/IA F.P. No. 138 situated at Dist. Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Mayal, in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Mancklal Kalidas Mehta, 185, Prabha Kunj, Sion (W) Bombay.
 Residing at 28, Tulshiwadi, Oil. Tardeo Road. Bombay.
 (2) Shri Ramchand Dipchand Makhija.
 - (2) Shri Ramchand Dipchand Makhija. Residing at 28, Tulshiwadi, Off. Tardeo Road. Bombay.
 (3) Shri Gordhandas Ramchand Makhija
 - (3) Shri Gordhandas Ramchand Makhija Residing at 28, Tulshiwadi, Off. Tardeo Road. Bombay.
 - (4) Shri Biharilal Ramchand Makhija Residing at 28, Tulshiwadi, Off. Tardeo Road. Bombay.
 (5) Shri Bhajandas Ramchand Makhija
 - Shri Bhajandas Ramchand Makhija Residing at 28, Tulshiwadi, Off. Tardeo Road. Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Udharam Pahilraj Shahani,
 16, Stand House, Colaba, Bombay-5.
 2. Shri Ramchand Kevalram Shahani,
 - Shi Ramchand Kevalram Shahani, 61-B-Queens Apartments, Pali hill, Bandra.

(Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the acrvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Tungarli, Tal. Maval, Dist. Pune-Sub Plot No. 'B' out of final Plot No. 138 to T.P. scheme No. 1 admeasuring 1023 sq. meters Original R. S. No. 113 Hissa No. 1/B/2 and 113/1A.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1607 in the month of December, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 29-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Banglore-560-001, the 30h June 1983

Ref. No. R-20/Regn. No. 22/37EE/83-84/Acq/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property that the immovable p able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Matriz No. 16 and Survey No. 11/17 situated at Property known as "Xir de Cruz" Ward Cujica of Santa Cruz Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore under the Document No. 22/82-83 on 3-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri SILVESTRE ELVINO AUGUSTO GONSALVES Santa-Cruz, Ilhas-Goa.

(Transferor)

 Shri Mohan K. Kirtani, Block No. 3-Sadashiv Janki Prasad Dr. Dada Vaidya Road, Panaji, Goa.

2. Shri Eknath G. Sawaikar,
House No. M-94
Housing Board Colony,
Alto Porvorim, Goa.

3. Shri Sudan B. Naik, Prasad Building, Block A-1

Santa-Inez Panaji Goa. 4. Shri Prakash K. Borkar, C/o, D. B. Bandodkar and Sons, Dr. Atmaram Borkar Road,

Panaji—Goa.

5. Shri Vilas S. Ghadi,
C/o. D. B. Bandodkar & Sons. Dr. Atmaram Borkar Road,

Dr. Atmaram Borkar & Son Dr. Atmaram Borkar Road, Panaji—Goa.

6. Shri Vinay N. Laad, C/o V. V. Dukale, Naikawado, Calangute, Bardez—Goa.

7. Shri Gajanan K. Nanshikar, C/o. Krishna P. Raikar, House No. E-55
Mala, Panaji—Goa.

8. Shri Pramesh K. Raikar, C/o. Krishna P. Raikar, House No. E-55
Mala, Panaji—Goa.

9. Smt. Espy C. Fernandes, House No. E-65, Santa—Agosino, Santa—Cruz, Ilhas—Goa.

10. Smt. Sunanda V. Raikar, Raiturkar's House

Raiturkar's House
Dayanand Bandodkar Marg,

Miramar, Panaji—Goa.

11. Smt. Shilpa S. Dalvi,
C/o. S. S. Dalvi,
Caculo House, Opp. Shirwaikar Garage.

St. Inez, Panaji—Goa.

12. Shri Damodar S. Prabhu,
House No. 69,
Housing Board Colony,
Alta Banadar Alto Porvorim, Bardez-Goa.

(Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 22/82-83 dated 3-12-1982)

All that piece and parcel of the property known as "XIR DE CRUZ" being a Coconut GROVE situated in the Ward "CUJIRA" of Santa Cruz Village, Sub district of Ilhas—Goa.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 30th June 1983

Ref. No. R-40/Regn. No. 15/37EE/83-84/Acqn./B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 42-A. Plot No. 105 situated at Santa Inez: Taleigao

Ilhas—Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 15/82-83 on 3-12-1982.

at Bangalore under Document No. 15/82-83 on 3-12-1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 19.77 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Vinayak Nikanth Bhonsle. Mrs. Pushper Vinayak Bhonsle. St. Inez. Panaji—Goa.

(Transferor)

 Thaly's Homes and Estates. Susheela Building, Panaji—Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of pective persons, whichever period expires later; pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 15/82-83 dated 3-12-1982).

All that land which is known as "PREDIO URBANO DE CASAS" situated at TALEIGAO—SANTA INEZ. ILHAS—GOA.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1983

Ref. No. 55/Regn. No. 12/37EE/Acqn. B/83-84.— Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. 8-10 situated at Paliem of ucassiam of Bardez Tq. Dist. Goa (Near Napuse-Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at With the Competent Authority under Section 269AB in his office at Bangalore under Document No. 12/82-83 on 3-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Anthony Allehia Azanedo and
 Mrs. Philomena Azaredo, C/o Luis da Cunta, Solvmal Court II Floor, Gomes Pereira Road, Panjim, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Clanent Watter Gomes PAH. Dr. Nirguel Alberto De Costa Medical Practitioner R/o Sea-Breez, Niramur, Panji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any; to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 12/82-83 Dated 3-12-1982).

All that piece and parcel of the property admeasures an area of 4049 sq. m. known as "Dupem" of ucassaim situated at paliem of ucassaim of Bardez, Dist. Goa.

MANJU MADHAVAN
Completent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th July 1983

Ref. No. R. 50/Regn. No. 7/37EE/Acqn. B/83-84.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Chalta No. 84 Flat No. S/2, II Floor, (under construction) property known as Murmendalem situated at Vasco-da-Gama

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 7/82-83 on 3-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Kamat Real Estate Developers, F/1, Indira Apartments, Caetano Albuquerque Road, Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Maria E. Filomena Fernandes D/9 Junta Corner, Baina Vasco-da-Gama-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 7/82-83

Dated 3-12-1982)

Flat No. S/2 on II Floor of "Gabmar Apartments under construction on the property known as "Murmendalem" situated at Vasco-da-Gama, Goa.

MANJU MADHAVAN
Comptetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1983

Ref. No. R-66/Regn. No. 50/37EE/83-84.—Acqn. B.—Whereas, I, MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. registered in Revenue Office under No. 225-Shop No. G-2 "Sanjeev Apartments" (to be constructed) property known as "BOGTANCHO DANDO" or "COMBA" situated at Comba behind Police Station Near Manovikas School Margao-Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 50/82-83 on 2-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and_or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. V. Naik and Associates Builders and Estate Developers 393, Comba, Margao, Goa,

(Transferor)

(2) Mr. John Salinas X Reveredo Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period over the persons of the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dated 2-2-1983) (Registered Document No. 50/82-83

Shop No. G-2 Ground floor in the Building named "San-jeev Apartments" under Construction in the property known as 'BOGTANCHO DANDO" or "COMBA" behind Police Station Near Manovikas School, Margao-Goa.

MANJU MADHAVAN Comptetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1983

R. 67/Regn. No. 51/37EE/83-84/Acqn.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land registration No. 23337 Shop G-3 "Sanjeev Apartments" (to be constructed) property known as "BOGTANCHO DANDO" or "COMBA" situated at Comba behind Police Station, near Manovikas School, Margoa, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at/with the Competent Authority under section 269AB in her office at Bangalore under Document No. 51/82-83 on 2-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
57—236GI/83

 M/s. V. Naik and Associates Builders and Estate Developers 393, Comba, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. John Salinas Xavier Reveredo C/o, Nirmala Housing Co-op. Society, Margao, Goa-403601.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 51 '82-83, dt. 2-2-83). Shop No. G-3 Ground floor in the Building named "Sanjeev Apartments" under construction in the property known as "BOGTANCHO DANDO" or "COMBA" behind Police Station, near Manovikas School, Margao, Goa,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-6-1983

(1) M/s. V. Naik and Associates Builders and Estate Developers, 393, Comba, Margao, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sayeeda Abdul Razack, W/o Abdul Razack, C/o Hotel Penguin, Margao, Goa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1983

R. 69/37EE/Regn. No. 45/83-84/Acq.B.—Whereas, I, MANYU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. G-8, Ground floor (to be constructed) Regd. in Revenue Office under No. 225) situated at Comba, behind Police Station, Margao, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at/with the Competent Authority under section 269AB in her Office at Bangalore under Document No. 45/82-83 on

2-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay-tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 45/82-83, dt. 2-2-83). Shop No. G. 8, Ground floor to be constructed in the property known as "COMBA" under the name and style of "SANJEEV APARTMENTS" at Comba behind Police

Station, Margao, Goa.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 30-6-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s V. Naik and Associates Builders and Estate Developers 393, Comba, Magao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Shaikh Zaimuddin C/o Mr. A. Razack Margao, Goa.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th June 1983

R. 70/37EE/Regn. No. 48/Acqn.B/83-84.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

registered in Revenue Office under No. 225—Shop No. G-9, Sanjeev Apartments (to be constructed) property known as "BOGTANCHO DANDO" or "COMBA" situated at Comba, behind Police Station, near Manovikas School, Margao, Goa with the competent Authority u/s 269AB in his office at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at/with the Competent Authority under section 269AB in her office at Bangalore under Document No. 48/82-83 on 2-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 48/82-83, dt. 2-2-1983).

Shop No. G-9, Ground floor in the building named "SAN-JEEV APARTMENTS" under construction in the property known as "BOGTANCHO DANDO" or "COMBA" situated at behind Police Station, near Manovikas School, Margao, Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th July 1983.

R. 108/Regn. No. 52/37EE/83-84,—Acqn. B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing registered No. 1558 Shop No. 22 "Trinora Apartments' (Construction just started) situated at New Bazar, Panjim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at/with the Competent Authority under section 269AB in her office at Bangalore under document No. 52/82-83 on 9-2-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent Consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M/s. Kamat Real Estate Developers, F/1, Indira Apartments, Caetano Albuquerque Road, Panaji, Goa.

(Transferor)

 Mr. Harishchandra P. Chodankar, Nerul, Bardez, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 52/82-83, dt. 9-2-83). Shop No. 22 on the Ground floor in the Building named "Trinora Apartments"—Construction just started in the property known as "Baru Letta", Panaji, Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th August 1983

C.R. No. 62/36884/82-83/ACQ./B.--Whercas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 40 (212) situated at O.T. Pet Cross, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

nas been transferred under the Registering Officer at G. Nagar under document No. 2771/82-83 on 4-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Thimmarju,
 S/o Late Sri M. Chintaginyappa,
 D. No. 108, East V Lane,
 I.T.I. Township,
 Doorvaninagar P.O.
 Bangalore-16.

(Transferor)

 Shri K. Hajee Habeebar Rahaman, No. 40, Old Tharagupet, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2771/82-83 dated 4-12-1982). All that property bearing No. 40(212) situated at O.T. Pet Cross, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-8-1983

 Shri V. A. Krishnamurthy, No. 11, Osborne Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. S. Sundarmurthy Trust, Repd. by trustee Smt. S. Neelaveni, No. 25, Annaswamy Mudaliar Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 4th August 1983

C. R. No. 62/36707/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9E situated at St. John's Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 2854/82-83 on 17-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2854/82-83 dated 17-12-1982) All that property bearing No. 9E, situated at St. John's Road, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri B. M. Nanjundaiah alias M. N. Naidu, S/o H. N. Muniramaswamy, No. 45, 18th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

S/o Late B. Narayan Madhyastha, No. 10, Seshadri Road,

(2) Shri B. Seetharamiah,

Bangalore.

(Transferor)

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560 001 Bangalore-560 001, the 4th August 1983

C. R. No. 62/37396/82-83/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 45 situated at 18th Cross, Malleswaram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. Nagar, under document No. 4320/82-83 on 3-2-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4320/82-83 dated 3-2-1983) All that property bearing No. 45, situated at 18th Cross, Malleswaram, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tyAcquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 1st August 1983

C. R. No. 62/37223/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37 (Eastern portion) situated at Surveyor's Street, Basavanagudi, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B. Gudi under document No. 3331/82-83 on 17-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Alamelu Natesan, Late Natesan & Others, P. A. holders, No. 6, Ganesh Ram Colony, Annamalipuram, Madras.

(Transferor)

(2) Shrimati M.S. Vidya Vathi, S. B. Road, V. V. Puram, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3331/82-83 dated 17-12-1982)

All that property bearing No. 37, situated at Surveyor's Street, Basavanagudi, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, hte 5th August 1983

C. R. No. 62/36929/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21 & 22 (New No. 1) situated at Lalbagh, Siddapura, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jayanagar, under document No. 3303/82-83 on 27-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——58—236GI/83

(1) Sri G. Muniraju No. 17, 12th Main Shivanahally, Rajajinagar Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Sri Syed Ansar, Fruit Merchant Dasarabeedl, Devanahally Town, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3303/82-83 dated 27-12-1982)

All that property bearing No. 21 & 22 (New No. 1), situated at Lalbagh, Siddapura, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1983

FORM I.T.N.S.—--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th August 1983

C. R. No. 62/37197/82-83/ACQ/B,--Whetens, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Ra 25,000/and hearing

No. 1874 situated at Banashankarl, II Stage, Extn., Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. Nagar, under document No. 3113/82-83 on 13-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri J. Gundu Rao, No. 312, V Main, II Cross, N. R. Colony, Bangalore.

(2) Shri H. N. Nagaraj, No. 1903, 31st Cross, Banashankari, II Stage, Bangalore. (Transferor)

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3113/82-83 dated 13-12-1982) All that property bearing No. 1874 situated at Banashankari, II Stage, Extn., Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-8-1983

(1) Shri S. Srinivasa Murthy. No. 13, 15th Cross, Cubbonpet, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. T. Khubchandani, Somerset Apartments, 46/18, M. G. Road, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

C. R. No. 62/37178/82-83/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 278 situated at Binnamangala Extn., Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, under document No. 2802/82-83 on 9-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2802/82-83 dated 9-12-1982; All property bearing No. 278 situated at Binnamangala Extn., Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

C. R. No. 62/36928/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23 & 24 situated at Lalbagh, Siddapur, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, under document No. 3304/82-83 on 27-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri G. Muniraju
 No. 17, 12th Main Road,
 Shivanahally, Rajajinagar,
 Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri Rehman Sharief No. 6, Rudrappa Compound H. Siddiah Road, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3304/82-83 dated 27-12-1982) All that property bearing No. 23 & 24 situated at Lalbagh, Siddapur, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

C. R. No. 62/36678/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71 situated at 10th Cross Rajmahal Vilas Extn., Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay under document No. 1156/82-83 on 7-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the raid Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok V, Hiremath 5, Jalkiran 35, Cuffeo Parade, Colaba Bombay-400005.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Hiranand Jagtiani
Chief Promoter, Rajmahal Happy Home Co. op.
Housing Society Ltd.
No. 81, Rajmahal Vilas Extn.,
9th Cross Road, Bangalore-560080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter..

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1156/82-83 dt. 7-12-1982). 1/4 share in site No. 71 situated at 10th Cross Rajmahel Vilas Extension, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

C. R. No. 62/37315/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71 situated at 10th Cross, Rajmahal Vilas Exten., Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay under document No. 1157/82-83 on 29-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Suresh V. Hiremath
 Jalkiran
 Cuffe Parade, Colaba,
 Bombay-400005.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Hiranand Jagtiani, Chief Promoter, Rajmahal Happy Home Co-op. Housing Society Ltd., No. 81, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1157/82-83 dt. 29-1-1983). 3/16th share on site No. 71 situated at 10th Cross, Rajmahal Vilas Extn., Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) (1) Shri P. Subramani

(2) S. Babu

(3) S. Raghu (4) P. Ravi,

457, Kempa Nanjamma Agrahara, Mysore-1. (Transferor)

(2) M/s. G. R. Enterprises, 42, P. V. R. Road, Jolly Mohalla, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th August 1983

C. R. No. 62/3666/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

under Section 269B of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 115 situated at Lalbagh Fort Road, V. V. Puram,

Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Basavanagudi under document No. 3165/82-83 on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3165/82-83 dated Dec 1982) 1/8 share of the property bearing No. 115 situated at I albagh Fort Road, V. V. Puram, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-8-1983

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T. Angamuthu, No. 42, P. V. R. Road, Jolly Mohalla, Bangalore-2.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) M/s. G. R. Enterprises, No. 42, P. V. R. Road, Jolly Mohalla, Bangalore-2.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th August 1983

C. R. No. 62/36655/82-83/ACQ/B.—Whreeas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. New 115 situated at Lalbagh, Fort Road, V. V. Puram,

Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavanagudi under document No. 3144/82-83 on Dec.

1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(Registered Document No. 3144/82-83 dated Dec. 1982) 1/4th share of the property bearing No. New 115 situated at Lalbagh, Fort Road, V. V. Puram, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-8-1983

(1) Shri K. Manohar & two Othres, Veeue Sheshanna Road, Mysore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. G. R. Enterprises, No. 42, P. V. R. Road, Jolly Mohaila, Bangalore,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th August 1983

C. R. No. 62/36659/82-83/ACQ/B.—Wherens, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 115 situated at Lalbagh, Fort Road, V. V. Puram, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Basawanagudi under document No. 3108/82-83 on Dec. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3108/82-83 dated Dec. 1982) 1/6th share of the property bearing No. 115 situated at Lalbagh, Fort Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th August 1983

C. R. No. 62/36660/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 115 situated at Lalbagh, Fort Road, V. V. Puram,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Basawanagudi under document No. 3130/82-83 on 4-12-1982

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. Kandaswamy, Veene Sheshamma Road, Mysore.

(Transferor)

(2) M/s. G. R. Enterprises, No. 42, P. V. R. Road, Jolly Mohalla, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3130/82-83 dated 4-12-1982) 1/12th share in property bearing No. 115 situated at Lalbagh, Fort Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-8-1983

(1) Shri T. Perumal & P. Raju, Kempa Nanjamma Agrahara, Mysore-1. (Transferor)

(2) M/s. G. R. Enterprises, No. 42, Jolly Mohalla, P. V. R. Road, Bangalore-2.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th August 1983

R. No. 62/36658/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, -MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

o.mg the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 115 situated at Lalbagh Fort Road, V. V. Puram,

Bangalore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basawanagudi under document No. 3192/82-83 on Dec.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official, Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3192/82-83 dated Dec. 1982) 1/8th share of the property bearing No. 115, situated at Lalbagh, Fort Road, V. V. Puram, Bangalore-4.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 10-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Bangalore. (2) M/s, G.R. Enterprises, No. 42, P.V.R. Road,

(1) Shri T. Kuppuram, No. 39, Mill road, Cottonpet Cross,

(Transferor)

Jolly Mohalla, Bangalore-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th August 1983

C.R. No. 62/36657/82-83/ACQ/B.--Whereas, I MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 115 situated at Lalbagh Fort Road, V.V. Puram, Bangalore-4,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Basavanagudi under document No. 3191/82-83 in December

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3191/82-83, daetd Dec. 82) 1/4 share in property bearing No. 115, situated at Lalbagh Fort Road, V.V. Puram, Bangalore-4.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pangalore

Date: 10-8-1983

Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Prabhu V. Hiremath, No. 5, Jal Kiran,
 Cuffe parade, Colaba, Bombay-400 009.

(Transferor)

(2) Ashok Hiranand Jagtiani, Chief promoter, Rajmahal Happy Home Co-op, Housing Society, Ltd. 1.0. 31, Rajmahal vilas Extension, 9th Cross Road, Bangalore-560080.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

C.R. No. 62/37314/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 71 situated at 10th cross Raimahal vilas Extension

No. 71 situated at 10th cross Rajmahal vilas Extension, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bombay under document No. 1155/82-83 on 29-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow

ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1155/82-83, dated 29-1-83) 1/4th share in site No. 71 situated at 10th cross, Rajmahal—vilas Extension Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1983

(1) Shrimati Kusum V. Malekopmath, C/o Mr. V. R. Hiremath, 5. Jalkiran, 35, Cuffe parade, Colaba, Bombay-400005.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

No. 62/37316/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 71 situated at 10th Cross, Rajmahal vilas Extension

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay under document No. 1158/82-83 on 29-1-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Chief promoter Rajmahal Happy Home Coop Housing Society Ltd. No. 81, Rajmahal vilas Extension, 9th Cross road, Bangalore-560080.

(2) Ashok Hiranand Jagtiani,

(Traneferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this noiteer
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1158/82-83, dated 29-1-83) 1/8th share in site No. 71 situated at 10th Cross, Rasimahal vilas Extension, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-8-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

C.R. No. 62/36679/82-83/ACQ/B.—Whereas, I

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71 situated at 10th Cross, Rajmahal vilas Extension, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay under document No. 1159/82-83 on 7-12-1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Vijaya V. Hiremath,
 Jalkiran, 35.
 Cuffe parade Colaba,
 Bombay-400003.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Hiranand Jagtiani, Chief promoter, Rajmahal Happy Home Coop. Housing, Society Ltd. No. 81, Rajmahal vilas— Extension 9th Cross road, Bangalore-560080.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1159/82-83, dated 7-12-82) 3/16th share in site No. 71 situated at 10th Cross, Rajmahal vilas Extension, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1983

FORM ITNS-----

 Shri B. M. Somasundara Sharma, No. 1595, III Cross, K. R. Mohalla, Mysore,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati 'G. K. Vanaja, W/o Sri D. G. Gopal, No. 386, Bazaar Street, Salem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

C.R. No. 62/37222/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 92, 92/1, 92/2, 92/3, 92/4 & 92/5 (Site No. 17), situated at Thyagaraja Road, Fort Mohalla, Mysore (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore city under document No. 4285/82-83 on 10-12-82, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4285/82-83, dated 10-12-1982) All that property bearing No. 92, 92/1, 92/2, 92/3, 92/4 & 92|5 on site No. 17 situated at Thyagaraja Road, Fort Mohalla Mysore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 5-8-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th August 1983

C.R. No. 62/37553/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Impecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18 situated at Main road, whitefield, Bangalore, Sougth Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. under document No. 6624/82-83

on 14-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-60-236G1/83

(1) Mrs. Edna Browne, 18, Main road, Whitefield, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s SISA Social Welfare Services, 141, Atur terraces, 19, Cuffe parade, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 6624/82-83, dated 14-12-82) All that property bearing No. 18 situated at main road, whitefield, Bangalore Souh Tq.

> MANJU MADHAVAN
> Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th August 1983

C.R. No. 62/36649/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

Weing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tag Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred tor ass the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 352 sluated at Koramangala II phase, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. under document No. 4974/82-83 on December 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the punties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely:---

(1) Shri K. S. Menon. AH 240 Plot 3518, Annanagar, Madras, P.A. Holder V.G. Nedungadi, No. 91, Nandidurg Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. P. N. Pakkar Koya, P.A. Holder, Sri T.P. Imbachammad, 1332, II Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said: Act, shall have the same meaning as given: in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4974/82-83, dated Dec 82) All that property bearing No. 352 situated at Koramangala II: phase, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th August 1983

C.R. No. 62/37003/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, 20/1 & 20/2 (old No. 20 & 18) situated at I Cross, Basavanna Temple Street, Avenue Road Cross, Bangalore-53.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi nagar under document No. 2943/82-83 on 20-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shrimati Thimmalakshwamma.
 - 2. D. Srinivasamurthy. 3. D. Venkateshmurthy,
 - 4 D. Narasimhamurthy

No. 656, VI Block, Rajajinagar, Bangalore-10, (Transferor)

(2) 1. Smt. Bhagyalakshmma,
2. Shri N. Seetharama Gupta,
20, I Cross, Basavanna Temple St.,
Avenue road, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 stays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inconvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein is are defined in Chapter XXA of the nead Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2943/82-83, dated 20-12-82) All that property bearing No. 20/1 & 20/2 (old No. 20 & 18) situated at I Cross, Basavanna Temple Street, Avenue road cross, Bangalore-53.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th August 1983

C.R. No. 62/37224/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing
No. 54, 54/1 & 54/2 situated at Subbarama Setty road,
Basavanagudi, Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi under document No. 3310/82-83 on 16-12-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh R. Mattada, Scientist, Defence, Food Laboratory, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri B. M. Ramakrishna, 1135, Ashok Nagar, Mandya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 3310/82-83, dated 16-12-82) All that property bearing No. 54, 54/1 & 54/2 situated at Subbarama Setty road, Basavanagudi, Bangalore-4.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th July 1983

C.R. No. 62/37264/82-83/ACQ/B-Whereas, I MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 29 situated at I cross, Srirampuram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram under document No. 3495/82-83 on 20-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri N. Hemantha & N. Ashok, No. 43, II Cross, Lakshmi Nilaya, Okalipuram, Bangalore.

(Transferor)

 M/s. B. V. Aswathaiah & Bros., No. 183, Nagarthpet, Bangalore,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3495/82-83, dated 20-1-83) All that property bearing No. 29 situated at I Cross, Srirampuram, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th July 1983

C.R. No. 62/36695/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Corapetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act') in the reason to be a second to be property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sy. No. 1-10 situated at Kundachery Village, Bagman-

dala Nad, Coorg District.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara under document No. 880/82-83 on 13-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri Y. Mohd. Kunhi.

2. Y. Abdulla Kunhi. C/o M/s. Y. Moideen Kunhi & Co. Ashok Nagar, Mangalore-575 008,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sushila Dhirajlal.

Neena Bharat.
 Usha Arun.

Harshada J. Banker, 17/C, Navyug Society, Ambavadi, Ahmedabad.
 Medha Hemant.

Sangita S. Banker, 109, Saket Rao Houses, Memnagar, Ahmedabad. C/o Dhirajlal Vithalii Banker,

Bunder, Mangalore-1.
Repd. by: Sri Hemantbhai Dhirajlal, "Sushil" Falnir, Mangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 880/82-83, dated 13-12-82) All that property bearing Sy. No. 1-10 situated at Kunda-cheri Village, Bagamandala Nad, Coorg, District.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANBALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th July 1983

CR. No. 62/36690/82-83/Acq/B.--Whereas, I MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B: of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13/8 situated at Front of Navajvothi Studio, Swimming Pool Road, Chamaraja Mohalla, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore city under document No. 4438/82-83 on

20-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transforce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. S/Shri Anasury Kantha Raju alias Anasuyamma,
 - 2. B. K. Jai Raju.
 - 3. B. K. Nagarathua.
 - 4. B. K. Indrani.
 - B. K. Vasantha Kumari.
 B. K. Shamala.

 - 7. B. K. Savithri and 8. B. K. Prakash Babu

Kapila Estate, Kuduregundi, Chickmagalur District (Camp: Mysore).

(Transferor)

(2) Shrimati Leelavathy, W/o Sri Ramesh Kumar, No. 2678/2, IV Cross, Kalidasa Road, V. V. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4438/82-83, dated 20-12-82) All that property bearing No. 13/8, situated at front of Navajyothi Studio, Swimming Pool road, Chamaraja Mohalla, Mysore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st August 1983

CR. No. 62/36702/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37/22, situated at Meanee Avenue Road, Civil Station, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. Nagar under document No. 2929/82-83 on 23-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Mrs. Marie Krishnan, W/o Mr. C.R. Krishnan, No. 37/22, Meanee Avenue Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Gaffar Shariff, . Mrs. Rehama Begum, W/o Gaffar Shariff, at No. 60, Central Street, Civil Station, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2929/82-83, dated 23-12-82) All that property bearing No. 37/22, situated at Meanee Avenue Road, Civil Station, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st August 1983

CR. No. 62/36705/82-83/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 236, situated at Binnamangala Extension, Indiranagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. Nagar, under document No. 2867/82-83 on 18-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income of any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—236GI/83

 Dr. S. Nagendra, S/o R. Shivaram, No. 148, IX Main Road, Lakkasandra Extn., Bangalore-30,

(Transferor)

(2) Shri T. N. Narandra Reddy, C/o T. Narayana Reddy, No. 1/11, Ulsoor Road, Bangalore-42.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2867/82-83 dated 18-12-82) All that property bearing No. 236 situated at Binnamangala Extension, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 1-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Masjid-E-Azam,

No. 111, Jumma Masjid Road, Bangalore-1.

(1) Shri Maharaj Parmanand, No. 6, IX Ćross, I Block, Kumara Park,

Bangalore.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th August 1983

CR No. 62/36738/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

transfer with the object of :-

and bearing
Nos. 341, 345, 346, 347, 350,351 and 352 situated at
Jumma Masjit Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer — at S. Nagar under document No. 3025/82-83 on 3-1-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period with 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3025/82-83 dated 3-1-83) All that property bearing Nos. 341, 345, 346, 347, 350. 351 and 352 situated at Jumma Masjid Road, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri K. K. Damodaran,
 S/o Late M. V. Krishnan,
 PWD Contractor,
 Gowli Street, Madikeri.

(Transferor)

(2) Smt. I. K. Sumitra, W/o I. P. Malappa, Karada Village, Madikeri Tq.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 25th July 1983

CR. No. 62/36697/82-83, Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 112/8, situated at Gowri Street, Madikeri,

Block No. 13, Coorg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mecara under document No. 871/82-83 on 9-12-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 871/82-83 Dated 9-12-82)
All that property bearing No. 112/8 situated at Gowli
Street, Madikeri, Block No. 13, Coorg.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-7-1983

 Shri D. Narayanappa, Smt. Jayamma, No. 43, III Cross, Lakshmi Nilaya, Okalipuram, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. B. V. Aswathaiah & Bros., No. 183, Nagarthpet, Bangalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th July 1983

CR. No. 62/27263/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing
No. 29 situated at I Cross, Srirampuram, Bangalore-21
(Northern Portion)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

1908) in the office of the Registering officer at S. Puram under document No. 3496/82/83 on 20-1-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3496/82-83 dated 20-1-1983)
All that property bearing No. 29, situated at I Cross, Srirampuram, Bangalore (Northern Portion).

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-7-1983

Scal :

(1) M/s. Powertronics

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Piyush Gulabrai Chandarana & Master Rajiv Suresh Chandarana

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd August 1983

Ref. No. AR-II/37-EE/153/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Gala No. A/29, 1st floor, Kandivli in Bonanza Industrial Estate, Village Wadhwan Near Kandivli, Bombay

situated at Kandivli

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala No. A-29 on the 1st floor, at Kandivli in Bonanza Industrial Estate, at Village Wadhwan near Kandivli in Greater Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACQN.II/108 dated 15-12-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-text Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-8-1983

FORM I.T.N.S .---

(1) Smt. Gharubai Arjun Mahtre & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) R.B.I. Employee's Siddhivinayak Co. Op. Housing Society Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1983

Ref. No. AR-II/3472 "82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 208, H. No. 9, CTS No. 2244 situated at Eksar, Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oflice of the Registering officer at Bombay on 13-1-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2845/1982 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 13-1-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-8-1983

Soal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1983

Ref. No. AR-III/2288/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 65 H. No. 2, S. No. 65, Hissa No. 3 (part) Survey No. 66 Hissa No. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 & 8 and Survey No. 67 Hissa No. 3 situated at Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 24-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following ing persons. namely:-

(1) 1. Keshav Prasad Dwivedi 2. Ishwarlal Naranji Shah

(Transferor)

- (2) Moral Udyog Premises Co.Op. Society Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-4768/72 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 24-12-1982,

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-8-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. AR-I/4828/82-83.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing C.S. No. 485 of Malabar & Cumballa Hill Division, Plot No. 67 situated at Laburnam Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Shrikant Nagappa Mangeshikar & Dr. Mrs. Shalini Shrikant Mangeshikar.

(Transferor) (2) Mr. Prashant Shrikant Mangeshikar & Mr. Tushar Shrikant Mangeshikar.

(Transferee)

(3) 1. Dr. Shrikant N. Mangeshikar.
2. Dr. Mrs. Shalini S. Mangeshikar
3. Dr. Mangeshikar Clinic &

4. Mr. C. P. Soni.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of the official Gazette or a pe 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed BOM.1015/79 and registered on 8-12-1982 with the Registrar, Bombay.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1983

(1) M/s. Padma Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Shantaram Deu Savant.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-1/37EE/91/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Flat No. 1, 4th floor, Padmavati Apt. situated at Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Excilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62-236GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in tha Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 4th floor, Padmavati Apartment, Parel, Bombay-400 012. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I 67, 82-83, dated 6-12-1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 12-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. AVQN RANGE-1 371-E/27/83-84.—Whereas, I. R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1, 4th floor, Padmavati Apt. situated at Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Padma Development Corporation.
 - (Transferor)
- (2) Shri Gajanan Dhondu Shetye.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Padmavati Apartment, Parel, Bombay-12. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN.RANGE-I/37EE/58/82-83.

R. K. BAQAYA
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, AHMEDABAD

Date: 12-8-1983

Scal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Rajani Gopaldas Khilwani.

(Transferor)

(2) Mr. P. P. Pradhan & Mrs. K. P. Pradhan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Rcf. No. ACQU. RANGE-I/37EF/21/83-84—Whereas, I,

R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Unit A-42, Royal Indl. Fstate situated at Wadala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 23-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. A-42, 3rd floor, Royal Industrial Estate, Wadala, Bombay-400 031. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, on 23-12-1982 under Serial No. ACQN. RANGE-I/88/82-83.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1983

(1) M/s Padma Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. D. P. Dalvi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 12th August 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ACQN. RANGE-1/37EE/28/83-84.—Whereas, I. R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat at 2nd floor, Padmavati Apartment situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at 2nd floot, Padmavati Apartment, Parel, Bombay-12. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN, RANGE-1/ 59/82-83 dated 6th December, 1982.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date : 12 8-1983

(1) M/s Padma Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Palini S. Chikhale.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/29/83-84.—Whoreas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat I at 3rd floor, Padmavati Apartment situated at Parel,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 6-12-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the property as accordance for such the property as accordance to the property as a pro the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weilth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat I at 3rd floor, Padmavati Apartment, Parel, Bombay-400 012. The agreement has been registered by the Compatent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/37EE/60/82-83 dated 6-12-1982.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th August 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/66/83-84.—Whereas, I, R. K. BAOΔYA, being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Flat No. 1, 1st floor, Padmavati Apartment situated at Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the !ability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1f of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Padma Development Corporation.
- (2) Mr. Vasant Shankar Vaidya.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Padmavati Apartment, Parel, Bombay-400 012. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/61/82-83 dated 6-12-1982.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-8-1983

Scal:

- (1) 1. Cecilia w/o Ignatius Manuel Gonsalves.
 - 2. Maggie Rose Gonsalves.
 - 3. Francis M. Gonsalves, and 4. Joseph Norbert Gonsalves.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Reserve Bank Staff Shram-Safalya Co.op Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1983

Ref. No. AR-II/3461/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 85, H. No. 15 & final Plot No. 57 of TP Scheme V, situated at Vilc Parle.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 20-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2264/78 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 20-12-1982,

S. H. ABBAS ABIDE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

subving Date: 11-8-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Prakashchandra Babulal Sanghyi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II

BOMBAY
Bombay, the 4th August 1983

Ref. No. AR-II/37-EE-178/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 351/1 to 6 & 350/1 to 6 situated at Malad (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-12-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32 on third floor in Gokul Apartment on plot bearing C.T.S. No. 351/1 to 6 and 350/1 to 6 of Village Malad at Gaushala Lane, Offg. Daftary Rd., Malad (E), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACQN Range-II/123 dt. 18-12-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1983

(1) Mrs. Irene Rodrigues.

(Transferor)

(2) Dr. Shashikant Pranjivandas Hazariwalla

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th August 1983

Ref. No. AR-II/37EE/214/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C/5 on 2nd floor in 'Ganga' at Malad (West), with car parking space situated at Malad (W)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay in December, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumnet of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/5 on 2nd floor in 'Ganga' at Malad (West) with car parking space. The agreement has been registered by the Competent authority Bombay under serial No. Acqn. Rang-II/164 dated December 1982.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authoriy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-8-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1983

Ref. No. ACQN. RANGE-I/37EE/67/83-84.— Whereas, I, R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25/000/- and bearing No.

Office Block No. 306, Adamji Bldg, situated at Narsi Natha Street.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kohinoor Water Proof Works.

(Transferor)

- (2) Harshad Chhotalal Doshi & Ila Harshad Doshi.
 (Transferee)
- (3) Harshad Chhotalal Doshi & Ila Harshad Doshi,
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day; from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Block No. 306, Adamji Building 413, Narsi Nathar-Street, Bombay-400 009. The Agreement has been registered by the Competent Authority on 21-12-1982 under Serial-No. ACQN. RANGE-I/85/82-83.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1983

Ref. No. AC-38/Acqn. R-IV/Cal/83-84.-Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Mccome-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 36/1 situated at Shibpur Road, Dist: Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howras on 30-12-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Balai Chandra Sett, 5/4/7, Hazarath Kalitala Lane, Santragacha, Dist: Howrah.

(Transferor)

(1) Shri Sankarnath Ghose, 141. Indra Biswas Road, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1 Cloth 8 Chattaks 25 Sq. Ft. land with Building. Address: 36/1, Shibpur Road, P. S. Shibpur, Dist: Howrah. Deed No. 7499 of 1982.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54-Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 2-8-1983 Scal :